RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 11 अंक 193
लखनऊ, बुधवार, 5 मई, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
लखनऊ संस्करण

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित
पायनियर
www.dailypioneer.com

ट्विटर ने कंगना का अकाउंट स्थाई रूप से बंद किया
विविध-12

बंगाल में हिंसा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची भाजपा

- मोदी ने राज्यपाल से बात की, राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर जताया क्षोभ
- बंगाल में चुनाव बाद हिंसा ने बंटवारे के दिनों की याद दिला दी हैः जेपी नड्डा

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली, कोलकाता

पश्चिम बंगाल में चुनाव परिणाम आने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के विरुद्ध हुई हिंसा को लेकर भाजपा सुप्रीम कोर्ट पहुंची है। वहीं एक अन्य याचिका सुप्रीम कोर्ट में ही तमिलनाडु के इंडिक कलेक्टिव ट्रस्ट ने वकील सुविदत्त एम एस के माध्यम से दायर की है, जिसमें में पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद व्यापक हिंसा का आरोप लगाया गया और राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने, केंद्रीय बलों की तैनाती और लक्षित हिंसा की जांच शीर्ष अदालत के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश से कराने का अनुरोध किया गया है। उधर प्रधानमंत्री ने राज्यपाल जगदीप धनकड़ से बात कर राज्य में कानून व्यवस्था की गंभी स्थिति पर क्षोभ जताया है। भाजपा नेता गौरव भाटिया ने पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा विधानसभा चुनाव से पहले, चुनाव के दौरान और बाद में कथित रूप से हत्या और बलात्कार (शेष पेज 9)

कोलकाता में चुनाव बाद हिंसा में मारे गए पार्टी कार्यकर्ता अभिजीत सरकार के परिजनों से मिलने पहुंचे भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा व अन्य पार्टी नेता

चुनाव बाद हिंसा से करीब 300-400 भाजपा कार्यकर्ता भागकर असम पहुंचेः सरमा

भाषा। गुवाहाटी

असम के मंत्री हिमंत बिस्व सरमा ने मंगलवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हुई हिंसा के बीच वहां से करीब 300-400 भाजपा कार्यकर्ता एवं उनके परिवार के सदस्य भागकर पड़ोसी राज्य आ गए हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी से लोकतंत्र को बदरूप होने से बचाने की अपील भी की। असम के स्वास्थ्य एवं वित्त मंत्री ने ट्वीट किया, एक दुखद घटनाक्रम में बंगाल भाजपा के 300-400 कार्यकर्ता और उनके परिवार के सदस्य घोर अत्याचार एवं हिंसा की मार के बाद असम के धुबरी पहुंच गए। उन्होंने कहा, हम (उन्हें) आश्रय एवं भोजन दे रहे हैं। ममता दीदी को (शेष पेज 9)

कोरोना कर्फ्यू में कोई भूखा न रहेः योगी

- कहा, हर जिले में खोलें सामुदायिक रसोई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जिलों में सामुदायिक भोजनालयों के संचालन किये जाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना कर्फ्यू के कारण कहीं भी किसी श्रमिक, ठेला, रेहड़ी व्यवसायी, दिहाड़ी मजदूर को भोजन की समस्या नहीं होनी चाहिए। कृषि उत्पादन आयुक्त को इस बारे में जरूरी कदम उठाने की जिम्मेदारी दी गई है। औद्योगिक इकाइयों में भोजन का आवश्यकतानुसार प्रबंध करने को कहा गया है।

कोविड-19 महामारी के प्रबंधन की समीक्षा करते सीएम योगी ने कहा कि कोरोना संक्रमण की श्रृंखला तोड़ने के लिए सरकार लगातार जरूरी कदम उठा रही है। वर्तमान में छह मई सुबह सात बजे तक आंशिक कोरोना कर्फ्यू प्रभावी है और इस अवधि में आवश्यक और अनिवार्य सेवाएं जारी रखी जाएं। मुख्यमंत्री ने घरों में रहकर इलाज करा रहे कोविड 19 संक्रमित मरीजों को ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था बनाते हुए आदेश दिए कि सभी जिलों में एक-एक ऑक्सीजन रीफिलर को घर में आइसोलेट मरीजों को आपूर्ति करने के लिए नामित किया जाए। अगर किसी मरीज के परिजन सिलिंडर रीफिलिंग के लिए प्रयासरत हों तो उनकी मदद की जाए। पुलिस द्वारा उनके किसी प्रकार के उत्पीड़न किये जाने की शिकायत न आये। अपर मुख्य सचिव गृह इस संबंध में आवश्यकतानुसार कार्रवाई कराएं। प्रदेश में ऑक्सीजन की आपूर्ति बेहतर करने के लिए सभी जरूरी प्रयास किये जा रहे हैं।

योगी ने कहा कि लखनऊ में एचएएल द्वारा 250 बेड का अस्पताल जल्द ही क्रियाशील ही जायेगा। स्वास्थ्य विभाग द्वारा यहां के लिए मानव संसाधन की व्यवस्था कराई जाए। इसी तरह लखनऊ और वाराणसी में डीआरडीओ के सहयोग से सभी सुविधाओं से युक्त नया कोविड अस्पताल भी तैयार किया गया है। केजीएमयू में 140 बेड और बढ़ाए जाएंगे। लखनऊ में ही कैंसर अस्पताल में विशेष कोविड डेडिकेटेड अस्पताल क्रियाशील (शेष पेज 9)

लखनऊ में कैंसर संस्थान में बनाए गए कोविड अस्पताल का निरीक्षण करते सीएम योगी आदित्यनाथ

कैंसर अस्पताल में कोविड मरीजों की भर्ती शुरू

लखनऊ। कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर में प्रदेश में सर्वाधिक प्रभावित लखनऊ के लिए एक और बड़ी सुविधा की शुरुआत होगी। सीएम योगी आदित्यनाथ ने लखनऊ में सुलतानपुर रोड पर कैंसर अस्पताल में बने कोविड वार्ड का आज निरीक्षण किया। इसके बाद उन्होंने यहां पर संक्रमितों को भर्ती करने के लिए हरी झंडी दे दी है। सीएम ने मंगलवार को लखनऊ में अपने सरकारी आवास पर मंगलवार को टीम-9 के साथ वीडियो कांफ्रेंसिंग से कोरोना वायरस के संक्रमण और निदान की समीक्षा करने के बाद सीधा सुलतानपुर (शेष पेज 9)

कोरोना संक्रमित रोगियों की घटी संख्या, ज्यादा हुए स्वस्थ

- लखनऊ में 5079 रोगी स्वस्थ, 2407 नए संक्रमित मरीज
- प्रदेश में 38683 मरीज किए गए डिस्चार्ज, 25858 नए मामले

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

हाल के दिनों में कोरोना संक्रमण के रफ्तार में कमी देखने को मिली है। पर नए मरीजों की संख्या में गिरावट के साथ ही मृत्युदर काफी तेजी से बढ़ रही है। मंगलवार को कोरोना संक्रमण के चलते सबसे ज्यादा 352 मरीजों की मौत हुई है। जबकि 25858 नए कोरोना संक्रमित मरीज मिले हैं। राजधानी लखनऊ में 2407 नए संक्रमित मरीजों के बीच 22 मरीजों की मौत के मामले सामने आए हैं। आज लखनऊ में 5079 और प्रदेश में 38683 मरीजों को डिस्चार्ज किया गया है। पूरे प्रदेश में वर्तमान में 2726568 केस व लखनऊ में 33689 एक्टिव केस हैं।

अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि मुख्यमंत्री के निर्देशानुसार प्रदेश में बड़ी संख्या में टेस्टिंग कार्य करते हुए टेस्टिंग क्षमता निरन्तर बढ़ायी जा रही है। गत एक दिन में कुल 2,08,558 सैम्पल की जांच की गयीए जिसमें से 1 लाख 18 हजार से अधिक आरटीपीसीआर में माध्यम से जांच की गई। प्रदेश में अब तक कुल 4,18,00,223 सैम्पल की जांच की गयी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना से संक्रमित 25,858 नये मामले आये हैं तथा 38,683 मरीज संक्रमणमुक्त हुए हैं।

प्रदेश में कुल कोरोना के एक्टिव मामलों में से 2,22,876 व्यक्ति होम आइसोलेशन में हैं। इसके अतिरिक्त मरीज सरकारी एवं निजी चिकित्सालायों में इलाज करा रहे है। प्रसाद ने बताया कि सर्विलांस की कार्यवाही निरन्तर (शेष पेज 9)

भारत में कोरोना के मामले दो करोड़ के पार

नई दिल्ली। भारत में कोविड-19 के मामले दो करोड़ का आंकड़ा पार कर गए हैं और महज 15 दिनों में संक्रमण के 50 लाख से अधिक मामले आए हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मंगलवार को जारी आंकड़ों के अनुसार, कोरोना वायरस के एक दिन में 3,57,229 नए मामले आने से संक्रमण के मामले बढ़कर 2,02,82,833 पर पहुंच गए जबकि 3,449 और लोगों के जान गंवाने से मृतकों की संख्या 2,22,408 पर पहुंच गई है। भारत में कोविड-19 के मामले 19 दिसंबर को एक करोड़ का आंकड़ा पार कर गए थे जिसके 107 दिन बाद पांच अप्रैल को संक्रमण के मामले 1.25 करोड़ पर पहुंच गए। हालांकि महामारी के मामलों को 1.50 करोड़ का आंकड़ा पार करने में महज 15 दिन लगे। सुबह आठ बजे तक उपलब्ध आंकड़ों के अनुसार, उपचाराधीन मरीजों की संख्या बढ़कर 34,47,133 हो गई है जो संक्रमण के कुल मामलों का 17 प्रतिशत है। कोविड-19 से स्वस्थ होने वाले लोगों की दर 81.91 प्रतिशत है।

भारत-ब्रिटेन ने व्यापक रणनीतिक साझेदारी के लिए रोडमैप 2030 को मंजूरी दी

- मोदी-जॉनसन के बीच हुए शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों पक्षों ने वाणिज्यिक भागीदारी की शुरुआत करने की भी घोषणा की

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

पीएम नरेंद्र मोदी और उनके ब्रिटिश समकक्ष बोरिस जॉनसन ने मंगलवार को दोनों देशों के संबंधों को व्यापक रणनीतिक साझेदारी की ओर ले जाने के लिए महत्वाकांक्षी रोडमैप 2030 को मंजूरी दी। मोदी और जॉनसन के बीच हुए शिखर सम्मेलन के दौरान दोनों पक्षों ने वाणिज्यिक भागीदारी की शुरुआत करने की भी घोषणा की।

विदेश मंत्रालय ने इस भागीदारी को एक और कीमती घोषणा करार दिया। जॉनसन के कार्यालय से जारी एक बयान में कहा गया कि भारत और ब्रिटेन के बीच एक बिलियन पौंड के नए व्यापार और निवेश की पीएम द्वारा की गई घोषणा से ब्रिटेन में 6,500 से अधिक नौकरियां सृजित होंगी। इस पैकेज में ब्रिटेन में 53.3 करोड़ पौंड का नया भारतीय निवेश शामिल है। इससे स्वास्थ्य और प्रौद्योगिकी जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में 6,000 से अधिक नौकरियां सृजित होने का अनुमान है।

बयान के अनुसार इसमें सीरम इंस्टीट्यूट का 24 करोड़ पौंड का निवेश शामिल है। यह निवेश ब्रिटेन में टीका कारोबार और नए बिक्री कार्यालय में किया जाएगा। इससे एक अरब डॉलर से अधिक का नया कारोबार सृजित होने का अनुमान है। भारतीय विदेश मंत्रालय ने दावा किया कि इस शिखर सम्मेलन ने भारत और ब्रिटेन के बीच एक नए अध्याय की शुरुआत की है और साथ ही कहा कि यह रोडमैप लोगों के बीच संपर्क, व्यापार और अर्थव्यवस्था, रक्षा और सुरक्षा, जलवायु और स्वास्थ्य जैसे अहम क्षेत्रों में अगले 10 सालों तक गहरे संबंधों और मजबूत आदान-प्रदान का रास्ता साफ करेगा।

बयान में कहा गया कि एक और बड़ी घोषणा दोनों देशों के बीच बढ़ी व्यापार साझेदारी को दर्शाती है। यह पूछे जाने पर कि विजय माल्या और नीरव मोदी जैसे भगौड़े के प्रत्यर्पण को लेकर क्या दोनों नेताओं के बीच कोई चर्चा हुई, विदेश मंत्रालय ने कहा कि आर्थिक भगौड़ों के प्रत्यर्पण के लेकर बातचीत हुई। बैठक के दौरान मोदी ने कहा कि आर्थिक भगौड़ों को सुनवाई के लिए जल्द से जल्द भारत भेजा जाना चाहिए।

बिहार में 15 मई तक लॉकडाउन लागू

पायनियर समाचार सेवा। पटना

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कोविड-19 के मामलों में बढ़ोतरी के कारण राज्य में 15 मई तक लॉकडाउन लागू करने की मंगलवार को घोषणा की। नीतीश ने मंगलवार को ट्वीट कर कहा, कल सहयोगी मंत्रीगण एवं पदाधिकारियों के साथ चर्चा के बाद बिहार में फिलहाल 15 मई तक लॉकडाउन लागू करने का निर्णय लिया गया।

इसके विस्तृत मार्गनिर्देशिका एवं अन्य गतिविधियों के संबंध में आज ही आपदा प्रबंधन समूह को कार्वाई के लिए निदेश दिया गया है। बिहार में सोमवार को कोविड-19 के 11407 नए मामले आने के साथ ही 82 और लोगों की मौत हो गई थी। बिहार गृह विभाग (विशेष शाखा) द्वारा जारी एक आदेश में कहा गया है कि चार मई को आपदा प्रबंधन समूह की बैठक में राज्य में कोरोना संक्रमण की वर्तमान स्थिति की समीक्षा की गई। समीक्षा के क्रम में पाया गया कि राज्य में संक्रमण दर पिछले एक सप्ताह से निरंतर 10 प्रतिशत से अधिक बनी हुई है। आदेश में कहा गया है, अतः वर्तमान स्थिति के परिपेक्ष्य में स्थितियों पर व्यापक नियंत्रण के लिए पांच मई से 15 मई तक सभी स्कूल, कॉलेज, कोचिंग संस्थान, ट्रेनिंग एवं अन्य शैक्षणिक संस्थान बंद रहेंगे। इस अवधि में राज्य सरकार के विद्यालय एवं विश्वविद्यालय द्वारा किसी भी तरह की परीक्षाएँ भी नहीं ली जाएँगी।

आदेश में कहा गया है कि सभी धार्मिक स्थल आमजनों के लिए बंद रहेंगे। सभी प्रकार के सामाजिक, राजनीतिक, मनोरंजन, खेल-कूद, शैक्षणिक, सांस्कृतिक एवं धार्मिक आयोजन अथवा समारोह प्रतिबंधित होंगे। आदेश के मुताबिक, सार्वजनिक स्थलों पर किसी भी प्रकार के आयोजन (सरकारी एवं निजी) पर रोक रहेगी। आदेश में कहा गया है कि विवाह समारोह अधिकतम 50 व्यक्तियों की उपस्थिति के साथ आयोजित किए जा सकते हैं पर इनमें डीजे एवं बारात जुलूस की इजाजत नहीं होगी। विवाह की पूर्व सूचना स्थानीय थाने को कम से कम तीन दिन पूर्व देनी होगी। आदेश में कहा गया है कि अंतिम संस्कार और श्राद्ध कार्यक्रम के लिए 20 व्यक्तियों की अधिसीमा रहेगी।

बाजार

सेंसेक्स	48,253	↓	465	
निफ्टी	14,496	↓	137	
सोना	46,758	↑	97	/10g
चांदी	70,270	↑	1282	/kg

क्विक न्यूज

जेईई (मेन) की मई 2021 सत्र की परीक्षा स्थगित

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने मंगलवार को घोषणा की कि कोविड-19 की वर्तमान स्थिति को देखते हुए इंजीनियरिंग संकाय में प्रवेश से संबंधित जेईई (मेन) की मई 2021 सत्र की परीक्षा को स्थगित कर दिया गया है। यह सत्र 24 से 28 मई तक आयोजित होने वाला था। निशंक ने ट्वीट किया कि इस बारे में अधिक जानकारी राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की आधिकारिक वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) परीक्षार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जेईई (मेन) 2021 परीक्षा का आयोजन चार सत्र में कर रही है। इसमें से पहला सत्र 23 से 26 फरवरी के बीच और दूसरा सत्र 16 से 18 मार्च 2021 के दौरान आयोजित किया जा चुका है। परीक्षा के पहले सत्र में 6.2 लाख छात्र उपस्थित हुए जबकि दूसरे सत्र में 5.5 लाख परीक्षार्थी बैठे।

आईपीएल पर कोरोना की मार अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

- सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा और दिल्ली कैपिटल्स के स्पिनर अमित मिश्रा कोविड-19 से संक्रमित पाए गए

भाषा। नई दिल्ली

जैव सुरक्षित वातावरण (बायो बबल) में कोविड-19 के कई मामले पाए जाने के कारण पिछले लगभग एक महीने से सुचारू रूप से चल रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को मंगलवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया जिसका टीमों ने स्वागत किया हालांकि यात्रा प्रतिबंधों के कारण विदेशी खिलाड़ी सुरक्षित स्वदेश लौटने के लिए बीसीसीआई की कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं।

यह घोषणा सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा और दिल्ली कैपिटल्स के स्पिनर अमित मिश्रा के कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद की गई। लीग के चेयरमैन बृजेश पटेल ने आईपीएल द्वारा जारी एक बयान में कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग की संचालन परिषद और बीसीसीआई की आपात बैठक में सर्वसम्मति से आईपीएल 2021 सत्र तुरंत प्रभाव से स्थगित करने का फैसला लिया गया। उन्होंने कहा, बीसीसीआई खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ और अन्य प्रतियोगियों की सुरक्षा को लेकर कोई समझौता नहीं करना चाहता।

यह फैसला सभी संबंधित पक्षों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और भलाई को ध्यान में रखकर लिया गया। आईपीएल ने (शेष पेज 9)

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर ने कोरोना रोगियों के लिए खोला अपना खजाना

- मंदिर न्यास उपलब्ध करा रहा ऑक्सीजन, दवा समेत मेडिकल उपकरण

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

ऐसा मान्यता है कि काशी बाबा विश्वनाथ के त्रिशूल पर बसी है और बाबा विश्वनाथ स्वयं काशी में विराजते हैं। कोविड के संकट काल में देवाधिदेव महादेव के मंदिर ने काशीवासियों की जीवन रक्षा के लिए अपना ख़ज़ाना खोल दिया है। मरीजों को ऑक्सीजन, उनके घरों तक दवाएं, मेडिकल उपकरण पहुंचाने के साथ और बाबा विश्वनाथ मंदिर से सेवादार कोविड मरीजों की दिन रात सेवा में लगे है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास कि तरफ से दान दाताओं से प्राप्त चढ़ावे से कोरोना संकट काल में मानव सेवा का काम किया जा रहा है। सीएम

योगी आदित्यनाथ के निर्देशन व निगरानी व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उनके ड्रीम प्रोजेक्ट निर्माणाधीन श्री काशी विश्वनाथ धाम के पूर्ण हो जाने पर ऐसे ही जन कल्याण के कार्यों को और तीव्र गति से आगे बढ़ाया जाएगा। वाराणसी में विराजमान काशी पुराधिपति पूरे विश्व का मंगल करने वाले हैं।

इसी लोकमंगल की भावना के तहत श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास ने मानव कल्याण के लिए अपना ख़ज़ाना खोल दिया है। बाबा ने अपने भक्तों को कोविड से बचाने के लिए अपने कोष के प्रयोग की अनुमति दी है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुनील वर्मा ने बताया कि विश्वनाथ मंदिर में आये चढ़ावे के पैसों को कोविड महामारी के समय कोरोना पीड़ितों के इलाज़ के लिए ख़र्च किया जा रहा है। दीनदयाल अस्पताल में लगे ऑक्सीजन प्लांट में दान दाता के अलावा जो भी अतरिक्त खर्च आ रहा है वह खर्च भी श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास वहन करेगा। इसके अलावा कोरोना में इस्तमाल होने वाली दवाओं की किट, होमी भाभा कैंसर अस्पताल में मेडिकल उपकरण व बीएचयू में संविदा पर 3 कर्मचारी भी मंदिर की ओर से भेजे गए हैं।

मरीजों से अच्छा व्यवहार और बेहतर देखरेख हो

अस्पतालों में मरीजों के साथ लापरवाही पर सीएम सख्त

● निजी और सरकारी अस्पताल दिन में कम से कम एक बार मरीज के स्वास्थ्य की जानकारी उसके परिवारीजनों को दें

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना मरीजों के साथ अस्पतालों में हो रही लापरवाही को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेहद गंभीरता से लिया है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि सीएमओ यह सुनिश्चित करें कि कोविड अस्पतालों में वरिष्ठ चिकित्सक नियमित पर भ्रमण करते रहें। सभी निजी और सरकारी कोविड अस्पताल में एक व्यक्ति की जिम्मेदारी तय की जाए कि वह दिन में कम से कम एक बार मरीज के स्वास्थ्य की जानकारी उसके परिवारीजनों को अवश्य दे। यह व्यवस्था प्रभावी ढंग से लागू कराई जाए।

सीएम योगी ने यह निर्देश टीम 9 को मंगलवार को समीक्षा बैठक में दिये। उन्होंने कहा कि कोविड सम्बन्धी व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से प्रदेश के सभी जिलों में सेक्टर मजिस्ट्रेट प्रणाली लागू की गई है। सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने क्षेत्र में लगातार भ्रमण करें। हॉस्पिटल के बाहर भी यह लोग भ्रमण करते रहें, लोगों की मदद करते रहें। हर छोटी–बड़ी गतिविधियों पर सीधी नजर रखें। हर जरूरतमंद को सरकारी नीतियों के अनुरूप सभी जरूरी मदद उपलब्ध कराएं। कोविड मरीजों के लिए शासन द्वारा तय डिस्चार्ज पॉलिसी को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी अस्पतालों को अपने स्टाफ में से 8–8 घण्टे की शिफ्टवार में एक अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए हैं। नियुक्त अधिकारियों की यह जिम्मेदारी होगी कि आने वाले कोविड मरीजों को भर्ती कराने के साथ साथ समुचित उपचार कराएंगे। इसके अतिरिक्त अस्पताल में भर्ती भर्ती मरीजो के परिजनों को स्वास्थ्य की जानकारी देंगे। सीएम योगी के निर्देश पर कोविड पर प्रभावी नियंत्रण और आवश्यक रणनीति के लिए राज्य स्तर पर स्वास्थ्य विशेषज्ञों का एक सलाहकार पैनल तैयार कर लिया गया है। यह पैनल राज्य स्तरीय टीम 9 को समय समय पर आवश्यक परामर्श देगी।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का परामर्श रणनीति तैयार करने में उपयोगी होगा। चिकित्सा शिक्षा के प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने बताया कि सभी मेडिकल कॉलेज, चिकित्सा संस्थानों और विश्वविद्यालयों को आदेश जारी कर दिए गए हैं। हर अस्पताल में मरीजों के तीमारदारों के लिए कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए उनके बैठने के लिए स्थान नियत करने और इस स्थान पर पेयजल आदि की आधारभूत सुविधाएं भी सुनिश्चित करने के आदेश दिए गए हैं। प्रमुख सचिव ने बताया कि बीमार रोगियों के तीमारदारों को दाखिले के समय ही मरीज की गंभीरता और रोग के निदान के बारे में बताने और दाखिल मरीजों के परिजनों को भर्ती रोगी के संबंध में दैनिक सूचना मौखिक रूप से अवश्य देने के लिए सायं काल 3 से 5 बजे तक का समय निश्चित करने के आदेश दिए गए हैं। इतना ही नहीं, ऐसे सभी मरीज जिनके परिजन उपलब्ध नहीं हैं, उनको इस दौरान फोन से भर्ती रोगी के संबंध में सूचना देने के निर्देश दिए गए हैं।

मीडिया कर्मियों का वरीयता पर वैक्सीनेशन हो: योगी

लखनऊ। कोरोना संक्रमण प्रकोप को देखते हुये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फ्रंटलाइन वॉरियर्स के तरह सभी मीडिया कर्मियों का वरीयता पर कोरोना वैक्सीनेशन का निर्देश दिया है। सीएम योगी ने टीम–9 की बैठक में निर्देश दिया है कि प्रदेश के पत्रकारों को वैक्सीनेशन के लिए अलग से सेंटर एलॉट कर उसको वैक्सीनेशन जोन बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया है कि अगर जरूरत पड़े तो मीडिया कर्मियों को उनके कार्यस्थलों पर कैंप लगाकर मीडिया कर्मियों के साथ उनके परिवार के 18 वर्ष के अधिक उम्र के लोगों का भी टीकाकरण करवाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मीडिया कर्मियों को कोरोना वैक्सीनेशन में प्राथमिकता दी जाए। उनके लिए अलग सेंटर बनाया जाए। इतना ही नहीं उनके परिवार के 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को मुफ्त में टीका लगवाया जाए।

जीविका और मानवता को बचाने का कठिन दौर: योगी

● मुख्यमंत्री ने किसानों से किया वर्चुअल संवाद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार पूरी शक्ति और संसाधनों से कोरोना के विरुद्ध संघर्ष कर रही है। यह समय जीवन, जीविका और मानवता को बचाने का है। उन्होंने कहा कि किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य पर गेहूं फसल को खरीदे जाने की प्रक्रिया कोविड प्रोटोकाल का पालन करते हुए तेजी से चल रही है। मुख्यमंत्री मंगलवार को वर्चुअल माध्यम से किसानों के साथ संवाद कर रहे थे। उन्होने कहा कि कोरोना की दूसरी लहर के दौरान संक्रमण तीव्र होने के बावजूद गेहूं क्रय अभियान के तहत लगभग 14,22,340.76 लाख मीट्रिक टन से अधिक गेहूं खरीदा गया है, जो पिछले वर्ष से दोगुना अधिक है। उन्होंने किसानों से कोविड प्रोटोकाल का पालन करते हुए स्वयं, परिवार तथा समाज का बचाव करने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि कोरोना का यह कालखण्ड किसानों की उपज की खरीद का भी समय है। उन्होंने गेहूं क्रय केन्द्र प्रभारियों व अधिकारियों को निर्देश दिये कि किसानों को क्रय केन्द्रों पर किसी भी समस्या का सामना न करना पड़े। वे किसानों से समन्वय बनाते हुए और कोविड से सुरक्षा के प्रति जागरूक रहते हुए, पारदर्शिता व ईमानदारी के साथ अपने कार्य को सम्पादित करें।

मुख्यमंत्री ने कहा कि क्रय केन्द्रों पर कोविड संक्रमण के दृष्टिगत सभी व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गयी हैं। इस समय लगभग 6 हजार केन्द्र संचालित हैं। किसानों को गेहूं खरीद का भुगतान 72 घण्टे के दौरान सुनिश्चित किया जा रहा है। 82 प्रतिशत से अधिक किसानों को गेहूं मूल्य का भुगतान किया जा चुका है। प्रतिदिन 90,000 से एक लाख मीट्रिक टन गेहूं की खरीद की जा रही है। गेहूं खरीद का अभियान 15 जून 2021 तक जारी रहेगा। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रदेशए देश व दुनिया इस समय कोरोना जैसी वैश्विक महामारी से जूझ रही है। पिछले वर्ष प्रधानमंत्री के मार्गदर्शन में कोरोना को नियंत्रित करने में सफलता मिली। कोरोना का जब पहला केस आया था, तब टेस्ट व बेड्स की सुविधा नहीं थी।

होम आइसोलेशन वाले मरीजों को मदद पहुंचा रहे हैं कानून मंत्री

लखनऊ। कोरोना संक्रमण के चलते समय पर मरीजों को इलाज व आक्सीजन न मिल पाने को लेकर सार्वजनिक तौर पर अपने दुख को बयां कर चुके प्रदेश के कानून मंत्री ब्रजेश पाठक ने होम आइसोलेशन में इलाज करा रहे संक्रमितों की सुध ली है। इससे पूर्व पाठक अपनी निधि से एक करोड़ रुपये कोरोना मरीजों के इलाज के लिए जिला प्रशासन को दे चुके हैं। लखनऊ मध्य से भाजपा के विधायक ब्रजेश पाठक ने इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो संदेश डालकर कहा है कि मध्य विधानसभा लखनऊ में होम आइसोलेशन के कोविड संक्रमितों के उपचार लिए आवश्यक दवाओं के साथ मैं भाप लेने के लिए वेपोराइजर पहुंचाने का कार्य निरंतर करवा रहा हूं। उन्होंने कहा कि सभी को इन दवाइयों को खाने का तरीका मेरे इस वीडियो से पता चल जायेगा।

प्रदेश में बीते 24 घंटो में रिकार्ड 783 मेट्रिक टन से अधिक आक्सीजन की हुई आपूर्ति

● गृह विभाग में बने विशेष कन्ट्रोल रूम से लगातार की जा रही है आक्सीजन सप्लाई की निगरानी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में बीते 24 घंटे में रिकार्ड 783.31 मेट्रिक टन आक्सीजन की आपूर्ति गयी है। मुख्यमंत्री द्वारा समस्या के स्थायी समाधान के लिए 300 नए आक्सीजन प्लांट भी लगाए जाने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य सरकार द्वारा आक्सीजन उत्पादन करने वाली इकाइयों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है तथा इसके लिये एक नीति बनायी गयी है।

अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बीते चौबीस घंटे में प्रदेश भर में हुई आक्सीजन की सप्लाई का विस्तृत विवरण देते हुए बताया कि 350.12 मेट्रिक टन आक्सीजन की आपूर्ति रिफीलर्स को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा की गयी है। साथ ही शासन के प्रयासों के फलस्वरूप 309 मेट्रिक टन आक्सीजन की सप्लाई प्रदेश के मेडिकल कालेजों व चिकित्सा संस्थानो को तथा 124.19 मीट्रिक टन आक्सीजन की आपूर्ति आक्सीजन सप्लायर्स द्वारा सीधे निजी चिकित्सालयों को की गई है। इस प्रकार कुल 783 मीट्रिक टन से अधिक आक्सीजन की सप्लाई बीते 24 घंटे में प्रदेश भर के सरकारी व निजी अस्पतालों में की गयी है।

अवस्थी ने बताया कि प्रदेश की राजधानी लखनऊ में कोविड उपचार के लिए डीआरडीओ द्वारा बनाये गये कोविड अस्पताल के लिए प्रतिदिन 10 मेट्रिक टन आक्सीजन का आवंटन निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि अभी केवल परीक्षण कार्य के लिए आवश्यक आक्सीजन ही उपलब्ध करायी गयी है तथा जैसे ही यह कोविड अस्पताल कार्य प्रारम्भ कर देगा, इसे निर्धारित 10 मेट्रिक टन की आपूर्ति समय से सुनिश्चित करा दी जायेगी। अपर मुख्य सचिव गृह ने बताया कि जिलेवार उपलब्ध आक्सीजन उत्पादन प्लांटस एवं उनकी क्षमता की लगातार समीक्षा की जा रही है। शासन द्वारा प्रदेश में आक्सीजन की मांग का भी जनपदवार विवरण तैयार किया गया है। भारत सरकार द्वारा प्रदेश को आवंटित आक्सीजन कोटा को देखते हुए उसके अधिकतम उठान के प्रयास निरन्तर जारी है। उप्र में क्रायोजेनिक टैंकर की उपलब्धता के अनुसार अधिकतम आक्सीजन लाने के हर संभव प्रयास किए जा रहे है जिसके लिए रेलवे द्वारा चलाई गई आक्सीजन एक्सप्रेस की मदद ली गयी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में रिफलिंग यूनिटस की जिलेवार संख्या, क्षमता आदि का विवरण भी तैयार किया गया है। खाली टैंकर्स के आक्सीजन रिफिलिंग प्लान्ट्स तक पहुंचने में समय की बचत के लिए हवाई मार्ग का सहारा लिया गया है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रदेश में आक्सीजन की मांग को तत्परता से पूरा करने के उद्देश्य से गृह विभाग में बने एक विशेष कन्ट्रोल रूम के माध्यम से आक्सीजन आपूर्ति व्यवस्था की आनलाइन मानीटरिंग की जा रही है। इस कन्ट्रोल रूम में गृह विभाग, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी लगातार 24 घंटे परस्पर समन्वय बनाकर कार्य कर रहे हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि रेलवे मार्ग से आक्सीजन लाने वाला भी यूपी पहला राज्य है। उत्तर प्रदेश में आक्सीजन की कमी को पूरा करने के लिए अन्य राज्यों यथा बिहार, उड़ीसा, बंगाल, झारखण्ड में स्थित आक्सीजन प्लान्ट से आक्सीजन प्रदेश में लाये जाने की व्यवस्था की गयी है जिसकी पूरी आन लाइन मानीटरिंग भी की जा रही है। उप्र की सीमा से अन्य राज्यों के द्वारा होकर आने वाले टैंकर को ग्रीन कारीडोर बनाकर उन्हें निर्धारित स्थान तक शीघ्र पहँचाने की व्यवस्था भी की गई हैं। आक्सीजन के युक्तिसंगत, तर्कसंगत उपयोग के लिए आक्सीजन आडिट की व्यवस्था की गयी है ताकि उसकी बचत कर उसका सदुपयोग किया जा सके। इसके लिए आईआई टी कानपुर द्वारा साफ्टवेयर विकसित किया गया है। इस कार्य में आईआईएम लखनऊ, आईआईटी कानपुर व आईआईटी बीएचयू वाराणसी, एकेटीयू लखनऊ, एमएमटीयू गोरखपुर, एचबीटीयू कानपुर, एनएनआईटी प्रयागराज एवं एसजीपीजीआई द्वारा प्रदेश भर में आक्सीजन के आडिट कार्य में सहयोग लिया गया है।

उ0प्र0 राज्य विद्युत उत्पादन निगम लि0,अनपरा- सोनभद्र

इक्सप्रेसन आफ इन्ट्रेस्ट के लिये आमंत्रण सूचना

1. यू0पी0आर0वी0यू0एन0एल0 की 2x500 मे0वा0 द ता0वि0गृ0 अनपरा से निकलने वाले जिप्सम की बिक्री के कार्य हेतु इच्छुक विक्रेता/एजेन्सी से ई0ओ0आइ0 आमंत्रित की जाती है आपूर्ति की मात्रा 512 टन प्रतिदिन। विस्तृत जानकारी हेतु निगम वेबसाइट www.uprvunl.org पर सम्पर्क करे, या ई0 प्रमोद कुमार (अधीक्षण अभियंता) के ईमेल– se.mmc.anpara@uprvunl.org पर सम्पर्क करे। ई0ओ0आई0 जमा करने की अन्तिम तारीख **15 जून 2021** है।

2. यू0पी0आर0वी0यू0एन0एल0 की 2x500 मे0वा0 द ता0वि0गृ0 अनपरा के एफ0जी0डी0 प्लाण्ट हेतु लाइम स्टोन की आपूर्ति के कार्य हेतु इच्छुक विक्रेता/एजेन्सी से ई0ओ0आई0 आमंत्रित की जाती है आपूर्ति की मात्रा 340 टन प्रतिदिन (शुद्धता 90% से ज्यादा CaCo3) विस्तृत जानकारी हेतु निगम वेबसाइट www.uprvunl.org पर सम्पर्क करे, या ई0 प्रमोद कुमार (अधीक्षण अभियंता) के ईमेल– se.mmc.anpara@uprvunl.org पर सम्पर्क करे। ई0ओ0आई0 जमा करने की अन्तिम तारीख **15 जून 2021** है।

पत्रांक : 1048/मु0अभि0(स्तर–1)/कला अनु0/अताप/ दिनांक 04.05.2021

'राष्ट्रहित में बिजली बचायें'

सपा–कांग्रेस के कारण मुश्किल में पड़ी यूपी के लोगों की जान

● चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने दी विपक्षी नेताओं को सलाह, कठिन परिस्थितियों में जनता की सेवा करें

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा और कांग्रेस ने अपनी ओछी राजनीति के लिए प्रदेश के लोगों की जान मुश्किल में डाल दी । राहुल और अखिलेश जैसे गैर ज़िम्मेदार लोगों के कारण यूपी में कोरोना ने ख़तरनाक रूप ले लिया । कांग्रेस और सपा के नेताओं ने वैक्सीन पर भ्रम फैला कर वैक्सीन अभियान को धीमा कर दिया जिसका ख़ामियाज़ा लोगों को भुगतना पड़ रहा है। ये आरोप मंगलवार को कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने लगाए। खन्ना ने कोरोना को लेकर सपा और कांग्रेस की भूमिका पर सवाल उठाये।

प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से संकट की इस घड़ी में ओछी राजनैतिक बयानबाजी से बाज आने को कहा है। उनका कहना है कि कोरोना वैक्सीन पर इन दोनों रजनैतिक दलों के नेताओं ने भ्रम फैला कर उत्तर प्रदेश के लाखों लोगों की जान को खतरे में डालने के काम किया है। इन नेताओं की ओर से बारबार कोरोना वैक्सीन और सरकार की ओर से किये जा रहे अन्य प्रयासों पर सवाल उठाकर जनता में भ्रम पैदा किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने वैक्सीन पर सवाल खड़े करते हुए इसे लगवाने से इनकार कर दिया था। राहुल और प्रियंका वाड्रा ने तो वैक्सीन के टेस्ट पर हाई अविश्वास जताया था। अब ये लोग ही कह रहे हैं की सब को वैक्सीन क्यों नहीं लगाई गई। मुश्किल वक्त में इन नेताओं को अवसरवादी और ओछी राजनीति नहीं करनी चाहिए। कोरोना से लोगों को बचाने के सीएम योगी के अभियान में सहयोग करना चाहिए। जनता सब देख रही है इस बार और कड़ा जवाब देगी। उन्होंने इन नेताओं को सरलता, सहजता और संवदेनशीलता का परिचय देते हुए वर्तमान सरकार के साथ कोरोना के खिलाफ शुरू हुई लड़ाई में राजनीति छोड़कर सहयोग करने की अपील की है। प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि घर पर बैठकर प्रदेश में कोरोना वायरस के खात्मे को खिलाफ चल रहे प्रयासों के खिलाफ झूठी बयानबाजी करना शोभा नहीं देता है। उनकी झूठी बयानबाजी से जनमानस में भ्रम फैल रहा है। गलत बयानबाजियों के कारण उत्तर प्रदेश में वैक्सीन लगवाने वाले लोगों की रफ्तार में कमी आई थी। उन्होंने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी को भी गलत बयानबाजी से बचने की सलाह दी है।

बेहतर आपूर्ति व उपभोक्ता सेवा से कोरोना के खिलाफ जंग को आसान करें

● 24 घंटे विद्युत आपूर्ति में जुटे कार्मिकों का अभिनंदन किया जाएगा: श्रीकान्त शर्मा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

ऊर्जा मंत्री श्रीकान्त शर्मा ने विद्युत उपकेन्द्रों में कोविड–19 से सुरक्षा की गाइडलाइंस के अनुपालन को लेकर मंगलवार को लखनऊ के मेडिकल कालेज चौक स्थित केजीएमयू उपकेंद्र का निरीक्षण किया। ऊर्जा मंत्री ने यूपीपीसीएल चेयरमैन को निर्देश दिए कि उपकेन्द्रों में आने वाले उपभोक्ताओं और 24 घंटे निर्बाध आपूर्ति व उपभोक्ता सेवा में जुटे विद्युत कार्मिकों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त इंतजाम हों। अस्पतालों में निर्बाध आपूर्ति रहे। उन्होंने कहा कि 24 घंटे निर्बाध विद्युत आपूर्ति में जुटे कार्मिकों का अभिनंदन किया जाएगा। ऊर्जा मंत्री ने उपभोक्ताओं और निर्बाध विद्युत आपूर्ति में जुटे कार्मिकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने उपकेन्द्रों में विद्युत कार्मिकों के वैक्सीनेशन की जानकारी ली। कार्मिकों को पर्याप्त फेस शील्ड, मास्क, सेनेटाइजर व ग्लव्स उपलब्ध कराने के लिए कहा। विद्युत कार्मिकों से अपने संवाद में उन्होंने कहा कि कोरोना की पहली लहर में आप लोगों ने निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित कर लोगों का घर में रहना और सुरक्षित रहना तय किया। इस बार भी आप बेहतर आपूर्ति व उपभोक्ता सेवा से कोरोना के खिलाफ जंग को आसान करें। उन्होंने कहा कि कार्मिक स्वयं की भी रक्षा करें और तय दिशानिर्देशों का पालन कर उपभोक्ताओं को भी कोरोना से बचायें। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि उपभोक्ताओं के लिए उपकेन्द्रों में सैनिटाइजर डिस्पेंसर, फिजिकल डिस्टेंसिंग, पीने के पानी, बैठने के लिए जगह हो यह डिसकॉम सुनिश्चित करें।

विजय उत्सव मनाने के बजाए जनता की सेवा में जुटें कार्यकर्ता: अखिलेश

● पंचायत चुनावों के नतीजों ने दे दिए भाजपा की नाव डूबने के संकेत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल है। पंचायत चुनावों के नतीजों ने भाजपा की नाव डूबने के स्पष्ट संकेत दे दिए हैं। उत्तर प्रदेश के पंचायती चुनावों के नतीजों से जो संदेश मिल रहा है वह सन 2022 में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए भी दिशा सूचक साबित होगी। उत्तर प्रदेश में भाजपा राज का सफाया निश्चित है। मंत्रियों, सांसदों, विधायकों तक को पूरे राज्य में तैनात कर भाजपा ने जीत की साजिशें रची थी पर जनता ने उसकी धौंस में नहीं आई, उसने भाजपा को करारा जवाब दिया है। भाजपा की नफरत और समाज को बांटने वाली रणनीति पश्चिम बंगाल के चुनावों में बुरी तरह पिटी है। उन्होंने कहा कि भाजपा के बस अब गिने चुने दिन ही शेष हैं, भाजपा की विदाई और समाजवादी सरकार बनने में। अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में हुए पंचायत चुनावों में विजय हासिल करने वाले समाजवादी पार्टी के सभी उम्मीदवारों को बधाई दी है। कोरोना संक्रमण के फैलाव को देखते हुए उनसे किसी प्रकार का विजय उत्सव मनाने के बजाए अपील की है कि सभी समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता अपने स्तर से जनता की सेवा में लग जाएं। अखिलेश यादव ने कहा है की पंचायत चुनावों मतदाताओं की प्रथम वरीयता समाजवादी पार्टी रही है। बड़ी तादात में समाजवादी पार्टी की जीत के साफ संकेत है कि किसानों, नौजवानों और गाँव तक में उसकी स्वीकारिता है। समाजवादी पार्टी जनता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है। जनता ने समाजवादी पार्टी को जीत दिलाकर लोकतंत्र को बचने का भी सराहनीय कार्य किया है।

लल्लू ने साधा प्रदेश सरकार पर निशाना

300 आक्सीजन प्लान्ट कब लगेंगे, तारीख बताएं मुख्यमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी से पूछा है कि यूपी में आक्सीजन के 300 प्लान्ट किस तारीख तक लगकर तैयार हो जाएंगे। उन्होंने कहा है कि मुख्यमंत्री को यह भी बताना चाहिए कि किस तारीख से इन आक्सीजन प्लान्टों से गंभीर मरीजों को आक्सीजन सरकार उपलब्ध कराना शुरू कर देगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सदन से लेकर अब तक दिए गए उनके बयान व घोषणाएं मात्र घोषणाएं ही साबित हुई हैं। मुख्यमंत्री ने सदन में बयान दिया था और दावा किया था कि डेढ़ लाख बेड तैयार हैं। आज वह बेड कहां हैं, यह मुख्यमंत्री के अलावा किसी को पता नहीं है। सरकार की कोरोना महामारी से निपटने में गंभीरता दिखाने के बजाए केवल प्रदेश की जनता को गुमराह करने तक सीमित है। मानवता हाहाकार कर रही है। सरकार के जनता के साथ संकटकाल में खड़े होने के अब तक के समस्त दावे पूरी तरह से निराधार व खोखले साबित हुए हैं। जिस कारण हर तरफ मौतों का सन्नाटा है और संक्रमण की रफ्तार सरकारी नियंत्रण के बाहर हो चुकी है। लल्लू ने कहा कि आक्सीजन प्लान्ट लगाने और आक्सीजन कन्सन्ट्रेटर्स खरीदने की घोषणाएं करने वाले मुख्यमंत्री व उनकी तत्कालीन टीम 11 पिछले 14 महीने तक कोरोना महामारी के पीक की पूर्व चेतावनी के बाद क्या करती रही, सीएम केयर फण्ड में महामारी से निपटने के लिए संसाधन जुटाने के लिए आम जनता से लेकर प्रदेश के सांसदों व विधायकों तक की निधि व वेतन से पैसा एकत्रित किया गया, उसके बाद भी अब जब आक्सीजन व चिकित्सीय सुविधाओं के अभाव में अनवरत सैंकड़ों की संख्या में मौतें हो गयीं और प्रतिदिन लगभग 30 हजार लोग संक्रमित हो रहे हैं तो ऐसे में सरकार आक्सीजन प्लान्ट लगाये जाने व कन्सन्ट्रेटर्स खरीद की बात कर रही है। यह कब तक हो पायेगा, इसका अभी तक कोई अता पता नहीं है।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना सं. 01-DYCEGA-2021

उप मुख्य इन्जीनियर/गोरखपुर क्षेत्र, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए आनलाइन खुली ई–निविदा आमंत्रित करते हैं। जिसका पूर्ण विवरण नीचे दिया जा रहा है:- **1. कार्य का नाम :** गोरखपुर में - उप मुख्य इंजीनियर-गो.क्षे. के अधीन वर्षान्त 30.6.2022 हेतु जोन संख्या-1-उत्तरी-I के जोन कार्य का निष्पादन। क्षेत्र-ब्लाक सं.-619, 620 से राष्ट्रीय विद्यालय और जटेपुर चौराहा तक को जोड़ने वाली सड़क के पूर्व। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 5655060.00. **2. कार्य का नाम :** गोरखपुर में - उप मुख्य इंजीनियर–गो.क्षे. के अधीन वर्षान्त 30.6.2022 हेतु जोन संख्या–2–उत्तरी–II के जोन कार्य का निष्पादन। क्षेत्र–ब्लाक सं.–619, 620 से राष्ट्रीय विद्यालय और जटेपुर चौराहा, ड्राइवर रनिंग रूम, जूनियर इन्स्टीच्यूट को सम्मिलित करते हुए जोड़ने वाली सड़क के पश्चिम। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 5105060.00. **3. कार्य का नाम :** गोरखपुर में – उप मुख्य इंजीनियर–गो.क्षे. के अधीन वर्षान्त 30.6.2022 हेतु जोन संख्या–3–जटेपुर–I के जोन कार्य का निष्पादन। क्षेत्र–सीनियर सेक्शन इन्जीनियर–कार्य–जटेपुर कार्यालय, रेलवे बालक स्कूल, ब्लाक संख्या–646 से जटेपुर क्रासिंग, एल-16 से एल-13, 149 से 160 एवं 159 तक के सड़क के पश्चिम और कृष्णानगर रेलवे कालोनी को जोड़ने वाली सड़क के पश्चिम। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 5030071.00. **4. कार्य का नाम :** गोरखपुर में – उप मुख्य इंजीनियर–गो.क्षे. के अधीन वर्षान्त 30.6.2022 हेतु जोन संख्या–4–जटेपुर–II के जोन कार्य का निष्पादन। क्षेत्र–सीनियर सेक्शन इन्जीनियर/कार्य, जटेपुर कार्यालय, रेलवे बालक स्कूल, ब्लाक संख्या–646 से जटेपुर रेलवे क्रासिंग, एल-16 से एल-13, 149 से 160 एवं 159 तक के सड़क के पूरब और कृष्णानगर रेलवे कालोनी को जोड़ने वाली सड़क के पूरब। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 5114815.00. **5. कार्य का नाम :** गोरखपुर में – उप मुख्य इंजीनियर–गो.क्षे. के अधीन वर्षान्त 30.6.2022 हेतु जोन संख्या–5–डेयरी–I के जोन कार्य का निष्पादन। क्षेत्र–सरकुलर रोड के दक्षिण, केबुल हाउस एवं आर.पी.एफ. बैरेक को सम्मिलित करते हुए। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 5627450.00. **6. कार्य का नाम :** गोरखपुर में – उपमुइं/गो.क्षे. के अधीन वर्षान्त 30.6.2022 हेतु जोन संख्या–6–डेयरी–II के जोन कार्य का निष्पादन। क्षेत्र–सरकुलर रोड के उत्तर, स्काउट डेन को सम्मिलित करते हुए। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 5719450.00. **7. कार्य का नाम :** गोरखपुर में – उप मुख्य इंजीनियर/गो.क्षे. के अधीन वर्षान्त 30.6.2022 हेतु जोन संख्या–7 (डेयरी–III) के जोन कार्य का निष्पादन। क्षेत्र–रेलवे चिकित्सालय। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 6628616.00. **8. कार्य का नाम :** गोरखपुर में – उप मुख्य इंजीनियर/गो.क्षे. के अधीन वर्षान्त 30.6.2022 हेतु जोन संख्या–8–मध्य–I के जोन कार्य का निष्पादन। क्षेत्र–स्टोर डिपो के गेट के तरफ जाने वाले सड़क के पश्चिम से सीधे जाने वाली सरकुलर रोड, लोको स्पोर्ट्स ग्राउण्ड सी.से. इंजी. कार्य–मध्य कार्यालय, हस्त कला केन्द्र, उद्यान निरीक्षक–प्रथम, सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल को सम्मिलित करते हुए। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 5045575.00. **9. कार्य का नाम :** गोरखपुर में – उप मुख्य इंजीनियर/गो.क्षे. के अधीन वर्षान्त 30.6.2022 हेतु जोन संख्या–9–मध्य–II के जोन कार्य का निष्पादन। क्षेत्र–सड़क के पूरब स्थित क्षेत्र, मसाला घर एवं उद्यान निरीक्षक–द्वितीय को सम्मिलित करते हुए। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 5066005.00. **10. कार्य का नाम :** गोरखपुर में – उप मुख्य इंजीनियर–गो.क्षे. के अधीन वर्षान्त 30.6.2022 हेतु जोन संख्या–10–बिछिया–I के जोन कार्य का निष्पादन। क्षेत्र–सीसेइं/कार्य/बिछिया के अधीन सरकुलर रोड़ के दक्षिण एवं पी.ए.सी. रोड़ के पश्चिम आवासीय एवं सर्विस भवन इत्यादि। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 5213625.00. **11. कार्य का नाम :** गोरखपुर में – उप मुख्य इंजीनियर–गो.क्षे. के अधीन वर्षान्त 30.6.2022 हेतु जोन संख्या–11–बिछिया–II के जोन कार्य का निष्पादन। क्षेत्र–आवास सं.–547 से 563 तक, बीजी कालोनी एवं रे.सु.ब. कालोनी स्थित आवासीय भवन एवं सर्विस भवन इत्यादि। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 5220660.00. **12. कार्य का नाम :** गोरखपुर में – उप मुख्य इंजीनियर/गो.क्षे. के अधीन वर्षान्त 30.6.2022 हेतु जोन (बिछिया–III) के जोन कार्य का निष्पादन। क्षेत्र–एम.एस.टी.सी. एवं उसके छात्रावास, आर.पी.एफ. ट्रेनिंग सेन्टर, ट्रान्जिट हाउस एवं उस क्षेत्र के अन्य सर्विस भवनों इत्यादि। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 5026253.00. **13. कार्य का नाम :** गोरखपुर में – उप मुख्य इंजीनियर–गो.क्षे. के अधीन वर्षान्त 30.6.2022 हेतु जोन संख्या–13–दक्षिण–I के जोन कार्य का निष्पादन। क्षेत्र–सड़क सं.–15 से पश्चिम स्थित सर्विस भवनों/कार्यालयों जैसे महाप्रबंधक, सांख्यिकीय, मुयाइं, मुपरिप्र. मुचिकित्सा निदेशक, प्रमुइं, मुसिदूइं, मुकाधि, मुकाधि कैण्टीन, रेसुब बैरक, रेल म्यूजियम, रेल दावा अधिकरण, आर.आर.बी. भवन, उप मुइं/गो.क्षे., मुकाप्र/पुल एवं बंगला सं.–6, 7 इत्यादि। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 5815169.00. **14. कार्य का नाम :** गोरखपुर में – उप मु.इं. गो.क्षे. के अधीन वर्षान्त 30.6.2022 हेतु जोन संख्या–14–दक्षिण–II के जोन कार्य का निष्पादन। क्षेत्र–सड़क सं.–15 से पूरब स्थित सर्विस भवनों/कार्यालयों जैसे विसमुलेधि, कैश आफिस, लेखा परीक्षा, रेलवे प्रेस, भनिक, मुवाप्र, मुविइं, स्टेट बैंक, को–आपरेटिव बैंक, साउथ डिस्पेन्सरी राप्ती, शारदा एवं वरूणा अधिकारी विश्रामालय, क्रिकेट ग्राउण्ड, अधिकारी क्लब, नर्सरी, गोल्फ मैदान, इलाहाबाद बैंक, रेलवे पोस्ट आफिस, स्टेडियम इत्यादि। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 5655554.00. **15. कार्य का नाम :** गोरखपुर में – उप मु.इं.–गो.क्षे. के अधीन वर्षान्त 30.6.2022 हेतु जोन संख्या–15–दक्षिण–III के जोन कार्य का निष्पादन। क्षेत्र–स्टेडियम कालोनी में स्थित सभी आवासीय भवनों के साथ–साथ सड़क तथा आर्मी रेस्ट हाउस के साथ–साथ अन्य छोटे–छोटे सर्विस भवन जो कि दक्षिण के जोनों में सम्मिलित नहीं हैं इत्यादि। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 5360205.00. **16. कार्य का नाम :** गोरखपुर में – उप मुख्य इन्जीनियर/गो.क्षे. के अधीन वर्षान्त 30.6.2022 हेतु जोन संख्या– 16–दक्षिण–IV के जोन कार्य का निष्पादन। क्षेत्र–रामगढ़ताल कालोनी एवं गोल्फ कालोनी में स्थित सभी आवासीय भवनों के साथ सड़क इत्यादि। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 5182415.00. **17. कार्य का नाम :** गोरखपुर में – उप मुख्य इन्जीनियर–गो.क्षे. के अधीन जोन संख्या–17–जीकेसी–I वर्षान्त 30.6.2022 हेतु। सी.से.इं.–कार्य–जी.के.सी. के अंतर्गत क्षेत्र–पुल कारखाना, कंक्रीट यार्ड, लौह भण्डार एवं सिगनल कारखाना के जोन कार्य के निष्पादन हेतु। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 5465789.00. **18. कार्य का नाम :** गोरखपुर में – उप मुख्य इन्जीनियर–गो.क्षे. के अधीन जोन संख्या–18–जी.के.सी.–II वर्षान्त 30.6.2022 हेतु। सी.से.इं. –कार्य–जी.के.सी. के अंतर्गत क्षेत्र–माचिस फैक्ट्री कालोनी, कैण्ट कालोनी एवं 2 बी.एन. आर.पी.एस.एफ. रजही कैम्प के सम्पूर्ण परिक्षेत्र के जोन कार्य के निष्पादन हेतु। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 6530836.00.

• **बयाने की राशि क्रमांक 01 से 18 तक** - शून्य। • **निविदा प्रपत्र का मूल्य क्रमांक 01 से 18 तक** - शून्य। • **समापन अवधि क्रमांक 01 से 18 तक** - 30.06.2022.

1. ई–निविदा खुलने की तिथि–क्रमांक 01 से 18 तक दिनांक 07.06.2021 को 11.00 बजे। 2. ई–निविदा के क्रमांक 1 से 18 तक की बिडिंग दिनांक 24.05.2021 से 07.06.2021 को 10.59 बजे तक प्राप्त की जायेगी। **3.** उपरोक्त निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तों का पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। **4.** यदि निविदा सूचना के हिन्दी एवं अंग्रेजी संस्करण में अन्तर होता है तो निविदा सूचना के अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

मुजाधि/डब्ल्यू-24 उप मुख्य इंजीनियर/गो.क्षे.

यात्री सुविधा सम्बन्धित शिकायत हेतु मो.-09794845955 पर SMS करें

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी–33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। फोन: (0522) 4036600 फैक्स: 2346443/2345582

अटल बिहारी वाजपेयी कोरोना अस्पताल में संक्रमितों की भर्ती आज से

● लखनऊ में बढ़े साढ़े चार सौ बेड, डीआरडीओ की तरफ से तैयार किए गए इस कोविड अस्पताल में 24 घंटे ऑक्सीजन की आपूर्ति के साथ-साथ वेंटिलेटर और ऑक्सीजन बेडों की सुविधा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ कोरोना के खिलाफ लड़ाई में प्रदेश में हर सुविधाओं और संसाधनों में इजाफा कर रहे हैं। इसी क्रम में अवध शिल्प ग्राम में बने 450 बेडों के अटल बिहारी वाजपेयी कोरोना अस्पताल की शुरूआत 5 मई से होगी और इसी दिन से ही कोरोना संक्रमितों को यहां भर्ती किया जाएगा। इसके बाद लखनऊ में बड़ी संख्या में एल 2 और एल 3 स्तर के कोरोना संक्रमितों को काफी राहत मिलेगी। हालांकि इसे पहले ही शुरू हो जाना चाहिए था, लेकिन स्टाफ की कमी की वजह से देर हुई। डीआरडीओ की तरफ से तैयार किए इस कोविड अस्पताल में 24 घंटे ऑक्सीजन की आपूर्ति के साथ साथ वेंटिलेटर और ऑक्सीजन बेडों की सुविधा है, ताकि मरीजों को किसी भी प्रकार की कोई समस्या न आए। कोविड अस्पताल में सेना मेडिकल कोर की मदद से चिकित्सकीय सुविधाएं मुहैया कराई जाएंगी। डीआरडीओ के इस अस्पताल में सीधे भर्ती की व्यवस्था नहीं होगी। रोजाना खाली बेड के आधार पर लालबाग स्थित कोविड कमांड सेंटर से सीएमओ प्रशासन मरीजों को एम्बुलेंस से इस अस्पताल में भेजेगा। सीएम योगी के निर्देश पर प्रदेश भर में चिकित्सीय संसाधनों और सुविधाओं में इजाफा हो रहा है। ऑक्सीजन की आपूर्ति से लेकर बेडों की संख्या में लगातार बढ़ोतरी हो रही है। साथ ही प्रदेश में रोजाना जांचों की संख्या बढ़ रही है और संक्रमितों की संख्या कम हो रही है। इतना ही नहीं रिकवरी रेट भी बढ़ रहा है। दो दिन पूर्व सीएम योगी ने अटल बिहारी वाजपेयी कोरोना अस्पताल का निरीक्षण किया था और आवश्यक दिशा निर्देश दिए थे। इसके बावजूद पैरा मेडिकल और स्वास्थ्य कर्मियों की कमी की वजह से इसे शुरू करने में समय लग गया। जबकि स्थानीय स्तर पर सभी सुविधाएं उपलब्ध करा दी गई थीं।

प्रभावी नियंत्रण को लेकर स्वास्थ्य विशेषज्ञों का बना पैनल

लखनऊ। कोविड पर प्रभावी नियंत्रण और आवश्यक रणनीति के लिए राज्य स्तर पर स्वास्थ्य विशेषज्ञों का एक सलाहकार पैनल तैयार कर लिया गया है। यह पैनल राज्य स्तरीय टीम 9 को समय समय पर आवश्यक परामर्श देगी। स्वास्थ्य सलाहकार टीम का अध्यक्ष पीजीआई के निदेशक डॉक्टर आरके धीमान को बनाया गया है। जबकि सदस्य के रूप में किंग जॉर्ज मेडिकल यूनिवर्सिटी के कुलपति लेफ्टिनेंट जनरल डॉ विपिन पुरी, अटल बिहारी वाजपेई चिकित्सा विश्वविद्यालय के कुलपति प्रोफेसर एके सिंह, डॉ राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान की निदेशक डॉक्टर सोनिया नित्यानंद, मेदांता हॉस्पिटल के निदेशक डॉ राकेश कपूर, केजीएमयू के पलमोनरी डिपार्टमेंट के प्रोफेसर आरके सिंह व डॉ वेद प्रकाश, पीजीआई के डॉक्टर आलोक नाथ एसएसपीएच ग्रेटर नोएडा के निदेशक डॉक्टर राकेश गुप्ता, मिडलैंड हॉस्पिटल के डॉक्टर बी पी सिंह, इंडियन मेडिकल साइंस इंस्टीट्यूट बीएचयू के निदेशक, आईएमए के प्रदेश अध्यक्ष स्टेट सर्विलांस अफसर को शामिल किया गया है। जबकि सलाहकार समिति के संयोजक के रूप में महानिदेशक चिकित्सा शिक्षा को रखा गया है।

सरोजनीनगर में बिना टीकाकरण के ही आनलाइन जारी कर दिया प्रमाण पत्र

संवाददाता। सरोजनीनगर

कोरोना संक्रमण रोकने के लिए सरकार द्वारा टीकारण से लेकर सेनेटाइजेशन तक की योजना चलाई जा रही है। लेकिन इन योजनाओं को जनता तक पहुंचाने में अधिकारी कितनी लापरवाही कर रहे है और यहां योजनाएं आम आदमी तक कितनी पहुंच रही है इसका नमूना सरोजनीनगर क्षेत्र में देखा जा सकता है। यहां एक बुजुर्ग महिला को बिना इंजेक्शन लगाए ही उसे वैक्सीनेसन का प्रमाण पत्र थमा दिया गया, वहीं एक कोरोना मरीज के घर को सेनेटाइज करने के नाम पर पोस्टर व टेप लगाकर खानापूर्ति कर दी गई। यही नहीं किसी भी योजना की जानकारी के लिए फोन किये जाने पर कोई संतोषजनक जवाब नहीं मिला। जिसके चलते कोरोना मरीजों व उनके परिजनों में भारी आक्रोष है। सरोजनीनगर के अमौसी गांव स्थित गीता आश्रम के पास रहने वाली इंदिरा रानी (64) के बेटे अशोक कुमार ने अपनी मां को कोरोना का टीका लगवाने के लिए आनलाइन पंजीकरण किया था। अशोक कुमार के मुताबिक उसे पंजीकरण के दौरान सरोजनीनगर स्थिति सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पर 30 अप्रैल 2021 को टीकाकरण किये जाने की तिथि दी गई थी। लेकिन इन्दिरा रानी की तबियत खराब होने पर वह निर्धारित तिथि 30 अप्रैल को टीकाकरण कराने नहीं पहुंच सकी थीं। निर्धारित तिथि के दो दिन बाद ही उसके मोबाइल पर इंदिरा रानी का टीकाकरण किये जाने का प्रमाण पत्र जारी कर दिया गया। साथ ही वैक्सीनेशन किये जाने का प्रमाण पत्र भी आनलाइन भेज दिया गया। अशोक इसकी शिकायत लेकर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचा तो चिकित्सकों द्वारा उसे कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया। जिसके बाद अशोक ने बिना टीकाकरण किये ही प्रमाण पत्र जारी करने वाले अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई किये जाने के लिए मुख्यमंत्री जनसुनवाई पोर्टल पर शिकायत दर्ज कराई है।

उधर यहीं के बेहसा में रहने वाले एक कोरोना मरीज की मौत घर पर हो गई थी। घटना के तीसरे दिन उसके घर का सेनेटाइजेशन करने के लिए फोन आया। कुछ देर बाद बाइक पर पहुंचे दो युवक मरीज के दरवाजे पर इस क्षेत्र में कोरोना संक्रमण है, यहां प्रवेश वर्जित का पोस्टर लगाकर चले गये। मंगलवार को पांच दिन बीत चुके हैं लेकिन मरीज के घर का अभी तक सेनेटाइजशन नहीं कराया गया। इस बारे में सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र के प्रभारी डा. अंशुमान श्रीवास्तव को फोन कर जानकारी लेने का प्रयास किया गया लेकिन उनका फोन रिसीव नहीं हुआ।

टाटानगर से आक्सीजन एक्सप्रेस दस टैंकर लेकर पहुंची लखनऊ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश सरकार के साथ मिलकर उत्तर रेलवे लखनऊ मंडल ऑक्सीजन एक्सप्रेस का संचालन कर रहा है। जिससे कि कोरोना महामारी की चपेट में आए मरीजों के लिए सबसे जरूरी ऑक्सीजन समय पर पहुंचाई जा सके। रेलवे अभी तक एक दर्जन से ज्यादा बार लखनऊ के लिए ऑक्सीजन एक्सप्रेस का संचालन कर चुका है। ऑक्सीजन एक्सप्रेस के संचालन के लिए जहां ग्रीन कॉरिडोर बनाया गया है। वहीं ट्रेन को चलाने के लिए अत्यधिक शक्तिशाली इंजनों का प्रयोग हो रहा ताकि दूरी कम से कम समय में तय हो। मंगलवार को भी ऑक्सीजन एक्सप्रेस लखनऊ पहुँची। टाटानगर से चलकर जीवनरक्षक ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेन 10 भरे टैंकरों के साथ लखनऊ आई। इन टैंकरों द्वारा कुल 79.13 मेट्रिक टन ऑक्सीजन आपूर्ति उपलब्ध कराई गई। इस ट्रेन के लिए भी रेलवे द्वारा 975 किमी. का ग्रीन कारीडोर बनाया गया। जिससे ट्रेन बिना रुके सफर पूरा कर सके। ऑक्सीजन एक्सप्रेस की विशेषताओं के तहत इस ट्रेन में मालगाड़ी के (बोस्ट वैगन) का प्रयोग करते हुए ऑक्सीजन के भरे कंटेनरों को अत्यधिक सुरक्षा के साथ लाया जा सकता है । ऑक्सीजन एक्सप्रेस के लखनऊ पहुँचने के बाद डीआरएम संजय त्रिपाठी खुद मौके पर पहुंचे और अन्य अधिकारियों के साथ ट्रेन आगमन संबंधी समस्त व्यवस्थाओं को गहनता से परखा। इस मौके पर रेलवे के अलावा शासन के अनेक वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित रहे। वहीं दूसरी ओर सोमवार को ही तीन भरे टैंकरों के साथ एक अन्य ऑक्सीजन एक्सप्रेस ट्रेन का बोकारो से चलकर 38.54 मेट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति के साथ देर रात तक लखनऊ पहुंचने की संभावना है। इस दोनों ट्रेनों से 117.67 मीट्रिक टन ऑक्सीजन की आपूर्ति उपलब्ध हो सकेगी।

कालाबाजारी करने वाले दस गिरफ्तार, 209 आक्सीजन सिलेंडर बरामद

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● अलग-अलग थाना क्षेत्रों में पुलिस ने की कार्रवाई

बढ़ते कोरोना संक्रमण ने हालात ऐसे कर दिए कि लोग एक एक सांस को तड़प रहे हैं। मरीजों की जान सांसों में टिकी है और ऑक्सीजन गैस उनके लिए जीवनदायिनी से कम नही। लेकिन कुछ पैसों के लालची लोग मजबूर लोगों की मजबूरी का फायदा उठाने से नही कतरा रहे हैं। पिछले दिनों ही लखनऊ पुलिस ने महामारी के दौर में आमजन से कालाबाजारी करने वाले कई लोगों को सलाखों के पीछे भेजा है लेकिन यह सिलसिला रुकने का नाम नहीं ले रहा है। एक बार फिर से लखनऊ पुलिस ने ऑक्सीजन गैस की कालाबाजारी करने वाले दस लोगों को अलग अलग थाना क्षेत्र से गिरफ्तार कर सलाखों के पीछे भेजा है। इन कालाबाजारी के मामलों में सबसे बड़ी ऑक्सीजन सिलेंडरों की कालाबाजारी करने वाले दो जालसाजों को जानकीपुरम पुलिस ने सेक्टर 7 स्थित एक घर से गिरफ्तार किया है। पुलिस ने मौके से करीब 115 सिलेंडर भी बरामद किया है। एडीसीपी उत्तरी प्राची सिंह ने बताया कि मंगलवार देर शाम मुखबिर की सूचना पर जानकीपुरम स्थित सेक्टर 7 स्थित एक घर में छापेमारी की गई। मौके से मड़ियांव के सेक्टर ए सीतापुर रोड योजना निवासी करन और काकोरी के रहने वाले नेकराम को गिरफ्तार कर करीब 115 ऑक्सीजन सिलेंडर बरामद किए गए हैं। पूछताछ में दोनों आरोपियों ने बताया कि वह सिलेंडर रिफिल करा कर करीब 40 से 50 हजार रुपये प्रति सिलेंडर के हिसाब से जरूरतमंद लोगों को बेच रहे थे। इंस्पेक्टर जानकीपुरम का कहना है कि पकड़े

गए आरोपियों से पूछताछ कर उनके फरार साथियों की जानकारी जुटाई जा रही है। इधर लखनऊ की गोमतीनगर विस्तार पुलिस ने भी कालाबाजारियों पर सख्ती करते हुए दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है व दो ऑक्सीजन सिलेंडर बरामद किए हैं। गोमतीनगर विस्तार इंस्पेक्टर पवन कुमार पटेल के मुताबिक पकड़े गए आरोपियों में इकराम अली निवासी वेस्ट दिल्ली का रहने वाला है। यह आरोपी अपने गोमतीनगर निवासी साथी आयुष शुक्ला के साथ मिलकर लखनऊ में मरीजों के तीमारदारों की मजबूरी का फायदा उठाते हुए महंगे दामों पर सिलेंडर बेंचते थे। बकौल इंसेक्टर पुलिस को मुखबिर से खास सूचना मिली थी जिसके बाद दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया। इनके पास से नाइट्रोजन गैस की रसीद जो फर्जी तरीके से ऑक्सीजन गैस सिलेंडर के नाम पर बताकर ग्राहकों को दी जाती थी वह भी बरामद हुई है। वहीं आक्सीजन सिलेंडर के कालाबाजारियों पर हंटर चलाया है। नाका कोतवाल मनोज कुमार मिश्रा के अनुसार ऑक्सीजन के बड़े 5 सिलेंडरों के साथ चार लोगों को गिरफ्तार किया गया है। जिनके पास से एक कार भी बरामद हुई है जिसका इस्तेमाल इनके द्वारा ऑक्सीजन सिलेंडर पहुंचने में किया जाता था। उन्होंने पकड़े गए आरोपियों की पहचान अनिल कुमार बाजारखाला, साजिद गोमतीनगर, जितेंद्र कुमार वर्मा बाराबंकी व नीरज रावत बाराबंकी निवासी के रूप में हुई है। इंस्पेक्टर ने बताया है इन आरोपियों द्वारा अब तक कई लोगों को महंगे दामों पर ऑक्सीजन सिलेंडर पहुंचाया गया है। उन्होंने कहा इन आरोपियों के खिलाफ महामारी एक्ट से संबंधित धाराओं में मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है। उधर सोमवार की देर रात गुडंबा पुलिस दबिश देकर कल्याणपुर गुडंबा निवासी विष्णु व गोंडा निवासी विकास शुक्ला को गिरफ्तार करते हुए छोटे बड़े 87 ऑक्सीजन सिलेंडर समेत गैस बिक्री के एक लाख तीन सौ नब्बे रुपये बरामद किए गए हैं।

टेम्परेरी आईडी वाले कोविड मरीजों को भी मिलेगा अस्पतालों में इलाज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

पोर्टल पर टेम्परेरी आईडी के जरिये कमांड सेंटर से हॉस्पिटल आवंटन के बावजूद हॉस्पिटलों की तरफ से एप्रूव्ड न किये जाने की शिकायत पर प्रभारी अधिकारी कोविड 19 लखनऊ डॉ रोशन जैकब ने अस्पतालों को भर्ती कर इलाज देने के निर्देश दिए हैं। साथ ही उन्होंने मुख्य चिकित्साधिकारी को निर्देश दिए हैं कि जो भी टेम्परेरी आईडी के रेफलर कमाण्ड सेंटर के द्वारा हास्पिटलों को भेजे जाएंगे उनका भी भुगतान विभाग द्वारा सुनिश्चित कराया जाए। ताकि हास्पिटल टेम्परेरी आईडी वाले कोविड रोगियों को भर्ती करने में समस्या न करें।

प्रभारी अधिकारी कोविड 19 डॉ रोशन जैकब द्वारा आज स्मार्ट सिटी में बनाए गए इंट्रीग्रेटेड कोविड कन्ट्रोल एंड कमाण्ड सेंटर का निरीक्षण किया। प्रभारी अधिकारी द्वारा कन्ट्रोल सेंटर के द्वारा किये जा रहे कार्यो की गहन समीक्षा की व दिशा निर्देश दिए।

प्रभारी अधिकारी ने बताया कि डीएसओ पोर्टल की समीक्षा करने पर संज्ञान में आया कि हास्पिटल एलोकेशन के लिए कोविड रिपोर्ट की अनिवार्यता पाई गई। कोविड रिपोर्ट के आधार पर ही कमाण्ड सेंटर से रोगियों को हास्पिटल का एलोकेशन किया जाता पाया गया। इस मौके पर प्रभारी अधिकारी ने निर्देश दिए कि शासनादेश के अनुसार रोगी को हास्पिटल में भर्ती करने के लिए कोविड रिपोर्ट की कोई आवश्यकता नहीं है। कोविड लक्षणात्मक रोगियों को भी तत्काल हास्पिटल में भर्ती करना सुनिश्चित कराया जाए। उन्होंने बताया कि सीटी स्कैन या कोविड लक्षण के आधार पर भी रोगी की टेम्प आईडी पोर्टल पर बनाते हुए हास्पिटल एलोकेशन की कार्यवाही की जाएगी। प्रभारी अधिकारी ने बताया कि जनपद के 14 शासकीय हास्पिटल प्राइवेट मेडिकल कॉलेज को कमाण्ड सेंटर द्वारा भर्ती कराए गए रोगियों के उपचार के लिए विभाग द्वारा भुगतान किया जाता है। उन्होंने बताया कि जिन हास्पिटलो द्वारा भुगतान के लिए मांग नहीं की गई है वह सीएमओ कार्यालय में भुगतान के लिए मांग कर सकते हैं। परन्तु कमाण्ड सेंटर के माध्यम से भर्ती कराए गए रोगियों से उपचार के लिए कोई भी मांग नहीं कर सकते। यदि ऐसी शिकायत मिलती है कि हास्पिटलो द्वारा रेफलर वाले मरीजों से उपचार के लिए पैसा वसूला जा रहा है तो उस हास्पिटल के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

15 दिन के अंदर निराश्रित गृहों में रहने वाली संवासिनी सहित बच्चों के होंगे कोविड टेस्ट

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रमुख सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग वी हिकाली झिमोमी ने 15 दिन के अंदर सभी निराश्रित गृहों में रहने वाले संवासिनी सहित बच्चों के कोविड टेस्ट के निर्देश दिए हैं। प्रमुख सचिव ने सभी जनपदों के जिला प्रोबेशन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मुख्यालय को प्रत्येक दिन शाम को प्रदेश के विभिन्न बाल एवं महिला देखरेख संस्थाओं में आवासित महिलाओं एवं बच्चों के साथ साथ कार्मिकों के कोविड 19 से संक्रमित होने, अस्पताल में भर्ती होने, होम आइसोलेशन में रह रहे बच्चों, महिलाओं एवं कार्मिकों का डाटा व्हाट्सएप पर प्रेषित करें। प्रमुख सचिव ने कोविड 19 के कारण जिन बच्चों के माता पिता या दोनों में से किसी एक की मृत्यु हो चुकी है या ऐसे बच्चे बच्चे जिनके माता पिता कोविड 19 से संक्रमित होने के कारण अस्पताल, होम आईसोलेशन में हैं और इन बच्चों का देखरेख करने वाला कोई नहीं है, ऐसे समस्त बच्चों को चिन्हित कर उनके पुर्नवास हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाये। ऐसे सभी बच्चों के संबंध में चाइल्ड लाइन 1098 एवं महिला हेल्पलाइन 181 को सूचित किया जाय। बच्चों के चिन्हांकन में ग्राम निगरानी समिति एवं मोहल्ला निगरानी समिति यहित विभिन्न स्तरों पर गठित बाल संरक्षण समितियों का सहयोग लिया जाये। ऐसे सभी बच्चों को 24 घंटों के भीतर बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाय। वहीं उन्होंने महामारी के दौरान निराश्रित गृहों में रहने वाले निराश्रित बच्चों को गोद दिए जाने के वायरल संदेश का खंडन किया है। उन्होंने कहा है कि ऐसे संदेश प्रकाश में आये हैं जो गैर कानूनी तथा दण्डनीय हैं। प्रमुख सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि ऐसे संदेशों के प्रति जन.सामान्य को सजग किया जाये।

महाविद्यालय के परिसरों को वैक्सीनेशन सेंटर बनाने की मुख्यमंत्री से मांग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए चलाए जा रहे वैक्सिनेशन अभियान को देखते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय सम्बद्ध महाविद्यालय शिक्षक संघ ने महाविद्यालयों अथवा डिग्री कालेजों के परिसर को भी वैक्सिनेशन सेंटर बनाने की मांग मुख्यमंत्री से की है। संघ का कहना है कि कालेजों के परिसरों के उयोग से राजकोषीय व्यय में कटौती की जा सकती है।

शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ मनोज पांडेय की तरफ से मुख्यमंत्री को लिखे गए पत्र में कहा गया है कि वर्तमान में कोरोना संक्रमण से पूरे विश्व त्राहि त्राहि कर रहा है, इसके दुष्प्रभाव से मानव जीवन पर गहरा संकट आ गया है। उत्तर प्रदेश भी इससे अछूता नहीं है। इस समय कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर चल रही है तथा विशेषज्ञयो की राय के अनुसार अभी तीसरी लहर की भी आशंका है। महामारी से बचने का प्रभावी तरीका वेक्सिनेशनए मास्क और सामाजिक दूरी है। भारत सरकार के दिशा निर्देशो के अधीन उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा भी वेक्सिनेशन का कार्य सरकारी और निजी अस्पतालों मे सम्पन्न किया जा रहा है। सरकार द्वारा हमेशा से महाविद्यालयों के परिसरों का उपयोग चुनाव के लिए मतदान केंद्र, मतगणना स्थल एव प्रशिक्षण स्थल तथा जनजागरूकता के रूप में उपयोग किया जाता रहा है। वर्तमान आपदा के काल में वेक्सिनेशन के लिए इन परिसरों के उपयोग से कोविड प्रोटोकॉल का पालन आसानी से करते हुए वेक्सिनेशन का कार्य बिना राज्यकोष के व्यय के किया जा सकता है ।

लूटा ने डिस्पेंसरी को वैक्सिनेशन सेंटर बनाने के लिए सीएमओ को लिखा पत्र

कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए चलाए जा रहे वैक्सिनेशन अभियान को देखते हुए लखनऊ विश्वविद्यालय शिक्षक संघ ने सीएमओ से विवि परिसर स्थित डिस्पेंसरी को सेंटर बनाने की मांग की है। इस बाबत शिक्षक संघ के अध्यक्ष डॉ विनीत वर्मा की तरफसे लिखे गए पत्र में कहा गया है कि परिसर स्थित डिस्पेंसरी में एमबीबीएस एमडी धारी डॉक्टर तैनात हैं। विवि परिसर में काफी संख्या में शिक्षक व कर्मचारी व उनके आश्रित रहते हैं। ऐसे में डिस्पेंसरी को वैक्सिनेशन सेंटर बनाना उचित होगा।

आयुर्वेदिक डॉक्टरों से मिलेगा घर बैठे परामर्श

● राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज ने जारी किए आयुष डाक्टरों के नम्बर

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना महामारी के दौरान कोविड व नान कोविड मरीजों को अब टेलीमेडिसिन के जरिये आयुष के डॉक्टर अलनी सेवाएं देंगे। मरीजों को घर बैठे ही इलाज का लाभ मिलेगा और बीमारी को कंट्रोल किया जा सकेगा। टेलीमेडिसिन सेवा के लिए राजकीय आयुर्वेदिक कॉलेज टुडियागंज की तरफ से आयुष चिकित्सकों के नम्बर जारी किए गए हैं। आयुर्वेदिक कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ पीसी सक्सेना ने बताया कि कॉलेज के 12 डॉक्टरों के नंबर जारी किए गए हैं। लोग इनसे कॉल करके इलाज में परामर्श की मदद ले सकते हैं। डॉ सक्सेना और मेडिकल अफसर डॉ धर्मेंद्र ने बताया कि आयुष विभाग के आयुष कवच ऐप को लोग

इनसे लीजिए परामर्श

डॉ मिथिलेश वर्मा-8840407658
डॉ माखनलाल - 9454363904
डॉ संजीव रस्तोगी-9415022955
डॉ सुधा सिंह- 8052649555
डॉ शरद जौहरी-9454032188
डॉ शशि शमा-8465160620
डॉ रेखा बाजपेयी- 8004325133
डॉ अनंत कृष्णा-9452274856
डॉ शिखा शर्मा- 8743976379
डॉ अरविंद कुमार वर्मा-7007181198
डॉ राजेश यादव-9473561531

डाउनलोड करके भी प्रदेश भर के आयुर्वेदिक विशेषज्ञों से सलाह ले सकते हैं। टेलीमेडिसिन का समय सुबह 10 से शाम सात बजे तक रहेगा। इसके बीच ही डॉक्टर से परामर्श लिया जा सकता है। डॉ सक्सेना ने बताया कि महाविद्यालय के डॉक्टरों द्वारा घर घर काढ़ा व जरुरी व मौजूद दवाएं बांट रहे हैं।

कोरोना संक्रमित व उनके परिवारी जनों को भोजन पहुंचा रहे हैं स्वयंसेवक

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना महामारी से संक्रमित लोगों व उनके साथ रह रहे परिवारी जनों को सुबह शाम भोजन देने का काम राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ सेवा भारती के द्वारा शुरू किया गया है। लखनऊ महानगर में सेवा भारती के स्वयंसेवक पिछले 15 दिनों से कोरोना संक्रमित लोगों को भोजन उपलब्ध करा रहे हैं। इसके साथ ही अन्य किसी भी प्रकार के कामों में सहयोग कर रहे हैं।

विभाग कार्यवाह अमितेश के अनुसार महानगर में सेवा भारती के स्वयंसेवक चार प्रमुख अस्पतालों डॉ राम मनोहर लोहिया अस्पतालए बलरामपुर अस्पतालए लोक बंधु व किंग जॉर्ज मेडिकल कॉलेज में दोपहर में 1 बजे से 2 बजे के बीच में व शाम को 7 बजे से 8 बजे के बीच में कोविड.19 संक्रमित लोगों को व उनके साथ रह रहे तामीरदारों के लिए अलग अलग तरह का भोजन उपलब्ध करा रहे हैं। साथ ही अमितेश जी ने यह भी बताया कि लखनऊ महानगर के अंतर्गत 41 नगरों में भी सेवा भारती के द्वारा

हेल्पलाइन नंबर जारी किए गए हैं। इसके जरिये कोरोना संक्रमित परिवारों में अकेले रह रहे लोगों के लिए भोजन व अन्य किसी प्रकार की सहायता की आवश्यकता होने पर स्वयंसेवक उनका सहयोग कर रहे हैं। अस्पतालों में भोजन के लिये संदीप के नंबर 8188882387 से संपर्क किया जा सकता है।

रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम वाले मरीजों को लेकर कदम उठाएं डीजी: पीएमएस

लखनऊ। नान कोविड अस्पतालों में तैनात डॉक्टर व स्टाफ बड़ी संख्या में कोरोना संक्रमित हो रहे हैं। इसके पीछे सबसे मुख्य वजह रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम वाले मरीजों का आना मुख्य वजह बताया जा रहा है। ऐसे में प्रांतीय चिकित्सा सेवा संघ ने महानिदेशक को पत्र लिख कर उचित कदम उठाने की मांग की है। पीएमएस के अध्यक्ष डॉ सचिन वैश्य व महामंत्री डॉ अमित सिंह की तरफ से महानिदेशक को लिखे गए पत्र में कहा गया है कि नॉन कोविड अस्पतालों में रेस्पिरेटरी डिस्ट्रेस सिंड्रोम वाले मरीजों के पास न तो कोई कोविड जांच रिपोर्ट है या फिर एंटीजेंन निगेटिव मरीज हैं। इसके बावजूद भी उनकी एक्सरे व सीटी एक्सरे रिपोर्ट संदेह के आधार पर कोविड के दायरे में आती है। संघ के संज्ञान में आया है कि ऐसे मरीजों की भर्ती के लिए प्रभावशाली लोगों द्वारा जिला चिकित्सालयों से लेकर सीएचसी के डॉक्टरों पर दबाव बनाया जा रहा है। ऐसी परिस्थिति में नान कोविड वाले मरीजों व डाक्टरों में कोरोना संक्रमण की आशंका बनी हुई है।

गांव-गांव तक भाजपा को मिली सफलता

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा है कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में पार्टी को गांव-गांव तक सफलता मिली है। जिला पंचायत सदस्य, क्षेत्र पंचायत सदस्य व ग्राम प्रधान के पदों पार्टी कार्यकर्ताओं को विजय प्राप्त हुई है। इसके लिए जनता का कोटिश: आभार और कार्यकर्ताओं को बधाई जिन्होंने अथक परिश्रम करते हुए विजयश्री दिलाने में अहम भूमिका निभाई। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि जनता ने भाजपा को अभूतपूर्व समर्थन दिया है। जनता ने एक बार फिर परिवारवाद व भ्रष्टाचार की राजनीति को नकारते हुए शुचिता व सुशासन को प्राथमिकता दी है।

प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के परिणामों के बाद अब पार्टी अधिकतर जिलों में जिला व क्षेत्र पंचायतों में बोर्डों के गठन में जुटेगी। उन्होंने नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधियों से आह्वान किया कि यह कोविड महामारी के कारण उपजी संकट की घड़ी है। ग्रामीणों क्षेत्रों में कोविड संक्रमण का प्रसार न होने पाए इसके लिए हमें प्रयास करना होगा। इसलिए युद्ध स्तर पर जरूरतमंदों को हर सुविधा उपलब्ध कराने के लिए जुट जाएं। प्रदेश सरकार बुधवार से ग्रामीण क्षेत्रों में कोविड की ट्रेसिंग व टेस्टिंग का विशेष अभियान प्रारंभ कर रही है। सभी नवनिर्वाचित जनप्रतिनिधि अपने-अपने क्षेत्रों में स्थानीय स्तर पर समन्वय करते हुए अधिक से अधिक ग्रामीणों को इस अभियान से जोड़े।

पश्चिम बंगाल में कार्यकर्ताओं की हत्या के विरोध में भाजपा का धरना आज

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

बीजेपी पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हुई हिंसा को लेकर पूरे प्रदेश में पार्टी 5 मई को धरना देगी। प्रदेश अध्यक्ष स्वतंत्र देव सिंह ने कहा कि पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के परिणामो के बाद ममता बनर्जी के संरक्षण में तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं, उपद्रवियों व गुंडों द्वारा भाजपा कार्यकर्ताओं के साथ लगातार हिंसा, मारपीट और बड़ी संख्या भाजपा कार्यकर्ताओं की हत्याएं की जा रही हैं। बीजेपी के कार्यकर्ताओं, उनके घरों व प्रतिष्ठानों तथा पार्टी कार्यालयों को तृणमूल कांग्रेस के संरक्षण में चुन-चुनकर निशाना बनाया जा रहा है। तृणमूल कांग्रेस की इस गुंडागर्दी में अब हजारों पार्टी

कार्यकर्ता घायल हुए हैं और कई की हत्याएं कर दी गई हैं। तृणमूल कांग्रेस कार्यकर्ताओं की यह कार्रवाई लोकतंत्र के नाम पर कलंक है जिसके विरोध में पार्टी 5 मई को पूरे प्रदेश में धरना देगी।

पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा के निर्देशानुसार पूरे देश मे आयोजित किये जा रहे धरना-प्रदर्शन का यह आयोजन प्रत्येक मंडल में किया जाएगा और इस दौरान कोरोना गाइडलाइन का पूरी तरह पालन किया जाएगा। एक घंटे के इस धरने के दौरान उपस्थित कार्यकर्ताओं की संख्या एक बार में 20 से अधिक नहीं होगी। प्रदेश में कोविड-19 के कारण लागू कोरोना कर्फ्यू को दृष्टिगत रखते हुए पार्टी के सभी पदाधिकारी व जनप्रतिनिधि अपने-अपने घरों पर धरने पर बैठकर तृणमूल कांग्रेस द्वारा किये जा रहे लोकतंत्र पर हमले और भाजपा कार्यकर्ता की हत्या, उन पर हमले के खिलाफ अपना विरोध दर्ज करेंगी। स्वतंत्र देव सिंह लखनऊ अपने आवास पर धरने पर बैठेगे जबकि पार्टी के प्रदेश, क्षेत्र, जिला व मण्डल के पदाधिकारियों सहित जनप्रतिनिधि अपने-अपने घरों पर ममता सरकार के संरक्षण में हो रही हिंसा के खिलाफ अपने-अपने घरों पर धरने पर बैठकर अपना आक्रोश व्यक्त करेंगे।

25 से कम यात्रियों के होने पर नहीं जाएगी बस

लखनऊ। सप्ताह में पांच दिन जनता कफ्यू लगने की वजह से दैनिक यात्रियों की संख्या कम हो गई है। ऐसे में फुटकर सवारियों को अब एक बस में कम से कम 25 यात्रियों का इंतजार करना पड़ेगा। तभी बस अड्डे से बसें रवाना होंगी। ये बसें हाइवे से न होकर बल्कि शहर के भी सभी बस स्टेशनों से गुजरेंगी। साथ ही 300 किलोमीटर के लंबे सफर पर 50 फीसदी यात्री लोड फैक्टर होने पर बसें जाएंगी। यात्रियों की संख्या ज्यादा कम होगी तो ऐसी स्थिति में बस का संचालन रद्द कर दिया जाएगा। क्षेत्रीय प्रबंध द्वारा इस बावत लखनऊ परिक्षेत्र के सभी बस डिपो को दिशा निर्देश भेज दिया गया है। यात्री लोड फैक्टर की समीक्षा बैठक में 50 फीसदी से कम यात्री ढोहने पर चालक.परिचालक समेत डिपो के प्रभारी जिम्मेदार होंगे। वहीं ट्रेन से आने वाले श्रमिकों को दूसरे जनपदों तक ले जाने में भी यात्री लोड फैक्टर का ख्याल रखना होगा। श्रमिक स्पेलश बसों में भी 25 से कम लोगों को लेकर नहीं ले जा सकेंगे।

सीओ ने वापस लिया इस्तीफा

पीपीएस एसोसिएशन ने की एसएसपी के खिलाफ कार्रवाई की मांग

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

झांसी में कोरोना संक्रमित पत्नी और 4 साल की बेटी की देखरेख के लिए एसएसपी द्वारा छुट्टी न दिए जाने से नाराज सीओ सदर मनीष सोनकर द्वारा नौकरी से इस्तीफा दिए जाने के मामले में पीपीएस एसोसिएशन ने डीजीपी व अपर मुख्य सचिव गृह से कार्रवाई की मांग की है। वहीं दूसरी ओर डीआईजी जोगिंदर कुमार से हुई वार्ता के बाद सीओ ने मंगलवार को अपना इस्तीफा वापस ले लिया है।

इससे पहले इस प्रकरण में मंगलवार को पीपीएस एसोसिएशन की ओर से ट्वीट कर डीजीपी हितेश चंद्र अवस्थी और अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी को जानकारी दी गई कि डिप्टी एसपी मनीष सोनकर के साथ झांसी के एसएसपी द्वारा अपनी कॉविड ग्रस्त पत्नी और बेटी की देखभाल के लिए अवकाश मांगने पर इतना मानसिक प्रताड़न किया गया कि सोनकर द्वारा सेवा से त्यागपत्र दे दिया गया। पीपीएस एसोसिएशन ने दोनों वरिष्ठ अधिकारियों से इस प्रकरण का संज्ञान लेकर एसएसपी के खिलाफ यथोचित कार्रवाई की मांग की।

मनीष सोनकर के सोशल मीडिया पर वायरल हुए इस्तीफे में कहा गया था कि पत्नी के कोरोना संक्रमित होने के बाद उनकी 4 साल की बेटी की देखरेख के लिए घर में कोई दूसरा नहीं था जिसके लिए उन्होंने एसएसपी से 1 मई को ही 6 दिन की छुट्टी मांगी थी, इसके बावजूद 2, 3 मई की ड्यूटी बड़ागांव मतगणना केंद्र पर लगा दी गई। वही इस प्रकरण के पीछे एसएसपी झांसी रोहन पी कानय का कहना था कि मनीष सोनकर द्वारा नियम विरुद्ध अपने घर पर 2 फॉलोवर तैनात किए गए थे जबकि वह एक फॉलोवर ही रख सकते हैं। जब उन्होंने इस पर आपत्ति की और सरकारी खजाने से भुगतान रोक दिया तो उसके बाद से वह सही ढंग से ड्यूटी नहीं कर रहे थे।

पंचायत चुनाव में दागियों के सिर भी बंधा जीत का सेहरा

डकैतों के सगे संबंधी, बाहुबली की पत्नी, सांप्रदायिक हिंसा के आरोपी व अन्य अपराधों में शामिल रहे अभियुक्त भी जीत गए चुनाव

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में आपराधिक पृष्ठभूमि से जुड़े लोगों और उनके परिजनों के सिर भी जीत का सेहरा बंधा है। दुर्दांत दस्यु सरगनाओं के भाई-बेटे, बाहुबली माफिया की पत्नी, सांप्रदायिक हिंसा के आरोपी और हत्या व हत्या के प्रयास के अपराधों में शामिल रहे अभियुक्तों ने भी ग्राम प्रधानए क्षेत्र पंचायत व जिला पंचायत के चुनाव में न सिर्फ बढ़ चढ़कर हिस्सा लिया बल्कि अपनी जीत भी दर्ज कराई है। यूपी के बुंदेलखंड इलाके में कई दशकों तक दस्यु सरगनाओं का साम्राज्य कायम रहा। पंचायत से लेकर विधानसभा और संसद तक के चुनाव में इन्हीं सरगनाओं का फरमान चला करता था। पंचायत चुनाव में तो यह जिसे चाहते थे उसे निर्विरोध निर्वाचित करा देते थे। हालांकि बीहड़ों में दस्यु सरगनाओं का तो खात्मा हो चुका है लेकिन परिजन और करीबी आज भी राजनीति में सक्रिय हैं। दुर्दांत डकैत और एसटीएफ के साथ मुठभेड़ में मारे जा चुके अंबिका पटेल उर्फ ठोकिया के छोटे भाई अवधेश उर्फ दीपक पटेल ने भी पंचायत चुनाव में जीत दर्ज की है। अवधेश को चित्रकूट जिले के कर्वी विकासखंड के ग्राम पंचायत बंदरी से प्रधान निर्वाचित किया गया है। पांच लाख रुपए के इनामी रहे डकैत राधे पटेल का बेटा भी ग्राम प्रधान बन गया है। कर्वी ब्लाक के शीतलपुर से जेल में बंद डकैत राधे पटेल के बेटे अरिमर्दन सिंह उर्फ सोनू पटेल को प्रधान पद पर जीत मिली है। पूर्वांचल के बाहुबली माफिया और पूर्व सांसद धनंजय सिंह की पत्नी श्रीकला ने जौनपुर के सिकरारा वार्ड से जिला पंचायत सदस्य पद पर जीत दर्ज की है। बुलंदशहर में बीते 2018 में हुई स्याना हिंसा के मुख्य आरोपित योगेश राज वार्ड नंबर 5 से जिला पंचायत सदस्य निर्वाचित हुआ है। योगेश राज स्याना हिंसा के आरोप में 1 साल जेल में रहने के बाद न्यायालय से जमानत मिलने पर बाहर चल रहा है। वहीं हिंसा का दूसरा आरोपित सत्येंद्र राजपूत कोतवाली क्षेत्र के ग्राम लोंगा का प्रधान चुना गया है। सत्येंद्र 3 दिसंबर 2018 को क्षेत्र के ग्राम महाब में गोवंश के अवशेष मिलने के बाद भड़की खूनी हिंसा में नामजद दूसरा आरोपित था। पुलिस ने सत्येंद्र को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था, लगभग 8 महीने जेल रहने के बाद न्यायालय से जमानत मिलने पर सतेंद्र जेल से बाहर आया। गोरखपुर के बेलीपार क्षेत्र के चंदौली बुजुर्ग गांव में पूर्व प्रधान, प्रधान पद की प्रत्याशी व उनके समर्थक पर गोली चलाने का आरोपित जेल में बंद संतोष चुनाव जीत गया। बागपत के चर्चित रोहित हत्याकांड के मामले में जेल में बंद आरोपित रामवीर ग्यासरी उर्फ गाधी गांव का प्रधान बन गया है। मेरठ जनपद के सबसे संवेदनशील गांव माने जाने वाले भदौडा गांव में अपराधिक प्रवृत्ति के सुशील फौजी की मां गुड्डी को जीत मिली है। इस गांव से माफिया योगेश भदौड़ा की पत्नी चुनाव लड़ रही थी। इन दोनों के बीच में कांटे की टक्कर रही। जिसमें सुशील फौजी की मां गुड्डी को जीत मिली। बागपत में एक लाख रुपए के इनामी रहे प्रमोद राठी की मां सुभाषना देवी लगातार दूसरी बार गांगनौली गांव की प्रधान चुनी गई। सहारनपुर में पुलिस मुठभेड़ में मारे जा चुके मोस्टवांटेड राहुल खट्टा की मां क्षमा देवी ग्राम खट्टा प्रहलादपुर की दूसरी बार प्रधान बनी। कुख्यात ऊधम सिंह करनावल का ममेरा भाई एवं वाजिदपुर निवासी गुड्डू उर्फ अश्वनी अपने गांव का प्रधान चुना गया।

पंचायत चुनाव में केजरीवाल मॉडल पर यूपी की जनता ने लगाई मोहरः संजय सिंह

लखनऊ। आम आदमी पार्टी के यूपी प्रभारी और राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा है कि पंचायत चुनाव में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ और सत्ताधारी भाजपा को जन विरोधी नीतियों का जवाब जनता ने अपने वोट से देकर यह बता दिया है कि योगी और उनकी सरकार की उल्टी गिनती शुरू हो चुकी है। भाजपा समर्थित बहुत से कद्दावर नेताओं को जिला पंचायत सदस्य चुनाव में हार मिली है। सुखद बात यह है कि केजरीवाल के विकास मॉडल को यूपी की जनता ने स्वीकारते हुए आम आदमी पार्टी को भरपूर प्यार दिया है। संजय सिंह ने कहा कि मुख्यमंत्री के गृह जनपद गोरखपुर में आम आदमी पार्टी समर्थित प्रत्याशी को करीब साढ़े आठ हजार वोटों से जिताकर यह जता दिया है कि आने वाले विधानसभा चुनाव में उनका किला ढहने वाला है। रामनगरी अयोध्या में भी भाजपाइयों को मुंह की खानी पड़ी है। पंचायत चुनाव परिणाम के साथ पूरे प्रदेश में परिवर्तन की बयार बह चुकी है। इस चुनाव में आम आदमी पार्टी केजरीवाल की नीतियों को लेकर जनता के बीच पहुंची तो उसे भरपूर प्यार मिला। लोग यूपी में अब विकास का दिल्ली मॉडल लागू करना चाहते हैं, पंचायत चुनाव परिणाम ने इस बात पर मुहर लगा दी है।

पंचायत चुनाव में कांग्रेस के शर्मनाक प्रदर्शन के लिए केंद्रीय नेतृत्व जिम्मेदारः सिराज मेहंदी

लखनऊ। कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एवं राज्य विधान परिषद के पूर्व सदस्य सिराज मेंहदी ने पांच राज्यों के विधानसभा नतीजों और उत्तर प्रदेश में हुए पंचायत चुनावों में खराब और शर्मनाक प्रदर्शन के लिए केंद्रीय नेतृत्व को सीधे जिम्मेवार ठहराया है। उन्होंने कहा कि देश में कांग्रेस की निरन्तर घटती लोकप्रियता हम सबके लिए चिंता का विषय है। अब जरूरी हो गया है कि इस पर वृहद स्तर होना चाहिए। उन्होंने कहा कि यूपी में कांग्रेस को पंचायत चुनाव लड़ाने की कमान राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी ने अपने हाथ में ली थीं और इसके लिए लगातार लोगों से सम्पर्क भी कर रही थीं फिर इतने खराब नतीजों का आना न केवल पार्टी बल्कि हम सभी के लिए चिंता का विषय है। मेंहदी ने कहा कि पंचायत चुनाव प्रदेश के आगामी विधान सभा चुनाव की दृष्टि से काफी महत्वपूर्ण होते है। ऐसे में वरिष्ठ नेता और प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार उर्फ लल्लू ने यह कह कर कि पंचायत चुनाव कांग्रेस की प्राथमिकता में नहीं थे पार्टी को दूसरी राजनीतिक पार्टियों के सामने बौना बना दिया है, उन्होंने कहा कांग्रेस जैसी राष्ट्रीय दल के मुकाबले प्रदेश स्तरीय समाजवादी पार्टी और बहुजन समाज पार्टी के बेहतर प्रदर्शन ने यूपी में पार्टी के कद को और छोटा बना दिया है।

डेढ़ दर्जन से अधिक मौजूदा प्रधानों को मतदाताओं ने नकारा

मोहनलालगंज। विकास कार्यों और सरकारी योजनाओं का लाभ दिलाने में मोहनलालगंज के डेढ़ दर्जन से अधिक पिछले ग्राम प्रधान ग्रामीण मतदाताओं की कसौटी पर खरे नहीं उतर सके। लिहाजा मतदाताओं ने उन्हें नकार कर दूसरे उम्मीदवारों को पंचायत की कमान सौंप दी है। यही नहीं आरक्षण बदलने पर आधा दर्जन से अधिक प्रधानों से समर्थन पाए उम्मीदवारों को भी मतदाताओं ने पूरी तरह से नकार दिया है। मतगणना के बाद आए चुनावी नतीजों ने इस पर मुहर लगाकर मतदाताओं की नाराजगी सार्वजनिक कर दी है। मोहनलालगंज ब्लाक की भदेसुवा ,सिसेण्डी ,बघौना ,अचलीखेड़ा ,परेहटा ,रतनपुर ,रामदासपुर ,मंगटइया ,भौन्दरी ,डलौना ,कमालपुर बिचलिका ,मीरकनगर ,सल्सामऊ हिल्गी ,हुलासखेड़ा ,जबरौली ,डाड़ासिकन्दरपुर ,परसपुर थट्टा ,छतौनी ,सलेमपुर अचाका और गढ़ी मेंहदौली समेत तकरीबन 20 पंचायतों में मतदाताओं ने मौजूदा प्रधान और उनके करीबियों को नकारकर गांव की सत्ता दूसरों के सुपुर्द करने के लिए विरोध में मतदान किया है। रामदासपुर में तो मौजूदा प्रधान बेहद कम मत मिलने से लड़ाई में भी नहीं आ सके। यही नहीं तकरीबन 10 पंचायतों में मौजूदा प्रधान समर्थित उम्मीदवार भी मतदाताओं की पसंद नहीं बन सके। मतगणना परिणाम आने के बाद पंचायतों में इन दिनों चुनावी दिग्गज मतदाताओं का रुख भांपकर भविष्य के नफे-नुकसान की रणनीति बनाने में जुट गए हैं।

दर्जनभर प्रधानों को दोबारा मौका

मोहनलालगंज। मतदाताओं की उम्मीदों पर खरे उतरे निगोहां ,उत्तरगांव ,डिघारी ,मीरानपुर ,दाउदनगर ,नबीनगर ,डेबरिया ,अकबरपुर बेनीगंज ,विरसिंहपुर ,बलसिंहखेड़ा और गोविन्दपुर समेत दर्जनभर मौजूदा प्रधानों को समर्थन देकर मतदाताओं ने दोबारा मौका भी दिया है। इनमें से कुछ ने खुद तो कुछ ने पत्नी और बेटे को उम्मीदवार बनाकर जीत हासिल की है। यही नहीं कुछ पंचायतों में आरक्षण बदलने के बाइद मौजूदा प्रधान समर्थित उम्मीदवारों को भी कामयाबी मिली है। **जमानत भी नहीं बचा पाए कुछ प्रधान:** मोहनलालगंज की आधा दर्जन ग्राम पंचायतों को छोड़कर अधिकतर पंचायतों में प्रधान पद के उम्मीदवारों की जमानत तक जब्त हो गई है। राज्य निर्वाचन आयोग की वेबसाइट पर डाले गए नतीजों पर गौर करें तो कुछ पंचायतों से उम्मीदवार रहे मौजूदा प्रधान भी जमानत नहीं बचा सके हैं। जिसे लेकर पंचायतों में इन दिनों नतीजों पर विचार-विमर्श के दौरान जमानत प्रमुख मुद्दा बन रहा है।

पूर्व प्रमुख ने कोरोना से जंग जीतकर लहराया कामयाबी का परचम

● मोहनलालगंज में सपा को दो और बसपा व भाजपा को मिली एक-एक जिपंस सीट

संवाददाता। मोहनलालगंज

सपा समर्थित पूर्व ब्लाक प्रमुख विजयलक्ष्मी ने कोरोना से जंग जीतकर मोहनलालगंज के वार्ड नंबर 18 से जिला पंचायत सदस्य पद पर कामयाबी का परचम लहरा दिया है। कुल 5024 मत हासिल कर उन्होने भाजपा समर्थित निकट प्रतिद्वन्दी गरिमा आनन्द को मात दी है। चुनाव प्रचार के दौरान कोरोना संक्रमण की चपेट में आकर बिस्तर पर पड़ी जिन्दगी की जंग लड़ती रहीं पत्नी विजयलक्ष्मी की जीत पर सपा विधायक अम्ब्रीश सिंह पुष्कर ने क्षेत्रीय मतदाताओं का आभार जताकर दूने उत्साह से विकास कार्य कराने का भरोसा दिया है। वार्ड नंबर 19 से बसपा समर्थित युवा उम्मीदवार अमरेन्द्र कुमार ने 6052

जिला पंचायत चुनाव

मत पाकर निर्दलीय अनूप तिवारी को पीछे छोड़ा है। इस सीट पर सपा समर्थित उम्मीदवार शिवसागर लोधी तीसरे नंबर पर रहे। अपनी जीत पर मतदाताओं का आभार जता रहे अमरेन्द्र ने जनता और क्षेत्रीय विकास के लिए चौबीस घण्टे मुस्तैद रहने का आश्वासन दिया। जिला पंचायत के वार्ड नंबर 20 से भाजपा समर्थित जितेन्द्र कुमार ने 4062 मत पाकर सपा समर्थित आशुतोष को मात दी है। जबकि वार्ड नंबर 21 से सपा समर्थित अरुण कुमार ने 6930 मत पाकर निर्दलीय उम्मीदवार बृजेश कुमार को शिकस्त दी। मतदाताओं से मिले आशीर्वाद पर अरुण ने हमेशा क्षेत्रीय लोगों के लिए तत्पर रहने का भरोसा दिया। इस तरह मोहनलालगंज में जिला पंचायत के चार वार्ड में से दो वार्ड पर सपा और एक पर बसपा समर्थित उम्मीदवारों ने जीत हासिल की। सत्ताधारी भाजपा को महज एक वार्ड जीतकर ही संतोष करना पड़ा।

पीएम रिपोर्ट और फारेन्सिक एक्सपर्ट की राय पर टिकी पुलिस की तफ्तीश

मोहनलालगंज। पेट्रोल पम्प मैनेजर जसवन्त सिंह की हत्या मामले में मोहनलालगंज पुलिस पीएम रिपोर्ट और फारेन्सिंक एक्सपर्ट की राय के इंतजार में अब तक किसी नतीजे तक नहीं पहुंच सकी है। काल डिटेल से मिले मोबाइल नंबरों के सहारे भी पुलिस सुराग की तलाश कर रही है। वहीं पुलिस के क्राइम स्पेशलिस्ट की टीम पेट्रोल पम्प से लेकर मृतक के गांव मंगटइया जाकर लोगों से पूछताछ में जुटी हुई है। गौरतलब है कि सोमवार को इमिलिहाखेड़ा पेट्रोल पम्प में मैनेजर जसवन्त सिंह की भीलमपुर नहर पटरी पर गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। मंगलवार को शव गांव पहुंचने पर परिजनों ने अन्तिम संस्कार कर दिया। परिवार ने नम आंखों से जसवन्त को अन्तिम विदाई दी। एसीपी दिलीप सिंह ने बताया अभी कुछ कहना जल्दबाजी है। पुलिस गहनता से मामले की जांच-पड़ताल कर रही है। सभी बिन्दुओं से जुड़ी जानकारी सामने आने के बाद हम जल्द ही किसी नतीजे पर पहुंच जाएंगे।

राष्ट्रीय विद्युत नीति-2021 पर रोक लगाए जाने की मांग

लखनऊ। ऑल इंडिया पावर इंजीनियर्स फेडरेशन ने केन्द्रीय विद्युत् मंत्रालय से मांग करते हुए कहा कि राष्ट्रीय विद्युत नीति 2021 के मसौदे पर तत्काल रोक लगाई जाए। साथ ही टिप्पणियां प्रस्तुत करने की समय अवधि कम से कम छह महीने के लिए बढ़ाई जाए। फेडरेशन के चेयरमैन शैलेन्द्र दुबे ने केंद्रीय विद्युत मंत्री आरके सिंह को प्रेषित पत्र में कहा है कि ऊर्जा मंत्रालय ने राष्ट्रीय विद्युत नीति 2021 में किए जाने वाले प्रस्तावित प्रमुख संशोधनों का मसौदा 27 अप्रैल को जारी किया है। प्रस्तावित परिवर्तनों के लिए विद्युत अभियंताओं, कर्मचारियों और अन्य स्टेक होल्डरों की सबसे बड़ी आपत्ति यह है कि कोविड-19 महामारी के भीषण दौर में जारी किये गए मसौदे पर कमेंट करने के लिए मात्र 21 दिन का समय दिया गया है। फेडरेशन ने इस बात की निंदा की है कि बिजली नीति में संशोधनों के मसौदे को शुरू करने के लिए केंद्र सरकार को संकट में महामारी का ही समय मिला है।

ग्रीन ओलम्पियाड में उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए सीएमएस छात्र सम्मानित

लखनऊ। सिटी मोन्टेसरी स्कूल, राजाजीपुरम (प्रथम कैम्पस) के कक्षा-11 के मेधावी छात्र प्रखर राज रस्तोगी ने एनर्जी एण्ड रिसर्च इन्स्टीट्यूट, नई दिल्ली के तत्वावधान में आयोजित ग्रीन ओलम्पियाड में शानदार प्रदर्शन कर विद्यालय का नाम गौरवान्वित किया है। इस ओलम्पियाड में देश भर के विभिन्न प्रतिष्ठित विद्यालयों के छात्रों ने प्रतिभाग किया, जिसमें प्रखर ने सार्टिफिकेट ऑफडिस्टिंक्शन अर्जित कर अपने ज्ञान-विज्ञान व मेधात्व का परचम लहराया है। सी.एम.एस. के मुख्य जन-सम्पर्क अधिकारी हरि ओम शर्मा ने बताया कि यह ओलम्पियाड ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन, पर्यावरण प्रदूषण, जल एवं भूजल संरक्षण आदि विषयों पर छात्रों के ज्ञान को परखने के अलावा हरी-भरी खुशहाल धरती के प्रति जागरूकता बढ़ाने के उद्देश्य से आयोजित किया गया।

नौकरानी ने पति के साथ मिलकर बनाई थी लूट की योजना

लखनऊ। गुडम्बा थाना क्षेत्र के छुईया पुरवा पुलिस चौकी के पास अंजनी ज्वैलर्स की दुकान में लूट की योजना घरों में काम करने वाली एक महिला ने अपने पति के साथ मिलकर बनाई थी। पुलिस ने दंपत्ति को गिरफ्तार कर घटना का खुलासा कर दिया है। वहीं घटना में शामिल तीन बदमाश फरार हैं जिनकी पहचान होने के बाद पुलिस उनकी तलाश में संभावित ठिकानों पर छापे मार रही है। छुईया पुरवा पुलिस चौकी के पास सर्राफ अनुराग अवस्थी की अंजनी के नाम से ज्वैलर्स की दुकान है। शुक्रवार देर शाम नकाबपोश तीन बदमाश अंदर घुसकर लूटपाट का प्रयास करने लगे, विरोध में अनुराग से उनकी हाथापाई होने लगी। इस पर बदमाशों ने अनुराग के सिर पर बट मार कर घायल कर दिया। यह देख पड़ोस के किराना व्यवसायी पीयूष अग्रवाल भी अनुराग के बचाव में अंदर आकर बदमाशों से भिड़ गया। खुद को फंसता देख बदमाश भागने लगे तो पीयूष को पीछे दौड़ते देख बदमाशों ने उन्हें गोली मार दी और अपने साथियों के साथ बाइक और स्कूटी से असलहा लहराते हुए भाग निकले थे।

छह दिनों से लापता बच्चे का शव तालाब में उतराता मिला

लखनऊ। काकोरी इलाके में मंगलवार को छह दिनो से लापता घर से खेलने के लिए निकले बच्चे का शव तालाब में उतराता मिला। काकोरी अंतर्गत कस्बा चौकी के हाता निवासी रहीम बासित का चार वर्षीय पुत्र आर्यन छह दिन पहले घर से खेलने के नाम पर निकला था। जिसके बाद से वह लापता हो गया था। जिसकी बीते 28 अप्रैल को गुमशुदगी दर्ज करायी गयी थी। पुलिस की माने तो तलाश कर रहे काकोरी कस्बा चौकी इंचार्ज अवधेश शुक्ला व ज्ञानेंद्र तिवारी ने गांव के पास में स्थित तालाब को लाठी.डंडों से खंगाला तो बच्चे का शव उतराता मिला। जिससे घर में कोहराम मच गया।

झगड़े में वृद्धा की मौत, वियोग में पुत्र भी फांसी के फंदे पर झूला

बख्शी का तालाब। दो पक्षों में हो रही मारपीट में बीच बचाव के दौरान वृद्धा कि लाठी लगने से मौत हो गयीं । माता की मौत से दु:खी पुत्र ने भी देर रात फांसी लगाकर मौत को गले लगा लिया । सोमवार को कठवारा गांव के रहने वाले दोनों भाइयो कुँवारे और महिपाल के बेटों में खेत में गाय द्वारा भूसा खाने पर कहासुनी हो गयी और दोनों पक्षों में लाठी डंडे निकल पड़े । इसी दौरान बीच बचाव करने पहुचीं कुंवारे की पत्नी फूलमती के सर पर किसी की लाठी पड़ गयी। जिससे वह मौके पर गिरकर तड़पने लगी। सूचना पर पहुचीं पुलिस ने उन्हें सीएचसी बीकेटी पंहुचाया लेकिन उनकी गंभीर हालत को देखते हुये डाक्टरो ने उन्हें सिविल रिफर कर दिया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गयीं। यह खबर जब घर पहुचीं तो उनका पुत्र रमेश (35) जो मानसिक रूप से कमजोर था घर से चला गया। सुबह गांव के बाहर पेड़ पर रस्सी के सहारे उसका शव लटकता मिला।

पुलिस महकमे को जल्द मिल जाएंगे 14000 रिक्रूट आरक्षी

लखनऊ। फोर्स की कमी झेल रहे पुलिस महकमे को जल्द ही 14000 रिक्रूट आरक्षी मिल जाएंगे। सिपाही भर्ती 2018 के पहले बैच का चल रहा प्रशिक्षण इसी महीने पूरा होने वाला है। 27 मई को सभी प्रशिक्षण केंद्रों पर पासिंग आउट परेड होगी। पुलिस महकमे में सीधी भर्ती 2018 के तहत 49568 आरक्षियों की भर्ती की गई थी। इनमें से 14000 रिक्रूट आरक्षियों का पहले बैच में चयन किया गया था इन सभी को प्रदेश के विभिन्न केंद्रों पर प्रशिक्षण के लिए भेज दिया गया था। जानकारी के मुताबिक इस पहले बैच की ट्रेनिंग 27 मई को पूरी हो जाएगी। पुलिस प्रशिक्षण निदेशालय ने 27 मई को ही सभी प्रशिक्षण केंद्रों पर पासिंग आउट परेड आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। जिसके बाद इन आरक्षियों को जिलों में भेज दिया जाएगा।

मरीज की मौत के बाद परिजनों ने की अस्पताल में तोड़फोड़

लखनऊ । आशियाना थाना क्षेत्र के रुचि खण्ड में बने एक निजी अस्पताल में महिला मरीज की मौत के बाद परिजनों ने न केवल हंगामा किया बल्कि अस्पताल में जमकर तोड़फोड़ की। अस्पताल संचालक ने सोमवार की देर शाम आशियाना कोतवाली पहुंच कर मृतका के परिजनो को नामजद करते हुए मुकदमा दर्ज कराया है ।

थाने में खड़ी सीज गाड़ियों में लगी आग

लखनऊ। राजधानी लखनऊ के उत्तरी ज़ोन के हसनगंज थाने में उस वक्त हड़कम्प मच गया जब थाने के पीछे सीज खड़ी गाड़ियों में अचानक आग लग गई। हालांकि आग के कारणों का तो नही स्पष्ट हो पाया है। वहीं थाने के पीछे खड़ी सीज गाड़ियों में आग लगने से आसपास के लोग भी इकट्ठा हो गए, थाने के पुलिसकर्मियों में इस आग से हड़कंप मच गया।

जीवनदायिनी गोमती मांग रही स्वयं का जीवनदान

शिव विजय सिंह। लखनऊ

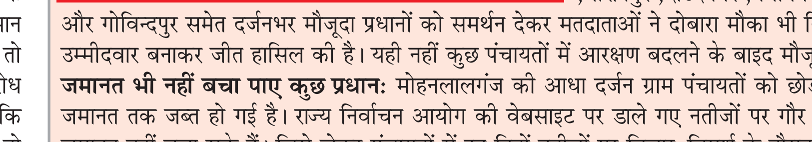

कोरोना संक्रमण काल में जिस तरह से लोग ऑक्सीजन के लिए परेशान हैं, ऐसा प्रतीत होता है यदि प्रदूषित होती गोमती नदी को जल्द ही साफ नहीं किया गया तो लखनऊ की जनता तो जरूरी ही भविष्य में पीने के पानी के लिए त्राहिमाम त्राहिमाम करने लगेगी। प्रदूषण विभाग की माने तो गोमती नदी में कुछ स्थानों पर ऑक्सीजन की मात्रा शून्य हो गई है, जो कि खतरे की घंटी है यदि समय रहते गोमती नदी के पानी को साफ नहीं किया गया तो जल जीव के साथ ही मानव जीवन के लिए भी एक बड़ा खतरा बन सकता है। सही मायने में हम सब कलयुग में ही जी रहे हैं शायद यही कारण है कि मौजूदा समय में जीवनदायिनी कही जाने वाली गोमती नदी स्वयं जीवनदान मांग रही है। गोमती के नदी की पानी की हालत काफी खराब हो चुकी है, पानी पूरी तरह काला हो चुका है और उसमें से दुर्गंध आने लगी है। वैज्ञानिक भाषा में कहा जाए तो गोमती नदी के पानी में आक्सीजन की मात्रा 4.0 मिलीग्राम से भी कम हो गई है। यह आंकड़ा प्रदूषण विभाग का है। गोमती नदी का यह हाल कुड़ियाघाट, हनुमान सेतु, गोमती बैराज एवं 1090 चौराहा के पास का है। गोमतीनगर स्थित 1090 के पास गोमती नदी का हाल काफी भयावह हो चुका है, यहां का पानी पूरी तरह काला पड़ चुका है, दुर्गंध तक आने लगी है। कुल मिला के इस स्थान पर गोमती नदी के पानी में घुलित आक्सीजन की मात्रा शून्य के आसपास पहुंच गई है। स्थितियां यह हैं कि उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड ने गोमती के पानी की बिगड़ती दशा को देखते हुए संबंधित विभागों को सचेत भी किया है। बोर्ड के क्षेत्रीय अधिकारी डा.रामकरन ने बताया कि इस संबंध में उनके द्वारा सिंचाई विभाग को पत्र भी लिखा जा चुका है कि जल्द ही कोई व्यवस्था की जाए जिससे गोमती नदी के पानी में कम हो रही घुलित आक्सीजन का लेवल ठीक किया जा सके । देखा जाए तो गोमती में बढ़ते प्रदूषण को देखते हुए प्रदेश की योगी सरकार द्वारा कई बार प्रयास शुरू किया गया, लेकिन नतीजा शून्य ही रहा। वर्ष 2017 में जब प्रदेश में भाजपा सरकार आई थी तो उसके कुछ ही महीनों बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ स्वयं अपने मंत्रियों के साथ गोमती नदी सफाई के लिए मैदान में उतरे थे। गोमती नदी पर बने बैराज घाट से इस अभियान की शुरूआत हुई थी। हाथों में झाड़ू, फावड़ा लेकर सीएम योगी ने सफाई की शुरूआत की थी। योगी सरकार ने गोमती रिवर फ्रंट को सजाने-संवारने का जिम्मा एलडीए को सौंपा था। मुख्यमंत्री द्वारा चलाए गए इस अभियान के करीब 4 वर्ष पूरे हो गए हैं लेकिन गोमती की स्थिति पहले से और भी खराब हो गई है। अभी भी गोमती में दो दर्जन से ऊपर नालों का गंदा पानी अपना जहर उगल रहा है। गोमती के काले पड़ चुके पानी व उसकी दयनीय स्थिति को देखते हुए पिछले महीने नगर विकास मंत्री आशुतोष टंडन एवं जल शक्ति मंत्री महेंद्र सिंह ने गोमती नदी का निरीक्षण किया और संबंधित विभागों के उच्च अधिकारियों के साथ बैठक कर तत्काल सफाई के निर्देश दिए। लेकिन इस बार भी मामला ढोल में पोल ही साबित हुआ। इस संबंध में शुभ संस्कार समिति के महामंत्री रिद्धि किशोर गौड़ से बात की गई तो उन्होंने कहा कि जब तक गोमती नदी सफाई के लिए कोई विधिवत प्लान तैयार नहीं होगा तब तक गोमती का पानी साफ नहीं हो सकता। उन्होंने कहा कि हर बार गोमती सफाई के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति होती है।

सड़क हादसों में पिता-पुत्री समेत चार लोगों की मौत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

काकोरी थाना क्षेत्र में जहां सड़क हादसे में पिता-पुत्री समेत तीन की मौत हो गयी। वहीं मोहनलालगंज में हुये हादसे में एक की मौत हो गयी। दुबग्गा पुलिस चौकी इंचार्ज दिलशाद चौधरी ने बताया कि पहाड़पुर तिकोनिया थाना गोसाईगंज निवासी विकास सिंह उम्र 20 वर्ष अपनी मौसी बीना सिंह उम्र 40 वर्ष समेत अपनी पुत्री बिट्टू उम्र 6 वर्ष के साथ एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए मोटरसाइकिल से इटौंजा जा रहे थे। रास्ते में दोपहर के समय आईआईएम रोड पर दुबग्गा स्थित कूड़ा घर के पास पीछे से तेज रफ्तार से आ रही ट्रैक्टर ट्राली ने जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में विकास सिंह की मौके पर ही मौत हो गयी। मौके पर पहुंची पुलिस ने वीना सिंह और बच्ची बिट्टू को इलाज के लिए ट्रामा सेंटर भेज दिया। जहां इलाज के दौरान बिट्टू और बीना सिंह की मौत हो गयी। काकोरी पुलिस ने ड्राइवर को ट्रैक्टर ट्राली समेत गिफ्तार कर लिया है। वहीं मोहनलालगंज के खुजौली नीलमथा मार्ग पर कस्तूरबा गांधी आवासीय बालिका विद्यालय के निकट सामने से आ रही बेकाबू कार ने उनकी बाइक में जोरदार टक्कर मार दी। हादसे में निजामुद्दीन ने मौके पर दम तोड़ दिया जबकि जख्मी नूर आलम को सीएचसी से ट्रामा सेण्टर रेफर किया गया है। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजकर पुलिस मामले की जांच कर रही है।

युवाओं को शिकार बना रहा कोरोना

● चुनाव के साथ ही जिंदगी की भी जंग हार गए राजेश

● पूर्व सीएमओ समेत फार्मासिस्ट के पुत्र का भी हुआ निधन

संवाददाता। अंबेडकरनगर

राजेश

कोरोना का संक्रमण जिले में युवाओं को लगातार अपना शिकार बनाता जा रहा है । समाचार प्रेषण तक चार लोगों के निधन की सूचना प्राप्त हो चुकी है इनमें एक पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी भी शामिल है। टांडा विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत कलेसर में प्रधान पद के प्रत्याशी रहे राजेश का कोरोना संक्रमण से मेडिकल कॉलेज में निधन हो गया। प्रधान पद का चुनाव हारने के साथ ही राजेश जिंदगी की भी जंग हार गए।राजेश की मां रामपती अब तक ग्राम पंचायत कलेसर की प्रधान रही थी। उनका भी लगभग दो माह पूर्व ही निधन हो गया था। पंचायत चुनाव के दौरान ही राजेश का स्वास्थ्य बिगड़ना शुरू हो गया था । जांच के दौरान फेफड़े में संक्रमण की पुष्टि भी हुई लेकिन चुनाव का अंतिम दौर होने के कारण उनकी स्थिति बिगड़ गई। राजेश को राजकीय मेडिकल कॉलेज सदरपुर में भर्ती कराया गया जहां तीन दिन तक जीवन और मौत के बीच संघर्ष करते-करते सोमवार की रात उन्होंने अंतिम सांस ली। राजेश पूर्व मंत्री लालजी वर्मा के आदर्श कन्या महाविद्यालय बरुआ जलाकी में वरिष्ठ लिपिक के रूप में कार्यरत थे। राजकीय मेडिकल कॉलेज से उनके शव को इलतिफातगंज स्थित श्मशान घाट पर ले जाया गया जहां अंतिम संस्कार कर दिया गया। इसके अलावा बेवाना निवासी पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ धीरेंद्र का कोरोना संक्रमण के कारण लखनऊ में निधन हो गया। शिक्षक प्रतिनिधि व निमदीपुर निवासी राघवेंद्र शुक्ला के भाई सत्य प्रकाश शुक्ला का कोरोना संक्रमण के कारण दिल्ली के अपोलो अस्पताल में निधन हो गया। सत्य प्रकाश शुक्ला का गुर्दा प्रत्यारोपण हुआ था जिसको चेक कराने के लिए वह कुछ दिन पूर्व दिल्ली गए हुए थे । वह संक्रमण की चपेट में आ गए । हालत बिगड़ने पर उन्हें अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां सोमवार की देर रात उनका निधन हो गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के फार्मासिस्ट रामसुंदर के पुत्र खेमापुर निवासी विमल का भी सोमवार की रात ही निधन हो गया। वह पशु चिकित्सक थे तथा बीते तीन दिनों से सांस फूलने से परेशान थे। उन्हें टांडा स्थित एमसीएच विंग में भर्ती कराया गया था।

दिलचस्प रहा टांडा विकास खण्ड का परिणाम

● गंगाराम ने दर्ज की ऐतिहासिक जीत ● भाजपा को मिली करारी शिकस्त

अंबेडकरनगर। जिला पंचायत सदस्य पद का चुनाव बेहद दिलचस्प रहा। टाण्डा पश्चिमी प्रथम वार्ड 16 से सपा प्रत्याशी गंगाराम कन्नौजिया ने अपने प्रतित्वन्दी को हराते हुए ऐतिहासिक जीत हाशिल की। गंगाराम ने 6760 मत पाकर अपने प्रतित्वन्दी एआईएमआईएम पार्टी के समर्थित प्रत्याशी रामपाल से 2659 मतों से जीत हासिल की है । काफी अंतर से इस जीत पर बधाई का सिलसिला जारी है वही समाजवादी पार्टी के बागी प्रत्याशी राम कुमार कन्नौजिया 3969 मत पाकर तीसरे स्थान पर रहे। गंगा राम कन्नौजिया पूर्व में टाण्डा ब्लाक प्रमुख रहे हैं और राजनीति का तजुर्बा इन्हें शुरू से था। पार्टी के कुछ नेताओं के विरोध के बावजूद गंगा राम ने ऐतिहासिक जीत हासिल कर बागियों के मुँह पर तमाचा मारा है। गंगाराम डाँडी के निवासी हैं जो पूर्व में प्रधान भी रह चुके है। टाण्डा क्षेत्र से पश्चिमी प्रथम सीट संघर्ष पूर्ण रही लेकिन सपा ने जीत हासिल कर अपना लोहा मनवाया। वही सपा समर्थकों में खुशी का माहौल है। गंगाराम कन्नौजिया ने इस जीत का हकदार जनता को बताया है और चुनाव लड़ने का अवसर देने के लिए पार्टी को भी धन्यवाद ज्ञापित किया है। वही दूसरी तरफटाण्डा पश्चिमी द्वितीय से सुनरा देवी अपने प्रतित्वंदी को हराते हुए भारी मतों से विजयी हुईं। टांडा पूर्वी उत्तरी से निर्दल प्रत्याशी श्याम सुंदर वर्मा उर्फ साधु वर्मा ने भी ऐतिहासिक जीत हासिल की है। टाण्डा मध्य प्रथम से कृष्णामती पासवान, टाण्डा मध्य द्वितीय से चतुरा देवी ने जीत हासिल कर परचम लहराया। कपिल देव वर्मा के अति करीबी माने जाने वाले देव पटेल ने भाजपा से अपनी माता को टाण्डा पश्चिमी द्वितीय से चुनावी मैदान में उतारा था लेकिन इनको जनता ने लड़ाई से ही बाहर कर दिया। टाण्डा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। टाण्डा से भाजपा को किसी सीट पर जीत हासिल नही हो सकी।

क्विक न्यूज़

चंदौरा गांव में पूर्व प्रमुख सहित आधा दर्जन मौतों से सनसनी

मिल्कीपुर अयोध्या। अमानीगंज विकासखंड के चंदौरा गांव में पखवाड़े भर में आधा दर्जन से अधिक मौतें होने से हड़कम्प मच गया है। लोग तरह .तरह चर्चाएं कर रहें और सहमें हुए है। ग्रामीणों का कहना है कि सर्दी जुखाम बुखार और सांस संबंधी कोरोना के लक्षणों वाली बीमारी की समस्याओं के चलते ही लोगों की मौतें हुई है। हलांकि प्रशासन इससे अनजान बना हुआ है। मंगलवार को पूर्व प्रमुख सुमन रावत की आकस्मिक मौत से लोगों में व्याप्त हो गया है। पूर्व प्रमुख के बेटे रामसागर 35 का श्वांस की समस्या के चलते आकस्मिक निधन हो गया था और 30 अप्रैल को उनके भतीजे राम सागर 32 का भी इसी तरह आकस्मिक निधन हुआ है। एक ही परिवार में हुई तीन आकस्मिक मौतों ने ग्रामीणों में दहशत पैदा कर दिया है। इन्हीं समस्याओं के चलते ही रामअचल मिश्र 58 वर्ष भवानी सहाय मिश्रा 50 वर्ष व सलीम की 35 वर्षीय पत्नी की भी मृत्यु हो गई है। मौतों के बाद समूचे गांव में पसरा है मातमी सन्नाटा। ग्रामीणों ने अधिकारियों से गांव में सामूहिक कोरोना टेस्टिंग कराये जाने एवं गांव को सैनिटाइज कराने की मॉग की है।

प्रचंड गर्मी को देखते हुए बेजुबानों के लिए संस्था ने कई स्थानों पर रखी पानी की हौदी

अयोध्या। मां शांति सेवा फाउंडेशन बेनीगंज ने प्रचंड गर्मी को देखते हुए सैंजाफी हॉस्पिटल व भवदीय पब्लिक स्कूल के योगदान से संस्था द्वारा संस्था अध्यक्ष श्रीमती नेहा कुमारी संरक्षक बसंत राम ने उप निरीक्षक शंकर यादव साहब गंज चौकी के नेतृत्व में इस गर्मी में बेजुबान पशुओं के लिए प्यास बुझाने एवं साफ भोजन खाने के लिए कई स्थानों पर हौदी रखी गयी जिसका शुभारंभ उप निरीक्षक यादव जी ने हौदी में पानी डालकर किया और यादव जी ने कहा संस्था का कार्य सराहनीय है हर व्यक्ति को सहयोग कर पशुओं का सहारा बनना चाहिए सेवा में इबादत बसती है ! संस्थापक बसंत राम ने कहा बेजुबान पशुओं का सहारा सिर्फ इंसान होता है हर इंसान को पशुओं के प्रति इंसानियत सेवा भाव रखने की जरूरत है! अध्यक्ष नेहा कुमारी ने बताया कि बेजुबानों की सेवा करना मानव धर्म है और इस पुण्य कार्य में डॉ मुकेश कुमार गौतम निदेशक सैंजाफी हॉस्पिटल व डॉ अखिलेश कुमार वर्मा सचिव भवदीय पब्लिक स्कूल के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया और उपस्थित लोगों को पशुओं के प्रति जागरूक का निवेदन किया इसी कड़ी में वरिष्ठ पत्रकार सुबोध श्रीवास्तव ने कहा कि सभी लोग अपने अपने घरों के सामने जानवरों की प्यास बुझाने एवं खाना खाने की व्यवस्था करें कार्यक्रम में इंद्रजीत आरती देवी, अमित चौहान तस्सू वैद्य, प्रांजली चौधरी एस्यूरज चौधरी रहे।

रामपुर बेनीपुर में 15 साल पुराना किला ध्वस्त

अंबेडकरनगर। विकासखंड बसखारी के ग्राम सभा रामपुर बेनीपुर में गंगेश कुमार पासी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी राम लाल को 397 मतों से पराजित करके ग्राम प्रधान पद के लिए चुनाव में विजय प्राप्त किया। ज्ञात हो कि विगत 15 वर्षों से इस ग्राम सभा में रामुलाल के पिता और माता ने ग्राम पंचायत प्रधान पद पर कब्जा कर रखा था लेकिन इस बार उनकी कारगुजारियों से व्यथित ग्रामवासियों ने परिवर्तन का निर्णय कर लिया था। ग्रामवासियों ने युवा तेज तर्रार और ईमानदार ,मिलनसार छवि के गंगेश कुमार पासी को विजयी बनाने का निश्चय कर लिया था। यह भी उल्लेखनीय है कि प्रा0 विश्रामपुर बेनीपुर की विद्यालय प्रबन्ध समिति के उपाध्यक्ष के रूप में वे बच्चों की शिक्षा के लिए सतत सहयोग करते रहे हैं। उन्होंने बच्चों की सुरक्षा के लिए विजयी होने पर विद्यालय की चारदीवारी बनवाने और अन्य व्यवस्थाओं को ठीक करने का भी निश्चय कर रखा था। ग्रामवासियों ने उनके विजयी होने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

कोविड राहत कार्य में अस्पतालों में दी जा रही मदद

प्रयागराज। भारत देश कोविड 19 कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर से जूझ रहा है। जिससे देश की आंतरिक स्वास्थ्य सेवा पर अत्यधिक दबाव पड़ रहा है। देश के प्रति प्रतिबद्धता को निभाते हुए वीवो ने कोविड से राहत के लिए दस करोड़ रुपये की सहायता प्रदान करने की घोषणा की है। इसमें दो करोड़ का दान भी शामिल है। जिसकी घोषणा हाल ही में की गयी थी। वीवो केअर्स के अंतर्गत वीवो ने कोविड 19 की विनाशकारी दूसरी लहर के दौरान जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए कई पहल की है। कंपनी के द्वारा छह करोड़ रुपये के ऑक्सीजन कॉन्स्ट्रेटर का वितरण विभिन्न सरकारी अस्पतालों में किया जायेगा। कोविड राहत कार्य में मदद मिलेगी। वीवो इंडिया के ब्रांड स्ट्रेटेजी निदेशक निपुन मार्या ने कहा कि मानव इतिहास के सबसे बड़े संकटों में से एक से जूझ रहे हैं। संकटकाल में सभी के लिए एक दूसरे की सहायता करना सबसे महत्वपूर्ण है। यह पहल समाज के प्रति उसकी सेवा में उठाया एक छोटा सा कदम है। एक दूसरे की सहायता से इस संकट पर जीत पा सकेंगे। राज्य और केंद्र सरकार की एजेंसियों को नौ लाख मास्क पंद्रह हजार पीपीई सूट और पचास हजार लीटर सैनिटाइजर दे चुके हैं।खाद्य पदार्थों के माध्यम से पोषण पुस्तकों और स्टेशनरी के माध्यम से शिक्षा और दैनिक आवश्यक वस्तुओं के माध्यम से स्वच्छता को बढ़ावा देने का प्रयास किया जायेगा। कार्डियो वेंटिलेटर मशीन से लैस दो एम्बुलेंस दान करने का भी संकल्प लिया है।

बिजली का खंभा बना दुर्घटना का कारण

प्रयागराज। मुट्ठीगंज क्षेत्र के महावीरन गली में बीच सड़क पर झुका हुआ बिजली का खम्भा दुर्घटना को दावत दे रहा है। आए दिन खंभे से भिड़ कर वाहन चालक गिरकर चोटिल होते हैं। इसकी आड़ में अतिक्रमण करने वाले लोग खंभे के आगे पीछे अनाधिकृत रूप से अवैध कब्जा जमाए हुए हैं। विद्युत विभाग में कई बार शिकायत करने के बावजूद इस पर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई। खंभे के चलते सड़क पर आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं।जिसकी वजह से लोगों को परेशानी का सामना उठाना पड़ता है। विभागीय अधिकारियों द्वारा अभी तक इस खंभे को बदला नहीं जा रहा है। किसी भी दिन किसी बड़ी दुर्घटना के घटने की संभावना जताई जा रही है। क्षेत्रीय लोगों ने इस खंभे को बीच सड़क से हटाए जाने के लिए विद्युत विभाग से कई बार मौखिक एवं लिखित शिकायत दी है। परंतु कोई कार्यवाही नहीं की गई।

संक्रमण के भय से सूना हो गया संगम

प्रयागराज। देश के अलग.अलग हिस्सों से आने वाले हजारों श्रद्धालुओं से गुलजार रहने वाला संगम एक बार फिर सूना हो गया है। गंगा यमुना के साथ अदृश्य सरस्वती के मिलन स्थन पर एक पखवाड़े पहले जैसी चहल पहल नहीं है। संगम पिछले साल की तरह सूना हो गया है। अप्रैल के पहले सप्ताह तक संगम क्षेत्र में रौनक थी। कोरोना का कहर बढ़ने के बाद संक्रमण से बचने के लिए संगम आने वाले श्रद्धालु कम होने लगे। पिछले साल अप्रैल में संगम ऐसे ही सूना हुआ था। तब लॉकडाउन लगा था। इस बार लॉकडाउन नहीं लगा लेकिन संक्रमण के खौफसे श्रद्धालु संगम नहीं आ रहे हैं। संगम की सैर कराने वाली नावें किनारे खड़ी हैं। नावों पर बैठे नाविक सुबह से शाम तक टकटकी लगाए संगम सैर करने वालों का इंतजार करते रहते हैं। वेणी बांध पर सिंदूर बिंदी व अन्य श्रृंगार के सामानों की दुकानें लगी हैं लेकिन खरीदने वाली महिलाएं नहीं है। परेड में खानपान की दुकानों में सन्नाटा पसरा है। श्रद्धालुओं के न आने से नाविकए तीर्थ पुरोहित दुकानदारए आटो चालकों की स्थिति खराब हो गई है। सामान्य दिनों में श्रद्धालुओं से कमाने वाले नाविक और फुटपाथी दुकानदारों की बोहनी तक नहीं हो रही है। क्षेत्र में खानपान की बिक्री 90 फीसदी तक घट गई है। लॉकडाउन नहीं लगा लेकिन संगम पर पिछले साल की तरह ही उदासी है। कोरोना की सुनामी में संगम की खूबसूरती बह गई। अब तो महामारी का प्रकोप कम होने के लिए लंबा इंतजार करना होगा। संक्रमण से बचने के लिए लोगों को अस्थि कलश लाने से भी रोका जा रहा है।

बारात में गैर समुदाय के युवाओं ने की मारपीट, रुपयों से भरा बैग छीना

मिल्कीपुर, अयोध्या। इनायतनगर थाने के चिखड़ी पूरे मठिया में अजय तिवारी के घर बारात आई थी। जिसमें बगल गांव के मुस्लिम समुदाय के मनबढ़ किस्म के युवकों ने यूनिटी बनाकर बारातियों पर हमला कर दिया। हमले में करीब आधे दर्जन लोग घायल हुए हैं। यही नहीं आरोप है कि युवकों ने लड़की के पिता के हाथ से पैंसों से भरा बैग भी छीन लिया। जिसमें नकदीए एटीएम कार्ड व एक मोबाइल फोन भी था। घटना रविवार रात की बतायी जाती है। इनायतनगर थाने के ग्राम चिखड़ी में एक व्यक्ति के यहाँ बारात आयी थी। बारात गांव के बाहर टिकी थी। जिसमें बगल गांव मलेथू खुर्द के मुस्लिम बिरादरी के मनबढ़ युवकों ने पहुंच कर अभद्र टिप्पणी कर दी। जब इसका विरोध बारातियों ने किया तो युवकों ने बारातियों पर हमला बोल दिया। और पिटाई शुरू कर दिया। गुहार पर पहुंचे लड़की के पिता का बैग छीनकर दबंग युवक मौके से भाग लिए।दबंग युवकों की पिटाई से घराती बराती के पाँच लोगों को गम्भीर चोटें आई हैं। जिसमें अजय मिश्रा, भानु प्रताप मिश्रा, आनंद पांडे, पीयूष मिश्रा व श्रेयस पांडे को चोंट आयी हैं। सभी चोटहिलों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मिल्कीपुर में किया गया। हैरिंग्टनगंज चौकी प्रभारी राम अवतार राम ने बताया कि इस मामले में भानु प्रताप मिश्र ग्राम पुरे रामभद्र सरैया माफी निवासी सुल्तानपुर की तरफ से पांच नामजद मोहम्मद साबिरए अख्तर अलीए खुर्शील जमालए जमील बेग व भद्दू समस्त निवासी ग्राम मलेथू खुर्द थाना इनायतनगर तथा छह अन्य के खिलाफकेस दर्ज कराया गया है। लोगों के खिलाफ कार्यवाही की जा रही है वहीं विश्व ब्राह्मण परिषद के प्रदेश अध्यक्ष रवि नन्दन त्रिपाठी ने बताया कि मुस्लिम समुदाय के मनबढ़ युवकों ने घर वालों तथा बारातियों को जमकर मारा पीटा। इसके बाद लड़की की विदाई भी नहीं होने दे रहे थे पुलिस व विश्व ब्राह्मण परिषद के साथियों के साथ सुल्तानपुर की सीमा तक लड़की को विदा कराकर छोड़ा गया।

जिलाधिकारी ने किया अस्पताल का निरीक्षण

अयोध्या। डीएम अनुज कुमार झा ने प्रभारी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अरबिन्द चतुर्वेदी व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ घनश्याम सिंह के साथ राजर्षि दशरथ स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय/कोविड एल-2 चिकित्सालय दर्शन नगर का निरीक्षण किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने प्राचार्य को प्लास्टिक सर्जरी एवं बर्न यूनिट में स्थापित स्क्रीनिंग क्षेत्र-1 के निरीक्षण के दौरान मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य को ड्यूटी पर तैनात समस्त चिकित्सकों व संबंधित कार्य के प्रभारियों के नाम, पदनाम, कार्य/विभाग व मोबाइल नंबर की सूची कार्य से संबंधित वार्ड के सामने तत्काल चस्पा करने के निर्देश दिए। जिससे चिकित्सालय में आने वाले अथवा भर्ती मरीज को किसी भी प्रकार की समस्या होने पर मरीज या उसके तीमारदार द्वारा तत्काल संबंधित चिकित्सक अथवा कार्य के प्रभारी से सीधे फोन पर भी संपर्क कर अपनी समस्याओं का शीघ्रातिशीघ्र निदान प्राप्त कर सके।

जिला पंचायत चुनाव में भाजपा को मिली करारी शिकस्त

अंबेडकरनगर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में भाजपा को जिला पंचायत के चुनाव में जबरदस्त झटका लगा है। लगभग 6 महीने से चुनावी तैयारियों में जुटी भाजपा 41 जिला पंचायत सीटों में से महज दो सीटों पर ही जीत दर्ज कर सिमट गई है। भाजपा ने भीटी चतुर्थ व जहांगीरगंज पश्चिमी से ही जीत दर्ज की। भीटी चतुर्थ से अमरेंद्र पाल व जँहागिरगंज पश्चिमी से अशोक कनोजिया ने जीत दर्ज की। महत्वपूर्ण बात यह रही कि भारतीय जनता पार्टी के अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष शिव नायक वर्मा बसखारी दक्षिणी एवं निवर्तमान जिलाध्यक्ष कपिलदेव वर्मा रामनगर दक्षिणी सीट से चुनाव हार गए हैं। दूसरी तरफलोक गायिका डॉ प्रतिमा यादव ने बसपा के गढ़ में सेंध लगाते हुए निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर अकबरपुर द्वितीय से जीत हासिल कर ली है। यह चुनाव परिणाम भाजपा के लिए काफी उतार-चढ़ाव भरा साबित हुआ है। सबसे ज्यादा संशय रामनगर दक्षिणी सीट को लेकर रहा। यहां पर निवर्तमान जिला अध्यक्ष कपिल देव वर्मा का मुकाबला सपा के बागी प्रत्याशी अश्वनी यादव से हुआ। मतगणना के शुरुआती दौर से ही लगातार दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे कपिल देव वर्मा कभी भी निर्णायक बढ़त नही बना सके। लंबे जद्दोजहद के बाद प्रशासन ने अश्विनी यादव को 1085 मतों से विजई घोषित किया। चुनाव परिणाम की घोषणा होने के पूर्व रामनगर मतगणना केंद्र पर काफी गहमागहमी रही। मतगणना पर्यवेक्षक के साथ-साथ प्रभारी डीएम घनश्याम मीणा व एडीएम डॉ पंकज वर्मा समेत भारी पुलिस बल मतगणना केंद्र पर मौजूद रहा। जिले में बड़ी संख्या में सपा व बसपा के साथ ही निर्दलीय प्रत्याशियों ने चुनाव मैदान में बाजी मारी है। अब देखना यह है कि जिला पंचायत अध्यक्ष की सीट पर आस लगाए रही भाजपा का अगला कदम क्या होता है।

दस दिनों में लगभग आधी हुई कोरोना संक्रमण की दर

प्रयागराज। जनपदवासियों के लिए अच्छी खबर है। संक्रमण की दर धीरे धीरे कम हो रही है। पिछले दस दिनों में देखा जाए तो संक्रमण की दर लगभग आधी हो गई है। पिछले सात दिनों से दो हजार से कम संक्रमित मिल रहे हैं। चार दिनों से संक्रमितों की संख्या 1500 से भी कम हो गई है। लेकिन चिंताजनक यह है कि मौतों की संख्या अभी कम नहीं हो रही है। पिछले चार दिनों से सरकारी रिकार्ड में ही 20 से ज्यादा मौतें दर्ज की जा रही हैं।

पिछले दस दिनों यानी 22 अप्रैल से एक मई की बात करें तो 22 अप्रैल को संक्रमण की दर 15.79 यानी 16 प्रतिशत थी। एक मई को संक्रमण की दर घटकर 8.58 यानी नौ प्रतिशत हो गई है। पिछले दस दिनों में कुल 130289 नमूनों की जांच की गई। स्पष्ट है कि औसतन हर रोज 13028 नमूनों की जांच की गई। इस औसत पर संक्रमण की दर का आंकलन करें तो 22 अप्रैल को संक्रमण की दर 16.54 यानी 17 प्रतिशत थीए जो एक मई को घटकर 8.78 यानी नौ प्रतिशत हो गई है।संक्रमण की दर में आई कमी का श्रेय काफी हद तक प्रयागराज के लोगों को ही जाता है। यातायात विभाग के आंकड़े इस बात का गवाह हैं कि शहर में ट्रैफिक लोड कम हो गया है। लॉकडाउन वाले तीन दिनों के अलावा बाकी दिनों में भी शहरी बेवजह घर से बाहर निकलने से परहेज करने लगे हैं। शहर में टेंपो सहित अन्य वाहनों का संचालन 70 प्रतिशत तक कम हुआ है।

दुकानों पर सोशल डिस्टेंसिंग भी दिखने लगी है। पहले की तुलना में इस मामले में शहरी जागरूक हुए हैं। लोग दुकान पर दूरी बनाकर खड़े तो होते ही हैं प्लास्टिक कोटेड शीट के पीछे अपनी बारी का इंतजार भी करते हैं। मास्क के प्रति जागरूकता भी बढ़ी है। इसे लगाने वालों की संख्या में इजाफा हुआ है। यह बात अलग है कि अभी काफी संख्या में लोग इसे गलत तरीके से लगा रहे हैं। प्रयागराजवासियों ने इसी सूझबूझ का परिचय आगे भी दिया तो महामारी पर काबू पाने में काफी हद तक मदद मिलेगी। इससे संक्रमण की दर और भी तेजी से नीचे आएगी। संक्रमित होने वाले कम होंगे तो शहर के अस्पतालों पर लोड कम होगा। लिहाजा वहां भर्ती होने वाले गंभीर संक्रमितों का इलाज और भी बेहतर ढंग से हो सकेगा।

अकबरपुर क्षेत्र पंचायत के विजयी बीडीसी सदस्य

अंबेडकरनगर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के बाद रविवार व सोमवार को हुई मतगणना में अकबपुर विकास खंड के 61 बीडीसी सदस्यों का चुनाव परिणाम घोषित किया गया है। शेष सदस्यों की मतगणना जारी है। अकबरपुर विकास खंड की शिवबाबा में रविवार व सोमवार को हुई बीडीसी सदस्यों की मतगणना में 61 वार्डों के घोषित चुनाव परिणाम में अल्लीपुर कोड़रा विनोद कुमार, खासापुर दादूपट्टी तसरु निशा, कुढ़ा मोहम्मद गढ़ जोखूराम, चांदपुर भटपुरा राधा देवी, अहलादे हिमांशुधर, अमौली मोहिउद्दीनपुर रोहित कुमार, अफ्जलपुर खुशीराम, अमरतल महावीर, इस्माइलपुर गंज सर्वेश कुमार, अटंगी 100 सभाराम, अटंगी 101 देवमहिमा, असौवापार मोहरई विजेन्द्र, कसेरुआ गौरी यादव, दरगाहशाह रमजान चन्द्रबली, करतोरा प्रथम अनूप कुमार, फत्तेपुर ककरडिला अनुपम, ताराखुर्द संतोष, गौरा रुकसाना, कटुई अनिल कुमार, ताराखुर्द द्वितीय राम जनम, पंजूपुर त्रिभुवन नाथ, अशरफपुर पचाउख अजय पटेल, खानशाह सुलेमपुर शेर मोहम्मद, अहेथा शबनम खातून, चंदनपुर पंकज, कजरी नंदापुर हरजीत, बरसावां हासिमपुर मंगेश लाल, भगौतीपुर सज्जाद हुसैन, कनकपट्टी सरिता, अहेथा द्वितीय पवन, बरियावन जमाल अशरफ अमरजल संजय कुमार, नसीरपुर कैथी अनूप कुमार, कटुई कलामुद्दीन, चांदपुर भटपुरा भगवत प्रसाद, अशरफाबाद घनश्याम, पलई कल्यानपुर विश्वनाथ, अशरफाबाद द्वितीय रामबक्स, परस कटुई अंतिमा, पीरपुर पतिराम, मुबारकपुर मरैला प्रभावती, पहाड़पुर टड़वा पूनम मिश्र, अलावलपुर दास महन्त, जगदीशपुर नोखा मंजूलता, दाउदपुर प्रथम राम सिंगार, रामपुर जैसिंह खरपत्ती, खासापुर दादूपट्टी तसरु निशा, नौगवां लालमन, छितूनी कलीम, मजीसा निर्मला, लारपुर इसरावती, अंधियरवा निशा, कटरिया सम्मनपुर भूपेन्द्र कुमार, रोशनपुर प्रथम मनिती धुरिया, बरधाभिउरा से मीना व बांसगांव से धनुका देवी विजयी हुई हैं।

पंडित कल्किराम राष्ट्रपति से हिंदुओं के जीवनमूल्यों के रक्षा की मांग

अयोध्या। बंगाल मे हिन्दूओं के साथ हो रही लूटपाट बलात्कार हत्या की जो सूचनाएं सोशल मीडिया के माध्यम से मिल रही हैं वह अत्यन्त ह्रदय विदारक है।रामादल ट्रस्ट विश्व भूमण्डल मे निवासरत सनातन समाज की सुख.समृद्धि.ऐश्वर्य सहित सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और भारत के एक राज्य मे मात्र चुनावी प्रतिद्वन्दता के चलते इतना विभत्स दृश्य असहनीय और अक्षम्य है। सोशल मीडिया से प्राप्त सूचनाओं को संज्ञान मे लेकर महामहिम राष्ट्रपति महोदय, प्रधानमन्त्री नरेन्द्र दामोदरदास मोदीजी एंव गृहमन्त्री अमित शाह जी से तत्काल इन घटनाओं को गम्भीरतापूर्वक संज्ञान मे लेकर दोषियों के विरुद्ध दण्डात्मक कार्यवाही कर हिन्दूओं के जीवन मूल्यों के सुरक्षा की मांग की गयी है।जानकारी देते हुए रामादल ट्रस्ट अध्यक्ष पण्डित कल्किराम ने कहा कि किसी भी राजनैतिक वैमनस्यता चुनाव तक ही रहनी चाहिए तृणमूल मुखिया ममता बनर्जी को चुनाव परिणाम के बाद अपने राज्य के प्रत्येक नागरिक की सुख समृद्धि ऐश्वर्य और सुरक्षा के उत्तरदायित्व का पालन करते हुए एक आदर्श मिसाल कायम करने पर ध्यान देना चाहिए लेकिन जो हो रहा है उसने भारत के प्रत्येक हिन्दू जनमानस को गहरा आघात पहुंचाया है चुनाव के समय चण्डी पाठ करने का ढोंग आज उजागर हो गया।ममता सहित उनके आतंकी अराजक तत्वों की सदबुद्धि के लिए भगवती महासरस्वती का आवाहन कर प्रार्थना की गयी।

अकबरपुर विकास खंड के विजयी ग्राम प्रधान

अंबेडकरनगर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की गत रविवार से चल रही मतगणना में अकबरपुर विकास खंड से 91 ग्राम प्रधानों का परिणाम घोषित किया गया है। शेष ग्राम पंचायतों की मतगणना जारी है। मतगणना में खासापुर दादूपट्टी से कृष्ण कुमार, अल्लीपुर कोड़रा कमलेश कुमार, कुर्चा पवनदीप सिंह, कनकपट्टी बालमुकुन्द, आलमपुर अखई हीरालाल, चांदपुर भटपुरा नागेन्द्र सिंह, अंधियरवा वेद प्रकाश, अमौली मोहिउद्दीनपुर माया देवी पत्नी मंशाराम, अहलादे कलावती पत्नी हीरालाल, अरिया संजय, केशवपुर भगवत दयाल, उकरा साधना, करतोरा दिनेश कुमार, अफ्जलपुर दुखराम, कुढ़ा मोहम्मद गढ़ विक्रमाजीत, जगदीशपुर नोखा रेखा, अमरतल शिवपूजन, इस्माइलपुर गंज अनुपम पत्नी अरविन्द, असौवापार मोहरई सावित्री पत्नी रामसूरत, इटरौरा विन्द्रावती पत्नी प्रदीप कुमार, कौरा मेराज अहमद खां, इमामपुर संजय कुमार, अटंगी रमेश चन्द्र, कोटवा मोहम्मदपुर प्रीती श्रीवास्तव पत्नी गुरुचरण, अहेथिया किसुनीपुर संजय कुमार, घुरहूपुर चंदन कुमार, कसेरुआ लीला देवी पत्नी ओम प्रकाश, फत्तेपुर ककरडिला कृष्णावती, भगवानपुर सुखराम, पहाड़पुर टड़वा आज्ञाराम, कजरीनंदापुर रामतीरथ, दरगाहशाह रमजान पंकज कुमार, कुर्की महमूदपुर मानसिंह, परस कटुई पिंकी सिंह पत्नी विपिन सिंह, कटरिया सम्मनपुर संजय, चंदनपारा रेखा देवी परमानंद वर्मा, खानशाह सुलेमपुर घनश्याम, भगौतीपुर निर्मला देवी पत्नी यदुनाथ उपाध्याय, खानजहांपुर मनोज कुमार, जोगापुर महेन्द्र कुमार यादव, पंजूपुर मायाराम, मिर्जाबेग दुब्खर तीरथ वर्मा, चंदनपुर रामचेत, बरसावा हासिमपुर स्वामीनाथ, अहेथा मोहम्मद आकिब ुस्तफा, कटुई नीरा वर्मा पत्नी सुनील वर्मा, पलई कल्यानपुर रवीन्द्र कुमार, नसीरपुर कैथी शकुंतला वर्मा पत्नी तिलकधारी वर्मा, मझियारी अठवारा रीना पत्नी रामजी, बरौरा दीप शिखा पत्नी अमित श्रीवास्तव, लोदीपुर राधिका पत्नी इन्द्रजीत, मुबारकपुर मरैला आशा देवी, अशरफपुर पचाउख अर्चना पत्नी कमलेश, नैली आकाश वर्मा, बरियावन शिवम पटेल, गौरा हीरालाल, बहोरिकपुर रीना श्रीवास्तव पत्नी सतेन्द्र मोहन, अलावलपुर सुभाष चन्द्र, रामपुर रामपट्टी ज्ञानी देवी पत्नी चन्द्र प्रकाश, अशरफाबाद सुमन पत्नी जीत बहादुर, पीरपुर जैसराज, रामपुर जैसिंह रेनू पत्नी अरविन्द कुमार, छितूनी पंकज वर्मा, नौगवां पवन कुमार, लापुर अरविन्द, मोहउद्दीनपुर दीपचन्द, बांसगांव मोहम्मद वसीम, कजरी जमालुद्दीनपुर बेंचू, जैनापुर मोहम्मद शरीफ बेलउआ बरियारपुर महेन्द्र कुमार, फत्तेपुर नीलम, सुल्तानपुर अनुराधा, बरधाभिउरा पुष्पा देवी, नसीरपुर तुलसीपुर उमेश गुप्ता, मानिकपुर राजीव, रुकनुद्दीनपुर त्रिवेणी, कयासुद्दीनपुर से चन्द्रावती, रोशनगढ़ रंजना मौर्या, मीरपुर शेखपुर से प्रतिभा सिंह पत्नी राघवेन्द्र प्रताप सिंह, भितरीडीह कलावती पत्नी राजेन्द्र प्रसाद, दाउदपुर भागीरथी, रानीपुर विमला पत्नी राकेश वर्मा, विश्रामपुर तारादेवी पत्नी राम यज्ञ यादव, रामनगर नरसिंहपुर सुमन सिंह पत्नी अजय सिंह, सलाहुद्दीनपुर गिरीश चन्द्र, बहलोलपुर माधुरी पत्नी दिनेश, जमुनीपुर सुभाष चन्द्र व यहिया कमालपुर से सीमा देवी विजयी हुई हैं।

भविष्य की तैयारियों की समीक्षा की

अयोध्या। जिलाधिकारी श्री अनुज कुमार झा ने प्रभारी एसएसपी, मुख्य विकास अधिकारी व मुख्य चिकित्सा अधिकारी आदि के साथ इंटीग्रेटेड कमांड एवं कंट्रोल सेंटर में जनपद में कोविड-19 पर प्रभावी रोकथाम, बचाव एवं उपचार हेत किए जा रहे कार्यों भविष्य की तैयारियों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी श्री झा ने बताया कि कोविड-19 वायरस के प्रसार की रोकथाम, बचाव, उपचार तथा कोविड से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या के त्वरित निदान हेतु कोई भी नागरिक विकास भवन के सभागार में संचालित इंटीग्रेटेड कमांड एवं कंट्रोल सेंटर/कंट्रोल रूम के नंबर 7081670802, 8881004894 या 8115692302 पर किसी भी समय (24म7) संपर्क कर मेडिसिन किट, कोविड टीकाकरण, एंबुलेंस, कोविड की जांच हेतु सैम्पलिंग व चिकित्सालय में मरीज को भर्ती कराने सहित कोविड-19 से संबंधित समस्याओं के त्वरित निदान के संबंध में जानकारी प्राप्त कर सकता है।

संक्रमण के बेहद करीब, फिर भी फर्ज के आगे नहीं डगमगाए हौसले

● चार हज़ार से अधिक कोरोना संक्रमित मरीजों का डा नीलम सिंह कर चुकीं हैं उपचार

प्रयागराज। नावेल कोरोना वायरस संक्रमण काल में चिकित्सकों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। इनमें एनेस्थीसिया विभाग के चिकित्सकों ने भी कोविड 19 में आइसीयू और एचडीयू वार्ड में भर्ती गंभीर मरीजों के उपचार में भरपूर मदद कर रहे हैं। संक्रमण के सबसे करीब होने पर भी फर्ज के आगे इनके हौसले नहीं डगमगा रहे। कोरोना से जंग में शामिल ऐसी ही एनेस्थैटिक हैं डा नीलम सिंह। स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में कार्यरत एनेस्थैटिक डा नीलम सिंह कोविड आईसीयू इंचार्ज प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष एनेस्थीसिया क्रिटिकल केयर ने कोरोना काल में करीब चार हज़ार से ज्यादा कोरोना संक्रमित मरीजों के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहीं हैं। साथ ही करीब 160 कोरोना संक्रमित गर्भवती महिलाओं को एनेस्थीसिया देकर सर्जरी से सुरक्षित एवं सफल प्रसव कराया है। इसके साथ ही पेट पैर आदि सैकड़ों ऑपरेशन में मरीजों को एनेस्थीसिया देकर ऑपरेशन को डा नीलम ने संभव बनाया है। डा नीलम बीते सितम्बर माह में स्वयं संक्रमित हो गयीं थीं। पर ठीक होते ही पुन: लोगों के उपचार में लग गईं। उनकी कर्तव्यनिष्ठा को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर उन्हें मिशन शक्ति के तहत प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित भी किया जा चुका है।

डा नीलम कहती हैं कि कोरोना से डर सभी को लगता है। मरीजों के इलाज के दौरान हमारे कई साथी संक्रमित हुए। इन हालातों में भी वे काम कर रहे हैं। जिम्मेदारियाँ बड़ी हैं। 12 से 15 घंटे लगातार पीपीई किट पहनकर काम करना पड़ता है। मरीजों को परिवार से दूर होने के कारण निराशा न घेरे इसके लिए मानसिक तौर पर हमेशा उन्हें साहस भी दे रहे हैं। कोविड वार्ड में मरीजों को दवा और उनके भोजन से लेकर ऑक्सीज़न सेचुरेशन आदि सभी का ख्याल रखा जाता है। ऑक्सीज़न इंचार्ज होने के नाते ऑक्सीज़न की समुचित व्यवस्था की ज़िम्मेदारी भी है। संक्रमण के कारण कई बार सांस फूलने की स्थिति में मरीज अपने मुँह पर लगे मास्क हटा देते थे। इसलिए ऐसे मरीजों को घंटों पकड़ कर बैठना पड़ा है। कोई मरीज जब ठीक होकर जाता तो उनके भावुक होने पर हमारी आँखें भी खुशी से भर आती हैं। बहुत प्रयास के बाद भी हम कुछ लोगों को नहीं बचा पाए। इसका दुख अभी भी परेशान करता है। वर्तमान में एसआरएन के आईसीयू में बेड बढ़ाकर 314 कर दिए गए हैं। इसलिए ज़िम्मेदारी भी बढ़ गई है। इसमें सहयोगी चिकित्सक पूरा सहयोग भी कर रहे हैं। जिनमें डा राजीव गौतम का नाम भी शामिल है।

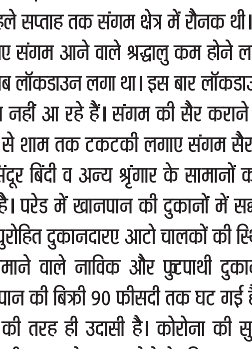

डॉ. नीलम सिंह।

वेंटिलेटर पर भर्ती मरीज की देखभाल है महत्वपूर्ण

प्रयागराज। डा नीलम बताती हैं कि कोरोना काल में वेंटिलेटर पर जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रही तस्वीरों को देख मन सिहर उठता है। उन्हीं मरीजों के साथ हम अपना पूरा समय बिताते हैं। क्योंकि एनेस्थैटिक मरीज के मुँह के सीधे संपर्क में रहता है। इसलिए इलाज के दौरान संक्रमण होने का खतरा सबसे ज्यादा रहता है। वेंटिलेटर पर भर्ती मरीज ज़िदगी से जंग अकेले नहीं लड़ता बल्कि उसके साथ चिकित्सक भी लड़ता है। मरीज जब तक ऑक्सीज़न मास्क व वाइपेड मास्क तक सीमित रहता है तब तक स्थितियाँ पूरी तरह से काबू में रहती हैं। पर जब वह वेंटिलेटर पर जाता है तो उसकी हालत बेहद नाजुक हो चुकी होती है।

ममता की शानदार विजय
भाजपा की योजना विफल

ममता बनर्जी की शानदार विजय से भाजपा की योजना इसलिए विफल हुई क्योंकि उसने अपने प्रमुख एजेंडे को आगे बढ़ाने के बजाय ममता बनर्जी की छवि खराब करने पर ज्यादा ध्यान दिया। यह भाजपा समर्थकों और उसके आलोचकों के लिए 'आधा गिलास भरा' वाली कहावत है। भाजपा समर्थकों के लिए असम व पुडुचेरी में विजय तथा पश्चिम बंगाल में मत प्रतिशत व सीटों में भारी वृद्धि भाजपा के असाधारण चुनाव प्रबंधन व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता का प्रमाण है। लेकिन उसके विरोधियों के अपने तर्क हैं। उनका कहना है कि असम में कांग्रेस पर भाजपा की विजय का अनुमान था क्योंकि कांग्रेस अब वहां असरदार राजनीतिक शक्ति नहीं रही है। इसी प्रकार पुडुचेरी में यह आल इंडिया एनआर कांग्रेस-एआईएनआरसी नेता एन. रंगास्वामी की व्यक्तिगत विजय है और भाजपा को केवल गठबंधन का लाभ मिला है। लेकिन 2021 की असली लड़ाई वाले बंगाल में भाजपा खाली हाथ है। आखिरकार उसने यहां अपनी सारी ताकत झोंक दी थी जिसमें राजनीतिक, वित्तीय व अन्य संसाधन शामिल हैं। स्वयं प्रधानमंत्री ने 18 रैलियों को संबोधित किया था तथा गृह मंत्री अमित शाह ने दर्जनों विशाल रोडशो में भाग लिया था। अनेक अन्य मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक और पार्टी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने महीनों तक बंगाल में डेरा डाला था तथा मनोवैज्ञानिक क्षेत्र में टीएमसी को हराने के लिए आवश्यक मीडिया लहर पैदा की थी। संयोग से सीबीआई व आयकर विभाग ने अनेक टीएमसी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की थी जो भाजपा के प्रचार का हिस्सा बनी थी। ममता बनर्जी व उनके समर्थक लगातार आरोप लगा रहे थे कि निर्वाचन आयोग निष्पक्ष भूमिका निभाने के बजाय एक पक्ष की तरह काम कर रहा था। दूसरी ओर ममता बनर्जी को भाजपा-विरोधी समूह की ओर से ज्यादा समर्थन नहीं मिला। हालांकि, कांग्रेस-वाम गठबंधन ने ममता के मुस्लिम वोट काटने का प्रयास किया, वहीं अनेक पूर्व संप्रग नेता ममता के पक्ष में प्रचार करने आए। बिना किसी गंभीर नीतिगत व कार्यक्रमों पर विमर्श के अभियान अत्यधिक व्यक्तिगत हो गया, मोदी ने व्यंग्यात्मक रूप से 'दीदी ओ दीदी' कहा तथा टीएमसी सुप्रीमो ने शाह पर चुन-चुन कर हमले किए। अपने प्रमुख राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के बजाय ममता की छवि ज्यादा खराब करने की भाजपा की योजना विफल हो गई। भाजपा के लिए बंगाली-पहचान की राजनीति ज्यादा घातक और आक्रामक सिद्ध हुई। वह यह समझ नहीं पाई कि भगवान राम ऐसी महिला को डरा नहीं सकते जो लाखों बंगालियों के लिए देवी दुर्गा का रूप है। वास्तव में भाजपा नेताओं ने ममता बनर्जी का जितना मजाक उड़ाया, उनको राज्य की जनता से उतनी ही हमदर्दी मिली। पहचान की राजनीति का प्रतीक बनी नेता ने भाजपा को भारी नुकसान पहुंचाया। अधिकांश उधार लिए राजनीतिक खिलाड़ियों को प्रशांत किशोर ने 'सड़े अंडे' बताया और भाजपा के अपने समर्थकों ने भी उनको अवसरवादी बताया। यह स्पष्ट था कि कार्यकर्ता आधारित कोई पार्टी अपने समर्थकों को हाशिए पर धकेले बिना रातोंरात इतने अधिक बाहरी लोगों को समाहित नहीं कर सकती है। इससे भाजपा को स्पष्ट व जोरदार सबक मिला है कि जब भी पार्टी का मुकाबला क्षत्रपों से हो तो उसे स्थानीय मुद्दों तथा पहचान की राजनीति पर जोर देना जरूरी होगा। पिछले सात सालों का रिकार्ड बताता है कि भाजपा राज्य स्तरीय चुनावों में शक्तिशाली क्षेत्रीय क्षत्रपों के खिलाफजीतने में सफल नहीं हुई है।

निशुल्क टीकाकरण की अनिवार्यता

कम समय के भीतर कम से कम एक बिलियन लोगों को टीका लगाने की सख्त जरूरत है और विभेदित मूल्य निर्धारण के नुकसान को देखते हुए केंद्र को सभी को मुफ्त में टीका लगाने का विकल्प चुनना चाहिए।

उत्तम गुप्ता
(लेखक नीति विश्लेषक हैं)

उदारीकृत मूल्य निर्धारण और त्वरित राष्ट्रीय कोविद-19 टीकाकरण रणनीति (एलपीएएनसीवीएस)' के तहत, 19 अप्रैल को घोषित किया गया था, जिसे 1 मई से बंद कर दिया गया था, केंद्र की योजना 18 वर्ष से कम आयु के सभी वयस्कों को टीका लगाने की है। इससे पहले, 16 जनवरी को लॉन्च किया गया इनोक्यूलेशन ड्राइव हेल्थकेयर और फ्रंटलाइन वर्कर्स और 50 साल से ऊपर के लोगों और कॉमरेडिटी वाले लोगों को कवर करता था। ड्राइव के दूसरे चरण में आयु सीमा 45 से ऊपर वालों के लिए लाई गई थी। वैक्सीन निर्माता अपनी सभी आपूर्ति भारत सरकार को दे रहे थे और 150 रुपये प्रति डोज़ चार्ज कर रहे थे, जबकि बाद वाले पात्र लोगों के टीकाकरण की व्यवस्था कर रहे थे। सरकारी टीकाकरण केंद्रों पर नि:शुल्क। हालांकि, निजी अस्पतालों में टीकाकरण कराने के इच्छुक लोगों को प्रति खुराक 250 रुपये देने की जरूरत है। भारत सरकार ने जीवीसी में प्रति खुराक 150 रुपये के बराबर किए गए टीकाकरण पर सब्सिडी दी, साथ ही इसे प्रशासित करने की लागत भी। इसे केंद्रीय बजट से वित्त पोषित किया गया था।

यहां तक कि उपरोक्त व्यवस्था में अंतर मूल्य निर्धारण शामिल है, जो उन लोगों के लिए मुफ्त है जैसे कि जीवीसी पर टीका लगाया गया है और अन्य को निजी अस्पतालों में कीमत के लिए जैब मिल रहा है, इस महीने से प्रस्तावित प्रणाली बहुत अधिक जटिल है। इसके तहत, इसकी कुल आपूर्ति में, वैक्सीन निर्माता, भारत सरकार को 150 रुपये प्रति खुराक की दर से 50 प्रतिशत देते हैं और शेष 50 प्रतिशत राज्य सरकारों, निजी अस्पतालों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों को एक मूल्य पर उपलब्ध कराते हैं। अग्रिम में (निजी अस्पतालों द्वारा टीकाकरण के लिए लगाए गए मूल्य की निगरानी की जाएगी)। लोग निजी टीकाकरण केंद्र में नियुक्ति के समय सूचित विकल्प बना सकते हैं।

टीके खुले बाजार में फार्मासिस्ट या केमिस्ट की दुकानों पर बिक्री के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। निजी अस्पतालों की वर्तमान प्रणाली जो 45 वर्ष से अधिक के लिए 250 रुपये प्रति खुराक के लिए रोकती है, वे अस्तित्व में नहीं आएंगी क्योंकि उन्हें अब भारत सरकार से कोई आपूर्ति नहीं मिलेगी और बाद में अधिसूचित मूल्य पर वैक्सीन निर्माताओं से सीधे खरीद करनी होगी।

इस बीच, निर्माताओं ने कीमतों की घोषणा की है जो वे राज्य सरकारों और निजी अस्पतालों से चार्ज करने का इरादा रखते हैं। कोविशिल्ड के निर्माता सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (जीवीसी), राज्यों को आपूर्ति पर 300 रुपये प्रति खुराक और निजी अस्पतालों से 600 रुपये प्रति डोस वसूलेंगे। कोवाक्सिन के निर्माता भारत बायोटेक राज्यों से 400 रुपये प्रति खुराक और निजी अस्पतालों को आपूर्ति पर 1,200 रुपये प्रति खुराक का शुल्क लेंगे। दोनों 150 रुपये प्रति खुराक की दर से भारत सरकार को आपूर्ति जारी रखेंगे (यह केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री हर्षवर्धन द्वारा जारी एक बयान के अनुसार है)।

सभी टुकड़ों को एक साथ रखने पर, कोविद -19 टीकाकरण खुराक के लिए न्यूनतम पांच मूल्य होंगे अर्थात शून्य, 300 रु।, 400 रु।, 600 रु।, 1,200 (प्राप्तकर्ताओं के लिए लागत बराबर के बराबर होगी) वैक्सीन के प्रकार और जिस चैनल के माध्यम से यह किया जाता है, उसके आधार पर राज्य सरकारों / निजी अस्पतालों द्वारा वैक्सीन के संचालन की लागत को कवर करने के लिए सेवा शुल्क। इस बीच, स्पुतनिक वी, नासल कोवाक्सिन और इतने पर और अधिक टीके, जल्द ही मंजूरी मिलने की उम्मीद है। लेकिन उन की कीमत और भी अधिक होने की संभावना है। पहले की व्यवस्था इष्टतम से दूर थी क्योंकि इसमें पात्र लोगों के अंतर उपचार के स्थान पर उन्हें जैब मिला था। जबकि, जीवीसी में जाने वालों को यह मुफ्त में मिला, अन्य लोगों ने निजी अस्पतालों के लिए प्रति खुराक 250 रुपये का भुगतान किया। निजी अस्पतालों की भागीदारी को उचित समय सीमा के भीतर बड़ी संख्या में कवर करने की आवश्यकता (45 प्लस समूह में 300 मिलियन) को देखते हुए उचित ठहराया गया था, इसके लिए एक मूल्य टैग लगाया गया और वह भी 100 रुपये और उससे अधिक इस उद्देश्य के विरुद्ध निर्माताओं को भुगतान की गई कीमत। वास्तव में, यह निराशाजनक परिणामों के पीछे एक शक्तिशाली कारक था और अब तक कुल 300 मिलियन में केवल 20 मिलियन के साथ दोनों शॉट्स (यहां तक कि अन्य कारक जैसे कि शुरुआती टीका जनता में बड़े पैमाने पर झिझक के रूप में भी आपूर्ति की कमी के बराबर जिम्मेदार थे)।

नए शासन के तहत, भले ही 45 वर्ष से अधिक की श्रेणी के व्यक्तियों के लिए निजी अस्पतालों में 250 रुपये प्रति खुराक के लिए एक टीका पाने की सुविधा वापस ले ली गई हो, लेकिन केंद्र सरकार 500 मिलियन से अधिक लोगों (50 प्रतिशत के बारे में एक बिलियन से अधिक) चाहती है। वयस्क आबादी यानी 18 वर्ष से अधिक की उम्र, जिसे यह उम्मीद है कि राज्यों और निजी अस्पतालों के कोटा से) एक मध्यम आय वाले परिवार के बजट को अस्थिर करने के लिए पर्याप्त कीमत चुकानी पड़ेगी।

निम्नलिखित दो परिदृश्यों पर विचार करें- सबसे पहले, आइए मूल्य स्पेक्ट्रम में सबसे कम लेते हैं यानी कॉविशिल्ड - राज्यों को प्रति खुराक 300 रुपये की आपूर्ति की जाती है। 200 रुपये प्रति खुराक (कीमत का 67 प्रतिशत) का सेवा शुल्क जोड़ें, यह 150 रुपये प्रति खुराक के लिए लागू किया जा रहा है, जो निजी अस्पतालों में बिल की कीमत के बराबर है। दो खुराक के लिए, यह 1,000 रुपये आता है। चार के एक परिवार को 4,000 रु।

एक और चरम पर, कोवाक्सिन को निजी अस्पतालों में प्रति खुराक 1,200 रुपये की आपूर्ति पर विचार करें। प्लस सेवा शुल्क, प्राप्तकर्ता प्रति खुराक 2,000 रुपये का भुगतान करेगा। दो खुराक के लिए, यह 4,000 रुपये होगा। इस मामले में, इस परिवार के बजट पर सेंध 16,000 रुपये होगी। राज्य के केंद्रों में उच्च कीमतों को देखते हुए और निजी अस्पतालों में बहुत अधिक और यह देखते हुए कि भारत सरकार के कुल टीकाकरण (कुल आपूर्ति का 50 प्रतिशत) से टीकाकरण मुफ्त में है, लोग बाद की ओर रुख करेंगे। जीवीसी पर टीकाकरण के लिए होने वाली अव्यवस्था इतनी स्पष्ट हो जाएगी कि इस नेटवर्क के पूरी तरह से टूटने का कारण बन जाएगा। यदि राज्य सरकारें केवल भुगतान किए गए कोटे से भी मुक्त टीकाकरण करने का निर्णय लेती हैं, तो इसे रोका जा सकता है; हालाँकि, इसके लिए उन्हें राज्य के बजट से भारी सब्सिडी देने की आवश्यकता होगी।

पहले से ही, कुछ राज्यों जैसे महाराष्ट्र, दिल्ली और इसी तरह सभी ने इसे मुफ्त देने की अपनी मंशा की घोषणा की है और दूसरों को सूट का पालन करने की संभावना है। अगर, केंद्र या राज्यों द्वारा सब्सिडी शामिल करने के लिए सभी को मुक्त होना है तो ऐसे बोझिल मार्ग से क्यों गुजरना है?

यह देखते हुए कि संकट एक अभूतपूर्व परिमाण का है (जीवनकाल में एक बार) पूरी आबादी को पीड़ित करने के लिए, कम से कम एक समय के भीतर कम से कम एक अरब टीकाकरण की सख्त आवश्यकता है और विभेदित मूल्य निर्धारण के नुकसान को देखते हुए, केंद्र को इसका विकल्प चुनना चाहिए। सभी को नि:शुल्क टीका लगाना।

जीवीसी के अलावा, अन्य सभी हितधारक जैसे राज्य स्वास्थ्य सुविधाएं, निजी अस्पताल, औद्योगिक प्रतिष्ठान और इसी तरह टीकाकरण अभियान में शामिल होना चाहिए। वे निर्माताओं से सीधे अपनी आवश्यकताओं को उठा सकते हैं, यहां तक कि जब समग्र समन्वय करता है, तो एक अच्छी कीमत पर बातचीत करता है और भुगतान करता है। विशाल संख्या यानी दो बिलियन खुराक को देखते हुए, 200 रुपये प्रति डोज की कीमत इतनी होनी चाहिए कि वे लागत को कवर कर सकें और निर्माताओं को अच्छा रिटर्न दे सकें (यहां, एसआईआर पूनावाला, सीईओ, एसआईआई, के बयान को याद रखना उचित है। यह फर्म 150 रुपये प्रति डोज के मूल्य पर भी लाभ कमा रही थी।) 2021-22 के लिए केंद्रीय बजट में किए गए 35,000 करोड़ रुपये के आवंटन से खरीद की लागत यानी लगभग 40,000 करोड़ रुपये की लागत पूरी की जा सकती है (घाटे के लिए अतिरिक्त 5,000 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी)।

टीकाकरण के लिए सेवा शुल्क के रूप में, इस लागत का भुगतान राज्यों द्वारा अपने बजट से किया जा सकता है।

कोरोना के खतरे की अनदेखी

कुषाण मित्रा
(लेखक दि पायनियर के प्रबंध संपादक हैं)

लगभग 25 लाख लोगों को मौत में धकेलने वाली 2004 की भयानक सुनामी के अनेक वीडियो हैं। यूट्यूब पर उपलब्ध इसके कुछ वीडियो से स्पष्ट है कि तट पर सुनामी के आने से 10-15 मिनट पहले पानी तटों से हटने लगा था। मिडिल स्कूल भूगोल के छात्रों को याद होगा कि इसे आने वाली सुनामी का स्पष्ट लक्षण बताया गया है। हमें बहुत पहले छोटी उम्र में ही बताया गया था कि ऐसी स्थिति में हमें बहुत ऊंची जमीन की तलाश करनी चाहिए। निसंदेह अनेक तटीय क्षेत्रों में यह सबक दुहराया गया। हालांकि, कुछ लोगों ने शरणस्थलों की तलाश की, पर बहुतों ने ऐसा नहीं किया। सुनामी अपने से बचने का प्रयास करने वाले बहुत से लोगों को निगल गई क्योंकि यह इतनी विनाशकारी थी कि इससे भागना ज्यादा सफल नहीं हो सका था। लेकिन यदि थोड़े से लोगों का जीवन भी बचा हो तो स्कूल में पढ़ा पाठ उनके लिए बहुत काम का सिद्ध हुआ था। वह असली सुनामी थी, जबकि वर्तमान समय में भारत कोविड-19 संक्रमणों की दूसरी लहर का सामना कर रहा है। हमारे सामने कोविड-19 संक्रमणों की भयानक सुनामी है जो दिल्ली तथा भारत के अनेक अन्य शहरों की स्वास्थ्य व्यवस्था पर बहुत भारी पड़ी है। हम जानते हैं कि कम से कम आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार कम से कम 3,500 लोग रोज मर रहे हैं। भारत 2,50,000 मौतों के निकट पहुंच रहा है तथा दिल्ली का लगभग हर परिवार कोरोनावायरस सुनामी के कारण एक प्रियजन या नजदीकी मित्र की मृत्यु से परिचित हो गया है। हालांकि, अधिकारी अब स्थिति की विभीषिका से निपट रहे हैं, पर हमने बहुत बाद में काम शुरू किया तथा चेतावनी के शुरुआती लक्षणों की अनदेखी की।

ये लक्षण पहले से मौजूद थे। सभी लोग इनको अच्छी तरह देख सकते थे और इनके बारे में खबरों में पढ़ सकते थे। हम जानते थे कि कोरोनावायरस की एक ज्यादा खतरनाक और घातक ब्रिटिश किस्म आ गई है और हम यह भी जानते थे कि एक नई 'दुहरी म्यूटेंट' वाली किस्म भी है। सीमित परीक्षणों से ही हमें पता चल गया था कि मुंबई और पूना के निकट हाटस्पाट उभर रहे हैं। लेकिन असली सुनामी में लोगों को ऊंची और सुरक्षित जमीन पर ले जाने की तरह हम जादू की तरह समुद्र के खाली हुए क्षेत्र में घूमते रहे और वहां से मूंगे व शंख चुनते रहे। हमने गोवा की यात्रा की, भीड़ भरे विमानों और हवाईअड्डों की यात्रा की तथा ब्रिटेन की तरह हाटस्पाट क्षेत्रों से यात्रा प्रबंधन के बजाय घरेलू यात्रा की भी अनुमति दे दी। इस प्रकार हमने अनेक ट्वीट के माध्यम से बढ़ते हवाई यात्रियों की संख्या पर 'खुशी मनाई'। भारत के भीतर तथा भारत से आने या जाने वाली यात्राओं व हवाई यात्राओं पर नियंत्रण के बजाय हमने सैकड़ों लोगों को आने की अनुमति दी जो अपने साथ संभवत: वायरस की नई और खतरनाक किस्में भी लाए। लेकिन दुनिया भारत से उभरने वाली कोरोनावायरस की नई किस्मों से डरी हुई थी और उसने काफी सीमा तक भारत के लिए अपने दरवाजे बंद कर लिए थे। हम में से कुछ लोगों ने अचानक ब्राजील में मामले बढ़ने के बारे में पढ़ा था जिनकी शुरुआत अमेजन के शहर मानास से हुई थी और फिर सारे दक्षिण अमेरिकी देशों में फैल गई थी। आश्चर्य था कि क्या भारत में भी विकलांगकारी मामलों की ऐसी भयानक सुनामी आ सकती है। इसके बजाय हमें भारतीय विशिष्टता की कहानियां सुनाई जा रही थीं। अपने नेताओं से संकेत प्राप्त कर हम समझ रहे थे कि भारत ने कैसे वायरस को हरा दिया है। यह स्थिति राजनीति से लेकर खेल के मैदानों तक थी और हमने अपनी सतर्कता खो दी थी। यह समझने के बजाय कि भारत पर मूल कोरोनावायरस का 'पूरा' प्रभाव क्यों नहीं पड़ा, हमने एक सुस्त गति वाला वैक्सीन कार्यक्रम शुरू किया तथा विदेशों में लाखों वैक्सीनों का निर्यात कर अपनी भूरि-भूरि प्रशंसा की। हालांकि, दुनिया के प्रति भारत की उदारता के बारे में कुछ कहना उचित नहीं है, पर शायद हमें ज्यादा स्वार्थी अमेरिकी दर्शन का पालन करना चाहिए था। हमें पहले यह सुनिश्चित करना चाहिए था कि भारत के ज्यादा से ज्यादा लोगों को टीके लगाए जांए। ऐसे में इस वैश्विक महामारी से मरने वालों की संख्या कम हो सकती थी।

हालांकि, मरने वालों में बड़ी संख्या अधिक आयु वाले वृद्धों की है जो अपना पूरा जीवन जी चुके हैं और उनमें से बहुत से लोग इस सुनामी में भी मर सकते थे। लेकिन बड़ा मुद्दा यह है कि मरने वाले लोगों में बहुत से लोग ऐसे हैं जो पहले से ही ज्यादा बिस्तरों और आक्सीजन की बेहतर सुविधा उपलब्ध होने पर शायद न मरते। वर्तमान समय में व्यवस्था पर बहुत भारी बोझ है। इसका अर्थ है कि पहले संक्रमित होने वालों को ज्यादा संसाधनों का लाभ मिला। लेकिन यदि दिल्ली और मुंबई में विशेष कोविड-19 अस्पतालों की व्यवस्था एक सप्ताह पहले ही हो जाती तथा यदि आक्सीजन परिवहन की व्यवस्था तथा अन्य व्यवस्थायें एक महीने पहले कर ली गई होतीं तो बहुत सी जिंदगियां बचाई जा सकती थीं। लेकिन सरकार उस समय भारत में कोविड-19 की 'कम' मृत्यु दर पर अपनी पीठ ठोंक रही थी, जबकि उसे समुचित नियोजन और संगठन पर ध्यान देना चाहिए था। उस समय ऐसा करना आसान था और इससे मरने वालों की गिनती काफी कम हो सकती थी।

तथ्य यह है कि हमने कोरोनावायरस संक्रमण के खतरनाक संकेत देखे थे, पर हम सभी भारतीय विशिष्टता की कहानी से अभिभूत थे। हमने गलती से अनदेखी करना पसंद किया और इसके नतीजे में जो हो रहा है वैसा दुनिया में दूसरे स्थानों पर हो रहा था। हमने विश्वास किया था कि जैसे ही हम टीकाकरण शुरू करेंगे चीजें बेहतर हो जाएंगी।

हम अपने पुराने रास्ते पर आगे बढ़े और महाकुंभ जैसे व्यापक धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया, होली पर बड़ी-बड़ी दावतें दीं और इस प्रकार स्वयं को खतरे में डाल दिया। हमने खतरे के संकेतों की अनदेखी की, जबकि वे सभी लोगों को साफ-साफ दिखाई दे रहे थे। कोई आश्चर्य नहीं कि इसके कारण अब हम स्वयं को सुनामी में डूबते देख रहे हैं।

आप की बात

एक बार फिर खेला होबे

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों में तृणमूल कांग्रेस ने बड़ी जीत हासिल की है। विधानसभा चुनाव में भले ही तृणमूल कांग्रेस ने बीजेपी को पटखनी दी हो लेकिन सूबे की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को नंदीग्राम से हार का सामना करना पड़ा है। पश्चिम बंगाल की सबसे हॉट सीट मानी जा रही नंदीग्राम के बारे में जैसा अनुमान लगाया जा रहा था, परिणाम भी वैसा ही दिखाई दिया है। शुरुआत से ही ये स्पष्ट ही नहीं हो सका कि नंदीग्राम से शुवेंदु अधिकारी की जीत हुई है या फिर ममता बनर्जी ने बाजी मारी है। पहले ममता बनर्जी ने जीत का दावा किया था, लेकिन नतीजे आने के बाद ममता बनर्जी ने खुद प्रेस वार्ता में अपनी हार स्वीकार कर ली लेकिन सवाल ये है कि अगर ममता बनर्जी नंदीग्राम से हार चुकी हैं तो क्या ममता बनर्जी मुख्यमंत्री बनी रहेंगी? हालांकि चुनावी विश्लेषकों का कहना है कि वह निश्चित रूप से एक बार फिर पश्चिम बंगाल की बागडोर अपने हाथ में लेंगी। गौरतलब है कि अनुच्छेद 164 कहता है कि एक मंत्री जो लगातार छह महीने तक किसी राज्य के विधानमंडल का सदस्य नहीं होता है, वह इस समयसीमा के खत्म होने के बाद मंत्री नहीं बन सकता। छह महीने बाद उन्हें सीएम बनने से कोई नहीं रोक सकता।

– **निधि जैन**, लोनी, गाज़ियाबाद

आईपीएल पर भारी कोरोना

भारतीय युवाओं और क्रिकेट प्रेमियों का रोमांचक आईपीएल खेल पर भी कोरोना का खतरा मंडरा रहा है। एक के बाद एक विदेशी समेत देश के खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव हो रहे है। ऐसे मे बीसीसीआई समेत अन्य अधिकारियों को इस विषय में सोचना चाहिए कि आखिर कैसे बायो बबल के बावजूद संक्रमण फैल रहा खिलाड़ियों के लिए भी यह किसी खतरे से कम नहीं।पिछले दिनों खिलाड़ियों के पॉजिटिव आने से खेल को रद्द करना पड़ा, ऐसे मे अगर बीसीसीआई को खेल जारी रखना है तो सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने होंगे। अन्यथा इसको रोकना ही एकमात्र सही निर्णय होगा। वही दूसरी ओर यह भी सवाल खड़े हो सकते है कि जिन लोगों ने इसमे पैसा खर्च किया है, उनका क्या होगा? इसको लेकर बीसीसीआई को अगले सत्र के लिए, उनको स्पॉन्सर देना चाहिए।डर के माहौल मे मैच का आनंद तो टीवी पर बैठकर देखने वाला ले सकता है लेकिन उनका क्या जो इतने खतरे और डर के बीच खेल रहे? क्या उनके लिए लॉक डाउन नहीं होना चाहिए?जान है तो जहां है का मंत्र ही आत्मसात करना होगा। यही कारण है कि कई खिलाडी बीच मे ही मैच छोड़कर स्वदेश लौट रहे।

– **अमन जायसवाल**, दिल्ली विश्वविद्यालय

कौन है ताकतवर?

इस समय देश में तेजी से टीकाकरण जारी है। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा कोविशील्ड का निर्माण किया जा रहा है लेकिन इस समय कंपनी के सीईओ अदार पूनावाला सपरिवार लंदन चले गए थे। उनका आरोप है कि बड़े लोगों द्वारा उनको धमकियां मिल रही थी। हालांकि कंपनी में उत्पादन पूरी क्षमता के साथ चल रहा है पर पूनावाला का बयान चिंताजनक है। जल्द ही ऐसे लोगों के नाम पता लगाकर सरकार को उन तक पहुंचना चाहिए जिससे हमारी स्वास्थ्य चिकित्सा सेवाएं बाधित न हो। देश टीकाकरण के क्षेत्र में दुनियां में आगे है। मरीजों को कोविशील्ड के ही अधिकतर टीके लगाए जा रहे हैं। ऐसे में कंपनी के सीईओ अदार पूनावाला को ताकतवर लोगों ने धमकियां दी इससे परेशान होकर वे सपरिवार लंदन चले गए थे। लंदन के टाइम्स अखबार में पूनावाला ने इसका खुलासा किया है। देश इस समय महामारी से लड़ रहा है और ताकतवर अपना स्वार्थ सिद्ध करने में यहां भी बाज नहीं आ रहे हैं। भारत सरकार को ऐसे मानवता के हत्यारों के नामों का पता लगाकर सीखचों के पीछे डाल देना चाहिए।

– **अमृतलाल मारू**, दसई, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

अभी तक तो हमने संपूर्ण लाकडाउन से परहेज किया है, लेकिन यदि लोग प्रतिबंधों का पालन नहीं करेंगे तो कठोर कदम उठाने पड़ सकते हैं।

– **कैप्टन अमरिंदर सिंह**
पंजाब के मुख्यमंत्री

पिछले कुछ वर्षों से हमने यह देखा है कि चीन अपने देश में ज्यादा दमनकारी रुख अपना रहा है और विदेशों में ज्यादा आक्रामक ढंग से काम कर रहा है।

– **एंथनी ब्लिंकेन**
अमेरिकी विदेश सचिव

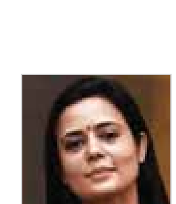

दिल्ली में निर्वाचन सदन एक नया शवदाह गृह है जिसमें संवैधानिक निकायों को जलाया जाता है।

– **महुआ मोइत्रा**
तृणमूल कांग्रेस नेत्री

जितने मरीज संक्रमित हुए उतने ही स्वस्थ होकर घर लौटे

- 1219 संक्रमित, 1219 स्वस्थ, आठ की मौत
- कोरोना से मरने वालों की संख्या पहुंची 607

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

जिले में कोरोना संक्रमण दर में गिरावट का क्रम बरकरार है तो ठीक होने की दर में लगातार इजाफा हो रहा है।। बावजूद इसके अनियंत्रित मृत्यु दर पर महकमें के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। मंगलवार को कोरोना से 8 कोरोना मरीजों की मौत हुई। सोमवार से मंगलवार को आधा से कम कोरोना मरीजों की मौत हुई है। वहीं बीएचयू व मंडलीय अस्पताल की लैब से मिले 7010 सैंपल के परिणाम में 1219 पॉजिटिव मिले वहीं 5791 मरीज का निगेटिव रिपोर्ट आया है। अधिकांश मरीजों को होम आइसोलेशन का निर्देश देते हुए कमांड सेंटर से उनके स्वास्थ्य की बराबर निगरानी की जा रही है। अब तक जिले में कोरोना से मरने वालों की संख्या 607 तक पहुँची हैं। वहीं जिले में कोरोना एक्टिव मरीजों की संख्या 15478 हो गई है।

सोमवार की शाम सात बजे से लेकर मंगलवार की सुबह 11 बजे तक कोरोना वायरस संक्रमण के काफी नए मामले सामने आए हैं। मंगलवार की सुबह कोरोना संक्रमित 919 लोग मिले हैं, एक्टिव मरीज 16413ए जबकि 599 हो चुकी हैं। 16413 सक्रिय केस इस समय जिले में मौजूद हैं। 53374 लोग अब तक कोरोना को हराकर ठीक हो चुके हैं। जबकि जिले में अब तक 70386 लोग इस बीमारी से संक्रमित हो चुके हैं। मंगलवार को 919 मामले 3192 जांच परिणामों से प्राप्त हुए हैं। इस लिहाज से तीस फीसद सैंपल कोरोना वायरस के सामने आए हैं। जबकि अभी 3821 लोगों का परिणाम आना शेष है। हालांकि एक अच्छी सूचना यह भी है कि अब हर दिन सक्रिय मामलों में गिरावट भी आ रही है। फिलहाल 16413 सक्रिय मामले ही जिले में मौजूद हैं। वहीं कोरोना वायरस संक्रमित मरीजों के लिए बीएचयू स्टेडियम में बन रहे अस्थाई हजार बेड के अस्पताल का काम अंतिम चरण में है। कभी भी अस्पताल पूर्ण होने की घोषणा हो सकती है।

ठसाठस भीड़ में हो रहा टीकाकरण

- जनपद के 17 केन्द्रों पर चल रहा है टीकाकरण का कार्य, धर्मार्थ, पर्यटन राज्यमंत्री महिला अस्पताल का हाल जानने पहुंचे

वाराणसी। जिले में कोरोना की दूसरी लहर में चल रही तबाही में मंगलवार को मौतों का आंकड़ा शीर्ष पर रहा। बावजूद इसके स्वास्थ्य महकमा टीकाकरण केन्द्रों पर शारीरिक दूरी का पालन कराने में नाकाम रहा। राजकीय महिला अस्पताल कबीरचौरा या राजकीय आयुर्वेदिक या फिर ईएसआईसी हर जगह ठसाठस भीड़। राजकीय महिला अस्पताल में मंगलवार को 18 वर्ष से 44 तक व 45 साल से उपर तक के लोगों को काविड की पहली या दूसरी डोज लग रहा था उसी दौरान पर्यटन एवं विधि राज्यमंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी राजकीय महिला अस्पताल पहुँचे जहॉ टीकाकरण के लिए पहुँची महिलाओं से बातचीत किया तथा अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था के बारे में पूछा। कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार कोविड टीकाकरण लगवाने के लिए हर प्रयास कर रहा है। जनता स्वास्थ्य व प्रशासन का सहयोग करे जिससे टीकाकरण हर युवक से लेकर वृद्ध को लग सके। मंगलवार को भी सैकड़ों की संख्या में युवक-युवतियों व 45 साल से लेकर ऊपर तक के लोगों को टीकाकरण लगा।

पंचायत चुनावः सपा ने जीती 39 में से 29 सीटें

वाराणसी। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतगणना रविवार को शुरू होकर सोमवार रात तक चलती रही। सोमवार की दोपहर से परिणामों का आना शुरू हुआ तो सत्ताधारी दल भाजपा के प्रत्याशियों के माथे पर चिंता की लकीरें खिंच गयीं। मंगलवार दोपहर 3 बजे तक वाराणसी की जिला पंचायत सदस्य की 39 में से 29 सीटों का परिणाम चुनाव आयोग की वेबसाइट पर जारी हो चुका है। समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा के अनुसार समाजवादी पार्टी समर्थित 15 प्रत्याशियों ने जीत हासिल की है। सोमवार देर शाम तक हंगामे के बीच 39 सीटों की मतगणना तो पूरी हो गयी थी पर लेकिन कम्पाइलेशन का कार्य जारी था। जिला प्रशासन की तरफ से चुनाव आयोग रिपोर्ट के अनुसार 29 सीटों का रिज़ल्ट घोषित करते हुए प्रमाणपत्र विजयी प्रत्याशियों दे दिया गया था पर 10 सीटों कम्पाइलिंग कर कार्य जारी था।

जी-जान से फर्ज निभाने में जुटी हैं डॉ. दीप्ति दीक्षित

वाराणसी। डॉक्टर का दर्जा हमारे समाज में बहुत ऊंचा है। डॉक्टर को धरती का भगवान भी कहा जाता हैण् डॉक्टर मरीज को बचाने में तन मन से सेवा करते हैं। कुछ लोग धन से भी इलाज करते हैं। मुफ्त में इलाज करते हैंण् ऐसे लोगों का यह सराहनीय कार्य बहुत ऊंचा स्थान प्रदान करता है। कोविड के दौर को देखते हुए जहां कुछेक डॉक्टर उस पेशे को कलंकित कर रहे है तो कुछ उसमे चार चांद लगाने में अपनी (खुद की) परवाह किये बिना जी जान से अपने फर्ज में जुटी हुई है। छावनी चिकित्सालय में तैनात आर.एम.ओ. डॉक्टर दीप्ति दीक्षित अपने फर्ज के प्रति पूरी प्रतिबद्धता से जुटी हुई है।इसके लिये उन्होंने अपने 6 माह के गर्भधारण को भी आड़े नही आने दिया।उन्होंने बताया कि इस सेवा भाव के लिए उन्हें परिवार का जहां पूरा सहयोग मिल रहा है वही वह खुद एक डॉक्टर होने के नाते पूरा बचाव सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए अपने फर्ज को पूरा

कर रही है। उन्होंने बताया कि कोविड के दौर को देखते हुए जहां छोटी मोटी बीमारियों से लोग भयभीत होकर अस्पताल के चक्कर लगा रहे है उन्हें छावनी अस्पताल में मौजूद संसाधनों के माध्यमों से उपचार की सुविधा मुहैया कराई जा रही है। चूंकि खुद पहली प्रेग्नेंसी में होने के चलते उन्हें भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है इसलिये वह परिवार के सहयोग से सभी जरुरी सुरक्षा मानकों का इस्तेमाल कर ड्यूटी को सबसे ज्यादा अहमियत दे रही है।

विशाल भारत संस्थान की पहल-

कोविड मरीजों की मदद के लिए तैयार हैं 24 घंटे वार रूम के सेवादूत

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

विशाल भारत संस्थान द्वारा संचालित विश्व का पहला अनाज बैंक कोरोना संकट काल में लमही के में 24 घंटे के वॉर रूम से जीवन बचाने की मुहिम चला रहा है। वॉर रूम में विशाल भारत संस्थान के सेवादूत 24 घंटे दवाए भोजन और अनाज के साथ कोविड मरीजों और उनके परिजनों की मदद के लिये तैयार है। वॉर रूम के हेल्पलाईन नं0 8546065991 पर फोन आने के साथ ही मदद की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। वॉर रूम में जरूरतमंद कोविड मरीजों एवं उनके परिजनों की मदद के लिये इन्द्रेश रसोई पोटली का शुभारम्भ किया गया। इस पोटली में 1 माह के लिये खाद्यान्न की व्यवस्था की गयी है। पोटली में 15 किग्रा. आटा, 10 किग्रा. चावल, 2.5 किग्रा. दाल, 2 किग्रा. चीनी, 2 किग्रा. चना, 2 किग्रा. नमक, 2 लीटर तेल, 250 ग्राम हल्दी, 100 ग्राम मसाला और 10 किग्रा. आलू रखा गया है।

इन्द्रेश रसोई पोटली का उद्घाटन रामपंथ के पंथाचार्य एवं श्रीराम आश्रम के प्रमुख डा. राजीव श्रीगुरूजी ने किया। इस अवसर पर डा. राजीव ने इन्द्रेश रसोई पोटली देकर सेवादूतों को कोविड मरीजों के घर तक पहुंचाने के लिये रवाना किया। अनाज बैंक की प्रबंध निदेशक अर्चना भारतवंशी ने बताया कि अब तक वॉर रूम के सेवादूतों ने कोविड

पीड़ित 100 परिवारों तक दवाए 52 परिवारों को अनाज और 15 परिवारों को नियमित भोजन पहुंचाया है। पीड़ित परिवार के एक कॉल पर सेवादूत उनके घर तक पहुंचने का प्रयास करते हैं। अकेले रहने वाले बीमार बुजुर्गों को भोजन पहुंचाया जा रहा है। विशाल भारत संस्थान के 24 घंटे के वॉर रूम में नियमित रणनीतिकार और सेवादूत मौजूद रहते हैंए जो हर किसी के कॉल को न सिर्फ उठाते हैं बल्कि उनकी केस हिस्ट्री भी तैयार कर उनको उचित मदद पहुंचाने का काम करते हैं। दवा के लिये ताजीम भारतवंशी को 7068246896 और मो0 अजहरूद्दीन को 7068246897, अनाज के लिये अर्चना भारतवंशी को 9473745414 एवं भोजन के लिये 7068246896 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

जिला पंचायत सदस्य चुनाव

भाजपा को लगा करारा झटका सपा को मिलीं 11 सीटें

संवाददाता। सोनभद्र

जिला पंचायत की 32 सीटें पर सम्पन्न हुई मतगणना मे जो परिणाम आये उसमे नगवां से सपा समर्थित प्रत्याशी बिग्गन भारती बरहमोरी से भाजपा समर्थित प्रत्याशी पूर्व सांसद कुवँर छोटेलाल खरवार की पत्नी मुनिया देवी रामगढ से निर्दल प्रत्याशी सरिता देवी सोढा से निर्दल प्रत्याशी राजाराम बिन्द तरावां से भाजपा समर्थित प्रत्याशी भाजपा के जिला उपाध्यक्ष ई. रमेश पटेल की पत्नी रितु सिंह हिन्दुआरी से निर्दल प्रत्याशी पिन्टू सिंह बघेल मधुपुर से भाजपा समर्थित प्रत्याशी मणिकर्णिका कोल राजपुर से बसपा समर्थित प्रत्याशी अनिता चौधरी चुर्क से निर्दल प्रत्याशी मोहन कुशवाहा सलखन से निषाद पार्टी समर्थित प्रत्याशी शिव मंगल सिरसिया ठकुराई से अपना दल एस समर्थित प्रत्याशी राधिका पटेल सरंगा से निर्दल प्रत्याशी ई. अविनाश पटेल मूर्तिया से बसपा समर्थित प्रत्याशी नीरज श्रीवास्तव हिनौती से सपा समर्थित प्रत्याशी अमरावती देवी तिलौली कला से निर्दल प्रत्याशी सत्येंद्र पटेल शाहगंज से अपना दल (एस) समर्थित प्रत्याशी संगीत पटेल पटवध से सपा समर्थित प्रत्याशी सुनील सिंह गोंड जुगैल से भाजपा समर्थित प्रत्याशी उत्तरा त्रिपाठी कचनरवां से सपा समर्थित प्रत्याशी छब्बू चेरो उर्फ छविंद्र चेरो निगाई से सपा समर्थित प्रत्याशी आनंद कुमार खरवार पनारी से सपा समर्थित प्रत्याशी पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अनिल यादव कुलडोमरी से भाजपा समर्थित प्रत्याशी फुलमति देवी कोटा शक्तिनगर से भाजपा समर्थित प्रत्याशी पानपति देवी जरहाँ से सपा समर्थित प्रत्याशी केदार पनिका से किरविल से सपा समर्थित प्रत्याशी जनकधारी म्योरपुर से सपा समर्थित प्रत्याशी सुषमा सिंह घघरी से सपा समर्थित प्रत्याशी जय प्रकाश पाण्डेय बभनी से निर्दल प्रत्याशी पूनम विश्वकर्मा बघाडू से सपा समर्थित प्रत्याशी जुबेर आलम धनौरा से अपना दल समर्थित एस प्रत्याशी दुद्धी विधायक हरिराम चेरो की पुत्रवधु कविता देवी विंढमगंज से निर्दल प्रत्याशी राजकुमारी देवी नगवा से सपा समर्थित प्रत्याशी विग्गन भारती ने जीत दर्ज किया है। इन्हीं लोगो को जिला पंचायत के अध्यक्ष का चुनाव करना है। आये चुनाव परिणाम मे भारतीय जनता पार्टी को बडा झटका लगा है जहां 32 सीटों में से केवल 6 सीटें ही मिल पायी है जबकि 10 सीटों के साथ समाजवादी पार्टी सबसे बडे दल के रूप मे सामने आयी है। वही अपना दल के भी तीन प्रत्याशी चुनाव जितने मे सफल हुये है। जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव को लेकर अभी देर है लेकिन पुराना इतिहास देखा जाए तो सोनभद्र में जिला पंचायत का अध्यक्ष उसी राजनीतिक दल का प्रत्याशी हुआ है जिस राजनीतिक दल की सरकार प्रदेश में रहती है। ऐसे में 5 जिला पंचायत के सदस्यों के साथ भारतीय जनता पार्टी कैसे जिला पंचायत का अध्यक्ष बना पाएगी यह अपने आप में बड़ा सवाल है।

आरोपियों का किया गया चालान

संवाददाता। बीजपुर/सोनभद्र

स्थानीय पुलिस ने रुपयों के लेनदेन के विवाद में गाली गलौज कर मारपीट पर आमादा होने वाले दो आरोपियों को मंगलवार की सुबह गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों को पुलिस ने सी आर पी सी की धारा 151, 107 व 116 के तहत चालान कर अग्रीम कार्रवाई हेतु सम्बंधित न्यायालय में पेश किया। चालान किए गए आरोपियों में प्रथम पक्ष के ग्राम सभा सिरसोती के टोला कोड़ार निवासी सत्येंद्र कुमार पुत्र नागेश्वर व द्वितीय पक्ष के मध्य प्रदेश प्रान्त के थाना बैढ़न ग्राम गोभा टोला ननियागढ़ निवासी किशुन कन्हैया पुत्र स्व0 विश्वनाथ के नाम शामिल है। पुलिस सूत्रों के अनुसार दोनों के बीच रुपयों के लेनदेन को लेकर विवाद हुआ था।

कोरोना की रोकथाम के लिए जिले को मिलीं 12258 मेडिकल किट

संवाददाता। मीरजापुर

जनपद में बढ़ रहे संक्रमण को रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने कोशिशें तेज कर दी हैं। इसके तहत जिले में कार्यरत 2043 आशा कार्यकर्ताओं को 12258 मेडिकल किट उपलब्ध कराई गयी हैं ।

जिला कार्यक्रम प्रबन्धक अजय सिंह ने बताया कि कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए अब स्वास्थ्य विभाग की टीमें पल्स पोलियो की तर्ज पर घर-घर जाकर एक बार फिर कोरोना के लक्षण मिलने पर मरीजों को मेडिकल किट उपलब्ध कराएंगी। इसके बारे में सभी आशा कार्यकर्ताओं व प्रभारी चिकित्साधिकारियों को पत्र के माध्यम से अवगत कराया जा चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना उपचाराधीनों की बढ़ती संख्या को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्र की जनता को औषधियां तथा उपचार सुलभ रूप से उपलब्ध कराने के लिए माह के अन्त तक अभियान चलाया

जायेगा। डीसीपीएम ओंकार सिंह का कहना है कि घर-घर भ्रमण के दौरान दो सदस्यीय टीम कोविड रोग के नवीन लक्षणोंए रोग से बचाव के उपायोंए उपलब्ध जांच एवं उपचार सुविधाओं के विषय में लोगों को अवगत कराएंगी। साथ ही ऐसे लक्षण युक्त व्यक्तियों को जिन्हें तत्काल औषधि की आवश्यकता है, उन्हें औषधि मुहैया कराएंगी, पल्स पोलियो अभियान के तर्ज पर कार्ययोजना को बनाया गया है। प्रत्येक टीम में चार सदस्यों को रखा गया है। आवश्यकतानुसार टीमों की संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है। प्रत्येक टीम को विभाग ने छह.छह मेडिकल किट उपलब्ध करायी है।

अस्पताल पर इलाज में लापरवाही का लगा आरोप

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

मैदागिन स्थित प्राइवेट कोविड सेन्टर बने मेडविन अस्पताल का एक बार फिर असली चेहरा लोगों के सामने आया है ।

इस बार इस अस्पताल ने देश के गौरव पद्मविभूषण पंडित छन्नूलाल मिश्रा की कोरोना संक्रमित बड़ी पुत्री के साथ वही हृदयहीनता, असंवेदनशीलता, चिकित्सकीय लापरवाही और मनमानी धनउगाही का व्यवहार किया है जो अतिशय निन्दनीय है । गत वर्ष इस अस्पताल की इन्हीं दुर्व्यवस्थाओं के विरुद्ध पंडित कमलापति त्रिपाठी फाउन्डेशन ने अपने सदस्य आनन्द मिश्रा के साथ मिल कर मंडलायुक्त के समक्ष प्रतिवेदन देकर अस्पताल की कुव्यवस्था की जांच और कार्यवाही की मांग किया थाए जिस पर कमिशनर ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी से जांच कर उचित कार्यवाही का आदेश दिया था और जांचोपरान्त इस अस्पताल से कोविड सेन्टर हटा लिया गया था।

संक्रमण से बचाने में अहम भूमिका निभा रहे वीसीसीएम कामख्या मौर्या

संवाददाता। मऊ

कोविड काल के दौरान से ही लगातार दिन-रात एक करके कोरोना से बचाव को लेकर वीसीसीएम कामख्या मौर्या कार्य कर रहे हैं। इस दौरान वह संक्रमण से बचाव को लेकर काफी दिनों तक परिवार से भी दूर रहे। फिर भी अपना कर्तव्य ईमानदारी व निष्ठा के साथ निभाते रहे। ई.विन पोर्टल के आधार पर ही कोविड.19 टीकाकरण को शत.प्रतिशत सफल बनाने के लिए कोविन पोर्टल तैयार करते रहे। वीसीसीएम कामख्या मौर्या ने बताया कि ई.विन पोर्टल के माध्यम से नियमित टीकाकरण वैक्सीन के साथ.साथ कोविड.19 वैक्सीन को नियमित ऑन लाइन मैनेजमेंट और कोल्ड चेन रख.रखाव के लिए टेक्निकल सपोर्ट देने की जिम्मेदारी भी दी गई थी। जिसे वह 24 घंटे लगातार काम करके अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जब

स्थिति ज्यादा भयावह हुई और मुश्किलें बढ़ी तब उन्होंने अपने को असुरक्षित समझकर अपने परिवार को सुरक्षित रखने के लिए खुद को परिवार से दूर भी रखा। बताते चलें कि कामाख्या मौर्य दिसम्बर 2015 से इलेक्ट्रॉनिक इंटेलीजेंस नेटवर्क इविन में कार्यरत है। वे कोविड काल से ही लगातार इविन प्रोग्राम को देख रहे है। इस प्रोग्राम के माध्यम से वैक्सीन के रियल स्टॉकए रियल तापमान की निगरानी की जाती है। कोविड महामारी के दौरान जनवरी महीने से लागतार कार्य कर रहे है। उन्होंने बताया कि कोविन पोर्टल के माध्यम से ये देखा जाता है कि कितने लोगों टीका लगवाया और कितने लोगों ने रजिस्ट्रेशन किया।

50 केन्द्रों पर 1915 लोगों का किया गया वैक्सीनेशन

मऊ। जिले में एक तरफजहां कोरोना संक्रमण की रफ्तार बढ़ रही हैए वहीं दूसरी तरफ कोरोना वैक्सीनेशन की रफ्तार में भी धीरे.धीरे काफी तेजी आती जा रही है। मंगलवार को जिले के 50 केन्द्रों पर टीकाकरण किया गया। कोरोना के खिलाफ जारी जंग में चौथे चरण के महाअभियान के तहत सोमवार को जिले के 50 केन्द्रों पर 1915 लाभार्थियों का वैक्सीनेशन किया गया। इस दौरान 977 लाभार्थियों को कोरोना वैक्सीन की दूसरी डोज भी लगाया गया। टीकाकरण की प्रक्रिया के दौरान लोग काफी बढ़.चढ़कर अपनी सहभागिता निभा रहे हैं। कोरोना के खिलाफ छिड़े जंग में सीनियर सिटीजन के साथ.साथ अब 45 वर्ष से ऊपर के लोगों ने भी अब बढ़.चढ़कर अपना योगदान करना शुरू कर दिया है। सभी केन्द्रों पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉण् सतीश चंद्र सिंह व डीआईओ डॉण् बृजेश यादव स्वास्थ्य विभाग की टीम के सदस्यों के साथ लोगों को अधिक से अधिक वैक्सीनेशन के लिए उत्साहित करते नजर आए।

क्षेत्र के विकास के लिए हर संभव प्रयास करूंगी : शहाना बेगम

संवाददाता। मुगलसराय/चन्दौली

- जनता के आशीर्वाद से मुझे मिली है निर्णायक जीत
- सपा पूर्व विधानसभा अध्यक्ष शमीम सिद्दीकी की पत्नी हैं शहाना बेगम

त्रिस्तरीय चुनाव की मतगरणा समाप्त हो गयी है। जनपद में सपा ने सबसे ज्यादा जिलापंचायत की सीट जीती है। वही अगर नियामताबाद सेक्टर न दो की बात करे तो यह सीट सामान्य महिला वर्ग के लिए आरक्षित थी। यहां पर मुख्य लड़ाई सपा व भाजपा के अधिकृत उम्मीदवारों में ही रही। जिसमे सपा के अधिकृत उम्मीदवार शहाना बेगम ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा अधिकृत उम्मीदवार सीता पटेल पटेल को भारी मतों से हरा दिया। मतगणना के दौरान दोनों में नेट तो नेट फाइट होती रही और अंत तक शहाना बेगम ने अपनी बढ़त बनाये हुई थी। एक समय ऐसा आया था जब सीता पटेल ने 200 वोट से आगे निकल गई। लेकिन चौराहटए सेमरा ए करवत व जलीलपुर का मतमेटी खुलते ही शहाना बेगम ने अप्रत्यासित बढ़त बनाते हुए जीत दर्ज कर ली।

बताते चले कि शहाना बेगम पड़ाव के चौराहट निवासी सपा के जमीनी नेता व पूर्व सपा विधान सभा अध्यक्ष शमीम सिद्दकी की पत्नी है जो सामान्य महिला सीट होने की वजह से अपनी पत्नी को जिला पंचायत का चुनाव लड़वाया। शमीम इसके पहले भी दो बार निर्दल प्रत्यासी के रूप में जिला पंचायत का चुनाव लड़ चुके हैं और दोनों ही बार मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा था । इस बार शमीम ने पिछली गलतियों से सबक लेते हुए क्षेत्र में दिन रात मेहनत की और धन बल व तमाम समीकरणों को

धत्ता बताते हुए अपनी पत्नी शहाना बेगम को अप्रत्यासित जीत दर्ज करवाई। उनकी जीत में जातीय समीकरण व पार्टी से अधिकृत होना बड़ा योगदान माना जा रहा है। हालांकि जनपद के पूर्व सांसद रामकिशुन यादव के अलावा पार्टी के किसी और नेता ने इनके सेक्टर में एक भी दिन प्रचार नही किया। इसके बाद भी जीत उनके व्यक्तिगत व्यवहारए लोगो से लगावए निखरते राजनीतिक व्यक्तित्व व उनके कड़ी मेहनत का नतीजा कही जा सकती है । मृदुभाषी शमीम ने जीत के लिए कार्यकर्ताओए समर्थकों एवंग क्षेत्र की जनता को आभार व्यक्त किया । जीत की खुशी में शहाना बेगम ने कहा कि ये सब आपके आशीर्वाद का ही फल है कि जनता मुझे चुना । जीत के बाद हमारी जनता के प्रति और भी जिम्मेदारी व जबाबदेहि बढ़ जाती है । जिसलिये जनता ने मुझे चुना है मैं उनके लिए हमेशा खड़ा उतरने के साथ ही क्षेत्र के सर्वांगीण विकाश के लिए हर संभव प्रयास करूंगी। वहीं दूसरी ओर जनता जनार्दन ने आसमान में उड़ रहे जनपद के कई दिग्गज नेताओं को जमीन पर लाकर पटक दिया है। परिणाम के साथ ही आईना दिखाने का काम किया है। वहीं स्वयंभू नेताओ के खिसकते जनाधार के असलियत भी सामने आ गयी है। चन्दौली पंचायत चुनाव में कई दिग्गज नेताओं व उनके परिजनों को काफी शिकस्त मिली है। चुनाव परिणाम आने के बाद पार्टी इन नेताओ के मंथन करने पर जरूर विवश होगी।

सिंधी समाज के वरिष्ठ सदस्य श्रीचंद्र आलवानी के निधन से शोक का तांता

मऊ। सिंधी समाज के वरिष्ठ सदस्य श्रीचंद्र आलवानी का उनके भीटी स्थित आवास पर निधन हो गया। सिंधी समाज के वरिष्ठ सदस्य के निधन की सूचना मिलते ही जिले में शोक की लहर दौड़ गया। विशेषतौर पर सिंधी समाज के लोगों ने उनके आवास पर पहुंचकर परिजनों को ढांढ़स बंधाया। साथ ही साथ दो मिनट का मौन रखकर गतात्मा की शांति के लिए प्रार्थना किया। शोक प्रकट करने वालों में मुख्य रुप से अशोक रतवानी, किशन, अशोक, भगवान दास, किशोर आलवानी, मोहन लाल, वासुदेव, प्रकाश चंद, कमलेश, शंकर लाल, मनोज कुमार, रमेश चंद, रवि छेतिजा, मुकेश तानवानी, रमेश तानवानी, रोशन रिजवानी, संजय लाल, पप्पू भाई आदि ने शामिल रहे। बताते चले कि स्वण् श्रीचंद्र आलवानी की राजनीतिक व प्रशासनिक पकड़ काफी रहाए इसी का नतीजा रहा कि उन्होंने समय-समय पर सिंधी समाज के अधिकारों के लिए संघर्ष किया और कई बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सिंधी समाज को लेकर मुलाकात भी कराया था।

कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए जरूरी है टीकाकरण: डॉ. राम कुंवर

संवाददाता। सोनभद्र

कोरोना संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। इसके बचाव के लिए सावधानी बेहद जरूरी है। संक्रमण से बचने के लिए घर से बाहर निकलते समय और आने के बाद विशेष ध्यान रखना है। कोविड-19 से बचाव के लिए टीका लगवाना बहुत ही जरूरी है। यह कहना है जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ राम कुंवर का। डॉ. राम कुंवर ने बताया कि अब तक जनपद में करीब 1.04 लाख लोगों को टीकाकरण से आच्छादित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि बहुत जरूरी काम होने पर ही घर से बाहर जाएं अन्यथा घर पर ही रहें। बाहर जाते समय मुंह पर मास्क लगाएं और एक दूसरे से दो गज दूरी का पालन करें। चिकित्सकों की सलाह है कि करोना से बचाव के लिए बाहर से आने के बाद घर में प्रवेश करते समय किसी भी वस्तु को न स्पर्श करें। अपने जूते चप्पल बाहर निकालें बाहर के कपड़ों को अलग रखें। बाहर से आने के बाद हाथों को अच्छे से धोएं अपने चेहरे आंख नाक को हाथ से स्पर्श न करें। शरीर को साफ और सुरक्षित रखने के लिए साबुन से स्नान करें। बाहर से आने पर संक्रमण से बचने के लिए अपना फोन पेन चाबी बेल्ट लैपटॉप आदि को अच्छे से सैनिटाइज करें। डॉ राम कुंवर का कहना है कोरोना संक्रमण जिस तेजी से बढ़ रहा है वह हर उम्र के व्यक्तियों को प्रभावित कर रहा है लेकिन बच्चों व बुजुर्गों का इस समय विशेष ध्यान रखना आवश्यक है क्योंकि उनकी प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है। इसीलिए सावधानी बरतनी चाहिए। सरकार द्वारा यह टीका बिल्कुल नि:शुल्क प्रदान किया जा रहा है। जिले में वैक्सीन की कोई कमी नहीं है इसलिए टीकाकरण केंद्र पर पहुंचकर टीका अवश्य लगवाएं। वह बताते हैं कि जो लोग कोरोना पाजिटिव हो गए हैं और होम आइसोलेशन में हैं। वह समय पर डॉक्टर के परामर्श अनुसार दवाएं लें।

लक्षण दिखने पर क्या करें

घबराएं नहीं डॉक्टर से सलाह लें। बहुत जरूरी हो तो फेफड़ों का सीटी स्कैन कराएं। हर आधे घंटे पर आक्सीमीटर से ऑक्सीजन लेवल चेक करें। परिवार के अन्य लोगों से दूरी बनाएं। अपने आप को किसी अन्य के संपर्क में न आने दें। खाली पेट बिल्कुल न रहें, खाली पेट रहने से वायरस आपके शरीर को ज्यादा प्रभावित कर सकता है।

कैसे पहचानें आपके फेफड़े हो रहे प्रभावित

अगर सांस लेने में दिक्कत हो रही है तो समझ लें की वायरस फेफड़ों को प्रभावित कर रहा है। फेफड़े के निचले हिस्से में सूजन या तेज दर्द हो तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें। सूखी खांसी आना, खांसते वक्त सीने में दर्द होना भी कोरोना का लक्षण है।

पूर्व केंद्रीय मंत्री जगमोहन का निधन, राष्ट्रपति उपराष्ट्रपति, प्रधानमंत्री ने दी श्रद्धांजलि

भाषा। नई दिल्ली, लखनऊ

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं जम्मू कश्मीर के राज्यपाल रहे जगमोहन का सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में निधन हो गया। वह 93 वर्ष के थे और पिछले कुछ समय से बीमार थे। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी जगमोहन दिल्ली और गोवा के उपराज्यपाल भी रहे। जगमोहन ने बतौर नौकरशाह अपने करियर की शुरुआत की थी और उन्हें सख्त और कुशल प्रशासक के रूप में देखा जाता था।वर्ष 1984 में उन्हें जम्मू एवं कश्मीर का राज्यपाल नियुक्त किया गया था। इस पूर्ववर्ती राज्य में जब आतंकवाद अपने पैर पसारने लगा तब उन्हें 1990 में एक बार फिर वहां का राज्यपाल नियुक्त किया गया लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री वी पी सिंह के नेतृत्व वाली सरकार से आतंकवाद के मुद्दे पर मतभेदों के कारण कुछ महीने बाद ही उन्हें पद से हटा दिया गया। बाद में जगमोहन भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने संसद में तीन बार नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। उन्हें एक बार राज्यसभा के लिए भी मनोनीत किया गया। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की सरकार में मंत्री के रूप में काम करते हुए उन्होंने बहुत ख्याति अर्जित की और अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की। वाजपेई सरकार में वह केन्द्रीय संचार, शहरी विकास, पर्यटन और संस्कृति मंत्री भी रहे। उन्हें वर्ष 1971 में पद्मश्री, 1977 में पद्म भूषण और 2016 में पद्म विभूषण से सम्मानित किया गया था। राष्ट्रपति रामनाथ कोविंद, उपराष्ट्रपति एम वेंकैया नायडू, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ समेत कई गणमान्य लोगों ने मंगलवार को उन्हें

श्रद्धांजलि दी। राष्ट्रपति भवन ने रामनाथ कोविंद के हवाले से ट्वीट में कहा, जगमोहनजी के निधन से देश ने एक अद्भुत शहरी योजनाकार, सक्षम प्रशासक और विद्वान खो दिया। राष्ट्रपति ने कहा, उनके निधन से एक शून्य पैदा हुआ है जिसे हमेशा महसूस किया जाएगा। उपराष्ट्रपति ने एक ट्वीट में कहा, जम्मू एवं कश्मीर के राज्यपाल के रूप में उनके अतुलनीय योगदान को हमेशा याद किया जाएगा। उनके निधन से देश ने एक कुशल प्रशासक को खो दिया। मोदी ने ट्वीट किया, जगमोहन जी का निधन हमारे राष्ट्र के लिए एक बहुत बड़ी क्षति है। वह एक कुशल प्रशासक और प्रतिष्ठित विद्वान थे। उन्होंने देश की बेहतरी के लिए हमेशा काम किया। बतौर मंत्री अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने कई नवप्रवर्तक नीतियां बनाईं। परिवार के सदस्यों और प्रशंसकों के साथ मेरी संवेदनाएं हैं। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला ने कहा कि जगमोहन का निधन देश के लिए एक अपूरणीय क्षति है। उन्होंने कहा, ईश्वर दिवंगत आत्मा को अपने चरणों में स्थान दें व परिजनों को इस आघात को सहन करने की शक्ति प्रदान करें। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने भी उनके निधन पर शोक जताया। उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दिवंगत आत्मा की शान्ति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है।

अमृतसर में भारी बारिश के बाद अनाज मण्डी में गेहूं के ढेर के पास जमा पानी को निकालता हुआ श्रमिक।

नंदीग्राम विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचन अधिकारी को दी गई सुरक्षाः पश्चिम बंगाल सरकार ने ईसी से कहा

नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल सरकार ने निर्वाचन आयोग (ईसी) को बताया है कि उसने नंदीग्राम विधानसभा क्षेत्र के निर्वाचन अधिकारी को सुरक्षा मुहैया कराई है। इस विस सीट पर तृणमूल कांग्रेस की प्रमुख ममता बनर्जी और भाजपा के शुभेंदु अधिकारी के बीच कड़ा चुनावी मुकाबला हुआ था। बनर्जी अपने पूर्व समर्थक और अब भाजपा नेता अधिकारी से 1956 वोटों के अंतर से हार गईं। सोमवार को तृणमूल नेता ने आरोप लगाया था कि नंदीग्राम के निर्वाचन अधिकारी ने उनके अनुरोध के बाद भी मतों की फिर से गिनती करने का आदेश नहीं दिया क्योंकि उन्हें अपनी जान का डर था। निर्वाचन आयोग के निर्देश पर निर्वाचन अधिकारी को व्यक्तिगत रूप से और घर पर भी सुरक्षा मुहैया कराई गई है। ऐसी खबरें हैं कि वह अपने कर्तव्य का निर्वहन करने के दौरान गहरे दबाव में थे।

आयोग ने मंगलवार को फिर पश्चिम बंगाल सरकार को पत्र लिखकर उसे संबंधित अधिकारी को दी गई सुरक्षा पर नियमित आधार पर कड़ी नजर रखने के लिए सभी उपयुक्त कदम उठाने को कहा था। आयोग ने यह भी कहा कि अधिकारी को उपयुक्त चिकित्सकीय सहयोग एवं परामर्श उपलब्ध कराया जाए। इस पत्र का हवाला देते हुए सूत्रों ने बताया कि राज्य सरकार से कहा गया है कि किसी भी दबाव या नुकसान या ऐसी कोई धारणा या विमर्श का चुनाव के दौरान तैनात की गई मशीनरी पर गंभीर प्रभाव होंगे। राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को पहले ही यह सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है कि निर्धारित दिशानिर्देशों के तहत ईवीएम, वीवीपीएटी मशीन, वीडियो रिकार्डिंग, मतगणना रिकार्ड समेत सभी चुनाव रिकार्ड सुरक्षित ढंग से रखे जाएं।

हैदराबाद के प्राणी उद्यान के आठ शेर कोरोना वायरस से संक्रमित पाए गए

हैदराबाद। पहली बार प्रकाश में आए मामले के तहत प्राणी उद्यान में रहने वाले आठ एशियाई शेर कोविड-19 से संक्रमित पाए गए हैं। यहां के सीएसआईआर-कोशिकीय एवं आणविक जीवविज्ञान केंद्र (सीसीएमबी) में सलाहकार राकेश मिश्र ने मंगलवार को बताया कि प्रमुख अनुसंधान संस्थान में शेरों की लार के नमूनों की अच्छी तरह से जांच की गई थी। मिश्रा ने पीटीआई-भाषा को बताया, एशियाई शेरों की लार के नमूनों की अच्छी तरह से जांच की गई और उनमें संक्रमण पाया गया। वे पास-पास रहते हैं, इसलिए उनमें संक्रमण फैल गया होगा। उन्होंने बताया, अब हम उनके मल के नमूनों की जांच करने पद्धति विकसित कर रहे हैं। यह पद्धति भविष्य में उपयोगी होगी, क्योंकि हर बार जंगली जानवर की लार का नमूना लेना संभव नहीं होता है। मिश्रा ने कहा कि नेहरू प्राणी उद्यान के शेरों में पाया गया वायरस नए स्वरूप का नहीं है। उन्होंने कहा, उनमें हल्के लक्षण हैं और वे अच्छे से खाना खा रहे हैं।

भारत-ब्रिटेन शिखर सम्मेलन में माल्या, नीरव मोदी के प्रत्यर्पण का मुद्दा उठा

भाषा। नई दिल्ली

भारत और ब्रिटेन के बीच मंगलवार को डिजिटल शिखर सम्मेलन में विजय माल्या और नीरव मोदी के प्रत्यर्पण का मुद्दा उठा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने जोर दिया कि आर्थिक अपराध से जुड़े लोगों को सुनवाई के लिए जल्द ही वापस देश भेजा जाना चाहिए। वित्तीय धोखाधड़ी से जुड़े मामलों में कथित तौर पर शामिल होने के संबंध में सुनवाई को लेकर भारत, ब्रिटेन पर माल्या और नीरव मोदी का प्रत्यर्पण करने को लेकर जोर देता रहा है। विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव (पश्चिमी यूरोप) संदीप चक्रवर्ती ने संवाददाताओं को बताया कि ब्रिटिश प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन ने इस बात का उल्लेख किया कि ब्रिटेन इसका हर संभव प्रयास करेगा कि आर्थिक अपराधियों को प्रत्यर्पित किया जाए। चक्रवर्ती ने कहा, दोनों नेताओं ने आर्थिक अपराधियों के प्रत्यर्पण के विषय पर चर्चा की और प्रधानमंत्री (मोदी) ने कहा कि अपराधियों को सुनवाई के लिए जल्द ही वापस देश भेजा जाना चाहिए। उन्होंने कहा, प्रधानमंत्री जॉनसन ने कहा कि ब्रिटेन की आपराध न्याय प्रणाली की प्रकृति के कारण उन्हें कुछ कानूनी बाधाओं का सामना करना पड़ रहा है, लेकिन वे इससे अवगत हैं तथा वे इस इस बात का हर संभव प्रयास करेंगे कि इन लोगों को जल्द प्रत्यर्पित किया जाए। विदेश मंत्रालय में संयुक्त सचिव इस बारे में संवाददाताओं के सवालों का जवाब दे रहे थे।

उल्लेखनीय है कि माल्या मार्च 2016 से ब्रिटेन में है और तीन वर्ष पहले जारी स्काटलैंड यार्ड के प्रत्यर्पण वारंट पर जमानत पर है। पिछले वर्ष मई में भगोड़े कारोबारी को भारत प्रत्यर्पित किए जाने के खिलाफ ब्रिटिश उच्चतम न्यायालय में दायर अपील खारिज हो गई थी।

वहीं, पिछले महीने ब्रिटेन की गृह मंत्री प्रीति पटेल ने नीरव मोदी के प्रत्यर्पण संबंधी आदेश पर हस्ताक्षर किया था जो भारत में धोखाधड़ी और धन शोधन के मामले में वांछित है। यह पूछे जाने पर कि क्या ब्रिटेन ने अपने यहां अवैध रूप से रह रहे भारतीयों को वापस लेने को कहा है, चक्रवर्ती ने मंगलवार को दोनों देशों के बीच आव्रजन और पारगमन से संबंधित सहयोग पर हस्ताक्षर किए जाने का उल्लेख किया। उन्होंने कहा कि भारत अवैध रूप से आव्रजन के खिलाफ है क्योंकि यह वैध रूप से आव्रजन को नुकसान पहुंचाता है और साथ ही संकेत दिया कि वह उनको वापस लेगा जिन्हें राष्ट्रीयता नहीं मिली है या आवास परमिट प्राप्त नहीं हुआ है।

क्विक न्यूज

विपक्ष की एकता के लिए काम करेंगे पवार : राकांपा

मुंबई। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव परिणामों के परिप्रेक्ष्य में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) ने मंगलवार को कहा कि उसके प्रमुख शरद पवार विपक्षी दलों और खास तौर पर क्षेत्रीय दलों का एकीकृत मोर्चा बनाने का प्रयास करेंगे। राकांपा के प्रवक्ता और महाराष्ट्र के मंत्री नवाब मलिक ने टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी के बयान को उद्धृत करते हुए यह बात यहां संवाददाताओं से कही। बनर्जी ने कहा कि विपक्ष की एकता जरूरी है।मलिक ने कहा, शरद पवार ने भी बंगाल चुनावों से पहले सभी विपक्षी दलों को एकजुट करने का प्रयास किया। अगले कुछ दिनों में पवार विपक्षी दलों और खास तौर पर क्षेत्रीय दलों की एकता के लिए काम करेंगे। बंगाल में चुनाव बाद हुई हिंसा के बारे में पूछने पर उन्होंने कहा कि इस तरह की घटनाओं की निंदा करने की जरूरत है।उन्होंने कहा, पश्चिम बंगाल 100 दिनों तक निर्वाचन आयोग के प्रभार में रहा। चुनाव प्रचार के दौरान भी हिंसा की खबरें आईं...जवाबदेही तय करने की जरूरत है। चुनाव प्रचार के दौरान और चुनाव परिणाम के बाद हिंसा की निंदा करने की जरूरत है। भाजपा को निशाना बनाते हुए मलिक ने कहा कि भगवा दल को नफरत की राजनीति बंद करनी चाहिए और ममता बनर्जी सरकार को काम करने देना चाहिए।

चुनाव में हार के लिए भाजपा का अहंकार भी जिम्मेदारः शिवसेना

मुंबई। शिवसेना ने मंगलवार को दावा किया कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव हारने के कारणों में भाजपा का अहंकार भी शामिल है। शिवसेना के मुखपत्र सामना के संपादकीय में कहा गया है कि महाराष्ट्र में सत्ता से बाहर रहने के लिए भाजपा की असहिष्णुता जिम्मेदार थी। यह टिप्पणी ऐसे वक्त में आई है जब कुछ दिन पहले महाराष्ट्र भाजपा अध्यक्ष चंद्रकांत पाटिल ने राज्य में राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) के मंत्री छगन भुजबल को भाजपा के बारे में बोलने के दौरान संभलकर शब्दों का इस्तेमाल करने को कहा था। भुजबल ने पश्चिम बंगाल चुनाव के संदर्भ में भाजपा के बारे में कुछ टिप्पणी की थी। संपादकीय में सवाल किया गया, महाराष्ट्र कब इतना असहिष्णु हो गया? सामना में कहा गया, पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव में हार के लिए भाजपा का अहंकार भी जिम्मेदार है। शिवसेना ने कहा कि पश्चिम बंगाल में हार के कारण भाजपा महाराष्ट्र में पंढरपुर सीट पर उपचुनाव में जीत का जश्न भी नही मना पा रही। महाराष्ट्र में विधानसभा की एक सीट पर हुए उपचुनाव में सत्तारूढ़ एमवीए को झटका लगा है। भाजपा उम्मीदवार समाधान आवताडे ने सोलापुर में पंढरपुर-मंगलावेधा विधानसभा सीट पर उपचुनाव में राकांपा उम्मीदवार को 3700 से ज्यादा मतों से हरा दिया। संपादकीय में कहा, महाराष्ट्र विकास आघाडी (एमवीए) को पंढरपुर उपचुनाव में हार मिली और हर किसी ने भाजपा और जीतने वाले उम्मीदवार को बधाई दी। लेकिन विजेता को बधाई देने वाले को एमवीए के किसी भी नेता ने धमकी नही दी।

नंदीग्राम में महिलाओं की पिटाई को लेकर महिला आयोग ने तत्काल कार्रवाई और जांच के लिए कहा

नई दिल्ली। राष्ट्रीय महिला आयोग ने पश्चिम बंगाल के नंदीग्राम में कुछ महिलाओं की कथित तौर पर पिटाई की घटना पर चिंता जताते हुए मंगलवार को राज्य पुलिस से कहा कि इस मामले में तत्काल कार्वाई करते हुए दोषियो को गिरफ्तार किया जाए और समयबद्ध तरीके से जांच की जाए। आयोग की ओर से जारी बयान के मुताबिक, महिला आयोग की अध्यक्ष रेखा शर्मा के नेतृत्व में एक टीम जल्द ही पश्चिम बंगाल का दौरा कर मामले की जांच करेगी। महिला आयोग ने कहा, ट्विटर पर किए गए कई पोस्ट से यह पता चलता है कि नंदीग्राम में चुनाव के बाद कुछ गुंडो ने महिलाओं की पिटाई की। आयोग इस घटना को लेकर चिंतित है और इसका गंभीरता से संज्ञान लिया है क्योंकि इससे राज्य में महिला की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े होते हैं। आयोग ने बताया कि रेखा शर्मा ने राज्य के पुलिस महानिदेशक को पत्र लिखकर कहा कि इस मामले तत्काल कार्वाई करते हुए दोषियो को गिरफ्तार किया जाए और समयबद्ध तरीके से जांच की जाए।

हिंसा अस्वीकार्य, स्थिति पर नियंत्रण करें ममता : कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हुई कथित हिंसा की निंदा करते हुए मंगलवार को कहा कि ऐसी घटनाएं लोकतंत्र में अस्वीकार्य है और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को स्थिति पर नियंत्रण करना चाहिए पार्टी के पश्चिम बंगाल प्रभारी जितिन प्रसाद ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने हमला किया है तथा महिलाओं और बच्चों को भी नही छोड़ा गया। उन्होंने ट्वीट किया, चुनाव के बाद तृणमूल कांग्रेस की ओर से कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ की गई हिंसा अस्वीकार्य है। महिलाओं और बच्चों तक को नही छोड़ा गया। मुझे विश्वास है कि पश्चिम बंगाल के जोगों ने इस अराजकता के लिए वोट नही दिया है। पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हिंसा के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस प्रवक्ता शक्ति सिंह गोहिल ने कहा कि उनकी पार्टी ऐसी घटनाओं की निंदा करती है। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने इस तरह की हिंसा का कभी समर्थन नही किया है। लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई स्थान नही है। गोहिल ने कहा, ममता बनर्जी को इतना ज्यादा प्रेम और वोट मिला है। उन्हे हिंसा पर नियंत्रण करना चाहिए।

जयपुर में कोविड-19 वैक्सीन की पहली डोज लेने के बाद विक्टरी का सिंबल दिखाते हुए युवा।

भारतीय वायुसेना बेंगलुरु में 100 बिस्तरों वाला कोविड देखभाल केंद्र बनाएगी

बेंगलुरू। कर्नाटक में कोविड-19 के बढ़ते मामलों को देखते हुए भारतीय वायुसेना ने मंगलवार को घोषणा की कि वह यहां वायुसेना स्टेशन में सौ बिस्तरों वाले कोविड देखभाल केंद्र का निर्माण करेगी। भारतीय वायुसेना ने सिलसिलेवार ट्वीट करते हुए कहा कि छह मई तक 20 बिस्तर तैयार हो जाएंगे। वायुसेना ने कहा, भारतीय वायुसेना ने वायुसेना स्टेशन जालाहल्ली, बेंगलुरू में आम जन के लिए सौ बिस्तरों वाला कोविड देखभाल उपचार केंद्र बनाने का निर्णय किया है।

वायुसेना ने कहा, ऑक्सीजन कंसंट्रेटर्स के साथ पहले 20 बिस्तर को छह मई से शुरू कर दिया जाएगा। शेष 80 बिस्तर 20 मई से शुरू होने की उम्मीद है। भारतीय वायुसेना के मुताबिक, सौ बिस्तरों वाले कोविड देखभाल केंद्र पर विशेषज्ञ, डॉक्टर, नर्स और पैरामेडिकल कर्मचारी तैनात किए जाएंगे। ए कर्मी बेंगलुरू कमान हॉस्पिटल एयर फोर्स के होंगे। इसने बताया कि इस केंद्र में सिविक एजेंसियों और राज्य सरकार के नोडल अधिकारी के साथ समन्वय कर रोगियों को भर्ती किया जाएगा। सौ बिस्तरों में से दस आईसीयू बिस्तर होंगे और 40 बिस्तर पाइप ऑक्सीजन युक्त होंगे। शेष 50 बिस्तरों पर ऑक्सीजन सांद्रक उपलब्ध होंगे। भारतीय वायुसेना ने बताया कि राज्य सरकार ने दवा, ऑक्सीजन और सुरक्षा जैसी आवश्यक सुविधाएं मुहैया कराने का आश्वासन दिया है।

कर्नाटक में सोमवार को कोरोना वायरस के 44,438 मामले सामने आए और 239 लोगों की वायरस से मौत हो गई। इसके साथ राज्य में कुल संक्रमित लोगों की संख्या 16,46,303 जबकि मृतकों की संख्या 16,250 हो गई है। बेंगलुरू कोविड-19 से बुरी तरह प्रभावित है। यहां संक्रमण के रोजाना 20 हजार मामले सामने आ रहे हैं, जबकि 100 से अधिक की मौत हो रही है। बेंगलुरू में उपचाराधीन मरीजों की संख्या तीन लाख है।

अस्पताल में आग लगने के मामले में दो डॉक्टर गिरफ्तार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के रायपुर शहर में निजी अस्पताल में आग लगने से पांच लोगों की मृत्यु के मामले में पुलिस ने अस्पताल प्रबंधन के दो बोर्ड सदस्यों को गिरफ्तार कर लिया है। रायपुर जिले के पुलिस अधिकारियों ने मंगलवार को यहां बताया कि शहर के राजधानी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में आग लगने से पांच लोगों की मृत्यु के मामले में पुलिस ने डॉक्टर सचिन मल और डॉक्टर अरविंदो रॉय को गिरफ्तार कर लिया है।

अस्पताल प्रबंधन से जुड़े दोनों चिकित्सकों पर दुर्घटना के दौरान लापरवाही बरतने का आरोप है। इस मामले में डॉक्टर संजय जादवानी और डॉक्टर विनोद लालवानी की खोज की जा रही है। पुलिस ने जब मामले की जांच शुरू की तब जानकारी मिली कि अस्पताल में आगजनी के दौरान आग से बचाव के लिए पर्याप्त व्यवस्था नहीं की गई थी। इस दौरान फॉरेंसिक साइंस लेबोरेटरी (एफएसएल) के विशेषज्ञों ने भी अस्पताल की इस लापरवाही की तरफ इशारा किया था।

मामले की तहकीकात की जा रही है। जल्द ही इस घटना के अन्य आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया जाएगा। रायपुर के टिकरापारा थाना क्षेत्र में स्थित राजधानी सुपर स्पेशलिटी अस्पताल में 17 अप्रैल को आग लगने से एक महिला समेत पांच कोविड19 मरीजों की मौत हो गई थी। पुलिस अधिकारियों के मुताबिक इस घटना में एक मरीज की जलने से तथा चार अन्य की दम घुटने से मौत हुई है।

घटना के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया था। पुलिस अधिकारियों ने बताया है कि घटना के दौरान अस्पताल के वार्ड में लगभग 30 मरीज मौजूद थे जिन्हें अन्य स्थानों पर भेजा गया था। घटना के बाद मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने घटना पर दुख जताते हुए मृतकों के परिजनों को चार लाख रुपए सहायता राशि देने की घोषणा की थी।

कैंटीन से अम्मा की तस्वीर वाले बोर्डों को द्रमुक कार्यकर्ताओं ने हटाया, पार्टी से निष्कासित

चेन्नई। तमिलनाडु की राजधानी चेन्नई में एक सरकारी कैंटीन से अम्मा के नाम एवं तस्वीर वाले दो फ्लैक्स बोर्डों को दो द्रमुक कार्यकर्ताओं द्वारा हटाए एवं फेंके जाने का वीडियो सोशल मीडिया पर सामने आने बाद दोनों को पार्टी से निकाल दिया गया। द्रमुक नेता और चेन्नई के पूर्व महापौर मा सुब्रमण्यम ने संवाददाताओं को बताया कि पार्टी ने उनके विरूद्ध पुलिस में शिकायत दर्ज कराई है और दोनों को गिरफ्तार किया गया है। उन्होंने बताया कि बोर्डों को फिर कैंटीन में उन्हीं स्थानों पर लगा दिया गया है और दोनों पर भादंसं की संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। अम्मा दिवंगत मुख्यमंत्री और अन्नाद्रमुक की सुप्रीमो जे जयललिता का लोकप्रिय उपनाम है तथा सस्ती अम्मा कैंटीन तमिलनाडु में नगर निकाय एवं यहां चेन्नई नगर निगम चला रहे हैं। इन फ्लैक्स टाईप बोर्डों में तमिल भाषा में अम्मा कैंटीन लिखा है तथा उनपर साथ ही वहां परोसे जाने जाने व्यंजनों की भी जानकारी दी गई है।

बंगाल में रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाएगी भाजपा : लाहिड़ी

कोलकाता। वित्त आयोग के पूर्व सदस्य और भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के नवनिर्वाचित विधायक तथा जाने-माने अर्थशास्त्री अशोक लाहिड़ी ने मंगलवार को कहा कि भाजपा पश्चिम बंगाल में रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाएगी। पश्चिम बंगाल में रविवार को घोषित विधानसभा चुनाव के नतीजों में भाजपा दूसरे नंबर की पार्टी बन कर उभरी है, जबकि ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस राज्य में एक बार फिर अपनी सरकार बनाने में सफल रही है।

लाहिड़ी ने कहा, मैंने अपनी व्यक्तिगत लड़ाई जीत ली, लेकिन हम बड़ी लड़ाई हार गए। इस हार का मतलब है कि हम अब विपक्ष में बैठेंगे, लेकिन मैं आपको आश्वस्त करता हूं कि हम रचनात्मक विपक्ष की भूमिका निभाएंगे। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपई और मनमोहन सिंह की सरकार में काम कर चुके अर्थशास्त्री ने कहा, हमें उम्मीद है कि विपक्ष की आवाज सुनी जाएगी और विशेष तौर पर तब जब हम राज्य की बेहतरी के लिए रचनात्मक सुझाव देंगे।

केंद्र सरकार के पूर्व मुख्य आर्थिक सलाहकार रहे लाहिड़ी भाजपा की तरफ से बंगाल के विधानसभा चुनावों में उतारे गए जाने माने चेहरों में से एक थे। भाजपा ने उनके अलावा स्तंभकार स्वपन दासगुप्ता, पूर्व उप सेना प्रमुख सुब्रत साहा और रणनीतिकार अनिर्बान गांगुली को भी टिकट दिया था, हालांकि सभी को अपने पहले चुनाव में हार का सामना करना पड़ा। ऐसा माना जा रहा था कि यदि पश्चिम बंगाल में भाजपा की सरकार बनती है तो लाहिड़ी को राज्य का वित्त मंत्री बनाया जाएगा। लाहिड़ी ने तृणमूल कांग्रेस के शेखर दासगुप्ता को बालुरघाट सीट से 14 हजार वोटों से हराया।

प्रयागराज में ई-रिक्शा से स्वरूप रानी नेहरू अस्पताल में कोविड-19 मरीज को इलाज के लिए ले जाते परिजन

राज्य प्रायोजित हिंसा से जल रहा है बंगालः भाजपा

पश्चिम बंगाल के सोनारपुर में हिंसा पीड़ितों के परिजनों से मुलाकात करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा

भाषा। नई दिल्ली

चुनावी नतीजों के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं की कथित हत्या के लिए मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस पर हमला करते हुए भाजपा ने मंगलवार को आरोप लगाया कि राज्य प्रायोजित हिंसा के कारण पश्चिम बंगाल आज जल रहा है। तृणमूल कांग्रेस की तुलना नाजियों से करते हुए भाजपा ने पश्चिम बंगाल सरकार को फासीवादी करार दिया।

भाजपा ने सोमवार को आरोप लगाया था कि चुनाव परिणाम आने के बाद पश्चिम बंगाल में उसके चार कार्यकर्ताओं की हत्या कर दी गई है।

आठ चरणों में मतदान संपन्न होने के बाद रविवार को हुई मतगणना में तृणमूल कांग्रेस ने शानदार सफलता हासिल की और लगातार तीसरी बार सत्ता पर कब्जा जमाया। डिजिटल माध्यम से आयोजित संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने कहा, राज्य प्रायोजित हिंसा के कारण बंगाल जल रहा है। देश के चुनावी इतिहास में कभी भी इस प्रकार का नजारा देखने को नहीं मिला है, जो आज बंगाल में हो रहा है।

बंगाल में हिंसा की निंदा करते हुए उन्होंने कहा कि चुनाव जीतने के बाद लोगों को बड़ा दिल रखना चाहिए। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में उम्मीदवार रहे पार्टी के अन्य नेता अर्निबान गांगुली ने कहा कि तृणमूल कांग्रेस के लिए मतदान करने वाले लोगों से पूछा जाना चाहिए कि आज जो बंगाल में हो रहा है क्या वह सही है। उन्होंने कहा, तृणमूल कांग्रेस आज जो कर रही है वह नाजियों के जर्मनी वाले फासीवाद के निकट है। यह एक फासीवादी सरकार है। एक लोकतांत्रिक सरकार में ऐसी घटनाएं नहीं होतीं। गांगुली ने इस मामले में अन्य राजनीतिक दलों के नेताओं की चुप्पी पर सवाल उठाए। पार्टी नेताओं की कथित हत्या पर नाराजगी जताते हुए पात्रा ने कहा कि 2.28 करोड़ बंगाल की जनता ने भाजपा को मत दिया। उन्होंने पूछा कि क्या किसी दल को मत देना लोगों का लोकतांत्रिक अधिकार नहीं है।उन्होंने कहा, ममताजी आप जीती हैं और सभी ने इसके लिए आपको बधाई दी है। जिन महिलाओं की हत्या हो रही है और बलात्कार हो रहे हैं क्या वह पश्चिम बंगाल की बेटियां नहीं हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा अपने कार्यकर्ताओं के पीछे मजबूती से खड़ी है।

टीएमसी के गुंडों का कहर झेल रहे कार्यकर्ताओं के साथ पार्टीः घोष

भाषा। कोलकाता

भाजपा की पश्चिम बंगाल इकाई के अध्यक्ष दिलीप घोष ने मंगलवार को कहा कि पार्टी उन कार्यकर्ताओं के साथ खड़ी है जो चुनाव परिणाम की घोषणा के बाद तृणमूल कांग्रेस से संबद्ध गुंडों का अत्याचार झेल रहे हैं। राज्य चुनाव बाद की हिंसा के गिरफ्त में है और इस दौरान कथित तौर पर भाजपा के कई कार्यकर्ताओं की मौत हो गई एवं कई अन्य घायल हो गए। केंद्र ने विपक्षी कार्यकर्ताओं पर हमले की घटनाओं पर राज्य सरकार से रिपोर्ट मांगी है। घोष ने कहा, मैंने प्रतिकूल स्थितियों में भाग जाने की राजनीति नहीं की है। हमने मुश्किल लड़ाई लड़ी है। उन्होंने कहा कि भाजपा ने पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव में रिकार्ड 77 सीटें जीती हैं। उधर तृणमूल कांग्रेस 213 सीटें जीतकर विजई हुई है और वह लगातार तीसरी बार सरकार बनाएगी।

घोष ने दावा किया कि उन स्थानों पर हमले किए जा रहे हैं जहां तृणमूल कांग्रेस भारी बहुमत से जीती है। उन्होंने कहा कि लेकिन भाजपा नेतृत्व अपने कार्यकर्ताओं के साथ खड़ा है जिन्होंने अपनी जान जोखिम में डालते हुए चुनाव लड़ा है। प्रदेश भाजपा अध्यक्ष ने कहा, हम लड़ रहे हैं और आगे भी लड़ते रहेंगे। आज या कल बंगाल भाजपा के हाथों बदलाव का साक्षी बनेगा। भाजपा के राष्ट्रीय सचिव राहुल सिन्हा ने कहा, हम नतीजे का बाद में विश्लेषण कर लेंगे। हमारा सर्वोच्च कर्तव्य कार्यकर्ताओं के साथ खड़ा रहना है। भाजपा ने दावा किया है कि विभिन्न स्थानों पर उसके छह कार्यकर्ता मारे गए हैं, हुगली जिले में पार्टी के एक कार्यालय को जला दिया गया और कई क्षेत्रों में उसके समर्थकों की दुकानें फूंक दी गईं। राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने कहा कि कई जिलों में चुनाव बाद हिंसा होने की खबरें मिलने के बाद प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उन्हें फोन करके राज्य की कानून व्यवस्था की स्थिति पर क्षोभ प्रकट किया।

हिंसा की कांग्रेस ने भी कड़ी निंदा की

नई दिल्ली। कांग्रेस ने पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हुई कथित हिंसा की निंदा करते हुए मंगलवार को कहा कि ऐसी घटनाएं लोकतंत्र में अस्वीकार्य हैं और मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को स्थिति पर नियंत्रण करना चाहिए। पार्टी के पश्चिम बंगाल प्रभारी जितिन प्रसाद ने आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल में कांग्रेस कार्यकर्ताओं पर तृणमूल कांग्रेस के सदस्यों ने हमला किया है तथा महिलाओं और बच्चों को भी नहीं छोड़ा गया।उन्होंने ट्वीट किया, चुनाव के बाद तृणमूल कांग्रेस की ओर से कांग्रेस कार्यकर्ताओं के खिलाफ की गई हिंसा अस्वीकार्य है। महिलाओं और बच्चों तक को नहीं छोड़ा गया। मुझे विश्वास है कि पश्चिम बंगाल के जोगों ने इस अराजकता के लिए वोट नहीं दिया है। पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हिंसा के बारे में पूछे जाने पर कांग्रेस प्रवक्ता शक्ति सिंह गोहिल ने कहा कि उनकी पार्टी ऐसी घटनाओं की निंदा करती है। उन्होंने कहा, कांग्रेस ने इस तरह की हिंसा का कभी समर्थन नहीं किया है। लोकतंत्र में हिंसा के लिए कोई स्थान नहीं है। गोहिल ने कहा, ममता बनर्जी को इतना ज्यादा प्रेम और वोट मिला है। उन्हें हिंसा पर नियंत्रण करना चाहिए। . कांग्रेस नेता ने कहा, अगर हिंसा में मारे गए लोग भाजपा के कार्यकर्ता हैं तो भी हम उनके परिवारों के प्रति संवेदना प्रकट करते हैं।

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकी ढेर

भाषा। श्रीनगर

जम्मू-कश्मीर के बारामूला जिले में मंगलवार को सुरक्षा बलों के साथ मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस के एक अधिकारी ने बताया कि सुरक्षा बलों ने बोमई क्षेत्र के नाथीपोरा इलाके में आतंकवादियों की मौजूदगी की सूचना पर घेराबंदी एवं खोज अभियान शुरू किया था। उन्होंने कहा कि खोज अभियान मुठभेड़ में तब तब्दील हो गया जब आतंकवादियों ने सुरक्षा बलों पर गोलीबारी शुरू कर दी। उनके अनुसार सुरक्षा बलों ने भी जवाबी गोलीबारी की और इस मुठभेड़ में दो आतंकवादी मारे गए।उन्होंने बताया कि इलाके में खोज अभियान जारी है।कश्मीर के पुलिस महानिरीक्षक एक ट्वीट किया, (29 मार्च को सोपोर में) दो पार्षदों और एक पुलिस कर्मी की हत्या में शामिल एक विदेशी आतंकवादी मुठभेड़ में घेर लिया गया है।

केरल में कोविड-19 के 37,190 नए मामले

● **मुख्यमंत्री विजयन ने मामलों में वृद्धि की आशंका जताई**

भाषा। तिरुवनंतपुरम

केरल में मंगलवार को कोरोना वायरस संक्रमण के 37,190 नए मामले सामने आने के बाद संक्रमितों की संख्या बढ़कर 17,01,979 हो गई जबकि इस दौरान 57 मरीजों की मौत होने से इस महामारी से मरने वालों की संख्या बढ़कर 5,507 हो गई। राज्य सरकार ने यह जानकारी दी।

इस बीच, केरल के मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने कहा कि कोविड-19 की दूसरी लहर को अपने चरम पर पहुचने में अभी कुछ और दिन लगेंगे। साथ ही आशंका जताई कि आने वाले दिनों में संक्रमण के मामलों में वृद्धि हो सकती है।विजयन ने कहा कि राज्य में मंगलवार को संक्रमण की दर 26.08 फीसदी रही, जिसमें आने वाले दिनों में बढ़ोत्तरी दर्ज होने की आंशका है। केरल में पिछले 24 घंटों के दौरान कोविड-19 के 26,148 मरीजों को स्वस्थ होने के बाद अस्पताल से छुट्टी दे दी गई जिससे इस जानलेवा वायरस को मात देने वालों की संख्या बढ़कर 13.39 लाख हो गई है।

मुख्यमंत्री पिनराई विजयन ने मंगलवार को पत्रकारों को बताया कि राज्य में इस समय कोरोना के 3,56,872 मरीज उपचाराधीन हैं। कोरोना संक्रमण के नए मामलों में लगातार हो रही वृद्धि के मद्देनजर चार मई से नौ मई तक राज्य में लॉकडाउन जैसी सख्त पाबंदी मंगलवार से लागू हो गई।

राज्य सरकार की विज्ञप्ति के मुताबिक इस दौरान सभी सरकारी और निजी कार्यालयों को केवल 25 प्रतिशत कर्मचारियों के साथ ही कार्य करने की अनुमति होगी। शेष कर्मचारी घर से काम कर सकते हैं।

केरल में पिछले 24 घंटों के दौरान।,42,588 नमूनों की कोरोना जांच की गई है और संक्रमण की दर बढ़कर 26.08 प्रतिशत हो गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य के पास फिलहाल टीके की 2.4 लाख खुराक उपलब्ध हैं जोकि अधिकतम दो दिन में समाप्त हो जाएंगी।

कोविड-19 से 100 से अधिक वरिष्ठ अफसरों की गई जान

नौकरशाही पर महामारी का वार

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली

कोरोना वायरस की दूसरी लहर ने नौकरशाही को कड़ी चोट पहुंचाई है। इस महामारी में आईएएस, आईपीएस, आईआरएस और रेलवे ऑफिसर समेत 100 से अधिक वरिष्ठ अफसरों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। इसमें बिहार के मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह और 1985 बैच के उनके तीन साथी जिनमें सीबीआई के पूर्व निदेशक रंजीत सिन्हा, भूमि संसाधन विभाग के पूर्व सचिव रुकोलहुम्लीन बुहरिल और पंचायती राज विभाग के वर्तमान निदेशक विजय रंजन समेत कई वरिष्ठ अधिकारियों की मौत होना शामिल है। कोविड संक्रमण के इस आक्रमण से देश की नौकरशाही में हाहाकार मच गया है। उत्तर प्रदेश आईएएस संगठन के अध्यक्ष दीपक त्रिवेदी ने भी बिहार स्वास्थ्य विभाग के अतिरिक्त सचिव आरएस चौधरी की तरह एक सप्ताह में ही कोविड से हार कर अपनी जिंदगी गंवा दी। त्रिवेदी उत्तर प्रदेश सरकार में राजस्व बोर्ड के चेयरमैन के पद पर थे। 985 बैच के एक उच्च आईएएस अधिकारी ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में हमने बैच के अधिकारियों को खो दिया है। यह बेहद दुख की बात है। हम तबाह हो चुके हैं लेकिन इसके बाद भी हमें देश को बचाने के लिए उसी ऊर्जा के साथ महामारी से लड़ना होगा तभी हम इस समस्या से बाहर आ पाएंगे। अरुण, त्रिवेदी के अलावा इसी बैच के गुजरात कैडर के संजीव गुप्ता भी पिछले सप्ताह कोरोना से जंग हार गए थे। बिहार में मुख्य सचिव अरुण कुमार सिंह तीसरे आईएएस अधिकारी हैं जिनकी चौधरी और रंजन के बाद कोविड संक्रमण से मौत हो गई। इन तीन सेवारत अधिकारियों के अलावा, दो सेवानिवृत्त अधिकारी, अभिमन्यु सिंह और डॉ. हृदय कांत सिन्हा का पिछले महीने निधन हो गया था। विभाजित बिहार कैडर के आईएएस अफसर एसी रंजन और एमसी सुबरनो जो झारखंड कैडर से रिटायर हुए थे, वह भी कोविड सुनामी के शिकार हो गए। दो वर्तमान आईआरएस अधिकारी रजनीश अरविंद और डीके झा भी रविवार को वायरस के शिकार बने। नागालैंड ग्राम विकास बोर्ड की स्थापना करने वाले पद्मश्री आईएएस एएम गोखले भी इस घातक वायरस के शिकार बने।रेलवे अधिकारी 1975 बैच के आईआरटीएस केके श्रीवास्तव, आईआरएस कस्टम के 1996 बैच के चद्रशेखर और 2006 बैच के युवा रेलवे अधिकारी अभिषेक जौहरी, एसएसबी के पूर्व प्रमुख अरुण चौधरी, डीआईजी आर्म्ड यूनिट वडोदरा के डॉ. महेश नायक समेत कई आईपीएस अधिकारी कोविड संक्रमण और उसके चलते उनकी मौत हो गई। असमय लगातार अधिकारियों की मौत के चलते वर्चुअल श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया जा रहा है। कई अधिकारियों के असामयिक निधन पर शोक व्यक्त करते हुए आईएएस ऑफिसर्स एसोसिएशन बिहार के सचिव दीपक कुमार सिंह ने कहा कि इस संकट काल में हम सभी को अपना समर्थन देंगे चाहे वह सेवानिवृत्त या सेवारत अधिकारी हों।

भारत में कोविड रोधी टीके की 15.89 करोड़ खुराकें दी गईं

भाषा। नई दिल्ली

भारत में कोविड रोधी टीके की 15.89 करोड़ से अधिक खुराकें लगाई जा चुकी हैं। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक, तीन मई को ही 17,08,390 खुराकें दी गई हैं। मंत्रालय ने बताया कि 12 राज्यों एवं केंद्र शासित प्रदेशों में 18-44 आयु वर्ग के 4,06,339 लोगों ने टीके की पहली खुराक लगवाई है।

उसके मुताबिक, इनमें छत्तीसगढ़ में।,025, दिल्ली में 40,028, गुजरात में।,08,191, हरियाणा में 55,565, जम्मू-कश्मीर में 5,587, कर्नाटक में 2,353, महाराष्ट्र में 73,714, ओडिशा में 6,352, पंजाब में 635, राजस्थान में 76,151, तमिलनाडु में 2,744 और उत्तर प्रदेश में 33,544 लोग शामिल हैं। सुबह सात बजे तक के अस्थाई आंकड़ों के मुताबिक, कुल मिलाकर टीके की 15,89,32,921 खुराकें लगाई जा चुकी हैं। उसमें बताया गया है कि 94,48,289 स्वास्थ्य कर्मियों को पहली खुराक लगाई गई है जबकि 62,97,900 स्वास्थ्य कर्मियों ने दूसरी खुराक लगवाई है। इसी तरह 1,35,05,877 अग्रिम पंक्ति के कर्मियों ने टीके के पहली खुराक ली है जबकि 72,66,380 ने दूसरी खुराक लगवाई है। आंकड़ों के अनुसार, 45-60 वर्ष आयु समूह में 5,30,50,669 और 41,42,786 लोगों ने टीके की क्रमशः पहली और दूसरी खुराक लगवाई है। वहीं 60 वर्ष से अधिक उम्र के 5,28,16,238 और 1,19,98,443 लाभार्थियों ने क्रमशः टीके की पहली और दूसरी खुराक ली।

देश में टीके की अबतक लगाई गई कुल खुराकों में से दस राज्यों-- महाराष्ट्र, राजस्थान, गुजरात, उत्तर प्रदेश, पश्चिम बंगाल, कर्नाटक, मध्य प्रदेश, केरल, बिहार और आंध्र प्रदेश में 66.94 प्रतिशत खुराकें लगाई गई हैं। इस स्वास्थ्य मंत्रालय ने मंगलवार को बताया कि राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों के पास कोविड रोधी टीके की 75 लाख से अधिक खुराकें हैं और उन्हें अगले तीन दिन में 48 लाख से अधिक और खुराकें मिलेंगी। मंत्रालय ने सुबह आठ बजे तक के आंकड़ों के हवाले से बताया है कि भारत सरकार ने राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों को टीके की 16,69,97,410 खुराकें निशुल्क मुहैया कराई हैं।

चमोली में बारिश का मलबा मकानों में घुसा

भाषा। गोपेश्वर

उत्तराखंड के चमोली जिले में घाट बाजार सहित कई स्थानों पर मंगलवार को तेज बारिश के कारण हुए भूकटाव का मलबा दुकानों और मकानों में घुस गया। मलबे के कारण एक मकान में फंसे दो बच्चों समेत चार व्यक्तियों को पुलिस ने सुरक्षित बाहर निकाला। पुलिस ने बताया कि शाम को भारी बारिश होने के बाद घाट बाजार के एक हिस्से में तीन स्थानों से भूकटाव हुआ और उसका मलबा दुकानों और मकानों में घुस गया। सी दौरान एक मकान में लोगों के फंसे होने की सूचना पर स्थानीय लोगों और पुलिस ने बचाव और राहत कार्य चलाया और मलबे में फंसे पिता और दो बच्चों सहित एक अन्य व्यक्ति को बाहर निकाला। उन्हें तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पहुंचाया गया जहां उनका उपचार किया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि घाट के अलावा भी चमोली जिले में कई स्थानों पर भूस्खलन और भूकटाव हुआ जिससे जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया है। अचानक हो रही तेज बारिश के कारण भूकटाव और भूस्खलन का मलबा तेजी से बह रहा है। बारिश के पानी के साथ आए मलबे से कई स्थानों पर सड़क मलबे से भर गई हैं और लोग अब घर छोड़कर सुरक्षित स्थानों पर शरण ले रहे हैं। चमोली जिले के घाट में अतिवृष्टि से हुए नुकसान की जानकारी मिलते ही मुख्यमंत्री तीरथ सिंह रावत ने जिलाधिकारी चमोली को फोन कर प्रभावितों तक तुरंत राहत पहुंचाने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने समुचित इलाज और बेघर हुए लोगों के भोजन व रहने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोगों को हुए नुकसान का आंकलन करते हुए प्रभावितों को अनुमन्य सहायता राशि अविलंब उपलब्ध कराई जाए।

मराठा आरक्षण को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर आज आएगा फैसला

भाषा। नई दिल्ली

बंबई उच्च न्यायालय के फैसले को चुनौती देने वाली याचिकाओं पर उच्चतम न्यायालय बुधवार को फैसला सुनाएगा, जिसने राज्य में शिक्षण संस्थानों और सरकारी नौकरियों में मराठाओं के लिए आरक्षण के फैसले को बरकरार रखा था। न्यायमूर्ति अशोक भूषण की अध्यक्षता वाली पांच न्यायाधीशों की संविधान पीठ फैसला सुनाएगी। उच्चतम न्यायालय ने 26 मार्च को याचिकाओं पर अपना फैसला सुरक्षित रख लिया था। इस मुद्दे पर लंबी सुनवाई में दायर उन हलफनामों पर भी गौर किया जाएगा कि क्या 1992 के इंदिरा साहनी फैसले (इसे मंडल फैसला भी कहा जाता है) पर बड़ी पीठ द्वारा पुनर्विचार करने की जरूरत है, जिसमें आरक्षण की सीमा 50 फीसदी निर्धारित की गई थी। संविधान पीठ ने मामले में सुनवाई 15 मार्च को शुरू की थी।

पेज 1 का शेष

बंगाल में...

सहित अनियंत्रित हिंसा की सीबीआई जांच के लिए मंगलवार को उच्चतम न्यायालय में आवेदन दायर किया है। वरिष्ठ अधिवक्ता भाटिया ने 2018 की अपनी लंबित जनहित याचिका में दायर इस आवेदन में राज्य सरकार को यह निर्देश देने का अनुरोध किया है कि वह हिंसा में लिप्त व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकियों, गिरफ्तारियों और उठाए गए कदमों के बारे में एक विस्तृत स्थिति रिपोर्ट दाखिल करे।भाटिया ने अपनी अर्जी में कहा, यह तात्कालिक अर्जी...पश्चिम बंगाल में हाल में संपन्न विधानसभा चुनावों से पहले, चुनाव के दौरान और बाद में नृशंस हत्याओं, बलात्कार और छेड़छाड़ जैसे गंभीर अपराधों, अनियंत्रित हिंसा और कानून एवं व्यवस्था के पूरी तरह से ध्वस्त होने के तथ्य का शीर्ष अदालत के संज्ञान में लाने के लिए है। दूसरी ओर पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे बात की और चुनाव के बाद कई जिलों से हिंसा की खबरों के मद्देनजर राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर गहरा क्षोभ प्रकट किया। पश्चिम बंगाल में सोमवार को हिंसा में भाजपा के कई कार्यकर्ता मारे गए और कई घायल हो गए तथा दुकानों में लूटपाट की गई। केंद्र ने राज्य में विपक्षी कार्यकर्ताओं पर हमले की घटनाओं को लेकर सरकार से तथ्यात्मक रिपोर्ट सौंपने को कहा है। राज्यपाल ने ट्वीट कर सवाल किया, पश्चिम बंगाल पुलिस को लोकतंत्र को शर्मसार करने वाली राजनीतिक हिंसा, तोड़फोड़, आगजनी, हत्याओं को रोकना चाहिए। चुनाव के बाद पश्चिम बंगाल में ही हिंसा क्यों होती है? लोकतंत्र पर हमला क्या हो रहा है? धनखड़ ने कहा, खौफनाक हालात की खबरें मिल रही है। डर के कारण लोग जान बचाने के लिए भाग रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हुई व्यापक हिंसा ने उन अत्याचारों की याद दिला दी है जिसका सामना लोगों को देश के विभाजन के दौरान करना पड़ा था। नड्डा ने राज्य में पार्टी कार्यकर्ताओं को क्रूरता के विरुद्ध लोकतांत्रिक तरीके से लड़ने के लिए प्रेरित किया। नड्डा ने कहा कि पूरे भारत में भाजपा कार्यकर्ताओं ने राज्य के उन कार्यकर्ताओं के साथ एकजुटता व्यक्त की है, जो हिंसक हमलों का सामना कर रहे हैं। वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में चुनाव के बाद हुई हिंसा के मुद्दे पर शीर्ष प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की।

चुनाव हिंसा...

लोकतंत्र को बदरूप होने से बचाना चाहिए। बंगाल बेहतर का हकदार है। पश्चिम बंगाल सोमवार को व्यापक हिंसा की गिरफ्त में रहा जिसमें कथित रूप से भाजपा के कई कार्यकर्ता हिंसक झड़प में मारे गए एवं कई घायल हो गए तथा दुकानें लूट ली गईं। केंद्रीय गृहमंत्रालय ने विपक्षी कार्यकर्ताओं पर हमले की घटनाओं पर राज्य सरकार से तथ्यात्मक रिपोर्ट मांगी है। सोमवार को सरमा ने कहा था कि असम में लगातार दूसरी बार भाजपा के विधानसभा चुनाव जीतने के बाद किसी भी कांग्रेस कार्यकर्ता पर हमला तो भूल जाइए , उनका मजाक भी नहीं उड़ाया गया। उन्होंने ट्वीट किया था, लेकिन बहुत दूर नहीं, बंगाल में ही दीदी के दादाओं ने भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमले और उनकी हत्याएं कर आतंक का राज कायम कर दिया है। क्या उदारवादी यह फर्क देख सकते हैं?

कोरोना कर्फ्यू...

हो रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कोविड और नॉन कोविड मरीजों के लिए सभी जिलों में एम्बुलेंस की व्यवस्था की गई है। 108 सेवा की 50 फीसदी एम्बुलेंस कोविड के लिए आरक्षित है। इसी प्रकार शव वाहन भी लगाए गए हैं। अंत्येष्टि की क्रिया पूरे सम्मान के साथ निशुल्क कराई जाए। जनहित से जुड़ी इस व्यवस्था की सतत मॉनीटरिंग करने की आवश्यकता है। विशेष सचिव स्तर के एक अधिकारी को इस कार्य के लिए नियुक्त किया जाए। उन्होंने कहा कि कोविड पर प्रभावी नियंत्रण और आवश्यक रणनीति के लिए राज्य स्तर पर स्वास्थ्य विशेषज्ञों का एक सलाहकार पैनल तैयार किया जा रहा है। यह पैनल राज्य स्तरीय टीम 9 को समय समय पर परामर्श देगा। इसके साथ ही सभी कोविड हॉस्पिटल प्रभारियों मेडिकल कॉलेज के प्राचार्यों से सतत संपर्क में रहेगा। उनका मार्गदर्शन करती रहेगी। स्वास्थ्य विशेषज्ञों का परामर्श रणनीति तैयार करने में उपयोगी होगा। कोविड संक्रमण की स्थिति को देखते हुए प्रदेश में स्वास्थ्य सुविधाओं में बढ़ोतरी की जा रही है। मेडिकल एजुकेशन, स्वास्थ्य विभाग के साथ साथ निजी अस्पतालों को भी कोविड मरीजों के उपचार के लिए क्रियाशील किया गया है। जरूरत बेड की संख्या बढ़ाने की है। हमें सभी जिलों में बेड्स की वर्तमान क्षमता को दोगुना करना होगा। चिकित्सा शिक्षा मंत्री स्तर से कार्यवाही सुनिश्चित कराई जाए।

कैंसर अस्पताल...

रोड की ओर रुख किया। यहां पर कैंसर हॉस्पिटल के नवनिर्मित कोविड वार्ड के निरीक्षण के दौरान मुख्यमंत्री के साथ चिकित्सा शिक्षा तथा वित्त मंत्री सुरेश कुमार खन्ना भी थे। सीएम योगी आदित्यनाथ ने कोविड वार्ड के हर क्षेत्र का गहनता से निरीक्षण कर वहां पर मौजूद सभी अधिकारियों से मौजूद व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इसके बाद सीएम योगी आदित्यनाथ ने कैंसर अस्पताल में बने सौ बेड के कोविड वॉर्ड अस्पताल की शुरुआत की। अस्पताल के शुरू होने के साथ ही मंगलवार को तीन संक्रमित मरीजों को भर्ती किया गया। कैंसर अस्पताल में बने सौ बेड के कोविड वार्ड के संचालन के बाद लखनऊ में इलाज के लिए भटक रहे लोगों को बड़ी राहत मिलेगी। कोविड वार्ड के निरीक्षण के दौरान सीएम योगी आदित्यनाथ के साथ चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश कुमार खन्ना, चिकित्सा शिक्षा राज्य मंत्री संदीप सिंह, मुख्य सचिव आर के तिवारी समेत स्वास्थ्य तथा चिकित्सा शिक्षा विभाग के आला अधिकारी थे।

कोरोना संक्रमित...

चल रही है। प्रदेश में अब तक 1,04,63,033 लोगों को वैक्सीन की पहली डोज दी गई तथा पहली डोज वाले लोगों में से 24,50,536 लोगों को वैक्सीन की दूसरी डोज दी गई।

आईपीएल पर...

इसके साथ ही कहा कि बीसीसीआई खिलाड़ियों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए अपनी तरफ से हर तरह के प्रयास करेगा। आईपीएल में इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड सहित कई अन्य देशों के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। आईपीएल ने कहा, यह मुश्किल समय है विशेषकर भारत में और हमने कुछ सकारात्मकता और खुशी लाने की कोशिश की लेकिन अब जरूरी है कि टूर्नामेंट निलंबित किया जाए और हर कोई इस मुश्किल दौर में वापस अपने परिवार और प्रियजनों के पास चला जाए। उसने कहा, बीसीसीआई आईपीएल 2021 में भाग ले रहे भागीदारों की सुरक्षित वापसी के लिए अपनी तरफ से हर संभव प्रयास करेगा। आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड ने फैसले का स्वागत करते हुए खिलाड़ियों की वापसी के लिए बीसीसीआई की योजना पर भरोसा जताया। उधर आस्ट्रेलिया ने साफ तौर पर कहा कि भारत से आने वाली उड़ानों पर 15 मई तक लगे प्रतिबंध में वह कोई रियायत नहीं देगा। क्रिकेट आस्ट्रेलिया और आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर संघ ने संयुक्त बयान में कहा कि हम 15 मई तक भारत से आने वाली उड़ानों पर प्रतिबंध के आस्ट्रेलिया सरकार के फैसले का सम्मान करते हैं और किसी रियायत की मांग नहीं करेंगे। एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि बीसीसीआई को आईपीएल स्थगित होने से 2200 करोड़ रूपए का नुकसान हो सकता है। टूर्नामेंट का फाइनल 30 मई को अहमदाबाद में होना था। अभी तक इसमें 24 दिन ही खेल हो सका और 29 मैच ही खेले गए। बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा कि सत्र बीच में रद्द होने से हमें 2000 से 2500 करोड़ रुपए तक का नुकसान होगा। अनुमानतः 2200 करोड़ रुपए का नुकसान हो सकता है। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, हम देखेंगे कि क्या साल के दौरान बाद में हमें आईपीएल आयोजन के लिए कोई उपयुक्त समय मिल सकता है। यह सितंबर हो सकता है लेकिन अभी यह केवल कयास होंगे। अभी की स्थिति यह है कि हम टूर्नामेंट का आयोजन नहीं कर रहे हैं। इससे पहले सोमवार को चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाजी कोच एल बालाजी तथा कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के गेंदबाजों संदीप वारियर्स और वरुण चक्रवर्ती के परिणाम भी पॉजिटिव आए थे। संक्रमण बढ़ने के कारण दो आईपीएल मैचों को स्थगित कर दिया गया था।

एथलेटिक से हारा सेविला, खिताब की दौड़ में पिछड़ा

मैड्रिड। एथलेटिक बिलबाओ से 1-0 से हारने के कारण सेविला की स्पेनिश फुटबाल लीग ला लिगा का खिताब जीतने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। सेविला अब भी शीर्ष पर काबिज एटलेटिको मैड्रिड से छह अंक पीछे है लेकिन अब जबकि केवल चार दौर के मैच बचे हुए है तब सोमवार की जीत उसे चार मजबूत दावेदारों में शामिल कर सकती थी। रीयाल मैड्रिड और बार्सिलोना भी खिताब के प्रबल दावेदार है तथा वे एटलेटिको मैड्रिड से केवल दो अंक पीछे है।

एंटोनियो के दो गोल से वेस्ट हैम की उम्मीद जगी

लंदन। माइकल एंटोनियो के दो गोल की मदद से वेस्ट हैम ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल प्रतियोगिता में बर्नली को 2-1 से हराकर पहली बार चैंपियंस लीग के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीद जगा दी। क्रिस वुड ने 19वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर बर्नली को बढ़त दिलाई लेकिन एंटोनियो ने 21वें और 29वें मिनट में गोल दागकर वेस्ट हैम को महत्वपूर्ण जीत दिलाई।

सेल्बी बने स्नूकर चैंपियन

शेफील्ड (इंग्लैंड)। मार्क सेल्बी ने दर्शकों से खचाखच भरे क्रूसिबल थियेटर में शॉन मर्फी को फाइनल में 18-15 से हराकर विश्व स्नूकर चैंपियनशिप का खिताब जीता। सेल्बी ने चौथी बार विश्व खिताब हासिल किया। केवल स्टीफन हेंडी (सात), रोनी ओ सुलिवान, रे रीयर्डन और स्टीव डेविस (सभी छह) ने उनसे अधिक खिताब जीते है।

बीएफआई के कार्यकारी निदेशक आर के सचेटी का कोविड से निधन

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के कार्यकारी निदेशक आर के सचेटी का कोविड-19 से जूझने के बाद मंगलवार को निधन हो गया। वह 56 वर्ष के थे। खेल प्रशासक इस खतरनाक वायरस से संक्रमित होने के बाद पिछले कुछ समय से यहां एक अस्पताल में वेंटीलेटर पर थे।

कोविड–19 संक्रमण से उबर रहे हैं पादुकोण

नई दिल्ली। भारत के पूर्व दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाए गए है और बेंगलुरू के अस्पताल मे इस संक्रमण से उबर रहे है।

भारत के यूरोप में होने वाले एफआईएच प्रो लीग मुकाबले स्थगित

लुसाने। भारत के इस महीने स्पेन और जर्मनी के खिलाफ उन्ही की सरजमी पर होने वाले एफआईएच प्रो लीग मैचों को इस एशियाई देश मे बढ़ते कोविड-19 मामलो के कारण अंतरराष्ट्रीय यात्रा में पाबंदियो के कारण स्थगित कर दिया गया है।

विश्व कप क्वालीफाइंग से हटा उत्तर कोरिया

सोल। दक्षिण कोरिया ने कहा है कि उत्तर कोरिया ने कहा है कि वह कोरोना के कारण विश्व कप क्वालीफायर मे हिस्सा नही लेगा।

आईपीएल न होने से बीसीसीआई को लगेगा झटका

● हो सकता है दो हजार करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान

भाषा। नई दिल्ली

जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में कोविड–19 मामलों के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने से भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को प्रसारण और प्रायोजक राशि में दो हजार करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हो सकता है। पिछले कुछ दिनों में अहमदाबाद और नई दिल्ली में खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के बीच कोविड–19 के कई मामले सामने आने के बाद बीसीसीआई को आईपीएल को स्थगित करने को बाध्य होना पड़ा। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर पीटीआई को बताया, इस सत्र को बीच में स्थगित करने से हमें 2000 से 2500 करोड़ रुपए का नुकसान हो सकता है। मैं कहूंगा कि 2200 करोड़ रुपए की राशि अधिक सटीक होगी। इस 52 दिन चलने वाले 60 मैचों के टूर्नामेंट का समापन 30 मई को अहमदाबाद में होना था। हालांकि सिर्फ 24 दिन क्रिकेट खेला गया और इस दौरान 29 मैचों के आयोजन के बाद वायरस के कारण टूर्नामेंट को स्थगित करना पड़ा। बीसीसीआई को सबसे अधिक नुकसान स्टार स्पोर्ट्स से टूर्नामेंट के प्रसारण अधिकारी से मिलने वाली राशि का होगा। स्टार का पांच साल का अनुबंध 16 हजार 347 करोड़ रुपए का है जो प्रति वर्ष तीन हजार 269 करोड़ से कुछ अधिक होता है। अगर सत्र में 60 मैच होते हैं तो प्रत्यक मैच की राशि लगभग 54 करोड़ 50 लाख रुपए बनती है। स्टार अगर प्रति मैच के हिसाब से भुगतान करता है तो 29 मैचों की राशि लगभग 1580 करोड़ रुपए होती है। ऐसे में बोर्ड को 1690 करोड़ का नुकसान होगा। इसी तरह मोबाइल निर्माता विवो टूर्नामेंट के टाइटिल प्रायोजक के रूप में प्रति सत्र 440 करोड़ रुपए का भुगतान करता है और टूर्नामेंट के स्थगित होने के कारण बीसीसीआई को आधी से कम राशि मिलने की उम्मीद है। अनअकेडमी, ड्रीम11, सीरेड, अपस्टॉक्स और टाटा मोटर्स जैसी सहायक प्रायोजक कंपनियां भी हैं जिसमें से प्रत्एक प्रति सत्र लगभग 120 करोड़ रुपए के आसपास भुगतान करती हैं।

अधिकारी ने कहा, सभी भुगतानों को आधा या इससे कुछ कर दिया जाए और आपको लगभग 2200 करोड़ रुपए का नुकसान होगा। असल में नुकसान इससे कहीं अधिक हो सकता है लेकिन यह सत्र का अनुमानित नुकसान है। इस नुकसान से केंद्रीय राजस्व पूल (बीसीसीआई जो पैसा आठ फ्रेंचाइजियों को बांटता है) की राशि भी लगभग आधी हो जाएगी। अधिकारी ने हालांकि यह नहीं बताया कि टूर्नामेंट के निलंबित होने से प्रत्एक फ्रेंचाइजी को कितना नुकसान होगा। खिलाड़ियों को अनुपात की जगह समय के हिसाब से राशि का भुगतान किया जाएगा। खिलाड़ी ने अगर खुद को टूर्नामेंट के एक हिस्से के लिए उपलब्ध रखा है तो वेतन अनुपात के हिसाब से होगा। एक सीनियर खिलाड़ी ने हालांकि कहा कि अनुपात तभी लागू होगा जब कोई खिलाड़ी अपनी मर्जी से टूर्नामेंट के कुछ हिस्से के लिए खुद को उपलब्ध रखेगा। आयोजकों ने टूर्नामेंट को बीच में रोका है और ऐसी स्थिति में फ्रेंचाइजी के कम से कम आधे सत्र का नुकसान करने की संभावना है।

स्टार इंडिया ने बीसीसीआई के फैसले का समर्थन किया

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आधिकारिक प्रसारणकर्ता स्टार इंडिया ने जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में कोविड-19 के मामले आने के बाद इस लुभावनी टी20 लीग को मंगलवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने के भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के फैसले का समर्थन किया है। सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा और दिल्ली कैपिटल्स के अनुभवी स्पिनर अमित मिश्रा के कोविड-19 पॉजिटिव पाए जाने के बाद लीग को निलंबित करने की घोषणा की गई। बीसीसीआई के फैसले के घंटों बाद स्टार इंडिया ने बयान में कहा, स्टार इंडिया आईपीएल 2021 को निलंबित करने के बीसीसीआई के फैसले का समर्थन करता है।

कोविड के खिलाफ लड़ाई में फ्रेंचाइजी और हितधारक एकजुट, निलंबन का समर्थन

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंचाइजी और हितधारकों ने मंगलवार को टूर्नामेंट को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने के भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के फैसले की सराहना की और जोर देते हुए कहा कि देश जब कोविड-19 के अभूतपूर्व संकट से जूझ रहा है तो क्रिकेट इंतजार कर सकता है। पिछले कुछ दिनो मे जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के बीच कोविड-19 के कई मामले सामने आने के बाद बीसीसीआई को आईपीएल को स्थगित करने को बाध्य होना पड़ा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने बयान में कहा, इस सब मे हम सभी एकजुट है। विवो आईपीएल 2021 मे सभी की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है और हम टूर्नामेंट को स्थगित करने के बीसीसीआई के फैसले का समर्थन करते है। फ्रेंचाइजी ने कहा, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर बीसीसीआई के साथ सलाह मशविरे से काम करके सुनिश्चित करेग कि सभी सुरक्षित घर वापस लौटे। पूर्व भारतीय कप्तान मोहम्मद अजहरूद्दीन ने भी टूर्नामेंट को स्थगित करने के लिए बीसीसीआई की सराहना की। अजहरूद्दीन ने लिखा, भारत मे कोविड संकट और खिलाड़ियों के पॉजिटिव नतीजों को देखते हुए बीसीसीआई और आईपीएल संचालन परिषद ने आईपीएल को तुरंत प्रभाव से स्थगित करने का सही फैसला किया है। इंग्लैड के पूर्व बल्लेबाज और अब कमेंटेटर की भूमिका निभा रहे केविन पीटरसन ने कहा कि भारत को संघर्ष करते हुए देखना दिल तोड़ने वाला है। पीटरसन ने ट्वीट किया, भारत- ऐसे देश को संघर्ष करते हुए देखना दिल तोड़ने वाला है जिससे मै इतना प्यार करता हूं। आप इससे उबर जाओगे। आप इससे मजबूत बनकर उभरोगे। इस संकट के समय मे भी आपकी दयालुपन और उदारता की अनदेखी नही होगी। आस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर और कोलकाता नाइट राइडर्स के मुख्य मेंटर डेविड हसी ने ट्विटर के जरिए कहा कि वह टूट चुके है जबकि दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने संक्रमित लोगो के जल्द उबरने की कामना की।स्टेन ने ट्वीट किया, कोविड किसी की परवाह नही करता। यह किसी को पसंद नही करता। बीमार जल्द इससे उबरें और उम्मीद करता हूं कि बाकी लोग भी सुरक्षित घर लौटें और स्वस्थ रहे।

मैड्रिड ओपन में नडाल का सामना अलकारेज से

मैड्रिड। राफेल नडाल ने कुछ वर्ष पहले एक स्थानीय टेनिस टूर्नामेंट में जिस लड़के को पुरस्कार के तौर पर प्लेस्टेशन दिया था अब यह स्पेनिश दिग्गज मैड्रिड ओपन के दूसरे दौर में अपने देश के उसी किशोर कार्लोस अलकारेज का सामना करेंगे। सत्रह वर्षीय अलकारेज ने सोमवार को एड्रियन मन्नारिनो को 6–4, 6–0 से हराकर 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन से भिड़ने का हक पाया। अलकारेज बुधवार को अपने जन्मदिन पर मैजिक बॉक्स सेंटर कोर्ट पर अपने आदर्श खिलाड़ी का सामना करेंगे। उन्होंने कहा, यहां राफा का सामना करना सपना सच होने जैसा है। पहले दौर के अन्य मैचों में डेनियल इवान्स ने जेरेमी चार्डी को 7–6 (6) 6–7 (7) 6–2 से और डेनिस शापोवालोव ने डुसान लाजोविच को 6–।, 6–3 से हराया।ँ बियो फोगनिनी ने स्पेनिश क्वालीफायर कार्लोस टेबरनर को 7–6 (4), 2–6, 6–3 और जॉन इसनर ने मियोमिर कासेमानोविच को 6–4, 7–6 (6) से पराजित किया। महिलाओं के वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त एशलीग बार्टी ने फ्रेंच ओपन चैंपियन इगा स्वीतेक को 7–5, 6–4 से जबकि स्पेन की पाउला बाडोसा ने एनस्तेसिया सेवास्तोवा को 6–7 (0) 7–6 (3) 6–0 से शिकस्त दी। पेत्रा क्वितोवा ने वेरोनिका कुदेरमेतोवा को 6–3, 4–6, 6–4 से हराया जबकि आठवीं वरीयता प्राप्त बेलिंडा बेनसिच ने ओंस जाबेर के मैच से हट जाने के कारण अगले दौर में जगह बनाई।

खिलाड़ियों की वापसी के लिए काम करेगा

मेलबर्न। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने मंगलवार को कहा कि भारत से उड़ानों पर लगाए सरकार के यात्रा प्रतिबंध से वह छूट नहीं मांगेगा लेकिन भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ मिलकर सुनिश्चित करेगा कि देश के खिलाड़ी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के निलंबन के बाद सुरक्षित स्वदेश लौट सकें। जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में कोविड संक्रमण के कई मामले आने के बाद आईपीएल को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया जिसके बाद सीए और आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स संघ (एसीए) ने संयुक्त बयान में कहा कि वे आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए योजना बनाएंगे।

आईपीएल बायो बबल छोड़कर मालदीव पहुंचे स्लैटर : रिपोर्ट

मेलबर्न। क्रिकेटर से कमेंटेटर बने माइकल स्लैटर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के जैव सुरक्षित वातावरण (बायो बबल) को छोड़कर मालदीव चले गए हैं क्योंकि आस्ट्रेलिया ने भारत में कोविड–19 के मामले बढ़ने के कारण वहां से उड़ानों को 15 मई तक निलंबित कर रखा है। द आस्ट्रेलियन समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार स्लैटर मालदीव चले गए हैं क्योंकि आस्ट्रेलियाई सरकार के स्पष्ट किया है कि आईपीएल में हिस्सा ले रहे आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों और अन्य को स्वदेश लौटने की व्यवस्था स्वयं करनी होगी। मालदीव पहुंचने से पहले स्लैटर ने ट्विटर पर आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरीसन को भारत से अपने देशवासियों को स्वदेश वापसी की अनुमति नहीं देने के लिए आड़े हाथों लेते हुए इसे अपमानजनक बताया था।

यूएई में आयोजित किया जा सकता है टी20 विश्व कप

● आईपीएल स्थगित किए जाने का असर

भाषा। नई दिल्ली

इस साल भारत में होने वाला टी20 विश्व कप यूएई में आयोजित किया जा सकता है क्योंकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को लगता है कि कोई भी टीम उस समय यहां आने में सहज महसूस नहीं करेगी। इस बारे में अंतिम फैसला एक महीने में कर दिया जाएगा लेकिन पता चला है कि जैव सुरक्षित वातावरण (बायो बबल) में कोविड–19 के कुछ मामले पाए जाने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) स्थगित किए जाने के बाद बीसीसीआई भी अक्टूबर – नवंबर में होने वाले 16 टीमों के टूर्नामेंट को आयोजित करने से कतरा रहा है। पीटीआई को पता चला है कि बीसीसीआई के अधिकारियों की हाल में केंद्र सरकार के कुछ शीर्ष अधिकारियों से चर्चा हुई तथा टूर्नामेंट को यूएई में आयोजित करने पर काफी हद तक सहमति बन गई है। यह टूर्नामेंट नौ स्थानों पर खेला जाना है जिनकी घोषणा अभी नहीं की गई है। बीसीसीआई के सूत्रों ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, आईपीएल का चार सप्ताह के अंदर निलंबन इस बात का संकेत है कि जबकि देश पिछले 70 वर्षों में अपने सबसे बुरे स्वास्थ्य संकट से जूझ रहा है तब इस तरह की वैश्विक प्रतियोगिता की मेजबानी करना वास्तव में सुरक्षित नहीं होगा। भारत में नवंबर में (कोविड–19 की) तीसरी लहर आने की संभावना है। इसलिए बीसीसीआई मेजबान रहेगा लेकिन टूर्नामेंट संभवत: यूएई में आयोजित किया जाएगा। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सितंबर में भारत में तीसरी लहर की चेतावनी दी है। भारत में अभी स्थिति विकट बनी हुई है तथा पिछले कुछ समय से हर दिन तीन लाख से अधिक मामले सामने आ रहे हैं जिससे अधिकतर क्रिकेट बोर्ड चिंतित हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ऐसी स्थिति में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टीमों की सुरक्षा को लेकर जोखिम नहीं उठाएगा।

आईपीएल के विदेशी खिलाड़ियों को वापस भेजने का तरीका ढूंढ लेंगे: आईपीएल अध्यक्ष

भाषा। नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के चेयरमैन बृजेश पटेल ने मंगलवार को कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) जैविक रूप से सुरक्षित वातावरण में कोविड–19 संक्रमण के मामले सामने आने पर लीग को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने के बाद विदेशी खिलाड़ियों की वापसी का तरीका ढूंढ लेगा। सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा और दिल्ली कैपिटल्स के अनुभवी स्पिनर अमित मिश्रा के कोविड–19 पॉजिटिव पाए जाने के बाद लीग को निलंबित करने की घोषणा की गई। विदेशी खिलाड़ी कैसे वापस जाएंगे इस बारे में पूछे जाने पर बृजेश ने पीटीआई से कहा, हमें उन्हें स्वदेश भेजने की जरूरत है और हम ऐसा करने का तरीका ढूंढ लेंगे। इस लुभावनी लीग से जुड़े विदेशी खिलाड़ी अपने देशों में लौटने को लेकर चिंतित हैं क्योंकि भारत में

घातक महामारी फैलने के कारण कई देशों ने यात्रा पाबंदियां लगाई हैं। बीसीसीआई इससे पहले भी विदेशी खिलाड़ियों की सुरक्षित वापसी का आश्वासन दे चुका है। कुछ दिन पहले आस्ट्रेलिया के तीन खिलाड़ियों के हटने के बाद आईपीएल में इस देश के 14, न्यूजीलैंड के 10 और इंग्लैंड के 11 खिलाड़ी बचे हैं। दक्षिण अफ्रीका के 11, वेस्टइंडीज के नौ, अफगानिस्तान के तीन और बांग्लादेश के दो खिलाड़ी भी आईपीएल के लिए भारत में हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने इस स्थिति से निपटने में बीसीसीआई की क्षमता पर भरोसा जताया है। ईएसपीएनक्रिकइंफो ने एनजेडसी के बयान के हवाले से कहा, खिलाड़ियों संभवत: सुरक्षित माहौल में हैं और प्रभावित टीमों के खिलाड़ी पृथकवास में हैं। बयान के अनुसार, स्थिति के प्रबंधन के लिए हम बीसीसीआई, इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) और न्यूजीलैंड सरकार के अधिकारियों के साथ काम करते रहेंगे लेकिन इस समय संभावित विकल्पों के बारे में चर्चा करना जल्दबाजी होगी। भारत और न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों का चार्टर्ड विमान में एक साथ ब्रिटेन जाने का कार्यक्रम था जहां दोनों टीमों को जून में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में हिस्सा लेना है। कुछ दिन पहले आस्ट्रेलिया के आलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने कहा था कि उनके देश के क्रिकेटरों को उसी चार्टर्ड विमान में यात्रा करने में कोई परेशानी नहीं है जो भारत, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के खिलाड़ियों को आईपीएल के बाद ब्रिटेन ले जाएगा। सोमवार को चेन्नई के गेंदबाजी कोच एल बालाजी के अलावा कोलकाता नाइट राइडर्स के गेंदबाज संदीप वारियर और वरूण चक्रवर्ती भी पॉजिटिव पाए गए थे।

बीसीसीआई ने चार भारतीय महिला खिलाड़ियों को हंड्रेड में खेलने की अनुमति दी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टी20 कप्तान हरमनप्रीत कौर सहित चार महिला क्रिकेटरों को जुलाई में ब्रिटेन में होने वाले पहले हंड्रेड टूर्नामेंट में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) जारी कर दिया है। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा भी उन चार खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें 100 गेंद के टूर्नामेंट में खेलने की अनुमति दी गई है। चौथी खिलाड़ी के नाम का पता अभी नहीं चला है। हरमनप्रीत, मंधाना, दीप्ति और एक अन्य खिलाड़ी को मंजूरी दे दी गई है। बीसीसीआई ने उन्हें एनओसी दे दी है। पता चला है कि ए चारों खिलाड़ी जून–जुलाई में इंग्लैंड दौरे के बाद ब्रिटेन में ही रहेंगी। भारतीय दौरे की शुरुआत 16 जून को एकमात्र टेस्ट मैच से होगी। यह दौरा 15 जुलाई को तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय के साथ समाप्त होगा। इस बीच तीन मैचों की वनडे श्रृंखला भी खेली जाएगी। इस दौरे के लिए भारतीय टीम का चयन अभी तक नहीं किया गया है जबकि बीसीसीआई की क्रिकेट सलाहकार समिति जल्द ही मुख्य कोच की घोषणा कर सकती है। चयनित खिलाड़ियों को 27 मई को रिपोर्ट करनी होगी लेकिन अभी यह पता नहीं चला है कि वे ब्रिटेन का दौरा कैसे करेंगे क्योंकि कोविड–19 मामलों के बढ़ने के कारण ब्रिटिश सरकार ने भारत से उड़ानों को निलंबित कर रखा है। सूत्रों ने कहा, खिलाड़ियों को दौरे के लिए 27 मई को रिपोर्ट करने को कहा गया है।

दूरसंचार विभाग ने 5जी परीक्षण को दी मंजूरी, चीनी प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल नही

नई दिल्ली। दूरसंचार विभाग ने मंगलवार को 5जी परीक्षण के लिए दूरसंचार कंपनियों के आवेदनों को मंजूरी दे दी। हालांकि, इसमें कोई भी कंपनी चीनी कंपनी की प्रौद्योगिकी का इस्तेमाल नहीं कर रही है। दूरसंचार विभाग ने रिलाइंस जियो, भारती एयरटेल, वोडाफोन और एमटीएनएल के आवेदनों को इसके लिए मंजूरी दी है। इनमें से कोई भी कंपनी चीनी कंपनियों की तकनीक का उपयोग नहीं कर रही है। दूरसंचार विभाग की तरफ से जारी बयान में 5जी परीक्षण के लिए स्वीकृत दूरसंचार गीयर विनिर्माताओं की सूची में एरिक्सन, नोकिया, सैमसंग, सी–डॉट और रिलायंस जियो की स्वदेशी रूप से विकसित प्रौद्योगिकियां शामिल हैं। इसका का मतलब है कि चीनी कंपनियां 5जी परीक्षणों का हिस्सा नहीं होंगे। विभाग ने एक बयान में कहा, दूरसंचार विभाग ने 5जी तकनीक के उपयोग के परीक्षण के लिए दूरसंचार सेवा प्रदान करने वाली कंपनियों को अनुमति दे दी। इसमें भारती एयरटेल, रिलाइंस जियोइंफोकॉम लिमिटेड, वोडाफोन आईडिया इंडिया लिमिटेड और एमटीएनएल शामिल हैं।

वी का गीगानेट यूपी के सबसे तेज़ 4 जी नेटवर्क

नई दिल्ली। फिक्स्ड ब्रॉडबैण्ड एवं मोबाइल टेस्टिंग ऐप्लीकेशन्स डेटा और एनालिसिस में ग्लोबल लीडर ओखला ने वी के गीगानेट को लगातार तीसरी तिमाही के लिए भारत का सबसे तेज़ 4 जी नेटवर्क बताया है। वी ने जनवरी–मार्च 2021 की तिमाही में अन्य सभी ऑपरेटरों की तुलना में सबसे तेज़ 4 जी स्पीड दी है। ऐसे में यह देश भर में लगातार तीन तिमाहियों में सबसे तेज 4 जी स्पीड देने वाला एकमात्र ऑपरेटर बन गया है। उत्तरप्रदेश में वी का गीगानेट प्रमुख शहरों जैसे लखनऊ, कानपुर, आगरा, वाराणसी, प्रयागराज, गोरखपुर, मेरठ, गाज़ियाबादए मुरादाबादए बरेली, सहारनपुर, झांसी, बहरीच, आज़मगढ, सुल्तानपुर, फैज़ाबाद, राय बरेली, शाहजहांपुर, देवरिया, फ़िरोज़ाबाद में औसत डाउनलोड स्पीड के लिए स्पीड चार्ट में सबसे आगे रहा है। सबसे तेज़ 4 जी नेटवर्क का वैरिफिकेशन के दौरान भारत और भारत के प्रमुख क्षेत्रों एवं शहरों में औसत 4 जी डाउनलोड स्पीड के लिए ओखला द्वारा किए गए स्पीड टेस्ट इंटेलीजेन्स डेटा के विश्लेषण के आधार पर दिया गया है। सबसे बड़े स्पैक्ट्रम पोर्टफोलियो और 4 जी के लिए आधुनिक तकनीकों एवं रीफार्मिंग स्पैक्ट्रम के साथ वी ने पिछले दो सालों में अपनी नेटवर्क क्षमता और स्पीड को दोगुना कर लिया है।

टाटा समूह विदेशों से लाएगा 60 क्रायोजेनिक टैंकर, 400ऑक्सीजन संयंत्र बनाएगा

नई दिल्ली। टाटा समूह 60 क्रायोजेनिक ऑक्सीजन टैंकर विदेशों से विमान के जरिए लाएगा और करीब 400 ऑक्सीजन उत्पादन इकाइयां स्थापित करेगा। इस ऑक्सीजन का उपयोग छोटे शहरों के अस्पतालों में किया जा सकता है। टाटा संस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह भी कहा कि समूह की विभिन्न कंपनियों ने मिलकर कोविड मरीजों के लिए करीब 5,000 बिस्तरों की व्यवस्था की है। अपने इंडियन होटल से जुड़े कुछ कर्मचारियों को प्रशिक्षण भी दे रहा है ताकि मरीजों की देखभाल के लिए कर्मचारियों की कमी नहीं हो। समूह ने अपने कई होटलों को कोविड अस्पताल में तब्दील किया है।

शेयर बाजार में लगातार तीसरे दिन गिरावट

●सेंसेक्स 465 अंक लुढ़का

भाषा। मुंबई

शेयर बाजारों में मंगलवार को लगातार तीसरे कारोबारी सत्र में गिरावट रही और बीएसई सेसेक्स 465 अंक लुढ़क कर बंद हुआ। प्रमुख शेयरों में बिकवाली से शेयर बाजार शुरूआती बढ़त को बरकरार नहीं रख पाए और अंतत: गिरावट में बंद हुए। कारोबारियों के अनुसार कोविड–19 की गंभीर स्थिति तथा विदेशी कोषों की लगातार बिकवाली से बाजार पर असर पड़ा है। तीस शेयरों वाला बीएसई सेंसेक्स शुरूआती कारोबार मे बढ़त के साथ खुला। लेकिन दोपहर बाद के कारोबार में तेजी बरकरार नहीं रह पाई और यह 465.01 अंक यानी 0.95 प्रतिशत की गिरावट के साथ 48,253.51 पर बंद हुआ। इसी प्रकार, एनएसई निफ्टी 137.65 अंक यानी 0.94 प्रतिशत टूटकर 14,496.50 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में शामिल शेयरों में सर्वाधिक 2.26 प्रतिशत की गिरावट डा. रेड्डीज में आई। इसके अलावा रिलायंस इंडस्ट्रीज, सन फार्मा, एचडीएफसी बैंक, एचडीएफसी लि., इन्फोसिस, महिंद्रा एंड महिंद्रा और भारती एयरटेल भी नुकसान में रहे। दूसरी तरफ, ओएनजीसी, बजाज फाइनेंस, टीसीएस, नेस्ले इंडिया, एसबीआई और कोटक बैंक आदि लाभ में रहे। इनमें 1.86 प्रतिशत तक की तेजी आई।

रुपए में लगातार दूसरे दिन तेजी, 10 पैसे मजबूत होकर 73.85 रुपए पर पहुंचा

मुंबई। रुपए मे लगातार दूसरे दिन तेजी रही। मंगलवार को विदेशीमुद्रा विनिमय बाजार मे कारोबार के अंत मे रुपया, अमेरिकी मुद्रा के मुकाबले 10 पैसे चढ़कर प्रति डॉलर 73.85 रुपए (अनंतिम) पर बंद हुआ। अंतर बैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार मे कारोबार की शुरुआत मे रुपया 73.83 प्रति डॉलर पर खुला। कारोबार के दौरान रुपए की विनिमय दर ऊंचे मे 73.76 और नीचे मे 73.97 तक गई थी।

पेट्रोल 15 पैसे, डीजल 18 पैसे प्रति लीटर महंगा हुआ

नई दिल्ली, चार मई (भाषा) सार्वजनिक क्षेत्र की तेल विपणन कंपनियो ने करीब 18 दिनो बाद पेट्रोल के दाम मे 15 पैसे प्रति लीटर और डीजल के दाम मे 18 पैसे प्रति लीटर की बढ़ोतरी की। तेल कंपनियों द्वारा जारी मूल्य अधिसूचना के अनुसार दिल्ली मे पेट्रोल की कीमत अब 90.40 रुपए से बढ़कर 90.55 रुपए प्रति लीटर हो गई है, जबकि एक लीटर डीजल की कीमत 80.73 रुपए से बढ़कर 80.91 रुपए हो गई है।

सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया ब्रिटेन में 24 करोड़ पाउंड निवेश करेगा

भाषा। लंदन

सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया अपने वैक्सीन कारोबार का विस्तार करने के लिए ब्रिटेन में 24 करोड़ पाउंड का निवेश करेगा और एक नया बिक्री कार्यालय खोलेगा, जिससे बड़ी संख्या में रोजगार के अवसर पैदा होंगे। पुणे स्थित वैक्सीन विनिर्माता के साथ ही लगभग 20 भारतीय कंपनियों ने ब्रिटेन में स्वास्थ्य सेवा, बायोटेक और सॉफ्टवेयर जैसे क्षेत्रों में महत्वपूर्ण निवेश करने की घोषणा की है। यह भी पता चला है कि भारत के सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (एसआईआई) ने कोरोना वायरस की वैक्सीन के लिए ब्रिटेन में पहले चरण का परीक्षण भी शुरू कर दिया है।

कूकू ओटीटी ऐप को एक करोड़ से अधिक बार डाउनलोड किया गया

मुंबई। कूकु ओटीटी ऐप जो ओवर.द.टॉप ओटीटी इंडस्ट्री में अभूतपूर्व कंटेंट प्रदाता है। ने जनवरी 2020 में लॉन्च होने के महज 15 महीनों में एक करोड़ डाउनलोड के साथ रिकॉर्ड कायम किया है। कूकु ओटीटी ऐप भारत के निवासियों के लिए भारतीय कहानियों को प्रस्तुत करता हैए जिनको इसके इन.हाउस स्क्रिप्ट.लेखकों द्वारा लिखा गया है।

उनकी दिलचस्प सीरीज़ जनता की फैन्टसी को पूरा करती है। कूकु ओटीटी ऐप की सफलता के पीछे का रहस्य इस तरह की सब्सक्राइबर आधारित कार्यनीति है। ऐप को जनवरी 2020 में लॉन्च किया गया था और लॉन्च के पहले छह महीनों के दौरान 30 लाख से अधिक डाउनलोड हुए थे। उसके बाद ऐप डाउनलोड किए जाने की गति में और वृद्धि हुई हैए जिससे इस ऐप द्वारा प्रस्तुत किए जा रहे कार्यक्रमों की गुणवत्ता साबित होती है। इन हाउस स्क्रिप्ट लेखकों के अलावाए कूकु ओटीटी ऐप सही अभिनय कौशल से सम्पन्न नई प्रतिभाओं को बढ़ावा देता है।

ब्रिटेन में इन्फोसिस–एमफेसिस करेंगी दो हजार नियुक्तियां, विप्रो करेगी 1.6 करोड़ पौंड का निवेश

नई दिल्ली। सूचना प्रौद्योगिकी कंपनी इन्फोसिस और एमफेसिस ने मंगलवार को कहा कि वे ब्रिटेन में करीब दो हजार नियुक्तियां करेंगी। जबकि विप्रो अगले कुछ वर्षों में वहां 1.60 करोड़ पौंड (163 करोड़ रुपए) का निवेश करेगी।

कोरोना संक्रमण के खिलाफ लड़ाई में सैमसंग 50 लाख डॉलर देगा, पेटीएम आक्सीजन संयंत्र लगाएगा

नई दिल्ली। प्रौद्योगिकी क्षेत्र की दिग्गज कंपनी सैमसंग ने कहा कि वह देश में कोरोना संक्रमण के खिलाफ जारी लड़ाई को मजबूती प्रदान करने के लिए 50 लाख डॉलर यानी 37 करोड़ रुपए की सहायता करेगा। वहीं, पेटीएम ने कहा है कि वह कोरोना वायरस के खिलाफ लड़ाई में वह भारत सरकार को मदद करते हुए 12 से 13 शहरों में आक्सीजन संयंत्र लगाएगा। सैमसंग केंद्र व उप्र तथा तमिलनाडु को तीस लाख डॉलर की मदद करेगा। वह बीस लाख डॉलर की चिकित्सा सामग्री भी देगा जिसमे 100 ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर, तीन हजार ऑक्सीजन सिलेंडर और दस लाख एलडीएस सिरिंज शामिल हैं।

गोल्डमैन सैक्स ने वित्त वर्ष 2021-22 के लिए भारत के वृद्धि अनुमानों को घटाया

भाषा। नई दिल्ली

अमेरिकी ब्रोकरेज फर्म गोल्डमैन सैक्स ने कोरोना वायरस महामारी के प्रकोप और उसके चलते कई राज्यों तथा शहरों में लागू लॉकडाउन के मद्देनजर वित्त वर्ष 2021–22 के लिए भारत की आर्थिक वृद्धि के पूर्वानुमान को 11.7 प्रतिशत से घटाकर 11.1 प्रतिशत कर दिया। भारत में कोरोना वायरस संक्रमण की दूसरी लहर भयानक रूप ले चुकी है, और इस बीमारी से अब तक 2.22 लाख लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि हर दिन संक्रमण के 3.5 लाख नए मामले सामने आ रहे हैं। इस कारण पूरे देश में सख्त लॉकडाउन की मांग भी जोर पकड़ने लगी है, हालांकि आर्थिक नुकसान को देखते हुए मोदी सरकार ने अभी तक इस कदम से परहेज किया है। गोल्डमैन सैक्स ने एक रिपोर्ट में कहा, लॉकडाउन की तीव्रता पिछले साल के मुकाबले कम है। फिर भी, भारत के प्रमुख शहरों में सख्त प्रतिबंधों का असर साफ दिखाई दे रहा है। शहरों में सख्त लॉकडाउन से सेवाओं पर खासतौर से असर पड़ा है। इसके अलावा बिजली की खपत, और अप्रैल में विनिर्माण पीएमआई के स्थिर रहने से विनिर्माण क्षेत्र पर असर पड़ने के संकेत भी मिल रहे हैं।

रेड चीफ शूज़ के एए एड में विक्की कौशल

नोएडा। रेड चीफ जो कि भारत में लेदर फुटवियर का एक जाना-माना ब्रांड है। अपने ब्रांड एम्बेसडर विक्की कौशल के साथ अपने सीज़नल कैंपेन्स को लॉन्च करने के लिए तैयार है। लगातार 25 वर्षों से अब तक रेड चीफ ब्रांड 3000 से अधिक मल्टीब्रांड आउटलेट्स, 180 से अधिक एक्सक्लूसिव स्टोर्स के अपने मज़बूत वितरण नेटवर्क तथा इसके साथ ही सभी अग्रणी ई.कॉमर्स प्लेटफार्म और अपनी वेबसाइट के माध्यम से देश भर में बड़ी तादाद में अपने निष्ठावान ग्राहकों को क्वालिटीए कम्फर्ट और स्टाइल का सर्वोत्तम रूप प्रदान कर रहा है। जनरल मैनेजर मार्केटिंग राहुल शर्मा ने कहा कि श्विक्की हमारी रेड चीफ ब्रांड छवि के साथ बहुत अच्छी तरह मेल खाते हैं, हमारा ब्रांड जोकि मज़बूतए दमदार और आत्मविश्वास से भरपूर स्टाइल वालाहै और जिसे युवाओं के लिए टार्गेटेड हमारे सभी कैंपेन्स में और अधिक हाईलाइट किया जाएगा।

नए स्ट्रेन में पेट की समस्याओं से रहें सावधान

लखनऊ। कोविड-19 का लगातर बदलते लक्षण लोगो को भ्रमित कर रहा है क्योंकि वे असमंजस में हैं कि क्या ये लक्षण वायरस के हैं या किसी सामान्य बीमारी के। कोरोनावायरस के नए स्ट्रेन के लक्षण पेट और आंत जैसी समस्याओं के लक्षणो के समान होते हैं। रीजेंसी सुपरस्पेशलिटी हॉस्पिटल के डाक्टरों ने कहा कि कई संक्रमित लोग भूख़ की कमी, कमज़ोरी, और पेट ख़राब होने की शिकायत कर रहे है। 10 प्रतिशत मरीजों में कमज़ोरी और डायरिया के लक्षण बुखार होने से दो दिन पहले दिखाई दिए। इससे खाने की आदत पर बुरा प्रभाव पड़ता है और बहुत कमज़ोरी होती है। डॉ प्रवीण झा ने कहा कि पेट की समस्या भी कोविड-19 का लक्षण हो सकता है। इसलिए इस तरह के लक्षणों को नजरंदाज नहीं करना चाहिए। अगर किसी को कोविड.19 की दूसरी लहर में कोई पेट की समस्या का लक्षण दिखता है तो उन्हें तुरन्त किसी डॉक्टर से परामर्श करना चाहिए।

ब्रिटेन-भारत के बीच आव्रजन एवं आवाजाही समझौता

● एस जयशंकर ने ब्रिटेन की गृह मंत्री प्रीति पटेल से की महत्वपूर्ण मुलाकात

भाषा। लंदन

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने एक महत्वपूर्ण नए आव्रजन एवं आवाजाही साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर करने के लिए ब्रिटेन की गृह मंत्री प्रीति पटेल से मंगलवार को लंदन में मुलाकात की। जयशंकर ने कहा कि यह समझौता दोनों देशों के बीच मौजूदा सम्पर्क को और मजबूत करेगा। ब्रिटेन के गृह विभाग के कार्यालय के अनुसार, नए समझौते से दोनों देशों के 18 से 30 वर्ष आयु के युवाओं को पेशेवर एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान कार्यक्रम के तहत 24 महीने तक के लिए एकदूसरे के देश में काम करने और रहने के लिए सुविधा मिलेगी। इससे उन भारतीय नागरिकों की वापसी की प्रक्रिया में तेजी आएगी जिनका ब्रिटेन में रहने का कोई वैध अधिकार नहीं है। इसी तरह ब्रिटिन नागरिकों की वापसी की प्रक्रिया भी सुगम होगी। इसके साथ ही इससे संगठित आव्रजन अपराध को लेकर अधिक सहयोग सुनिश्चित होगा। जयशंकर ने ब्रिटेन की मंत्री के साथ अपनी बैठक की तस्वीरों के साथ ट्वीट किया, गृह मंत्री प्रीति पटेल के साथ आज सुबह एक उपयोगी बैठक हुई। आव्रजन एवं आवाजाही साझेदारी समझौते पर हस्ताक्षर किए, जो कानूनी यात्रा में सुविधा प्रदान करेगा और प्रतिभाओं को प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने कहा, इसके परिणामस्वरूप भारत और ब्रिटेन के बीच मौजूदा सम्पर्क और मजबूत होगा। समझौते पर एक सहमतिपत्र के रूप में मुहर लगाई गई। यह मंगलवार को ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बीच एक ऑनलाइन शिखर सम्मेलन में बनी सहमति के परिणामों में से एक है। पटेल ने कहा, भारत सरकार में हमारे करीबी सहयोगियों के साथ इस महत्वपूर्ण समझौते से ब्रिटेन और भारत के हजारों युवाओं को एक दूसरे के यहां रहने, काम करने और एकदूसरे की संस्कृतियों का अनुभव करने के लिए नए अवसर प्राप्त होंगे। उन्होंने कहा, समझौता यह भी सुनिश्चित करेगा कि ब्रिटिश सरकार उन लोगों को अधिक आसानी से वापस भेज सकती है जिनके पास ब्रिटेन में रहने का कोई अधिकार नहीं है और इससे उन लोगों के खिलाफ कार्वाई की जा सकेगी जो हमारी व्यवस्था का दुरुपयोग करते हैं। इस समझौते को दोनों देशों के बीच अपने तरह का पहला समझौता बताया जा रहा है। इसके तहत दोनों सरकारों ने युवा भारतीय पेशेवरों और ब्रिटेन के नागरिकों को अधिक गतिशील प्रावधानों के साथ आवाजाही मिल सकेगी। साथ ही

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने लंदन में ब्रिटेन की गृह मंत्री प्रीति पटेल की मुलाकात की

इससे लोगों को दोनों देशों में दो साल तक रहने और काम करने की अनुमति मिलेगी।

ब्रिटेन के गृह विभाग के अनुसार नवीनतम आंकड़ों के अनुसार, पिछले साल भारत से 53,000 से अधिक छात्र अध्ययन करने के लिए ब्रिटेन आए थे जो कि उससे पहले के वर्ष से 42 प्रतिशत तक अधिक है। उसने कहा कि ब्रिटेन में सभी अंतरराष्ट्रीय छात्रों में से लगभग एक चौथाई भारत से हैं। ब्रिटेन में अवैध भारतीय प्रवासियों का मुद्दा लंबे समय से द्विपक्षीय वार्ता के एजेंडे में रहा है। दोनों पक्षों में इसकी संख्या को लेकर सहमति नहीं बन पाई है। ब्रिटेन का कहना है कि देश में लगभग 100,000 भारतीय अवैध रूप से रह रहे हैं। भारत ने पूर्व में इस संख्या की सत्यता पर सवाल उठाया है क्योंकि माना जाता है कि इस आंकड़े में भारतीय उपमहाद्वीप के अन्य हिस्सों से भी नागरिक शामिल हैं। दोनों पक्ष 2018 में इस मुद्दे पर एक समझौते पर हस्ताक्षर करने के करीब थे। पटेल के साथ जयशंकर की बैठक डाउनिंग स्ट्रीट द्वारा सोमवार को उन्नत व्यापार साझेदारी (ईटीपी) के विवरण का खुलासा करने के बाद हुई है जिस पर सहमति बन गई है और दोनों प्रधानमंत्रियों के बीच इस पर हस्ताक्षर किया जाना है। ब्रिटेन सरकार ने कहा कि उसने भारत के साथ एक अरब पाउंड के व्यापार और निवेश समझौते को अंतिम रूप दिया है और ईटीपी के तहत 2030 तक ब्रिटेन-भारत के बीच द्विपक्षीय व्यापार को दोगुना करने का महत्वाकांक्षी लक्ष्य रखा जाएगा और व्यापक मुक्त व्यापार समझौते (एफटीए) की दिशा में आगे बढ़ने के प्रयास किए जाएंगे। जयशंकर मेजबान ब्रिटेन के विदेश मंत्री डॉमिनिक राब के निमंत्रण पर जी-7 के विदेश एवं विकास मंत्रियों की बैठक के लिए लंदन में हैं और वैश्विक लोकतंत्र को खतरों जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों पर कार्वाई पर सहमति के लिए अन्य अतिथि राष्ट्रों के नेताओं साथ के साथ मंगलवार शाम में एक कामकाजी रात्रि भोज में शामिल होंगे।

मैक्सिको सिटी में मेट्रो का पुल गिरने से 20 लोगों की मौत

एपी। मैक्सिको सिटी

मैक्सिको सिटी में सोमवार रात मेट्रो के पुल का खंभा ढह जाने से मलबे में दबकर 20 लोगों की मौत हो गई और करीब 70 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने इस बारे में बताया।

घटनास्थल पर एक क्रेन की मदद से मलबों को हटाया जा रहा है ताकि आपात एवं बचावकर्मी वहां जाकर फंसे हुए लोगों का पता लगा सकें। मैक्सिको सिटी की मेयर क्लाउडिया शिनबौम ने कहा कि 49 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और इनमें से सात की हालत गंभीर है, उनकी सर्जरी हो रही है।

शिनबौम ने कहा कि घटनास्थल से एक मोटरचालक को सुरक्षित बाहर निकाला गया है, जो सड़क के किनारे नीचे फंसा हुआ था। कई बचावकर्मी मलबों के नीचे तलाश कर रहे हैं।शिनबौम ने बताया, दुर्भाग्य से मरने वालों में बच्चे भी हैं। हालांकि, उन्होंने इस बारे में विस्तृत जानकारी नहीं दी। मेयर ने बताया कि पुल का खंभा गिरने से यह दुर्घटना हुई। खंभा ढहने से पुल का एक हिस्सा सड़क पर गिर गया, जिससे मलबे में कई कारें दब गईं।

उन्होंने आशंका जताई कि कुछ लोग मेट्रो मार्ग के अंदर भी फंसे हो सकते हैं। उन्होंने कहा, हमें नहीं मालूम वे जिंदा हैं भी या नहीं। दुर्घटना स्थानीय समयानुसार रात करीब साढ़े 10 बजे हुई। मैक्सिको के विदेश मंत्री मार्सेलो इबरार्ड ने ट्वीट किया, बहुत दर्दनाक घटना हुई है।

घटना के कुछ वीडियो भी सामने आए हैं जिसमें ट्रेन का एक हिस्सा क्षतिग्रस्त दिख रहा है और बचावकर्मी मलबे से लोगों को निकालते नजर आ रहे हैं। मेट्रो लाइन-12 पर यह हादसा हुआ। इस लाइन के निर्माण में कई तरह की अनियमितता बरते जाने के आरोप लगे थे।

क्विक न्यूज

श्रीलंका को स्पूतनिक वी टीके की पहली खेप मिली

कोलंबो । श्रीलंका को रूस के स्पूतनिक वी टीके की पहले खेप मिल गई है। श्रीलंका पड़ोसी देश भारत से कोविड-19 टीके मिलने में देरी के कारण टीकों की कमी से जूझ रहा था। उसे मंगलवार तड़के 15,000 टीके मिले। श्रीलंका ने रूस के गमालेया इंस्टीट्यूट को स्पूतनिक वी के 1.3 करोड़ टीकों का ऑर्डर दिया था। दवा उत्पादन, आपूर्ति एवं नियमन के राज्य मंत्री चन्ना जयसुमन और रूसी दूतावास के अधिकारी टीके प्राप्त करने के लिए देश के मुख्य हवाईअड्डे पर मौजूद रहे।जयसुमन ने कहा कि उन्हें उम्मीद है कि श्रीलंका को भविष्य में रूस से स्पूतनिक वी के कुल 1.3 करोड़ टीके मिलेंगे। श्रीलंका टीकाकरण अभियान के दूसरे चरण को पूरा करने में ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका के 600,000 टीकों की कमी का सामना कर रहा है। अभी श्रीलंका के स्वास्थ्य मंत्रालय के पास करीब 350,000 टीके हैं और उसके पास 600,000 टीकों की कमी है क्योंकि उसे भारत से मंगाए टीके अभी तक नहीं मिले हैं। देशभर में पिछले हफ्ते से कोविड-19 मरीजों की संख्या तेजी से बढ़ रही है। श्रीलंका में संक्रमण के कुल मामले 111,753 हो गए हैं और 696 लोगों की मौत हो चुकी है।

दक्षिण अफ्रीका में कोरोना वायरस के भारतीय स्वरूप का मामला नहीं मिला है : एनआईसीडी

जोहानिसबर्ग। भारत में कहर बरपा रहे कोरोना वायरस के भारतीय स्वरूप का कोई मामला दक्षिण अफ्रीका में अब तक नहीं आया है। दक्षिण अफ्रीका के राष्ट्रीय संक्रामक रोग संस्थान (एनआईसीडी) ने इस बारे में बताया। भारत से आए एक व्यक्ति में संक्रमण की पुष्टि होने के बाद उसे डरबन में एक अस्पताल में भर्ती किया गया है। हालांकि, इस की पुष्टि नहीं हो सकी है कि व्यक्ति वायरस के किस स्वरूप से संक्रमित हुआ है।कोरोना वायरस के स्वरूप बी.1.617 से वैश्विक स्तर पर चिंताएं बढ़ गई हैं। जर्मनी, बेल्जियम, ब्रिटेन, स्विट्जरलैंड, अमेरिका, सिंगापुर और फिजी समेत करीब 17 देशों में वायरस के इस स्वरूप के मामले आ चुके हैं।नेटकेयर अस्पताल के संक्रमण रोकथाम के प्रमुख और वरिष्ठ क्लीनिकल सलाहकार डॉ कैरोलाइन मास्लो ने न्यूज वेबसाइट टाइम्स लाइव को बताया, दक्षिण अफ्रीका की सीमाओं पर कोविड-19 की जांच की जा रही है लेकिन वायरस के नए स्वरूप के देश में प्रवेश से इनकार नहीं किया जा सकता। एनआईसीडी ने एक बयान में कहा कि वह राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कोविड-19 के मामलों पर लगातार नजर रखे हुए है। विदेश से आने वालों की लगातार जांच की जा रही है।

पाकिस्तान में कोविड-19 के रोजाना के मामलों में आई गिरावट

इस्लामाबाद। पाकिस्तान में मंगलवार को कोविड-19 के 3377 नए मामले आए। दैनिक मामलों की यह संख्या पिछले लगभग एक महीने में सबसे कम हैं। इससे पहले पांच अप्रैल को 4,000 से कम मामले आए थे। उस दिन देश में 3953 मरीजों में संक्रमण की पुष्टि हुई थी।राष्ट्रीय स्वास्थ्य सेवा मंत्रालय के मुताबिक मंगलवार को सामने आए नए मामलों से देश में संक्रमितों की संख्या बढ़कर 837,523 हो गई है। पिछले 24 घंटे के दौरान 161 लोगों की संक्रमण से मौत हो गई। देश में कोरोना वायरस से अब तक कुल 18,310 लोगों की मौत हुई है।पाकिस्तान टीकाकरण में तेजी लाकर और सुरक्षा संबंधी पाबंदी लागू कर संक्रमण को रोकने का प्रयास कर रहा है। स्वास्थ्य पर प्रधानमंत्री के विशेष सहायक डॉ फैजल सुल्तान ने कहा है कि इस साल के अंत तक करीब 70 प्रतिशत आबादी का टीकाकरण हो जाएगा।पाकिस्तान को कोवैक्स पहल के जरिए इस सप्ताह ऑक्सफोर्ड-एस्ट्राजेनेका टीके की 12 लाख खुराकें मिलने की संभावना है।

किशोरों के लिए फाइजर के टीके पर एफडीए के एक सप्ताह के भीतर मंजूरी देने की संभावना

एपी। वाशिंगटन

अमेरिका के खाद्य एवं दवा प्रशासन (एफडीए) द्वारा 12 साल और उससे अधिक उम्र के बच्चों के लिए फाइजर के कोविड-19 टीके को अगले सप्ताह मंजूरी दिए जाने की संभावना है। एक संघीय अधिकारी और इस प्रक्रिया से अवगत तथा अगले स्कूली वर्ष के शुरू होने से पहले कई खुराकों की व्यवस्था करने वाले व्यक्ति ने इस बारे में बताया।

कंपनी का टीका 16 साल या उससे अधिक उम्र के लोगों के लिए पहले ही मंजूर किया जा चुका है। हालांकि कंपनी ने पाया कि उसका टीका छोटे बच्चों पर भी कारगर है, जिसके महज एक महीने बाद यह घोषणा हुई है।

संघीय अधिकारी ने बताया कि एजेंसी के फाइजर की दो खुराक वाले टीके पर इस सप्ताह के शुरू में आपात इस्तेमाल की मंजूरी देने की संभावना है।12 से 15 साल के बच्चों को टीका देने के संबंध में संघीय टीका परामर्श समिति के साथ बैठक के बाद ही एफडीए कोई कार्वाई करेगा।

वहीं, अमेरिका में जोर पकड़ते टीकाकरण अभियान और कोरोना वायरस संक्रमण के मामलों में कमी के मद्देनजर यूरोपीय संघ (ईयू) के अधिकारियों ने कोविड-19 महामारी के कारण पिछले 13 महीने से अधिक समय से अमेरिका में बाधित हवाई यात्रा में ढील देने का प्रस्ताव दिया है क्योंकि टीकाकरण से कई देशों में संक्रमण एवं उससे होने वाले मौत के मामलों में कमी देखी गई है।

भारत में संक्रमण की स्थिति बिगड़ने के बीच कई देशों में हालात

सुधरे हैं।अमेरिका में अक्टूबर के बाद से पहली बार रोजाना के मामले कम होकर औसतन 50,000 से नीचे पहुंच गए हैं।

परिवहन सुरक्षा प्रशासन के अनुसार, अमेरिकी हवाईअड्डा जांच केंद्र में करीब 16.7 लाख लोगों की जांच हुई जो पिछले साल मध्य-मार्च से सर्वाधिक है।फ्लोरिडा के गवर्नर रोन डेसांतिस ने एक विधेयक पर हस्ताक्षर किया था जो महामारी के दौरान स्थानीय आपात उपायों को लागू करने का अधिकार देता है।

हालांकि यह कानून जुलाई तक प्रभावी नहीं होगा लेकिन रिपब्लिकन गवर्नर ने कहा वह स्थानीय स्तर पर अनिवार्य रूप से मास्क पहनने के नियम में ढील से संबंधी एक शासकीय आदेश जारी करेंगे।लास वेगास में भी कसीनो में आने वालों की क्षमता बढ़ाकर 80 प्रतिशत कर दी गई और दो व्यक्ति के बीच दूरी को घटाकर तीन फुट कर दिया गया है।

न्यूयॉर्क के गवर्नर एंड्रयू कुओमो ने घोषणा की न्यूयॉर्क सिटी में मेट्रो ट्रेन सेवाएं जल्द पूरी रात के लिए भी बहाल कर दी जाएंगी और मध्य मई में राज्य भर में अधिकतर कारोबारों पर प्रतिबंध घटा दिया जाएगा।लॉस एंजिलिस में रविवार को कोरोना वायरस संक्रमण से किसी की मौत नहीं हुई।

ईयू के अधिकारियों ने सोमवार को 27 देशों के लिए यात्रा प्रतिबंध में ढील संबंधी प्रस्ताव की भी घोषणा की। इस पर अंतिम फैसला इसके सदस्य देश करेंगे।यूरोपीय कमीशन की अध्यक्ष उर्सुला वॉन देर लेएन ने कहा, सुरक्षित तरीके से ईयू पर्यटन उद्योग की समीक्षा करने और सीमा पार मित्रता को फिर से शुरू करने का समय है।

'व्यापक टीकाकरण मुहिम चलाए भारत, सेना की ले मदद'

भाषा। वाशिंगटन,

अमेरिका के शीर्ष स्वास्थ्य विशेषज्ञ और व्हाइट हाउस के मुख्य चिकित्सा सलाहकार डॉ. एंथनी फाउची ने भारत में कोरोना वायरस के तेजी से बढ़ते मामलों को लेकर चिंता जताते हुए सलाह दी कि भारत में राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन लागू किया जाना चाहिए, व्यापक स्तर पर टीकाकरण मुहिम चलाई जानी चाहिए और बड़ी संख्या में अस्थाई अस्पताल बनाए जाने चाहिए।

दुनिया में संक्रामक रोग के शीर्ष विशेषज्ञों में से एक माने जाने वाले डॉ. फाउची ने सोमवार को भारत को महामारी से निपटने में सैन्य बलों की मदद लेने की भी सलाह दी। उन्होंने सलाह दी कि तत्काल अस्थाई अस्पताल बनाने के लिए सशस्त्र बलों की सहायता ली जा सकती है।डॉ. फाउची ने कहा, चीन में जब पिछले साल गंभीर समस्या थी, तो उसने अपनी संसाधनों को बहुत तेजी से नए अस्पताल बनाने में जुटा दिया था, ताकि वह उन सभी लोगों को अस्पताल मुहैया करा सके, जिन्हें भर्ती किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने मीडिया रिपोर्ट के हवाले से कहा

फाउची की सलाहः राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन लगाया जाए

कि अस्पताल में बिस्तरों की गंभीर कमी है और अस्थाई व्यवस्थाओं में लोगों की देखभाल की जा रही है।डॉ. फाउची ने सुझाव दिया कि भारत को अपनी सेना की मदद से उसी तरह फील्ड अस्पताल बनाने चाहिए, जैसे कि युद्ध के दौरान बनाए जाते हैं, ताकि उन लोगों को अस्पताल में बिस्तर मिल सके, जो बीमार हैं और जिन्हें भर्ती किए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि भारत सरकार संभवत: यह पहले ही कर रही है। उन्होंने कहा, यह साफ है कि भारत में हालात बेहद गंभीर हैं। डॉ. फाउची ने कहा, जब लोग इतनी बड़ी संख्या में संक्रमित हो रहे हों, हर किसी की पर्याप्त देखभाल न हो पा रही हो, अस्पतालों में बिस्तरों, ऑक्सीजन और अन्य चिकित्सा सामान की कमी हो, तो यह बेहद निराशाजनक स्थिति बन जाती है। इसे देखते हुए हमें लगता है कि पूरी दुनिया को हरसंभव तरीके से मदद करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि कुछ ऐसी चीजें है जो भारत तत्काल, मध्यम अवधि और दीर्घ अवधि में कर सकता है।डॉ. फाउची ने कहा, सबसे पहले अभी उन्हें ज्यादा से ज्यादा लोगों को टीका लगाना शुरू करना चाहिए, चाहे वे उनके द्वारा विकसित टीके हों या रूस और अमेरिका जैसे अन्य आपूर्तिकर्ताओं से खरीदे गए टीके हों। उन्होंने कहा कि हालांकि अभी टीका लगाने से आज पैदा हुई समस्या खत्म नहीं होगी। इससे कई हफ्तों में समस्या को रोकने में मदद मिलेगी।

उन्होंने तत्काल उठाए जा सकने वाले कदमों का जिक्र करते हुए कहा, मुझे पता है कि भारत पहले ही कई कदम उठा रहा है, तो मैं आपको ऐसा कुछ नहीं बता रहा हूं, जो आप पहले से नहीं कर रहे। कुछ दिनों पहले मैंने सुझाव दिया था कि देश में लॉकडाउन लागू करना चाहिए और भारत के कुछ हिस्सों में लॉकडाउन लागू किया गया है। डॉ. फाउची ने कहा, चीन ने पिछले साल ऐसा किया था, ऑस्ट्रेलिया में जब संक्रमण फैला था, उसने ऐसा किया था, न्यूजीलैंड ने यह किया था, अन्य कई देशों ने एक सीमित अवधि के लिए पूर्ण लॉकडाउन लागू किया था। आपको छह महीने के लॉकडाउन की आवश्यकता नहीं है। आप कुछ सप्ताह के लिए लॉकडाउन लागू कर सकते हैं। उन्होंने कहा, अन्य देशों में लॉकडाउन लागू करने के अनुभवों से यह स्पष्ट है कि लॉकडाउन से संक्रमण की दर कम होती है और संक्रमण की निरंतरता टूटती है।

डॉ. फाउची ने कहा कि दुनिया के अन्य देश सामग्री एवं कर्मी मुहैया कराके भारत की मदद कर सकते हैं, जैसे कि अमेरिका ऑक्सीजन सिलेंडर, सांद्रक और जनरेटर इकाइयां मुहैया करा रहा है।उन्होंने कहा कि भारत आपात स्थितियों में अकसर दूसरे देशों की मदद करता है। उन्होंने कहा, भारत कोरोना वायरस के मामलों में वृद्धि के कारण बहुत दबाव में है, ऐसे में बाकी देशों को अमेरिका की तरह उसकी मदद करनी चाहिए।

यूएसएड की प्रशासक ने भारत को कोविड-19 मदद की समीक्षा की, भारतीय राजदूत के साथ वार्ता की

वाशिंगटन। यूएसएड की प्रशासक सामांथा पावर ने उपराष्ट्रपति कमला हैरिस द्वारा शपथ दिलाए जाने के कुछ देर बाद ही भारत को दी जा रही कोविड-19 सहायता की समीक्षा की और भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह संधू के साथ ऑनलाइन बैठक की जिसमें उन्होंने पुन:पुष्टि की कि अमेरिका जानलेवा वायरस के खिलाफ लड़ाई में भारत के लोगों की मदद करने के लिए अथक रूप से काम करता रहेगा। संयुक्त राज्य अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएड) ने एक बयान में बताया कि पावर ने वैश्विक कोविड-19 महामारी से निपट रही टीमों से सीधे संवाद किया और उन्होंने अपना ध्यान विशिष्ट तौर पर भारत में महामारी के मौजूद प्रकोप पर केंद्रित किया। यूएसएड अमेरिकी संघीय सरकार की एक स्वतंत्र एजेंसी है जिसकी प्राथमिक जिम्मेदारी असैन्य विदेशी मदद और विकास सहायता देना है। संयुक्त राष्ट्र में अमेरिका की पूर्व राजदूत पावर ने अमेरिका के वैश्विक राहत प्रयासों पर चर्चा करने के लिए यूएसएड के कोविड-19 कार्य बल से मुलाकात की।

नेतन्याहू के पास गठबंधन सरकार बनाने के लिए आधी रात तक का समय

एपी। यरुशलम

इज़राइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू के पास नई गठबंधन सरकार बनाने के लिए मंगलवार आधी रात तक की समय-सीमा है। ऐसा करने में नाकाम रहने पर उनकी लिकुड पार्टी के हाथ से 12 साल बाद सत्ता चले जाने की संभावना है।

नेतन्याहू संसद में बहुमत हासिल करने के लिए संघर्ष कर रहे हैं। तेईस मार्च को खत्म हुए चुनाव में दो साल में लगातार चौथी बार किसी भी पार्टी को बहुमत नहीं मिला है। कई प्रतिद्वंद्वियों के साथ बार-बार बैठकों और छोटी इस्लामिस्ट अरब पार्टी के नेता से अप्रत्याशित रूप से संपर्क करने के बाद भी कोई समझौता होता नहीं दिख रहा है।सरकार बनाने की चार हफ्तों की समय-सीमा आधी रात को खत्म हो जाएगी, जिसके बाद मामला राष्ट्रपति रुवेन रिवलिन के पास वापस जाएगा। किसी समझौते पर पहुंचने में नाकाम रहने पर नेतन्याहू को तत्काल पद नहीं छोड़ना होगा।रिवलिन उन्हें गठबंधन बनाने के लिए दो और हफ्तों का समय दे सकते हैं। वह नेतन्याहू के किसी प्रतिद्वंद्वी को सरकार बनाने का मौका भी दे सकते हैं या मामला संसद जा सकता है। संसद में सांसदों के पास अपने में से किसी को प्रधानमंत्री के तौर पर चुनने का मौका होगा। अगर सभी विकल्प विफल होते हैं तो देश में एक बार फिर चुनाव कराए जाएंगे।तेईस मार्च के चुनाव में नेतन्याहू की लिकुड पार्टी 30 सीटें जीत कर सबसे बड़े दल के तौर पर उभरी लेकिन 120 सदस्ईय संसद में उसे बहुमत का आंकड़ा हासिल करने के लिए 61 सदस्यों की जरूरत है। नेतन्याहू ने सोमवार को दक्षिणपंथी यामीना पार्टी के प्रमुख नफताली बेन्नेट को बारी-बारी के आधार पर प्रधानमंत्री पद की पेशकश की जिसमें पहले साल बेन्नेट प्रधानमंत्री पद संभालें।

भारत को चिकित्सकीय उपकरण भेजेगा इजराइल

यरूशलम। इजराइल कोरोना वायरस से निपटने में भारत की मदद करने के लिए पूरे सप्ताह वहां जीवन रक्षक उपकरण भेजेगा। यहां जारी एक बयान में बताया गया कि भारत को ऑक्सीजन जनरेटर और श्वासयंत्रों समेत चिकित्सकीय उपकरण भेजे जाएंगे। प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि मंगलवार से पूरे सप्ताह विमानों के जरिए उपकरण भेजे जाएंगे।इजराइल के विदेश मंत्री गाबी अश्केनजी ने बयान में कहा, भारत इजराइल के सबसे निकट और सबसे महत्वपूर्ण मित्रों में शामिल है। हम खासकर इस मुश्किल दौर में भारत के साथ खड़े हैं और हमारे भारतीय भाइयों एवं बहनों के लिए जीवन रक्षक उपकरण भेज रहे हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि यह आपात सहायता दोनों देशों के बीच गहरी मित्रता को दर्शाती है। उन्होंने कहा, इजराइल और भारत के राजनीतिक, सुरक्षा एवं आर्थिक मामलों पर रणनीतिक संबंध हैं। भारत अंतरराष्ट्रीय समुदाय और खासकर एशिया-प्रशांत में इजराइल के लिए सबसे महत्वपूर्ण देशों में से एक है। उन्होंने इस मदद का प्रबंध करने में सहयोग करने वाली इजराइली संस्थाओं का धन्यवाद किया।

कोलंबिया के काली में टैक्स को लेकर प्रदर्शन कर रहे लोगों को नियंत्रित करने के लिए बेहोश कर देने वाली गैस के गोले फेंकती पुलिस

बिल और मेलिंडा गेट्स ने तलाक की घोषणा की

न्यूयॉर्क। अरबपति समाजसेवी बिल और मेलिंडा गेट्स ने तलाक की घोषणा करते हुए अपनी 27 साल की शादी को तोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि हमारा अब यही मानना है कि अब हम एक दंपति के रूप में साथ नहीं रह सकते है लेकिन अपनी संस्था में हम साथ काम करते रहेंगे।

ट्विटर पर एक संयुक्त बयान में दोनों ने कहा, काफी सोच विचार करने और अपने संबंधों पर काम करने के बाद हमने अपनी शादी को खत्म करने का फैसला किया है।

उन्होंने कहा कि पिछले 27 साल से अधिक समय से वे एक संस्था चला रहे हैं जो जो दुनिया भर में लोगों को स्वस्थ एवं बेहतर जीवन जीने में सक्षम बनाने के लिए काम करती है।

बयान के अनुसार, हमारा यही मानना है कि इस मिशन में और संस्था में हम साथ काम करते रहेंगे। लेकिन जीवन के अगले पड़ाव में दंपति के रूप में हम साथ नहीं रह सकते हैं।

ए दोनों दुनिया की सबसे अमीर शख्सियतों में से एक हैं। उन्होंने कहा, हम जीवन के एक नए दौर में प्रवेश कर रहे हैं, ऐसे में हम अपने परिवार के लिए निजता चाहते हैं।

सिएटल स्थित संस्था बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन की कुल संपत्ति 2019 में 43.3 अरब डॉलर थी।

माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल (65) और मेलिंडा (56) की मुलाकात कंपनी में ही हुई थी। मेलिंडा 1987 में माइक्रोसॉफ्ट में एक प्रोडक्ट मैनेजर के तौर पर काम करती थीं तभी दोनों की मुलाकात हुई थी। कुछ साल तक प्रेम संबंधों में रहने के बाद दोनों ने 1994 में हवाई में विवाह कर लिया था। दंपति के तीन बच्चे हैं।

संस्था ने एक बयान में कहा कि दोनों इसके सह-अध्यक्ष और न्यासी बने रहेंगे और संगठन में बदलाव की कोई संभावना नहीं है।

बयान के अनुसार, संस्था की रणनीति को आकार देने तथा उसकी स्वीकृति के लिए, संस्था के मुद्दों की हिमायत करने और संस्था के संपूर्ण मार्गदर्शन के लिए दोनों साथ काम करते रहेंगे।

बिल गेट्स पूर्व में दुनिया के सबसे अमीर शख्स रह चुके हैं और उनकी संपत्ति 100 अरब डॉलर से भी अधिक होने का अनुमान है।

उन्होंने एक बयान में कहा, हमने तीन प्यारे बच्चों की परवरिश की और एक संस्था बनाई जो दुनिया भर में लोगों को स्वस्थ एवं बेहतर जीवन जीने में सक्षम बनाने के लिए काम करती है। मेलिंडा गेट्स ने 2019 में प्रकाशित अपने संस्मरण द मोमेंट ऑफ लिफ्ट में अपने बचपन और जीवन से जुड़े संघर्षों के बारे में बताया है। उन्होंने एक जानी-मानी शख्सियत की पत्नी होने तथा घर पर तीन बच्चों की परवरिश करने जैसे निजी संघर्षों का भी जिक्र किया है। पिछले साल बिल गेट्स ने कहा था कि परमार्थ कार्यों में ध्यान देने के लिए वह माइक्रोसॉफ्ट के बोर्ड से हट रहे हैं।

पिया वाजपेयी के भाई का निधन, वेंटिलेटर के लिए सोशल मीडिया पर लगाई थी गुहार

मुंबई। अभिनेत्री पिया वाजपेयी ने मंगलवार को कहा कि उनके भाई की मौत हो गई है। इससे कुछ देर पहले उन्होंने उत्तर प्रदेश में अपने भाई को वेंटिलेटर से लैस बिस्तर पर भर्ती कराने के लिए सोशल मीडिया पर गुहार लगाई थी।

मुख्य रूप से तमिल और तेलुगु सिनेमा में काम करने वाली बाजपाई ने ट्विटर पर एक जीवन रक्षक संदेश (एसओएस) पोस्ट किया था और कहा था कि उन्हें फौरन वेंटिलेटर से लैस बिस्तर की जरूरत है, क्योंकि उनका भाई मर रहा है। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया था कि उनका भाई कोविड-19 से संक्रमित है या नहीं।

27 वर्षीय अभिनेत्री ने लिखा, मुझे उत्तर प्रदेश के फरूखाबाद जिले के कयामगंज ब्लॉक में मदद की तत्काल जरूरत है। वेंटिलेटर से लैस एक बिस्तर चाहिए। मेरा भाई मर रहा है। कोई जानकारी हो तो मदद करें। अगर आप किसी को जानते हैं तो कृपया संपर्क करें... हम पहले से ही मुश्किल में हैं। करीब दो घंटे बाद, उन्होंने ट्वीट किया, मेरे भाई का निधन हो गया है। अभिनेत्री विनीत कुमार सिंह, दानिश हुसैन, फिल्मकार ओनिर और निर्माता गुनीत मोंगा समेत अन्य ने बाजपाई के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं। कई दिनों से कोविड-19 के सबसे ज्यादा मामलों वाले 10 राज्यों में उत्तर प्रदेश भी शामिल है। एक सरकारी बयान के मुताबिक, प्रदेश में सोमवार को कोरोना वायरस के 29,912 मामले आए थे जिसके बाद कुल मामले 13.42 लाख के पार चले गए हैं। 288 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या 13,447 पहुंच गई है।

ट्विटर ने कंगना का अकाउंट स्थाई रूप से बंद किया

मुंबई। ट्विटर ने नफरती आचरण एवं अपमानजनक व्यवहार नीति का उल्लंघन करने पर अभिनेत्री कंगना रनौत का अकाउंट स्थाई रूप से बंद कर दिया। ट्विटर ने मंगलवार को एक बयान में यह जानकारी दी।

34 वर्षीय अभिनेत्री के अकांउट एट कंगना टीम पर अब अकाउंट सस्पेंडेड (अकाउंट निलंबित) का संदेश लिखा आ रहा है।

रनौत कथित तौर पर भड़काऊ ट्वीट करने के लिए जानी जाती रही हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल में भाजपा पर ममता बनर्जी नीत तृणमूल कांग्रेस की जीत और चुनाव बाद हिंसा को लेकर कई पोस्ट किए थे। राज्य में राष्ट्रपति शासन की मांग करते हुए अभिनेत्री ने हिंसा के लिए बनर्जी को कसूरवार ठहराया था और उन्हें ऐसे नामों से संबोधित किया था जिनको प्रकाशित नहीं जा सकता है।

ट्विटर ने एक बयान में कहा, हम स्पष्ट रहे हैं कि हम उस व्यवहार पर कड़ी प्रवर्तन कार्वाई करेंगे जिनसे ऑफलाइन नुकसान पहुंचने की आशंका है। प्रवक्ता ने बताया, संदर्भित अकाउंट को ट्विटर के नियमों, खासकर, हमारे नफरती आचरण नीति और अपमानजनक नीति का बार-बार उल्लंघन करने के लिए स्थाई रूप से बंद कर दिया गया है।

उन्होंने कहा, हम सब पर विवेकपूर्ण तरीके से और निष्पक्ष रूप से ट्विटर नियमों को लागू करते हैं।

ट्विटर की अपमानजक नीति के मुताबिक, व्यक्ति किसी को निशाना बनाकर प्रताड़ति नहीं करे या प्रताड़ति करने, धमकाने या इसकी कोशिश करने के लिए अन्य को भड़काए नहीं या अन्य की आवाज़ को खामोश नहीं कराए। ट्विटर ने नीति के हवाला देते हुए बताया कि जब अकाउंट को स्थाई रूप से बंद किया जाता है तो अकाउंट धारक को बताया जाता है कि उन्होंने किन नियमों का उल्लंघन किया है।

सोमवार को लेखक-गीतकार हुसैन हैदरी ने अभिनेत्री के दो ट्वीटों को साझा करके लोगों से अकाउंट की रिपोर्ट करने को कहा था।

आज ही के दिन संगीतकार नौशाद ने दुनिया को कहा था अलविदा

भाषा। नई दिल्ली

पांच मई साल के पांचवें महीने का पांचवां दिन है और इतिहास के पन्नों में इस तारीख के नाम कई महत्वपूर्ण घटनाएं दर्ज हैं, जिनमें नेपोलियन और नौशाद अली का दुनिया को अलविदा कहना शामिल है। इस दिन दुनिया में कदम रखने वाले प्रमुख लोगों की बात करें तो जर्मन अर्थशास्त्री और महान विचारक कार्ल मार्क्स का जन्म पांच मई को ही हुआ था और सिख गुरु अमरदास जी का जन्म भी इसी दिन हुआ था। वह सिखों के तीसरे गुरु थे।देश दुनिया के इतिहास में पांच मई की तारीख पर दर्ज कुछ अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं का सिलसिलेवार ब्यौरा इस प्रकार है। 1479 में सिखों के तीसरे गुरू अमरदास जी का जन्म।1818 में महान विचारक, इतिहासकार और जाने माने जर्मन अर्थशास्त्री कार्ल मार्क्स का जन्म। 1821 में चर्च के वर्चस्व को ढहाने और यूरोप को विज्ञान और बहुसंस्कृति की ओर मोड़ने वाले नेपोलियन का निधन। 1916 में भारत के पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह का जन्म। 1961 में अमेरिका के पहले अंतरिक्ष यात्री कमांडर ऐलन शेपर्ड अपने अंतरिक्ष यान से अटलांटिक महासागर में उतरे। उन्हें एक हेलीकाप्टर ने पानी से बाहर निकाला और शेपर्ड ने अपनी इस यात्रा को शानदार सैर करार दिया। 1980 में लंदन में स्थित ईरानी दूतावास को कुछ हमलावरों के कब्जे से आज़ाद कराया गया। ब्रिटिश एसएएस कमांडो ने पांच हमलावर ईरानी बंदूकधारियों को मार डाला और एक को हिरासत में लेकर इस नाटक का अंत किया।

1984 में फू दोरजी आक्सीजन के बिना माउंट एवरेस्ट को फतह करने वाले पहले भारतीय बने।1988 में महान क्रांतिकारी त्रिलोकीनाथ चक्रवर्ती का जन्म। 2005 में ब्रिटेन में लेबर पार्टी के नेता टोनी ब्लेयर ने तीसरी बार प्रधानमंत्री का पद संभाला। 2006 में संगीत के जादूगर कहे जाने वाले संगीत निर्देशक नौशाद अली ने दुनिया को अलविदा कहा। 2009 में पाकिस्तान की स्वात घाटी को तालिबान उग्रवादियों के कब्जे से मुक्त कराने के लिए प्रस्तावित सैन्य कार्वाई को देखते हुए इलाके के हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया।

2010 में आंध्र प्रदेश के श्री हरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से इसरो द्वारा विकसित नई पीढ़ी के उच्च क्षमता वाले साउंडिंग रॉकेट को परीक्षण उड़ान पर भेजा गया।। इसे देसी रॉकेटों में अब तक का सबसे भारी रॉकेट बताया गया, जिसमें एयर ब्रीथिंग तकनीक वाले स्क्रैमजेट इंजन मॉड्यूल का इस्तेमाल किया गया।2010 में सर्वोच्च न्यायालय ने संदिग्ध अपराधियों पर किए जाने वाले नारको एनालिसिस, ब्रेन मैपिंग अथवा पोलीग्राफ टेस्ट जैसी जांच को अस्वीकार कर दिया और इसे निजी स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन बताया। 2017 में इसरो ने दक्षिण एशिया उपग्रह को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया।

जलवायु परिवर्तन पर हालिया संकल्प से लक्ष्य के करीब पहुंचने में मिल सकती है मदद : वैज्ञानिक

एपी। बर्लिन

वैज्ञानिकों ने कहा है कि अमेरिका और दूसरे देशों के हालिया संकल्प से इस सदी के अंत तक वैश्विक तापमान को दो डिग्री सेल्सियस वृद्धि तक रोकने में मदद मिल सकती है। हालांकि, यह लक्ष्य तभी पूरा होगा जब 2050 तक ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन शून्य हो।

छह साल पहले 190 से ज्यादा देश अगली सदी तक औसत तापमान में वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने में सहमत हुए थे।

अध्ययनकर्ताओं के समूह क्लाइमेट एक्शन ट्रैकर ने देशों द्वारा जताए गए संकल्प के आधार पर कहा है कि मौजूदा उत्सर्जन के हिसाब से 0.9 डिग्री सेल्सियस तक की कटौती हो पाएगी। न्यू क्लाइमेट इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिक निकलस होहने ने कहा कि अगर 131 देश ग्रीन हाउस उत्सर्जन को शून्य स्तर पर लाने में कामयाब रहे तो दो डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य को पाया जा सकता है।

निकलस ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन तथा यूरोपीय संघ, चीन, जापान और ब्रिटेन के जलवायु परिवर्तन को लेकर हालिया महत्वाकांक्षी लक्ष्य से तापमान में कटौती अनुमान को संशोधित किया गया है। उन्होंने कहा कि कटौती का लक्ष्य अब भी कम है और आगे बढ़ने के लिए इसमें और संशोधन की जरूरत है। जर्मनी जलवायु परिवर्तन पर अंतरराष्ट्रीय प्रयासों को लेकर चर्चा के लिए इस सप्ताह डिजिटल तरीके से 40 देशों की बैठक आयोजित कर रहा है।

पद्मश्री सम्मानित वैज्ञानिक डॉ. मानस बिहारी वर्मा का निधन

भाषा। दरभंगा-पटना

पद्मश्री सम्मान से सम्मानित वैज्ञानिक डॉ. मानस बिहारी वर्मा का बिहार के दरभंगा शहर के लहेरियासराय मुहल्ला स्थित उनके आवास पर मंगलवार को निधन हो गया। वर्मा के भांजे और वरिष्ठ पत्रकार प्रणव कुमार चौधरी ने बताया कि कल देर रात दिल का दौरा पड़ने के कारण उनके मामा का देहांत दरभंगा स्थित उनके आवास पर हो गया। उन्होंने बताया कि वह 78 साल के थे।

दरभंगा जिले के घनश्यामपुर प्रखंड के बाउर गांव में जन्में वर्मा वर्ष 2005 में डीआरडीओ से सेवानिवृत्त होने के बाद अपने पैतृक जिले में रह रहे थे। राज्यपाल फागू चौहान ने रक्षा वैज्ञानिक पद्मश्री वर्मा के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

उन्होंने कहा कि देश के पहले सुपरसोनिक लड़ाकू विमान तेजस के निर्माण में उनकी अहम भूमिका थी। वह पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के सहयोगी भी रहे थे। उन्होंने कहा कि डीआरडीओ से सेवानिवृति के बाद वह समाज सेवा से जुड़े रहे। उनका निधन अत्यंत दुखद है। राज्यपाल ने दिवंगत आत्मा की चिर शांति एवं परिजनों को धैर्य, साहस एवं संबल प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी वर्मा के निधन पर गहरी शोक जताया है। उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना को अधिक मारक बनाने में डॉ वर्मा का योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने कहा कि निधन से वैज्ञानिक एवं सामाजिक क्षेत्रों में अपूरणीय क्षति हुई है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की चिर शान्ति तथा उनके परिजनों को दु:ख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

दस करोड़ साल पहले के सॉरोपॉड डायनासोर की हड्डियां मिलीं

भाषा। नई दिल्ली

मेघालय के पश्चिम खासी हिल्स जिले के पास एक इलाके से करीब 10 करोड़ साल पहले के सॉरोपॉड डायनासोर की हड्डियों के जीवाश्म मिले हैं। अनुसंधानकर्ताओं के इस निष्कर्ष को अभी प्रकाशित नहीं किया गया है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के पूर्वोत्तर स्थित जीवाश्म विज्ञान प्रभाग के अनुसंधानकर्ताओं ने स्थल के अपने हालिया दौरे के बाद यह निष्कर्ष निकाला। जीएसआई अनुसंधानकर्ताओं ने गौर किया कि यह पहली बार है,जब क्षेत्र में पाए गए संभवत: टाइटैनोसॉरियाई मूल के सॉयरोपॉड के अवशेष मिले हैं। सॉरोपॉड की लंबी गर्दन, लंबी पूंछ, शरीर के बाकी हिस्से की तुलना में छोटा सिर, चार मोटी एवं खंभे जैसी टांग होती हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और तमिलनाडु के बाद मेघालय भारत का पांचवां राज्य और पहला पूर्वोत्तर राज्य है जहां टाइटैनोसॉरियन मूल के सॉरोपोड की हड्डियां मिली हैं।

जीएसआई में जीवाश्म विज्ञान प्रभाग के वरिष्ठ भूवैज्ञानिक अरिंदम राय ने कहा कि मेघालय में जीएसआई को 2001 में भी डायनासोर की हड्डियां मिली थीं, लेकिन उनकी स्थिति इतनी खराब थी कि उनकी वर्गीकरण संबंधी पहचान संभव नहीं थी। उन्होंने बताया कि इस बार जिन हड्डियों की पहचान की गई है, वे 2019-2020 और 2020-21 में मिली थीं, जो अनुमानत: करीब 10 करोड़ साल पुरानी हैं।

यशराज फिल्मस ने 30,000 सिने कर्मियों के टीकाकरण में मदद करने की पेशकश की

भाषा। मुंबई

कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच सिने कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए देश के प्रमुख प्रोडक्शन हाउस यशराज फिल्म्स ने फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्पलॉइज़ (एफडब्ल्यूआईसीई) के 30,000 सदस्यों के टीकाकरण की जिम्मेदारी लेने की घोषणा की है।

एफडब्ल्यूआईसीई को लिखे पत्र में यशराज फिल्म्स (वाईआरएफ) ने कहा कि उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से आग्रह किया है कि फेडरेशन के इन पंजीकृत सदस्यों के टीकाकरण के लिए उन्हें कोविड-19 रोधी टीका खरीदने की इजाजत दी जाए।

एफडब्ल्यूआईसीई में कुल 2.5 लाख पंजीकृत कर्मी हैं।

वाईआरएफ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अक्षय विधानी ने एक मई को लिखे पत्र में कहा है कि प्रोडक्शन हाउस ने द यश चोपड़ा फाउंडेशन के जरिए दिहाड़ी कर्मियों की मदद की पेशकश की है।

पत्र में कहा गया है कि सिने जगत एक अप्रत्याशित समय से गुजर रहा है और गतिविधियों को जल्द से जल्द फिर से शुरू करने की तत्काल जरूरत है ताकि हजारों कर्मी अपनी जीविका कमाना शुरू करें और परिवारों की जरूरतों को पूरा कर सकें।

पत्र में कहा गया है, द यश चोपड़ा फाउंडेशन कर्मियों के टीकाकरण से संबंधित सभी खर्चे भी उठाएगी जैसे जागरूकता फैलाना, कर्मियों को लाना-ले जाना, टीकाकरण कार्यक्रम के लिए बुनियादी ढांचा बनाना।

एफडब्ल्यूआईसी के अध्यक्ष बी तिवारी ने पीटीआई-भाषा से कहा कि फिल्म संगठन प्रोडक्शन हाउस का आभारी है कि उसने कर्मियों की सुरक्षा के बारे में सोचा।

वाईआरएफ के पत्र के सदंर्भ में एफडब्ल्यूआईसी ने ठाकरे को चिट्ठी लिखकर फिल्म जगत के कलाकारों, कर्मियों और तकनीशियनों के लिए टीका उपलब्ध कराने का आग्रह किया है।

RNI NO. UPHIN/2010/36547
वर्ष 11 अंक 193
लखनऊ, बुधवार, 5 मई, 2021
पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 3
डाक संस्करण

2 | न्यूज-व्यूज
निराश्रित गृहों में होंगे कोविड टेस्ट

6 | अभिमत
निशुल्क टीकाकरण की अनिवार्यता

11 | स्पोर्ट्स
यूएई में हो सकता है टी20 विश्व कप

लखनऊ, नई दिल्ली, रायपुर और फरीदाबाद से प्रकाशित

पायनियर

ट्विटर ने कंगना का अकाउंट स्थाई रूप से बंद किया
विविध-12

www.dailypioneer.com

आईपीएल पर कोरोना की मार, अनिश्चितकाल के लिए स्थगित

भाषा। नई दिल्ली

● सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा और दिल्ली कैपिटल्स के स्पिनर अमित मिश्रा कोविड-19 से संक्रमित पाए गए

जैव सुरक्षित वातावरण (बायो बबल) में कोविड-19 के कई मामले पाए जाने के कारण पिछले लगभग एक महीने से सुचारू रूप से चल रहे इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को मंगलवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया जिसका टीमों ने स्वागत किया हालांकि यात्रा प्रतिबंधों के कारण विदेशी खिलाड़ी सुरक्षित स्वदेश लौटने के लिए बीसीसीआई की कार्रवाई का इंतजार कर रहे हैं। यह घोषणा सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा और दिल्ली कैपिटल्स के स्पिनर अमित मिश्रा के कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाए जाने के बाद की गई। लीग के चेयरमैन बृजेश पटेल ने आईपीएल द्वारा जारी एक बयान में कहा कि इंडियन प्रीमियर लीग की संचालन परिषद और बीसीसीआई की आपात बैठक में सर्वसम्मति से आईपीएल 2021 सत्र तुरंत प्रभाव से स्थगित करने का फैसला लिया गया। उन्होंने कहा, बीसीसीआई खिलाड़ियों, सहयोगी स्टाफ और अन्य प्रतियोगियों की सुरक्षा को लेकर कोई समझौता नहीं करना चाहता।

यह फैसला सभी संबंधित पक्षों की सुरक्षा, स्वास्थ्य और भलाई को ध्यान में रखकर लिया गया। आईपीएल ने इसके साथ ही कहा कि बीसीसीआई खिलाड़ियों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए अपनी तरफ से हर तरह के प्रयास करेगा। आईपीएल में इंग्लैंड, आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड सहित कई अन्य देशों के खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। आईपीएल ने कहा, यह मुश्किल समय है विशेषकर भारत में और हमने कुछ सकारात्मकता और खुशी लाने की कोशिश की लेकिन अब जरूरी है कि टूर्नामेंट निलंबित किया जाए और हर कोई इस मुश्किल दौर में वापस अपने परिवार और प्रियजनों के पास चला जाए। उसने कहा, बीसीसीआई आईपीएल 2021 में भाग ले रहे भागीदारों की सुरक्षित वापसी के लिए अपनी तरफ से हर संभव प्रयास करेगा। आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड और दक्षिण अफ्रीका क्रिकेट बोर्ड ने फैसले का स्वागत करते हुए खिलाड़ियों की वापसी के लिए बीसीसीआई की योजना पर भरोसा जताया। उधर आस्ट्रेलिया ने साफ तौर पर कहा कि भारत से आने वाली उड़ानों पर 15 मई तक लगे प्रतिबंध में वह कोई रियायत नहीं देगा। क्रिकेट आस्ट्रेलिया और आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर संघ ने संयुक्त बयान में कहा कि हम 15 मई तक भारत से आने वाली उड़ानों पर प्रतिबंध के आस्ट्रेलिया सरकार के फैसले का सम्मान करते हैं और किसी रियायत की मांग नहीं करेंगे। एक सीनियर अधिकारी ने बताया कि बीसीसीआई को आईपीएल स्थगित होने से 2200 करोड़ रूपए का नुकसान हो सकता है। टूर्नामेंट का फाइनल 30 मई को अहमदाबाद में होना था। अभी तक इसमें 24 दिन ही खेल हो सका और 29 मैच ही खेले गए। बोर्ड के एक अधिकारी ने कहा कि सत्र बीच में रद्द होने से हमें 2000 से 2500 करोड़ रुपए तक का नुकसान होगा। अनुमानतः 2200 करोड़ रुपए का नुकसान हो सकता है। बीसीसीआई के उपाध्यक्ष राजीव शुक्ला ने कहा, हम देखेंगे कि क्या साल के दौरान बाद में हमें आईपीएल आयोजन के लिए कोई उपयुक्त समय मिल सकता है। यह सितंबर हो सकता है लेकिन अभी यह केवल कयास होंगे। अभी की स्थिति यह है कि हम टूर्नामेंट का आयोजन नहीं कर रहे हैं। इससे पहले सोमवार को चेन्नई सुपर किंग्स के गेंदबाजी कोच एल बालाजी तथा कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) के गेंदबाजों संदीप वारियर्स और वरुण चक्रवर्ती के परिणाम भी पॉजिटिव आए थे। संक्रमण बढ़ने के कारण दो आईपीएल मैचों को स्थगित कर दिया गया था।

बंगाल में हिंसा के खिलाफ सुप्रीम कोर्ट पहुंची भाजपा

● मोदी ने राज्यपाल बात की, राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर जताया क्षोभ

● बंगाल में चुनाव बाद हिंसा ने बंटवारे के दिनों की याद दिला दी है: जेपी नड्डा

भाषा। नई दिल्ली, कोलकाता

पश्चिम बंगाल में चुनाव परिणाम आने के बाद पार्टी कार्यकर्ताओं और समर्थकों के विरुद्ध हुई हिंसा को लेकर भाजपा सुप्रीम कोर्ट पहुंची है। वहीं एक अन्य याचिका सुप्रीम कोर्ट में ही तमिलनाडु के इंडिक कलेक्टिव ट्रस्ट ने वकील सुविदत्त एम एस के माध्यम से दायर की है, जिसमें में पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के बाद व्यापक हिंसा का आरोप लगाया गया और राज्य में राष्ट्रपति शासन लगाने, केंद्रीय बलों की तैनाती और लक्षित हिंसा की जांच शीर्ष अदालत के एक सेवानिवृत्त न्यायाधीश से कराने का अनुरोध किया गया है। उधर प्रधानमंत्री ने राज्यपाल जगदीप धनकड़ से बात कर राज्य में कानून व्यवस्था की गंभी स्थिति पर क्षोभ जताया है। भाजपा नेता गौरव भाटिया ने पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस पार्टी के कार्यकर्ताओं द्वारा विधानसभा चुनाव से पहले, चुनाव के दौरान और बाद में कथित रूप से हत्या और बलात्कार सहित अनियंत्रित हिंसा की सीबीआई जांच के लिए मंगलवार को उच्चतम न्यायालय में आवेदन दायर किया है। वरिष्ठ अधिवक्ता भाटिया ने 2018 की अपनी लंबित जनहित याचिका में दायर इस आवेदन में राज्य सरकार को यह निर्देश देने का अनुरोध किया है कि वह हिंसा में लिप्त व्यक्तियों के खिलाफ दर्ज प्राथमिकियों, गिरफ्तारियों और उठाए गए कदमों के बारे में एक विस्तृत स्थिति रिपोर्ट दाखिल करे।भाटिया ने अपनी अर्जी में कहा, यह तात्कालिक अर्जी...पश्चिम बंगाल में हाल में संपन्न विधानसभा चुनावों से पहले, चुनाव के दौरान और बाद में नृशंस हत्याओं, बलात्कार और छेड़छाड़ जैसे गंभीर अपराधों, अनियंत्रित हिंसा और कानून एवं व्यवस्था के पूरी तरह से ध्वस्त होने के तथ्य का शीर्ष अदालत के संज्ञान में लाने के लिए है।

दूसरी ओर पश्चिम बंगाल के राज्यपाल जगदीप धनखड़ ने मंगलवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने उनसे बात की और चुनाव के बाद कई जिलों से हिंसा की खबरों के मद्देनजर राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति पर गहरा क्षोभ प्रकट किया। पश्चिम बंगाल में सोमवार को हिंसा में भाजपा के कई कार्यकर्ता मारे गए और कई घायल हो गए तथा दुकानों में लूटपाट की गई। केंद्र ने राज्य में विपक्षी कार्यकर्ताओं पर हमले की घटनाओं को लेकर सरकार से तथ्यात्मक रिपोर्ट सौंपने को कहा है। राज्यपाल ने ट्वीट कर सवाल किया, पश्चिम बंगाल पुलिस को लोकतंत्र को शर्मसार करने वाली राजनीतिक हिंसा, तोड़फोड़, आगजनी, हत्याओं को रोकना चाहिए। चुनाव के बाद पश्चिम बंगाल में ही हिंसा क्यों होती है? लोकतंत्र पर हमला क्या हो रहा है? धनखड़ ने कहा, खौफनाक हालात की खबरें मिल रही है। डर के कारण लोग जान बचाने के लिए भाग रहे हैं। भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम बंगाल में चुनाव बाद हुई व्यापक हिंसा ने उन अत्याचारों की याद दिला दी है जिसका सामना लोगों को देश के विभाजन के दौरान करना पड़ा था। नड्डा ने राज्य में पार्टी कार्यकर्ताओं को क्रूरता के विरुद्ध लोकतांत्रिक तरीके से लड़ने के लिए प्रेरित किया। नड्डा ने कहा कि पूरे भारत में भाजपा कार्यकर्ताओं ने राज्य के उन कार्यकर्ताओं के साथ एकजुटता व्यक्त की है, जो हिंसक हमलों का सामना कर रहे हैं। वहीं पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने राज्य में चुनाव के बाद हुई हिंसा के मुद्दे पर शीर्ष प्रशासनिक एवं पुलिस अधिकारियों के साथ बैठक की।

कोलकाता में चुनाव बाद हिंसा में मारे गए पार्टी कार्यकर्ता अभिजीत सरकार के परिजनों से मिलने पहुंचे भाजपा अध्यक्ष जेपी नड्डा व अन्य पार्टी नेता

शीर्ष न्यायालय ने रियल एस्टेट के विनियमन संबंधी पश्चिम बंगाल का कानून निरस्त किया

भाषा। नई दिल्ली

उच्चतम न्यायालय ने पश्चिम बंगाल में रियल एस्टेट क्षेत्र के विनियमन संबंधी राज्य के कानून को मंगलवार को निरस्त कर दिया और कहा कि यह कानून असंवैधानिक है, क्योंकि यह केंद्र के रियल एस्टेट (विनियमन एवं विकास) कानून (रेरा) का अतिक्रमण करता है। शीर्ष अदालत ने यह भी कहा कि पश्चिम बंगाल आवासीय उद्योग विनियमन कानून, 2017 घर क्रेताओं के लिए अहम सुरक्षा उपायों को शामिल करने में नाकाम रहा है। न्यायमूर्ति डी वाई चंद्रचूड़ और न्यायमूर्ति एम आर शाह की पीठ ने कहा कि पश्चिम बंगाल आवासीय उद्योग विनियमन कानून, 2017 केंद्र के रेरा से काफी हद तक मिलता-जुलता है और इसलिए यह संसद के कानून के साथ विरोध की स्थिति पैदा करता है। फैसले में कहा गया, राज्य के कानून ने संसद के अधिकार क्षेत्र का अतिक्रमण किया है। अदालत ने कहा कि आज के फैसले से पहले राज्य कानून के तहत घर खरीद चुके क्रेताओं को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है, क्योंकि उनका पंजीकरण एवं अन्य कानून वैध रहेंगे। न्यायालय ने घर खरीदने वालों के संघ फोरम फॉर पीपल्स कलेक्टिव एफर्ट्स की उस याचिका पर यह फैसला सुनाया, जिसमें पश्चिम बंगाल उद्योग विनियमन कानून, 2017 की संवैधानिक वैधता को चुनौती दी गई थी। न्यायमूर्ति चंद्रचूड़ ने वीडियो कांफ्रेंस के जरिए फैसला सुनाते हुए कहा कि पश्चिम बंगाल के कानून के मूलभूत बिंदु केंद्र के रेरा की शब्दशः नकल हैं। पीठ ने इस मामले में लंबा फैसला पारित हुए कहा कि पश्चिम बंगाल का यह कानून समवर्ती सूची के छठी एवं सातवीं प्रविष्टि को छूता है, जिनमें संसद द्वारा पारित कानून का दखल है और राज्य का यह कानून एक समानांतर व्यवस्था पैदा करता है।

कोरोना कर्फ्यू में कोई भूखा न रहेः योगी

● कहा, हर जिले में खोलें सामुदायिक रसोई

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी जिलों में सामुदायिक भोजनालयों के संचालन किये जाने के निर्देश दिये हैं। उन्होंने कहा कि कोरोना कर्फ्यू के कारण कहीं भी किसी श्रमिक, ठेला, रेहड़ी व्यवसायी, दिहाड़ी मजदूर को भोजन की समस्या नहीं होनी चाहिए। कृषि उत्पादन आयुक्त को इस बारे में जरूरी कदम उठाने की जिम्मेदारी दी गई है। औद्योगिक इकाइयों में भोजन का आवश्यकतानुसार प्रबन्ध करने को कहा गया है। कोविड 19 महामारी के प्रबंधन की समीक्षा करते सीएम योगी ने कहा कि कोरोना संक्रमण की शृंखला तोड़ने के लिए सरकार लगातार जरूरी कदम उठा रही है। वर्तमान में छह मई सुबह सात बजे तक आंशिक कोरोना कर्फ्यू प्रभावी है और इस अवधि में आवश्यक और अनिवार्य सेवाएं जारी रखी जाएं। मुख्यमंत्री ने घरों में रहकर इलाज करा रहे कोविड 19 संक्रमित मरीजों को ऑक्सीजन की आपूर्ति सुनिश्चित करने के लिए व्यवस्था बनाते हुए आदेश दिए कि सभी जिलों में एक-एक ऑक्सीजन रीफिलर को घर में आइसोलेट मरीजों को आपूर्ति करने के लिए नामित किया जाए। अगर किसी मरीज के परिजन सिलिंडर रीफिलिंग के लिए प्रयासरत हों तो उनकी मदद की जाए। पुलिस द्वारा उनके किसी प्रकार के उत्पीड़न किये जाने की शिकायत न आये। अपर मुख्य सचिव गृह इस संबंध में आवश्यकतानुसार कार्रवाई कराएं। प्रदेश में ऑक्सीजन की आपूर्ति बेहतर करने के लिए सभी जरूरी प्रयास किये जा रहे हैं।

योगी ने कहा कि लखनऊ में एचएएल द्वारा 250 बेड का अस्पताल जल्द ही क्रियाशील ही जायेगा। स्वास्थ्य विभाग द्वारा यहां के लिए मानव संसाधन की व्यवस्था कराई जाए। इसी तरह लखनऊ और वाराणसी में डीआरडीओ के सहयोग से सभी सुविधाओं से युक्त नया कोविड अस्पताल भी तैयार किया गया है। केजीएमयू में 140 बेड और बढ़ाए जाएंगे। लखनऊ में ही कैंसर अस्पताल में विशेष कोविड डेडिकेटेड अस्पताल क्रियाशील हो रहा है।

लखनऊ में कैंसर संस्थान में बनाए गए कोविड अस्पताल का निरीक्षण करते सीएम योगी आदित्यनाथ

केंद्र सरकार के कार्यालयों में सीमित उपस्थिति का आदेश मई अंत तक लागू रहेगा

भाषा। नई दिल्ली

केंद्र सरकार के सभी विभाग कार्यालय के बदले समय और अवर सचिव तथा इससे निचले स्तर के कर्मचारियों की 50 प्रतिशत मौजूदगी के साथ इस महीने के अंत तक काम जारी रखेंगे क्योंकि कोविड-19 के मामलों में वांछित स्तर तक सुधार नहीं हुआ है। कार्मिक मंत्रालय के एक आदेश में यह कहा गया है। मंत्रालय ने कहा है कि कोविड-19 के मामलों में वृद्धि के मद्देनजर सरकारी प्रतिष्ठानों के लिए पिछले महीने जारी दिशा-निर्देश इस अवधि में प्रभावी रहेंगे। मंत्रालय ने केंद्र सरकार के सभी विभागों को जारी एक आदेश में कहा है, चूंकि वांछित स्तर तक हालात नहीं सुधरे हैं इसलिए सक्षम प्राधिकार की मंजूरी से यह फैसला किया गया है कि (अप्रैल में जारी) कार्यालय आदेश को 31 मई 2021 तक बढ़ाया जा सकता है। कार्मिक मंत्रालय ने पिछले महीने के आदेश का जिक्र करते हुए कहा, अवर सचिव या समकक्ष या नीचे के स्तर के अधिकारियों की कुल क्षमता के 50 प्रतिशत तक अधिकारी उपस्थित रहेंगे।

कोरोना संक्रमित रोगियों की घटी संख्या, ज्यादा हुए स्वस्थ

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

● प्रदेश में 25858 नए मामले, 38683 मरीज किए गए डिस्चार्ज

● राजधानी लखनऊ में 2407 नए संक्रमित मरीजों के बीच 22 की मौत

हाल के दिनों में कोरोना संक्रमण के रफ्तार में कमी देखने को मिली है। पर नए मरीजों की संख्या में गिरावट के साथ ही मृत्युदर काफी तेजी से बढ़ रही है। मंगलवार को कोरोना संक्रमण के चलते सबसे ज्यादा 352 मरीजों की मौत हुई है। जबकि 25858 नए कोरोना संक्रमित मरीज मिले हैं। लखनऊ में 2407 नए संक्रमित मरीजों के बीच 22 मरीजों की मौत के मामले सामने आए हैं। आज लखनऊ में 5079 और प्रदेश में 38683 मरीजों को डिस्चार्ज किया गया है। पूरे प्रदेश में वर्तमान में 2726568 केस व लखनऊ में 33689 एक्टिव केस हैं। अपर मुख्य सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अमित मोहन प्रसाद ने बताया कि सीएम के निर्देशानुसार प्रदेश में बड़ी संख्या में टेस्टिंग कार्य करते हुए टेस्टिंग क्षमता निरन्तर बढ़ायी जा रही है। गत एक दिन में कुल 2,08,558 सैम्पल की जांच की गयीए जिसमें से 1 लाख 18 हजार से अधिक आरटीपीसीआर में माध्यम से जांच की गई। प्रदेश में अब तक कुल 4,18,00,223 सैम्पल की जांच की गयी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में पिछले 24 घंटे में कोरोना से संक्रमित 25,858 नये मामले आये हैं तथा 38,683 मरीज संक्रमणमुक्त हुए हैं। प्रदेश में कुल कोरोना के एक्टिव मामलों में से 2,22,876 व्यक्ति होम आइसोलेशन में हैं। इसके अतिरिक्त मरीज सरकारी व निजी चिकित्सालायों में इलाज करा रहे है। प्रसाद ने बताया कि सर्विलांस की कार्यवाही निरन्तर चल रही है। प्रदेश में अब तक 1,04,63,033 लोगों को वैक्सीन की पहली डोज दी गई तथा पहली डोज वाले लोगों में से 24,50,536 लोगों को वैक्सीन की दूसरी डोज दी गई।

बाजार

सेंसेक्स	48,253	↓	465	
निफ्टी	14,496	↓	137	
सोना	46,758	↑	97	/10g
चांदी	70,270	↑	1282	/kg

क्विक न्यूज

जेईई (मेन) की मई 2021 सत्र की परीक्षा स्थगित

नई दिल्ली। केंद्रीय शिक्षा मंत्री रमेश पोखरियाल निशंक ने मंगलवार को घोषणा की कि कोविड-19 की वर्तमान स्थिति को देखते हुए इंजीनियरिंग संकाय में प्रवेश से संबंधित जेईई (मेन) की मई 2021 सत्र की परीक्षा को स्थगित कर दिया गया है। यह सत्र 24 से 28 मई तक आयोजित होने वाला था। निशंक ने ट्वीट किया कि इस बारे में अधिक जानकारी राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) की आधिकारिक वेबसाइट से प्राप्त की जा सकती है। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी (एनटीए) परीक्षार्थियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए जेईई (मेन) 2021 परीक्षा का आयोजन चार सत्र में कर रही है। इसमें से पहला सत्र 23 से 26 फरवरी के बीच और दूसरा सत्र 16 से 18 मार्च 2021 के दौरान आयोजित किया जा चुका है। परीक्षा के पहले सत्र में 6.2 लाख छात्र उपस्थित हुए जबकि दूसरे सत्र में 5.5 लाख परीक्षार्थी बैठे।

पुलिस महकमे को जल्द मिल जाएंगे 14000 रिक्रूट आरक्षी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

फोर्स की कमी झेल रहे पुलिस महकमे को जल्द ही 14000 रिक्रूट आरक्षी मिल जाएंगे। सिपाही भर्ती 2018 के पहले बैच का चल रहा प्रशिक्षण इसी महीने पूरा होने वाला है। 27 मई को सभी प्रशिक्षण केंद्रों पर पासिंग आउट परेड होगी। पुलिस महकमे में सीधी भर्ती 2018 के तहत 49568 आरक्षियों की भर्ती की गई थी। इनमें से 14000 रिक्रूट आरक्षियों का पहले बैच में चयन किया गया था इन सभी को प्रदेश के विभिन्न केंद्रों पर प्रशिक्षण के लिए भेज दिया गया था। जानकारी के मुताबिक इस पहले बैच की ट्रेनिंग 27 मई को पूरी हो जाएगी। पुलिस प्रशिक्षण निदेशालय ने 27 मई को ही सभी प्रशिक्षण केंद्रों पर पासिंग आउट परेड आयोजित करने के निर्देश दिए हैं। जिसके बाद इन आरक्षियों को जिलों में भेज दिया जाएगा। पहले बैच की ट्रेनिंग पूरी होने के बाद 2018 भर्ती के दूसरे बैच के 18000 रिक्रूट आरक्षियों को ट्रेनिंग पर भेजने की प्रशिक्षण निदेशालय ने योजना बनाई थी।

श्री काशी विश्वनाथ मंदिर ने कोरोना रोगियों के लिए खोला अपना खजाना

● मंदिर न्यास उपलब्ध करा रहा ऑक्सीजन, दवा समेत मेडिकल उपकरण

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

ऐसा मान्यता है कि काशी बाबा विश्वनाथ के त्रिशूल पर बसी है और बाबा विश्वनाथ स्वयं काशी में विराजते हैं। कोविड के संकट काल में देवाधिदेव महादेव के मंदिर ने काशीवासियों की जीवन रक्षा के लिए अपना ख़जाना खोल दिया है।

मरीजों को ऑक्सीजन, उनके घरों तक दवाएं, मेडिकल उपकरण पहुंचाने के साथ और बाबा विश्वनाथ मंदिर से सेवादार कोविड मरीजों की दिन रात सेवा में लगे है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास कि तरफ से दान दाताओं से प्राप्त चढ़ावे से कोरोना संकट काल में मानव सेवा का काम किया जा रहा है। सीएम योगी आदित्यनाथ के निर्देशन व निगरानी व प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में उनके ड्रीम प्रोजेक्ट निर्माणाधीन श्री काशी विश्वनाथ धाम के पूर्ण हो जाने पर ऐसे ही जन कल्याण के कार्यों को और तीव्र गति से आगे बढ़ाया जाएगा। वाराणसी में विराजमान काशी पुराधिपति पूरे विश्व का मंगल करने वाले हैं।

इसी लोकमंगल की भावना के तहत श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास ने मानव कल्याण के लिए अपना ख़जाना खोल दिया है। बाबा ने अपने भक्तों को कोविड से बचाने के लिए अपने कोष के प्रयोग की अनुमति दी है। श्री काशी विश्वनाथ मंदिर ट्रस्ट के मुख्य कार्यपालक अधिकारी सुनील वर्मा ने बताया कि विश्वनाथ मंदिर में आये चढ़ावे के पैसों को कोविड महामारी के समय कोरोना पीड़ितों के इलाज़ के लिए ख़र्च किया जा रहा है। दीनदयाल अस्पताल में लगे ऑक्सीजन प्लांट में दान दाता के अलावा जो भी अतरिक्त खर्च आ रहा है वह खर्च भी श्री काशी विश्वनाथ मंदिर न्यास वहन करेगा। इसके अलावा कोरोना में इस्तमाल होने वाली दवाओं की किट, होमी भाभा कैंसर अस्पताल में मेडिकल उपकरण व बीएचयू में संविदा पर 3 कर्मचारी भी मंदिर की ओर से भेजे गए हैं।

पूर्व केंद्रीय मंत्री जगमोहन का निधन

पायनियर समाचार सेवा। नई दिल्ली, लखनऊ

पूर्व केंद्रीय मंत्री एवं जम्मू कश्मीर के राज्यपाल रहे जगमोहन का सोमवार को राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में निधन हो गया। वह 93 वर्ष के थे और पिछले कुछ समय से बीमार थे। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, उप्र के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ सहित कई गणमान्य व्यक्तियों ने उनके निधन पर शोक जताया है। भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी जगमोहन दिल्ली और गोवा के उपराज्यपाल भी रहे। जगमोहन ने बतौर नौकरशाह अपने करियर की शुरुआत की थी और उन्हें सख्त और कुशल प्रशासक के रूप में देखा जाता था। वर्ष 1984 में उन्हें जम्मू एवं कश्मीर का राज्यपाल नियुक्त किया गया था। इस पूर्ववर्ती राज्य में जब आतंकवाद अपने पैर पसारने लगा तब उन्हें 1990 में एक बार फिर वहां का राज्यपाल नियुक्त किया गया लेकिन तत्कालीन प्रधानमंत्री वी पी सिंह के नेतृत्व वाली सरकार से आतंकवाद के मुद्दे पर मतभेदों के कारण कुछ महीने बाद ही उन्हें पद से हटा दिया गया।

बाद में जगमोहन भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने संसद में तीन बार नई दिल्ली संसदीय क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया। उन्हें एक बार राज्यसभा के लिए भी मनोनीत किया गया। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेई की सरकार में मंत्री के रूप में काम करते हुए उन्होंने बहुत ख्याति अर्जित की और अपनी विशिष्ट पहचान स्थापित की। वाजपेई सरकार में वह केन्द्रीय संचार, शहरी विकास, पर्यटन और संस्कृति मंत्री भी रहे।

मरीजों से अच्छा व्यवहार और बेहतर देखरेख हो

अस्पतालों में मरीजों के साथ लापरवाही पर सीएम सख्त

- निजी और सरकारी अस्पताल दिन में कम से कम एक बार मरीज के स्वास्थ्य की जानकारी उसके परिवारीजनों को दे

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

कोरोना मरीजों के साथ अस्पतालों में हो रही लापरवाही को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बेहद गंभीरता से लिया है। उन्होंने निर्देश दिए हैं कि सीएमओ यह सुनिश्चित करें कि कोविड अस्पतालों में वरिष्ठ चिकित्सक नियमित पर भ्रमण करते रहें। सभी निजी और सरकारी कोविड अस्पताल में एक व्यक्ति की जिम्मेदारी तय की जाए कि वह दिन में कम से कम एक बार मरीज के स्वास्थ्य की जानकारी उसके परिवारीजनों को अवश्य दे। यह व्यवस्था प्रभावी ढंग से लागू कराई जाए।

सीएम योगी ने यह निर्देश टीम 9 को मंगलवार को समीक्षा बैठक में दिये। उन्होंने कहा कि कोविड सम्बन्धी व्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से प्रदेश के सभी जिलों में सेक्टर मजिस्ट्रेट प्रणाली लागू की गई है। सेक्टर मजिस्ट्रेट अपने क्षेत्र में लगातार भ्रमण करें। हॉस्पिटल के बाहर भी यह लोग भ्रमण करते रहें, लोगों की मदद करते रहें। हर छोटी-बड़ी गतिविधियों पर सीधी नजर रखें। हर जरूरतमंद को सरकारी नीतियों के अनुरूप सभी जरूरी मदद उपलब्ध कराएं। कोविड मरीजों के लिए शासन द्वारा तय डिस्चार्ज पॉलिसी को प्रभावी ढंग से लागू किया जाए। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने सभी अस्पतालों को अपने स्टाफ में से 8-8 घण्टे की शिफ्टवार में एक अधिकारी नियुक्त करने के निर्देश दिए हैं। नियुक्त अधिकारियों की यह जिम्मेदारी होगी कि आने वाले कोविड मरीजों को भर्ती कराने के साथ साथ समुचित उपचार कराएंगे। इसके अतिरिक्त अस्पताल में भर्ती भर्ती मरीजो के परिजनों को स्वास्थ्य की जानकारी देंगे। सीएम योगी के निर्देश पर कोविड पर प्रभावी नियंत्रण और आवश्यक रणनीति के लिए राज्य स्तर पर स्वास्थ्य विशेषज्ञों का एक सलाहकार पैनल तैयार कर लिया गया है। यह पैनल राज्य स्तरीय टीम 9 को समय समय पर आवश्यक परामर्श देगी।

स्वास्थ्य विशेषज्ञों का परामर्श रणनीति तैयार करने में उपयोगी होगा। चिकित्सा शिक्षा के प्रमुख सचिव आलोक कुमार ने बताया कि सभी मेडिकल कॉलेज, चिकित्सा संस्थानों और विश्वविद्यालयों को आदेश जारी कर दिए गए हैं। हर अस्पताल में मरीजों के तीमारदारों के लिए कोविड प्रोटोकॉल का पालन करते हुए उनके बैठने के लिए स्थान नियत करने और इस स्थान पर पेयजल आदि की आधारभूत सुविधाएं भी सुनिश्चित करने के आदेश दिए गए हैं। प्रमुख सचिव ने बताया कि बीमार रोगियों के तीमारदारों को दाखिले के समय ही मरीज की गंभीरता और रोग के निदान के बारे में बताने और दाखिल मरीजों के परिजनों को भर्ती रोगी के संबंध में दैनिक सूचना मौखिक रूप से अवश्य देने के लिए सायं काल 3 से 5 बजे तक का समय निश्चित करने के आदेश दिए गए हैं। इतना ही नहीं, ऐसे सभी मरीज जिनके परिजन उपलब्ध नहीं हैं, उनको इस दौरान फोन से भर्ती रोगी के संबंध में सूचना देने के निर्देश दिए गए हैं।

मीडिया कर्मियों का वरीयता पर वैक्सीनेशन हो: योगी

लखनऊ। कोरोना संक्रमण प्रकोप को देखते हुये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फ्रंटलाइन वॉरियर्स के तरह सभी मीडिया कर्मियों का वरीयता पर कोरोना वैक्सीनेशन का निर्देश दिया है। सीएम योगी ने टीम-9 की बैठक में निर्देश दिया है कि प्रदेश के पत्रकारों को वैक्सीनेशन के लिए अलग से सेंटर एलॉट कर उसको वैक्सीनेशन जोन बनाया जाएगा। मुख्यमंत्री ने यह भी निर्देश दिया है कि अगर जरूरत पड़े तो मीडिया कर्मियों को उनके कार्यस्थलों पर कैंप लगाकर मीडिया कर्मियों के साथ उनके परिवार के 18 वर्ष के अधिक उम्र के लोगों का भी टीकाकरण करवाएं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के मीडिया कर्मियों को कोरोना वैक्सीनेशन में प्राथमिकता दी जाए। उनके लिए अलग सेंटर बनाया जाए। इतना ही नहीं उनके परिवार के 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों को मुफ्त में टीका लगवाया जाए।

निराश्रित गृहों में रहने वाली संवासिनी सहित बच्चों के होंगे कोविड टेस्ट

- गोद देने के गैरकानूनी संदेश से जन सामान्य को जागरूक करने के निर्देश

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रमुख सचिव महिला एवं बाल विकास विभाग वी हिकाली झिमोमी ने 15 दिन के अंदर सभी निराश्रित गृहों में रहने वाले संवासिनी सहित बच्चों के कोविड टेस्ट के निर्देश दिए हैं। प्रमुख सचिव ने सभी जनपदों के जिला प्रोबेशन अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि मुख्यालय को प्रत्येक दिन शाम को प्रदेश के विभिन्न बाल एवं महिला देखरेख संस्थाओं में आवासित महिलाओं एवं बच्चों के साथ साथ कार्मिकों के कोविड 19 से संक्रमित होने, अस्पताल में भर्ती होने, होम आइसोलेशन में रह रहे बच्चों, महिलाओं एवं कार्मिकों का डाटा व्हाट्सएप पर प्रेषित करें। प्रमुख सचिव ने कोविड 19 के कारण जिन बच्चों के माता पिता या दोनों में से किसी एक की मृत्यु हो चुकी है या ऐसे बच्चे बच्चे जिनके माता पिता कोविड 19 से संक्रमित होने के कारण अस्पताल, होम आईसोलेशन में हैं और इन बच्चों का देखरेख करने वाला कोई नहीं है, ऐसे समस्त बच्चों को चिन्हित कर उनके पुर्नवास हेतु आवश्यक कार्यवाही की जाये। ऐसे सभी बच्चों के संबंध में चाइल्ड लाइन 1098 एवं महिला हेल्पलाइन 181 को सूचित किया जाय। बच्चों के चिन्हांकन में ग्राम निगरानी समिति एवं मोहल्ला निगरानी समिति यहित विभिन्न स्तरों पर गठित बाल संरक्षण समितियों का सहयोग लिया जाये। ऐसे सभी बच्चों को 24 घंटों के भीतर बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया जाय। वहीं उन्होंने महामारी के दौरान निराश्रित गृहों में रहने वाले निराश्रित बच्चों को गोद दिए जाने के वायरल संदेश का खंडन किया है। उन्होंने कहा है कि ऐसे संदेश प्रकाश में आये हैं जो गैर कानूनी तथा दण्डनीय हैं। प्रमुख सचिव ने अधिकारियों को निर्देश दिये हैं कि ऐसे संदेशों के प्रति जनसामान्य को सजग किया जाये।

होम आइसोलेशन वाले मरीजों को मदद पहुंचा रहे हैं कानून मंत्री

लखनऊ। कोरोना संक्रमण के चलते समय पर मरीजों को इलाज व आक्सीजन न मिल पाने को लेकर सार्वजनिक तौर पर अपने दुख को बयां कर चुके प्रदेश के कानून मंत्री ब्रजेश पाठक ने होम आइसोलेशन में इलाज करा रहे संक्रमितों की सुध ली है। इससे पूर्व पाठक अपनी निधि से एक करोड़ रुपये कोरोना मरीजों के इलाज के लिए जिला प्रशासन को दे चुके हैं। लखनऊ मध्य से भाजपा के विधायक ब्रजेश पाठक ने इंटरनेट मीडिया पर एक वीडियो संदेश डालकर कहा है कि मध्य विधानसभा लखनऊ में होम आइसोलेशन के कोविड संक्रमितों के उपचार लिए आवश्यक दवाओं के साथ मैं भाप लेने के लिए वेपोराइजर पहुंचाने का कार्य निरंतर करवा रहा हूं। उन्होंने कहा कि सभी को इन दवाइयों को खाने का तरीका मेरे इस वीडियो से पता चल जायेगा।

प्रदेश में बीते 24 घंटो में रिकार्ड 783 मेट्रिक टन से अधिक आक्सीजन की हुई आपूर्ति

- गृह विभाग में बने विशेष कन्ट्रोल रूम से लगातार की जा रही है आक्सीजन सप्लाई की निगरानी

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

उत्तर प्रदेश में बीते 24 घंटे में रिकार्ड 783.31 मेट्रिक टन आक्सीजन की आपूर्ति गयी है। मुख्यमंत्री द्वारा समस्या के स्थायी समाधान के लिए 300 नए आक्सीजन प्लांट भी लगाए जाने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य सरकार द्वारा आक्सीजन उत्पादन करने वाली इकाइयों को प्रोत्साहन दिया जा रहा है तथा इसके लिये एक नीति बनायी गयी है।

अपर मुख्य सचिव गृह अवनीश कुमार अवस्थी ने बीते चौबीस घंटे में प्रदेश भर में हुई आक्सीजन की सप्लाई का विस्तृत विवरण देते हुए बताया कि 350.12 मेट्रिक टन आक्सीजन की आपूर्ति रिफीलर्स को खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन विभाग द्वारा की गयी है। साथ ही शासन के प्रयासों के फलस्वरूप 309 मेट्रिक टन आक्सीजन की सप्लाई प्रदेश के मेडिकल कालेजों व चिकित्सा संस्थानो को तथा 124.19 मीट्रिक टन आक्सीजन की आपूर्ति आक्सीजन सप्लायर्स द्वारा सीधे निजी चिकित्सालयों को की गई है। इस प्रकार कुल 783 मीट्रिक टन से अधिक आक्सीजन की सप्लाई बीते 24 घंटे में प्रदेश भर के सरकारी व निजी अस्पतालों में की गयी है।

अवस्थी ने बताया कि प्रदेश की राजधानी लखनऊ में कोविड उपचार के लिए डीआरडीओ द्वारा बनाये गये कोविड अस्पताल के लिए प्रतिदिन 10 मेट्रिक टन आक्सीजन का आवंटन निर्धारित किया गया है। उन्होंने बताया कि अभी केवल परीक्षण कार्य के लिए आवश्यक आक्सीजन ही उपलब्ध करायी गयी है तथा जैसे ही यह कोविड अस्पताल कार्य प्रारम्भ कर देगा, इसे निर्धारित 10 मेट्रिक टन की आपूर्ति समय से सुनिश्चित करा दी जायेगी। अपर मुख्य सचिव गृह ने बताया कि जिलेवार उपलब्ध आक्सीजन उत्पादन प्लांटस एवं उनकी क्षमता की लगातार समीक्षा की जा रही है। शासन द्वारा प्रदेश में आक्सीजन की मांग का भी जनपदवार विवरण तैयार किया गया है। भारत सरकार द्वारा प्रदेश को आवंटित आक्सीजन कोटा को देखते हुए उसके अधिकतम उठान के प्रयास निरन्तर जारी है। उप्र में क्रायोजेनिक टैंकर की उपलब्धता के अनुसार अधिकतम आक्सीजन लाने के हर संभव प्रयास किए जा रहे है जिसके लिए रेलवे द्वारा चलाई गई आक्सीजन एक्सप्रेस की मदद ली गयी है। उन्होंने बताया कि प्रदेश में रिफलिंग यूनिटस की जिलेवार संख्या, क्षमता आदि का विवरण भी तैयार किया गया है। खाली टैकर्स के आक्सीजन रिफिलिंग प्लान्ट्स तक पहुंचने में समय की बचत के लिए हवाई मार्ग का सहारा लिया गया है। उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री के निर्देश पर प्रदेश में आक्सीजन की मांग को तत्परता से पूरा करने के उद्देश्य से गृह विभाग में बने एक विशेष कन्ट्रोल रूम के माध्यम से आक्सीजन आपूर्ति व्यवस्था की आनलाइन मानीटरिंग की जा रही है। इस कन्ट्रोल रूम में गृह विभाग, खाद्य एवं औषधि प्रशासन, चिकित्सा शिक्षा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण तथा परिवहन विभाग के वरिष्ठ अधिकारी व कर्मचारी लगातार 24 घंटे परस्पर समन्वय बनाकर कार्य कर रहे हैं। यह भी उल्लेखनीय है कि रेलवे मार्ग से आक्सीजन लाने वाला भी यूपी पहला राज्य है। उत्तर प्रदेश में आक्सीजन की कमी को पूरा करने के लिए अन्य राज्यों यथा बिहार, उड़ीसा, बंगाल, झारखण्ड में स्थित आक्सीजन प्लान्ट से आक्सीजन प्रदेश में लाये जाने की व्यवस्था की गयी है जिसकी पूरी आन लाइन मानीटरिंग भी की जा रही है। उप्र की सीमा से अन्य राज्यों के द्वारा होकर आने वाले टैंकर को ग्रीन कारीडोर बनाकर उन्हें निर्धारित स्थान तक शीघ्र पहँचाने की व्यवस्था भी की गई हैं। आक्सीजन के युक्तिसंगत, तर्कसंगत उपयोग के लिए आक्सीजन आडिट की व्यवस्था की गयी है ताकि उसकी बचत कर उसका सदुपयोग किया जा सके। इसके लिए आईआई टी कानपुर द्वारा साफ्टवेयर विकसित किया गया है। इस कार्य में आईआईएम लखनऊ, आईआईटी कानपुर व आईआईटी बीएचयू वाराणसी, एकेटीयू लखनऊ, एमएमटीयू गोरखपुर, एचबीटीयू कानपुर, एनएनआईटी प्रयागराज एवं एसजीपीजीआई द्वारा प्रदेश भर में आक्सीजन के आडिट कार्य में सहयोग लिया गया है।

उ0प्र0 राज्य विद्युत उत्पादन निगम लि0,अनपरा- सोनभद्र

इक्सप्रेसन आफ इन्ट्रेस्ट के लिये आमंत्रण सूचना

1. यू0पी0आर0वी0यू0एन0एल0 की 2x500 मे0वा0 द ता0वि0गृ0 अनपरा से निकलने वाले जिप्सम की बिक्री के कार्य हेतु इच्छुक विक्रेता/एजेन्सी से ई0ओ0आइ0 आमंत्रित की जाती है आपूर्ति की मात्रा 512 टन प्रतिदिन। विस्तृत जानकारी हेतु निगम वेबसाइट www.uprvunl.org पर सम्पर्क करे, या ई0 प्रमोद कुमार (अधीक्षण अभियंता) के ईमेल– se.mmc.anpara@uprvunl.org पर सम्पर्क करे। ई0ओ0आई0 जमा करने की अन्तिम तारीख **15 जून 2021** है।

2. यू0पी0आर0वी0यू0एन0एल0 की 2x500 मे0वा0 द ता0वि0गृ0 अनपरा के एफ0जी0डी0 प्लाण्ट हेतु लाइम स्टोन की आपूर्ति के कार्य हेतु इच्छुक विक्रेता/एजेन्सी से ई0ओ0आई0 आमंत्रित की जाती है आपूर्ति की मात्रा 340 टन प्रतिदिन (शुद्धता 90% से ज्यादा CaCo3) विस्तृत जानकारी हेतु निगम वेबसाइट www.uprvunl.org पर सम्पर्क करे, या ई0 प्रमोद कुमार (अधीक्षण अभियंता) के ईमेल– se.mmc.anpara@uprvunl.org पर सम्पर्क करे। ई0ओ0आई0 जमा करने की अन्तिम तारीख **15 जून 2021** है।

पत्रांक : 1048/मु0अभि0(स्तर–1)/कला अनु0/अताप/ दिनांक 04.05.2021

'राष्ट्रहित में बिजली बचायें'

सपा–कांग्रेस के कारण मुश्किल में पड़ी यूपी के लोगों की जान

- चिकित्सा शिक्षा मंत्री ने दी विपक्षी नेताओं को सलाह, कठिन परिस्थितियों में जनता की सेवा करें

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

सपा और कांग्रेस ने अपनी ओछी राजनीति के लिए प्रदेश के लोगों की जान मुश्किल में डाल दी । राहुल और अखिलेश जैसे गैर ज़िम्मेदार लोगों के कारण यूपी में कोरोना ने ख़तरनाक रूप ले लिया । कांग्रेस और सपा के नेताओं ने वैक्सीन पर भ्रम फैला कर वैक्सीन अभियान को धीमा कर दिया जिसका ख़ामियाज़ा लोगों को भुगतना पड़ रहा है। ये आरोप मंगलवार को कैबिनेट मंत्री सुरेश खन्ना ने लगाए। खन्ना ने कोरोना को लेकर सपा और कांग्रेस की भूमिका पर सवाल उठाये।

प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना ने कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, महासचिव प्रियंका गांधी और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव से संकट की इस घड़ी में ओछी राजनैतिक बयानबाजी से बाज आने को कहा है। उनका कहना है कि कोरोना वैक्सीन पर इन दोनों रजनैतिक दलों के नेताओं ने भ्रम फैला कर उत्तर प्रदेश के लाखों लोगों की जान को खतरे में डालने के काम किया है। इन नेताओं की ओर से बारबार कोरोना वैक्सीन और सरकार की ओर से किये जा रहे अन्य प्रयासों पर सवाल उठाकर जनता में भ्रम पैदा किया जा रहा था। उन्होंने कहा कि अखिलेश यादव ने वैक्सीन पर सवाल खड़े करते हुए इसे लगवाने से इनकार कर दिया था। राहुल और प्रियंका वाड्रा ने तो वैक्सीन के टेस्ट पर हाई अविश्वास जताया था। अब ये लोग ही कह रहे हैं की सब को वैक्सीन क्यों नहीं लगाई गई। मुश्किल वक्त में इन नेताओं को अवसरवादी और ओछी राजनीति नहीं करनी चाहिए। कोरोना से लोगों को बचाने के सीएम योगी के अभियान में सहयोग करना चाहिए। जनता सब देख रही है इस बार और कड़ा जवाब देगी। उन्होंने इन नेताओं को सरलता, सहजता और संवेदनशीलता का परिचय देते हुए वर्तमान सरकार के साथ कोरोना के खिलाफ शुरू हुई लड़ाई में राजनीति छोड़कर सहयोग करने की अपील की है। प्रदेश के चिकित्सा शिक्षा मंत्री सुरेश खन्ना ने कहा कि घर पर बैठकर प्रदेश में कोरोना वायरस के खात्मे को खिलाफ चल रहे प्रयासों के खिलाफ झूठी बयानबाजी करना शोभा नहीं देता है। उनकी झूठी बयानबाजी से जनमानस में भ्रम फैल रहा है। गलत बयानबाजियों के कारण उत्तर प्रदेश में वैक्सीन लगवाने वाले लोगों की रफ्तार में कमी आई थी। उन्होंने कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी को भी गलत बयानबाजी से बचने की सलाह दी है।

बेहतर आपूर्ति व उपभोक्ता सेवा से कोरोना के खिलाफ जंग को आसान करें

- 24 घंटे विद्युत आपूर्ति में जुटे कार्मिकों का अभिनंदन किया जाएगा: श्रीकान्त शर्मा

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

ऊर्जा मंत्री श्रीकान्त शर्मा ने विद्युत उपकेन्द्रों में कोविड-19 से सुरक्षा की गाइडलाइंस के अनुपालन को लेकर मंगलवार को लखनऊ के मेडिकल कालेज चौक स्थित केजीएमयू उपकेंद्र का निरीक्षण किया। ऊर्जा मंत्री ने यूपीपीसीएल चेयरमैन को निर्देश दिए कि उपकेन्द्रों में आने वाले उपभोक्ताओं और 24 घंटे निर्बाध आपूर्ति व उपभोक्ता सेवा में जुटे विद्युत कार्मिकों की सुरक्षा के लिए पर्याप्त इंतजाम हों। अस्पतालों में निर्बाध आपूर्ति रहे। उन्होंने कहा कि 24 घंटे निर्बाध विद्युत आपूर्ति में जुटे कार्मिकों का अभिनंदन किया जाएगा। ऊर्जा मंत्री ने उपभोक्ताओं और निर्बाध विद्युत आपूर्ति में जुटे कार्मिकों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की समीक्षा की। उन्होंने उपकेन्द्रों में विद्युत कार्मिकों के वैक्सीनेशन की जानकारी ली। कार्मिकों को पर्याप्त फेस शील्ड, मास्क, सेनेटाइजर व ग्लव्स उपलब्ध कराने के लिए कहा। विद्युत कार्मिकों से अपने संवाद में उन्होंने कहा कि कोरोना की पहली लहर में आप लोगों ने निर्बाध आपूर्ति सुनिश्चित कर लोगों का घर में रहना और सुरक्षित रहना तय किया। इस बार भी आप बेहतर आपूर्ति व उपभोक्ता सेवा से कोरोना के खिलाफ जंग को आसान करें। उन्होंने कहा कि कार्मिक स्वयं की भी रक्षा करें और तय दिशानिर्देशों का पालन कर उपभोक्ताओं को भी कोरोना से बचायें। ऊर्जा मंत्री ने कहा कि उपभोक्ताओं के लिए उपकेन्द्रों में सैनिटाइजर डिस्पेंसर, फिजिकल डिस्टेंसिंग, पीने के पानी, बैठने के लिए जगह हो यह डिसकॉम सुनिश्चित करें।

विजय उत्सव मनाने के बजाए जनता की सेवा में जुटें कार्यकर्ता: अखिलेश

- पंचायत चुनावों के नतीजों ने दे दिए भाजपा की नाव डूबने के संकेत

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा सरकार हर मोर्चे पर विफल है। पंचायत चुनावों के नतीजों ने भाजपा की नाव डूबने के स्पष्ट संकेत दे दिए हैं। उत्तर प्रदेश के पंचायती चुनावों के नतीजों से जो संदेश मिल रहा है वह सन 2022 में होने वाले विधानसभा चुनावों के लिए भी दिशा सूचक साबित होगी। उत्तर प्रदेश में भाजपा राज का सफाया निश्चित है। मंत्रियों, सांसदों, विधायकों तक को पूरे राज्य में तैनात कर भाजपा ने जीत की साजिशें रची थी पर जनता ने उसकी धौंस में नहीं आई, उसने भाजपा को करारा जवाब दिया है। भाजपा की नफरत और समाज को बांटने वाली रणनीति पश्चिम बंगाल के चुनावों में बुरी तरह पिटी है। उन्होंने कहा कि भाजपा के बस अब गिने चुने दिन ही शेष हैं, भाजपा की विदाई और समाजवादी सरकार बनने में। अखिलेश यादव ने उत्तर प्रदेश में हुए पंचायत चुनावों में विजय हासिल करने वाले समाजवादी पार्टी के सभी उम्मीदवारों को बधाई दी है। कोरोना संक्रमण के फैलाव को देखते हुए उनसे किसी प्रकार का विजय उत्सव मनाने के बजाए अपील की है कि सभी समाजवादी पार्टी कार्यकर्ता अपने स्तर से जनता की सेवा में लग जाएं। अखिलेश यादव ने कहा है की पंचायत चुनावों मतदाताओं की प्रथम वरीयता समाजवादी पार्टी रही है। बड़ी तादात में समाजवादी पार्टी की जीत के साफ संकेत है कि किसानों, नौजवानों और गाँव तक में उसकी स्वीकारिता है। समाजवादी पार्टी जनता की सेवा के लिए प्रतिबद्ध है। जनता ने समाजवादी पार्टी को जीत दिलाकर लोकतंत्र को बचने का भी सराहनीय कार्य किया है। भाजपा झूठे वादे करने के अपने स्वभाव के अनुसार पंचायत चुनावों में भी बाज नहीं आ रही है। यह हकीकत है कि गांवों मैं अपनी ही तीसरे इंजन वाली सरकार बनाने का उसका सपना बुरी तरह चकनाचूर हुआ है। वाराणसी, गोरखपुर, प्रयागराज के अलावा आजमगढ़ से लेकर इटावा तक भाजपा की कोई चाल काम नहीं।

लल्लू ने साधा प्रदेश सरकार पर निशाना

300 आक्सीजन प्लान्ट कब लगेंगे, तारीख बताएं मुख्यमंत्री

पायनियर समाचार सेवा। लखनऊ

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष अजय कुमार लल्लू ने मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी से पूछा है कि यूपी में आक्सीजन के 300 प्लान्ट किस तारीख तक लगकर तैयार हो जाएंगे। उन्होंने कहा है कि मुख्यमंत्री को यह भी बताना चाहिए कि किस तारीख से इन आक्सीजन प्लान्टों से गंभीर मरीजों को आक्सीजन सरकार उपलब्ध कराना शुरू कर देगी।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष ने कहा कि सदन से लेकर अब तक दिए गए उनके बयान व घोषणाएं मात्र घोषणाएं ही साबित हुई हैं। मुख्यमंत्री ने सदन में बयान दिया था और दावा किया था कि डेढ़ लाख बेड तैयार हैं। आज वह बेड कहां हैं, यह मुख्यमंत्री के अलावा किसी को पता नहीं है। सरकार की कोरोना महामारी से निपटने में गंभीरता दिखाने के बजाए केवल प्रदेश की जनता को गुमराह करने तक सीमित है। मानवता हाहाकार कर रही है। सरकार के जनता के साथ संकटकाल में खड़े होने के अब तक के समस्त दावे पूरी तरह से निराधार व खोखले साबित हुए हैं। जिस कारण हर तरफ मौतों का सन्नाटा है और संक्रमण की रफ्तार सरकारी नियंत्रण के बाहर हो चुकी है।

लल्लू ने कहा कि आक्सीजन प्लान्ट लगाने और आक्सीजन कन्सन्ट्रेटर्स खरीदने की घोषणाएं करने वाले मुख्यमंत्री व उनकी तत्कालीन टीम 11 पिछले 14 महीने तक कोरोना महामारी के पीक की पूर्व चेतावनी के बाद क्या करती रही, सीएम केयर फण्ड में महामारी से निपटने के लिए संसाधन जुटाने के लिए आम जनता से लेकर प्रदेश के सांसदों व विधायकों तक की निधि व वेतन से पैसा एकत्रित किया गया, उसके बाद भी अब जब आक्सीजन व चिकित्सीय सुविधाओं के अभाव में अनवरत सैंकड़ों की संख्या में मौतें हो गयीं और प्रतिदिन लगभग 30 हजार लोग संक्रमित हो रहे हैं तो ऐसे में सरकार आक्सीजन प्लान्ट लगाये जाने व कन्सन्ट्रेटर्स खरीद की बात कर रही है। यह कब तक हो पायेगा, इसका अभी तक कोई अता पता नहीं है, क्योंकि सरकार की मंशा पर सवाल इसलिए खड़े हो रहे हैं कि पूर्व में उसने घोषणा की थी कि ग्लोबल टेण्डरिंग के माध्यम से उप्र संक्रमण से निपटने के लिए वैक्सीन का आयात करेगा। अभी तक उस ग्लोबल टेण्डरिंग की प्रक्रिया ही प्रारम्भ नहीं हो पायी है।

पूर्वोत्तर रेलवे

खुली ई-निविदा सूचना सं. 01-DYCEGA-2021

उप मुख्य इन्जीनियर/गोरखपुर क्षेत्र, पूर्वोत्तर रेलवे, गोरखपुर एवं भारत के राष्ट्रपति की ओर से निम्नलिखित कार्यों के लिए आनलाइन खुली ई–निविदा आमंत्रित करते हैं। जिसका पूर्ण विवरण नीचे दिया जा रहा है:- **1. कार्य का नाम :** गोरखपुर में - उप मुख्य इंजीनियर-गो.क्षे. के अधीन वर्षान्त 30.6.2022 हेतु जोन संख्या-1-उत्तरी-I के जोन कार्य का निष्पादन। क्षेत्र-ब्लाक सं.-619, 620 से राष्ट्रीय विद्यालय और जटेपुर चौराहा तक को जोड़ने वाली सड़क के पूर्व। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 5655060.00. **2. कार्य का नाम :** गोरखपुर में - उप मुख्य इंजीनियर–गो.क्षे. के अधीन वर्षान्त 30.6.2022 हेतु जोन संख्या–2–उत्तरी–II के जोन कार्य का निष्पादन। क्षेत्र–ब्लाक सं.–619, 620 से राष्ट्रीय विद्यालय और जटेपुर चौराहा, ड्राइवर रनिंग रूम, जूनियर इन्स्टीच्यूट को सम्मिलित करते हुए जोड़ने वाली सड़क के पश्चिम। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 5105060.00. **3. कार्य का नाम :** गोरखपुर में – उप मुख्य इंजीनियर–गो.क्षे. के अधीन वर्षान्त 30.6.2022 हेतु जोन संख्या–3–जटेपुर–I के जोन कार्य का निष्पादन। क्षेत्र–सीनियर सेक्शन इन्जीनियर–कार्य–जटेपुर कार्यालय, रेलवे बालक स्कूल, ब्लाक संख्या–646 से जटेपुर क्रासिंग, एल-16 से एल-13, 149 से 160 एवं 159 तक के सड़क के पश्चिम और कृष्णानगर रेलवे कालोनी को जोड़ने वाली सड़क के पश्चिम। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 5030071.00. **4. कार्य का नाम :** गोरखपुर में – उप मुख्य इंजीनियर–गो.क्षे. के अधीन वर्षान्त 30.6.2022 हेतु जोन संख्या–4–जटेपुर–II के जोन कार्य का निष्पादन। क्षेत्र–सीनियर सेक्शन इन्जीनियर/कार्य, जटेपुर कार्यालय, रेलवे बालक स्कूल, ब्लाक संख्या–646 से जटेपुर रेलवे क्रासिंग, एल-16 से एल-13, 149 से 160 एवं 159 तक के सड़क के पूरब और कृष्णानगर रेलवे कालोनी को जोड़ने वाली सड़क के पूरब। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 5114815.00. **5. कार्य का नाम :** गोरखपुर में – उप मुख्य इंजीनियर–गो.क्षे. के अधीन वर्षान्त 30.6.2022 हेतु जोन संख्या–5–डेयरी–I के जोन कार्य का निष्पादन। क्षेत्र–सरकुलर रोड के दक्षिण, केबुल हाउस एवं आर.पी.एफ. बैरेक को सम्मिलित करते हुए। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 5627450.00. **6. कार्य का नाम :** गोरखपुर में – उपमुइं/गो.क्षे. के अधीन वर्षान्त 30.6.2022 हेतु जोन संख्या–6–डेयरी–II के जोन कार्य का निष्पादन। क्षेत्र–सरकुलर रोड के उत्तर, स्काउट डेन को सम्मिलित करते हुए। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 5719450.00. **7. कार्य का नाम :** गोरखपुर में – उप मुख्य इंजीनियर/गो.क्षे. के अधीन वर्षान्त 30.6.2022 हेतु जोन संख्या–7 (डेयरी–III) के जोन कार्य का निष्पादन। क्षेत्र–रेलवे चिकित्सालय। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 6628616.00. **8. कार्य का नाम :** गोरखपुर में – उप मुख्य इंजीनियर/गो.क्षे. के अधीन वर्षान्त 30.6.2022 हेतु जोन संख्या–8–मध्य–I के जोन कार्य का निष्पादन। क्षेत्र–स्टोर डिपो के गेट के तरफ जाने वाले सड़क के पश्चिम से सीधे जाने वाली सरकुलर रोड, लोको स्पोर्ट्स ग्राउण्ड सी.से. इंजी. कार्य–मध्य कार्यालय, हस्त कला केन्द्र, उद्यान निरीक्षक–प्रथम, सीनियर सेकेण्ड्री स्कूल को सम्मिलित करते हुए। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 5045575.00. **9. कार्य का नाम :** गोरखपुर में – उप मुख्य इंजीनियर/गो.क्षे. के अधीन वर्षान्त 30.6.2022 हेतु जोन संख्या–9–मध्य–II के जोन कार्य का निष्पादन। क्षेत्र–सड़क के पूरब स्थित क्षेत्र, मसाला घर एवं उद्यान निरीक्षक–द्वितीय को सम्मिलित करते हुए। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 5066005.00. **10. कार्य का नाम :** गोरखपुर में – उप मुख्य इंजीनियर–गो.क्षे. के अधीन वर्षान्त 30.6.2022 हेतु जोन संख्या–10–बिछिया–I के जोन कार्य का निष्पादन। क्षेत्र–सीसेइं/कार्य/बिछिया के अधीन सरकुलर रोड़ के दक्षिण एवं पी.ए.सी. रोड़ के पश्चिम आवासीय एवं सर्विस भवन इत्यादि। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 5213625.00. **11. कार्य का नाम :** गोरखपुर में – उप मुख्य इंजीनियर–गो.क्षे. के अधीन वर्षान्त 30.6.2022 हेतु जोन संख्या–11–बिछिया–II के जोन कार्य का निष्पादन। क्षेत्र–आवास सं.–547 से 563 तक, बीजी कालोनी एवं रे.सु.ब. कालोनी स्थित आवासीय भवन एवं सर्विस भवन इत्यादि। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 5220660.00. **12. कार्य का नाम :** गोरखपुर में – उप मुख्य इंजीनियर/गो.क्षे. के अधीन वर्षान्त 30.6.2022 हेतु जोन (बिछिया–III) के जोन कार्य का निष्पादन। क्षेत्र–एम.एस.टी.सी. एवं उसके छात्रावास, आर.पी.एफ. ट्रेनिंग सेन्टर, ट्रान्जिट हाउस एवं उस क्षेत्र के अन्य सर्विस भवनों इत्यादि। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 5026253.00. **13. कार्य का नाम :** गोरखपुर में – उप मुख्य इंजीनियर–गो.क्षे. के अधीन वर्षान्त 30.6.2022 हेतु जोन संख्या–13–दक्षिण–I के जोन कार्य का निष्पादन। क्षेत्र–सड़क सं.–15 से पश्चिम स्थित सर्विस भवनों/कार्यालयों जैसे महाप्रबंधक, सांख्यिकीय, मुयाइं, मुपरिप्र. मुचिकित्सा निदेशक, प्रमुइं, मुसिदूइं, मुकाधि, मुकाधि कैण्टीन, रेसुब बैरक, रेल म्यूजियम, रेल दावा अधिकरण, आर.आर.बी. भवन, उप मुइं/गो.क्षे., मुकाप्र/पुल एवं बंगला सं.–6, 7 इत्यादि। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 5815169.00. **14. कार्य का नाम :** गोरखपुर में – उप मु.इं. गो.क्षे. के अधीन वर्षान्त 30.6.2022 हेतु जोन संख्या–14–दक्षिण–II के जोन कार्य का निष्पादन। क्षेत्र–सड़क सं.–15 से पूरब स्थित सर्विस भवनों/कार्यालयों जैसे विसमुलेधि, कैश आफिस, लेखा परीक्षा, रेलवे प्रेस, भनिक, मुवाप्र, मुविइं, स्टेट बैंक, को–आपरेटिव बैंक, साउथ डिस्पेन्सरी राप्ती, शारदा एवं वरूणा अधिकारी विश्रामालय, क्रिकेट ग्राउण्ड, अधिकारी क्लब, नर्सरी, गोल्फ मैदान, इलाहाबाद बैंक, रेलवे पोस्ट आफिस, स्टेडियम इत्यादि। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 5655554.00. **15. कार्य का नाम :** गोरखपुर में – उप मु.इं.–गो.क्षे. के अधीन वर्षान्त 30.6.2022 हेतु जोन संख्या–15–दक्षिण–III के जोन कार्य का निष्पादन। क्षेत्र–स्टेडियम कालोनी में स्थित सभी आवासीय भवनों के साथ–साथ सड़क तथा आर्मी रेस्ट हाउस के साथ–साथ अन्य छोटे–छोटे सर्विस भवन जो कि दक्षिण के जोनों में सम्मिलित नहीं हैं इत्यादि। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 5360205.00. **16. कार्य का नाम :** गोरखपुर में – उप मुख्य इन्जीनियर/गो.क्षे. के अधीन वर्षान्त 30.6.2022 हेतु जोन संख्या– 16–दक्षिण–IV के जोन कार्य का निष्पादन। क्षेत्र–रामगढ़ताल कालोनी एवं गोल्फ कालोनी में स्थित सभी आवासीय भवनों के साथ सड़क इत्यादि। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 5182415.00. **17. कार्य का नाम :** गोरखपुर में – उप मुख्य इन्जीनियर–गो.क्षे. के अधीन जोन संख्या–17–जीकेसी–I वर्षान्त 30.6.2022 हेतु। सी.से.इं.–कार्य–जी.के.सी. के अंतर्गत क्षेत्र–पुल कारखाना, कंक्रीट यार्ड, लौह भण्डार एवं सिगनल कारखाना के जोन कार्य के निष्पादन हेतु। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 5465789.00. **18. कार्य का नाम :** गोरखपुर में – उप मुख्य इन्जीनियर–गो.क्षे. के अधीन जोन संख्या–18–जी.के.सी.–II वर्षान्त 30.6.2022 हेतु। सी.से.इं.–कार्य–जी.के.सी. के अंतर्गत क्षेत्र–माचिस फैक्ट्री कालोनी, कैण्ट कालोनी एवं 2 बी.एन. आर.पी.एस.एफ. रजही कैम्प के सम्पूर्ण परिक्षेत्र के जोन कार्य के निष्पादन हेतु। **अनुमानित लागत (रु. में) :** 6530836.00.

• **बयाने की राशि क्रमांक 01 से 18 तक** - शून्य। • **निविदा प्रपत्र का मूल्य क्रमांक 01 से 18 तक** - शून्य। • **समापन अवधि क्रमांक 01 से 18 तक** - 30.06.2022.

1. ई–निविदा खुलने की तिथि–क्रमांक 01 से 18 तक दिनांक 07.06.2021 को 11.00 बजे। **2.** ई–निविदा के क्रमांक 1 से 18 तक की बिडिंग दिनांक 24.05.2021 से 07.06.2021 को 10.59 बजे तक प्राप्त की जायेगी। **3.** उपरोक्त निविदा से सम्बन्धित सभी सूचना, निम्नतम अर्हता, नियम एवं शर्तों का पूर्ण विवरण भारतीय रेलवे के वेबसाईट **www.ireps.gov.in** पर उपलब्ध है। **4.** यदि निविदा सूचना के हिन्दी एवं अंग्रेजी संस्करण में अन्तर होता है तो निविदा सूचना के अंग्रेजी संस्करण ही मान्य होगा।

मुजाधि/डब्ल्यू-24 उप मुख्य इंजीनियर/गो.क्षे.

यात्री सुविधा सम्बन्धित शिकायत हेतु मो.-09794845955 पर SMS करें

ट्रेनों में ज्वलनशील पदार्थ लेकर यात्रा न करें

जितने मरीज संक्रमित हुए उतने ही स्वस्थ होकर घर लौटे

● 1219 संक्रमित, 1219 स्वस्थ, आठ की मौत

● कोरोना से मरने वालों की संख्या पहुंची 607

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

जिले में कोरोना संक्रमण दर में गिरावट का क्रम बरकरार है तो ठीक होने की दर में लगातार इजाफा हो रहा है।। बावजूद इसके अनियत्रित मृत्यु दर पर महकमें के लिए चिंता का विषय बनी हुई है। मंगलवार को कोरोना से 8 कोरोना मरीजों की मोत हुई। सोमवार से मंगलवार को आधा से कम कोरोना मरीजों की मौत हुई है। वहीं बीएचयू व मंडलीय अस्पताल की लैब से मिले 7010 सैंपल के परिणाम में 1219 पॉजिटिव मिले वहीं 5791 मरीज का निगेटिव रिपोर्ट आया है। अधिकांश मरीजों को होम आइसोलेशन का निर्देश देते हुए कमांड सेंटर से उनके स्वास्थ्य की बराबर निगरानी की जा रही है। अब तक जिले में कोरोना से मरने वालों की संख्या 607 तक पहुॅची हैं। वहीं जिले में कोरोना एक्टिव मरीजों की संख्या 15478 हो गई है।

सोमवार की शाम सात बजे से लेकर मंगलवार की सुबह 11 बजे तक कोरोना वायरस संक्रमण के काफी नए मामले सामने आए हैं। मंगलवार की सुबह कोरोना संक्रमित 919 लोग मिले हैं, एक्टिव मरीज 16413ए जबकि 599 हो चुकी हैं। 16413 सक्रिय केस इस समय जिले में मौजूद हैं। 53374 लोग अब तक कोरोना को हराकर ठीक हो चुके हैं। जबकि जिले में अब तक 70386 लोग इस बीमारी से संक्रमित हो चुके हैं। मंगलवार को 919 मामले 3192 जांच परिणामों से प्राप्त हुए हैं। इस लिहाज से तीस फीसद सैंपल कोरोना वायरस के सामने आए हैं। जबकि अभी 3821 लोगों का परिणाम आना शेष है। हालांकि एक अच्छी सूचना यह भी है कि अब हर दिन सक्रिय मामलों में गिरावट भी आ रही है। फिलहाल 16413 सक्रिय मामले ही जिले में मौजूद हैं। वहीं कोरोना वायरस संक्रमित मरीजों के लिए बीएचयू स्टेडियम में बन रहे अस्थाई हजार बेड के अस्पताल का काम अंतिम चरण में है। कभी भी अस्पताल पूर्ण होने की घोषणा हो सकती है।

ठसाठस भीड़ में हो रहा टीकाकरण

● जनपद के 17 केन्द्रों पर चल रहा है टीकाकरण का कार्य, धर्मार्थ, पर्यटन राज्यमंत्री महिला अस्पताल का हाल जानने पहुंचे

वाराणसी। जिले में कोरोना की दूसरी लहर में चल रही तबाही में मंगलवार को मौतों का आंकड़ा शीर्ष पर रहा। बावजूद इसके स्वास्थ्य महकमा टीकाकरण केन्द्रों पर शारीरिक दूरी का पालन कराने में नाकाम रहा। राजकीय महिला अस्पताल कबीरचौरा या राजकीय आयुर्वेदिक या फिर ईएसआईसी हर जगह ठसाठस भीड़। राजकीय महिला अस्पताल में मंगलवार को 18 वर्ष से 44 तक व 45 साल से उपर तक के लोगों को काविड की पहली या दूसरी डोज लग रहा था उसी दौरान पर्यटन एवं विधि राज्यमंत्री डॉ. नीलकंठ तिवारी राजकीय महिला अस्पताल पहुॅचे जहॉ टीकाकरण के लिए पहुॅची महिलाओं से बातचीत किया तथा अस्पताल की स्वास्थ्य व्यवस्था के बारे में पूछा। कहा कि केन्द्र व प्रदेश सरकार कोविड टीकाकरण लगवाने के लिए हर प्रयास कर रहा है। जनता स्वास्थ्य व प्रशासन का सहयोग करे जिससे टीकाकरण हर युवक से लेकर वृद्ध को लग सके। मंगलवार को भी सैकड़ों की संख्या में युवक-युवतियों व 45 साल से लेकर ऊपर तक के लोगों को टीकाकरण लगा।

पंचायत चुनावः सपा ने जीती 39 में से 29 सीटें

वाराणसी। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतगणना रविवार को शुरू होकर सोमवार रात तक चलती रही। सोमवार की दोपहर से परिणामों का आना शुरू हुआ तो सत्ताधारी दल भाजपा के प्रत्याशियों के माथे पर चिंता की लकीरें खिंच गयीं। मंगलवार दोपहर 3 बजे तक वाराणसी की जिला पंचायत सदस्य की 39 में से 29 सीटों का परिणाम चुनाव आयोग की वेबसाइट पर जारी हो चुका है। समाजवादी पार्टी के महानगर अध्यक्ष विष्णु शर्मा के अनुसार समाजवादी पार्टी समर्थित 15 प्रत्याशियों ने जीत हासिल की है। सोमवार देर शाम तक हंगामे के बीच 39 सीटों की मतगणना तो पूरी हो गयी थी पर लेकिन कम्पाइलेशन का कार्य जारी था। जिला प्रशासन की तरफ से चुनाव आयोग रिपोर्ट के अनुसार 29 सीटों का रिज़ल्ट घोषित करते हुए प्रमाणपत्र विजयी प्रत्याशियों दे दिया गया था पर 10 सीटों कम्पाइलिंग कर कार्य जारी था।

जी-जान से फर्ज निभाने में जुटी हैं डॉ. दीप्ति दीक्षित

वाराणसी। डॉक्टर का दर्जा हमारे समाज में बहुत ऊंचा है। डॉक्टर को धरती का भगवान भी कहा जाता हैण् डॉक्टर मरीज को बचाने में तन मन से सेवा करते हैं। कुछ लोग धन से भी इलाज करते हैं। मुफ्त में इलाज करते हैंण् ऐसे लोगों का यह सराहनीय कार्य बहुत ऊंचा स्थान प्रदान करता है। कोविड के दौर को देखते हुए जहां कुछेक डॉक्टर उस पेशे को कलंकित कर रहे है तो कुछ उसमे चार चांद लगाने में अपनी (खुद की) परवाह किये बिना जी जान से अपने फर्ज में जुटी हुई है। छावनी चिकित्सालय में तैनात आर.एम.ओ. डॉक्टर दीप्ति दीक्षित अपने फर्ज के प्रति पूरी प्रतिबद्धता से जुटी हुई है।इसके लिये उन्होंने अपने 6 माह के गर्भधारण को भी आड़े नही आने दिया।उन्होंने बताया कि इस सेवा भाव के लिए उन्हें परिवार का जहां पूरा सहयोग मिल रहा है वही वह खुद एक डॉक्टर होने के नाते पूरा बचाव सुरक्षा मानकों का पालन करते हुए अपने फर्ज को पूरा

कर रही है। उन्होंने बताया कि कोविड के दौर को देखते हुए जहां छोटी मोटी बीमारियों से लोग भयभीत होकर अस्पताल के चक्कर लगा रहे है उन्हें छावनी अस्पताल में मौजूद संसाधनों के माध्यमों से उपचार की सुविधा मुहैया कराई जा रही है। चूंकि खुद पहली प्रेग्नेंसी में होने के चलते उन्हें भी दिक्कतों का सामना करना पड़ रहा है इसलिये वह परिवार के सहयोग से सभी जरुरी सुरक्षा मानकों का इस्तेमाल कर ड्यूटी को सबसे ज्यादा अहमियत दे रही है।

विशाल भारत संस्थान की पहल-

कोविड मरीजों की मदद के लिए तैयार हैं 24 घंटे वार रूम के सेवादूत

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

विशाल भारत संस्थान द्वारा संचालित विश्व का पहला अनाज बैंक कोरोना संकट काल में लमही के में 24 घंटे के वॉर रूम से जीवन बचाने की मुहिम चला रहा है। वॉर रूम में विशाल भारत संस्थान के सेवादूत 24 घंटे दवाए भोजन और अनाज के साथ कोविड मरीजों और उनके परिजनों की मदद के लिये तैयार है। वॉर रूम के हेल्पलाईन नं0 8546065991 पर फोन आने के साथ ही मदद की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। वॉर रूम में जरूरतमंद कोविड मरीजों एवं उनके परिजनों की मदद के लिये इन्द्रेश रसोई पोटली का शुभारम्भ किया गया। इस पोटली में 1 माह के लिये खाद्यान्न की व्यवस्था की गयी है। पोटली में 15 किग्रा. आटा, 10 किग्रा. चावल, 2.5 किग्रा. दाल, 2 किग्रा. चीनी, 2 किग्रा. चना, 2 किग्रा. नमक, 2 लीटर तेल, 250 ग्राम हल्दी, 100 ग्राम मसाला और 10 किग्रा. आलू रखा गया है।

इन्द्रेश रसोई पोटली का उद्घाटन रामपंथ के पंथाचार्य एवं श्रीराम आश्रम के प्रमुख डा. राजीव श्रीगुरूजी ने किया। इस अवसर पर डा. राजीव ने इन्द्रेश रसोई पोटली देकर सेवादूतों को कोविड मरीजों के घर तक पहुंचाने के लिये रवाना किया। अनाज बैंक की प्रबंध निदेशक अर्चना भारतवंशी ने बताया कि अब तक वॉर रूम के सेवादूतों ने कोविड पीड़ित 100 परिवारों तक दवाए 52 परिवारों को अनाज और 15 परिवारों को नियमित भोजन पहुंचाया है। पीड़ित परिवार के एक कॉल पर सेवादूत उनके घर तक पहुंचने का प्रयास करते हैं। अकेले रहने वाले बीमार बुजुर्गों को भोजन पहुंचाया जा रहा है। विशाल भारत संस्थान के 24 घंटे के वॉर रूम में नियमित रणनीतिकार और सेवादूत मौजूद रहते हैंए जो हर किसी के कॉल को न सिर्फ उठाते हैं बल्कि उनकी केस हिस्ट्री भी तैयार कर उनको उचित मदद पहुंचाने का काम करते हैं। दवा के लिये ताजीम भारतवंशी को 7068246896 और मो0 अजहरूद्दीन को 7068246897, अनाज के लिये अर्चना भारतवंशी को 9473745414 एवं भोजन के लिये 7068246896 पर सम्पर्क कर सकते हैं।

जिला पंचायत सदस्य चुनाव

भाजपा को लगा करारा झटका सपा को मिलीं 11 सीटें

संवाददाता। सोनभद्र

जिला पंचायत की 32 सीटें पर सम्पन्न हुई मतगणना मे जो परिणाम आये उसमे नगवां से सपा समर्थित प्रत्याशी बिग्गन भारती बरहमोरी से भाजपा समर्थित प्रत्याशी पूर्व सांसद कुवँर छोटेलाल खरवार की पत्नी मुनिया देवी रामगढ से निर्दल प्रत्याशी सरिता देवी सोढा से निर्दल प्रत्याशी राजाराम बिन्द तरावां से भाजपा समर्थित प्रत्याशी भाजपा के जिला उपाध्यक्ष ई. रमेश पटेल की पत्नी रितु सिंह हिन्दुआरी से निर्दल प्रत्याशी पिन्टू सिंह बघेल मधुपुर से भाजपा समर्थित प्रत्याशी मणिकर्णिका कोल राजपुर से बसपा समर्थित प्रत्याशी अनिता चौधरी चुर्क से निर्दल प्रत्याशी मोहन कुशवाहा सलखन से निषाद पार्टी समर्थित प्रत्याशी शिव मंगल सिरसिया ठकुराई से अपना दल एस समर्थित प्रत्याशी राधिका पटेल सरंगा से निर्दल प्रत्याशी ई. अविनाश पटेल मूर्तिया से बसपा समर्थित प्रत्याशी नीरज श्रीवास्तव हिनौती से सपा समर्थित प्रत्याशी अमरावती देवी तिलौली कला से निर्दल प्रत्याशी सत्येंद्र पटेल शाहगंज से अपना दल (एस) समर्थित प्रत्याशी संगीत पटेल पटवध से सपा समर्थित प्रत्याशी सुनील सिंह गोंड जुगैल से भाजपा समर्थित प्रत्याशी उत्तरा त्रिपाठी कचनरवां से सपा समर्थित प्रत्याशी छब्बू चेरो उर्फ छविंद्र चेरो निगाई से सपा समर्थित प्रत्याशी आनंद कुमार खरवार पनारी से सपा समर्थित प्रत्याशी पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष अनिल यादव कुलडोमरी से भाजपा समर्थित प्रत्याशी फुलमति देवी कोटा शक्तिनगर से भाजपा समर्थित प्रत्याशी पानपति देवी जरहाँ से सपा समर्थित प्रत्याशी केदार पनिका से किरविल से सपा समर्थित प्रत्याशी जनकधारी म्योरपुर से सपा समर्थित प्रत्याशी सुषमा सिंह घघरी से सपा समर्थित प्रत्याशी जय प्रकाश पाण्डेय बभनी से निर्दल प्रत्याशी पूनम विश्वकर्मा बघाडू से सपा समर्थित प्रत्याशी जुबेर आलम धनौरा से अपना दल समर्थित एस प्रत्याशी दुद्धी विधायक हरिराम चेरो की पुत्रवधु कविता देवी विंढमगंज से निर्दल प्रत्याशी राजकुमारी देवी नगवा से सपा समर्थित प्रत्याशी विग्गन भारती ने जीत दर्ज किया है। इन्हीं लोगो को जिला पंचायत के अध्यक्ष का चुनाव करना है। आये चुनाव परिणाम मे भारतीय जनता पार्टी को बडा झटका लगा है जहां 32 सीटों में से केवल 6 सीटें ही मिल पायी है जबकि 10 सीटों के साथ समाजवादी पार्टी सबसे बडे दल के रूप मे सामने आयी है। वही अपना दल के भी तीन प्रत्याशी चुनाव जितने मे सफल हुये है। जिला पंचायत अध्यक्ष के चुनाव को लेकर अभी देर है लेकिन पुराना इतिहास देखा जाए तो सोनभद्र में जिला पंचायत का अध्यक्ष उसी राजनीतिक दल का प्रत्याशी हुआ है जिस राजनीतिक दल की सरकार प्रदेश में रहती है। ऐसे में 5 जिला पंचायत के सदस्यों के साथ भारतीय जनता पार्टी कैसे जिला पंचायत का अध्यक्ष बना पाएगी यह अपने आप में बड़ा सवाल है।

आरोपियों का किया गया चालान

संवाददाता। बीजपुर/सोनभद्र

स्थानीय पुलिस ने रुपयों के लेनदेन के विवाद में गाली गलौज कर मारपीट पर आमादा होने वाले दो आरोपियों को मंगलवार की सुबह गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार किए गए दोनों आरोपियों को पुलिस ने सी आर पी सी की धारा 151, 107 व 116 के तहत चालान कर अग्रीम कार्रवाई हेतु सम्बंधित न्यायालय में पेश किया। चालान किए गए आरोपियों में प्रथम पक्ष के ग्राम सभा सिरसोती के टोला कोड़ार निवासी सत्येंद्र कुमार पुत्र नागेश्वर व द्वितीय पक्ष के मध्य प्रदेश प्रान्त के थाना बैढ़न ग्राम गोभा टोला ननियागढ़ निवासी किशुन कन्हैया पुत्र स्व0 विश्वनाथ के नाम शामिल है। पुलिस सूत्रों के अनुसार दोनों के बीच रुपयों के लेनदेन को लेकर विवाद हुआ था।

कोरोना की रोकथाम के लिए जिले को मिलीं 12258 मेडिकल किट

संवाददाता। मीरजापुर

जनपद में बढ़ रहे संक्रमण को रोकने के लिए स्वास्थ्य विभाग ने कोशिशें तेज कर दी हैं। इसके तहत जिले में कार्यरत 2043 आशा कार्यकर्ताओं को 12258 मेडिकल किट उपलब्ध कराई गयी हैं ।

जिला कार्यक्रम प्रबन्धक अजय सिंह ने बताया कि कोरोना संक्रमण को रोकने के लिए अब स्वास्थ्य विभाग की टीमें पल्स पोलियो की तर्ज पर घर-घर जाकर एक बार फिर कोरोना के लक्षण मिलने पर मरीजों को मेडिकल किट उपलब्ध कराएंगी। इसके बारे में सभी आशा कार्यकर्ताओं व प्रभारी चिकित्साधिकारियों को पत्र के माध्यम से अवगत कराया जा चुका है। ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना उपचाराधीनों की बढ़ती संख्या को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्र की जनता को औषधियां तथा उपचार सुलभ रूप से उपलब्ध कराने के लिए माह के अन्त तक अभियान चलाया

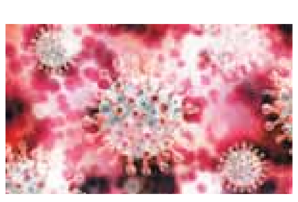

जायेगा। डीसीपीएम ओंकार सिंह का कहना है कि घर-घर भ्रमण के दौरान दो सदस्यीय टीम कोविड रोग के नवीन लक्षणोंए रोग से बचाव के उपायोंए उपलब्ध जांच एवं उपचार सुविधाओं के विषय में लोगों को अवगत कराएंगी। साथ ही ऐसे लक्षण युक्त व्यक्तियों को जिन्हें तत्काल औषधि की आवश्यकता है, उन्हें औषधि मुहैया कराएंगी, पल्स पोलियो अभियान के तर्ज पर कार्ययोजना को बनाया गया है। प्रत्येक टीम में चार सदस्यों को रखा गया है। आवश्यकतानुसार टीमों की संख्या में परिवर्तन किया जा सकता है। प्रत्येक टीम को विभाग ने छह.छह मेडिकल किट उपलब्ध करायी है।

अस्पताल पर इलाज में लापरवाही का लगा आरोप

पायनियर समाचार सेवा। वाराणसी

मैदागिन स्थित प्राइवेट कोविड सेन्टर बने मेडविन अस्पताल का एक बार फिर असली चेहरा लोगों के सामने आया है ।

इस बार इस अस्पताल ने देश के गौरव पद्मविभूषण पंडित छन्नूलाल मिश्रा की कोरोना संक्रमित बड़ी पुत्री के साथ वही हृदयहीनता, असंवेदनशीलता, चिकित्सकीय लापरवाही और मनमानी धनउगाही का ब्यवहार किया है जो अतिशय निन्दनीय है । गत वर्ष इस अस्पताल की इन्हीं दुर्व्यवस्थाओं के विरुद्ध पंडित कमलापति त्रिपाठी फाउन्डेशन ने अपने सदस्य आनन्द मिश्रा के साथ मिल कर मंडलायुक्त के समक्ष प्रतिवेदन देकर अस्पताल की कुब्यवस्था की जांच और कार्यवाही की मांग किया थाए जिस पर कमिशनर ने मुख्य चिकित्सा अधिकारी से जांच कर उचित कार्यवाही का आदेश दिया था और जांचोपरान्त इस अस्पताल से कोविड सेन्टर हटा लिया गया था।

संक्रमण से बचाने में अहम भूमिका निभा रहे वीसीसीएम कामख्या मौर्या

संवाददाता। मऊ

कोविड काल के दौरान से ही लगातार दिन-रात एक करके कोरोना से बचाव को लेकर वीसीसीएम कामख्या मौर्या कार्य कर रहे हैं। इस दौरान वह संक्रमण से बचाव को लेकर काफी दिनों तक परिवार से भी दूर रहे। फिर भी अपना कर्तव्य ईमानदारी व निष्ठा के साथ निभाते रहे। ई.विन पोर्टल के आधार पर ही कोविड.19 टीकाकरण को शत.प्रतिशत सफल बनाने के लिए कोविन पोर्टल तैयार करते रहे। वीसीसीएम कामख्या मौर्या ने बताया कि ई.विन पोर्टल के माध्यम से नियमित टीकाकरण वैक्सीन के साथ.साथ कोविड.19 वैक्सीन को नियमित ऑन लाइन मैनेजमेंट और कोल्ड चेन रख.रखाव के लिए टेक्निकल सपोर्ट देने की जिम्मेदारी भी दी गई थी। जिसे वह 24 घंटे लगातार काम करके अपनी जिम्मेदारी निभा रहे हैं। उन्होंने बताया कि जब

स्थिति ज्यादा भयावह हुई और मुश्किलें बढ़ी तब उन्होंने अपने को असुरक्षित समझकर अपने परिवार को सुरक्षित रखने के लिए खुद को परिवार से दूर भी रखा। बताते चलें कि कामाख्या मौर्य दिसम्बर 2015 से इलेक्ट्रॉनिक इंटेलीजेंस नेटवर्क इविन में कार्यरत है। वे कोविड काल से ही लगातार इविन प्रोग्राम को देख रहे है। इस प्रोग्राम के माध्यम से वैक्सीन के रियल स्टॉकए रियल तापमान की निगरानी की जाती है। कोविड महामारी के दौरान जनवरी महीने से लागतार कार्य कर रहे है। उन्होंने बताया कि कोविन पोर्टल के माध्यम से ये देखा जाता है कि कितने लोगों टीका लगवाया और कितने लोगों ने रजिस्ट्रेशन किया।

50 केन्द्रों पर 1915 लोगों का किया गया वैक्सीनेशन

मऊ। जिले में एक तरफ जहां कोरोना संक्रमण की रफ्तार बढ़ रही हैए वहीं दूसरी तरफ कोरोना वैक्सीनेशन की रफ्तार में भी धीरे.धीरे काफी तेजी आती जा रही है। मंगलवार को जिले के 50 केन्द्रों पर टीकाकरण किया गया। कोरोना के खिलाफ जारी जंग में चौथे चरण के महाअभियान के तहत सोमवार को जिले के 50 केन्द्रों पर 1915 लाभार्थियों का वैक्सीनेशन किया गया। इस दौरान 977 लाभार्थियों को कोरोना वैक्सीन की दूसरी डोज भी लगाया गया। टीकाकरण की प्रक्रिया के दौरान लोग काफी बढ़.चढ़कर अपनी सहभागिता निभा रहे हैं। कोरोना के खिलाफ छिड़े जंग में सीनियर सिटीजन के साथ.साथ अब 45 वर्ष से ऊपर के लोगों ने भी अब बढ़.चढ़कर अपना योगदान करना शुरू कर दिया है। सभी केन्द्रों पर मुख्य चिकित्साधिकारी डॉण् सतीश चंद्र सिंह व डीआईओ डॉण् बृजेश यादव स्वास्थ्य विभाग की टीम के सदस्यों के साथ लोगों को अधिक से अधिक वैक्सीनेशन के लिए उत्साहित करते नजर आए।

क्षेत्र के विकास के लिए हर संभव करूंगी प्रयासः शहाना बेगम

संवाददाता। मुगलसराय/चन्दौली

● जनता के आशीर्वाद से मुझे मिली है निर्णायक जीत

● सपा पूर्व विधानसभा अध्यक्ष शमीम सिद्दीकी की पत्नी हैं शहाना बेगम

त्रिस्तरीय चुनाव की मतगरणा समाप्त हो गयी है। जनपद में सपा ने सबसे ज्यादा जिलापंचायत की सीट जीती है। वही अगर नियामताबाद सेक्टर न दो की बात करे तो यह सीट सामान्य महिला वर्ग के लिए आरक्षित थी। यहां पर मुख्य लड़ाई सपा व भाजपा के अधिकृत उम्मीदवारों में ही रही। जिसमे सपा के अधिकृत उम्मीदवार शहाना बेगम ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा अधिकृत उम्मीदवार सीता पटेल पटेल को भारी मतों से हरा दिया। मतगणना के दौरान दोनों में नेट तो नेट फाइट होती रही और अंत तक शहाना बेगम ने अपनी बढ़त बनाये हुई थी। एक समय ऐसा आया था जब सीता पटेल ने 200 वोट से आगे निकल गई। लेकिन चौराहटए सेमरा ए करवत व जलीलपुर का मतमेटी खुलते ही शहाना बेगम ने अप्रत्यासित बढ़त बनाते हुए जीत दर्ज कर ली।

बताते चले कि शहाना बेगम पड़ाव के चौराहट निवासी सपा के जमीनी नेता व पूर्व सपा विधान सभा अध्यक्ष शमीम सिद्की की पत्नी है जो सामान्य महिला सीट होने की वजह से अपनी पत्नी को जिला पंचायत का चुनाव लड़वाया। शमीम इसके पहले भी दो बार निर्दल प्रत्यासी के रूप में जिला पंचायत का चुनाव लड़ चुके हैं और दोनों ही बार मामूली अंतर से हार का सामना करना पड़ा था । इस बार शमीम ने पिछली गलतियों से सबक लेते हुए क्षेत्र में दिन रात मेहनत की और धन बल व तमाम समीकरणों को

धत्ता बताते हुए अपनी पत्नी शहाना बेगम को अप्रत्यासित जीत दर्ज करवाई। उनकी जीत में जातीय समीकरण व पार्टी से अधिकृत होना बड़ा योगदान माना जा रहा है। हालांकि जनपद के पूर्व सांसद रामकिशुन यादव के अलावा पार्टी के किसी और नेता ने इनके सेक्टर में एक भी दिन प्रचार नही किया। इसके बाद भी जीत उनके व्यक्तिगत व्यवहारए लोगो से लगावए निखरते राजनीतिक व्यक्तित्व व उनके कड़ी मेहनत का नतीजा कही जा सकती है । मृदुभाषी शमीम ने जीत के लिए कार्यकर्ताओए समर्थकों एवंग क्षेत्र की जनता को आभार व्यक्त किया । जीत की खुशी में शहाना बेगम ने कहा कि ये सब आपके आशीर्वाद का ही फल है कि जनता मुझे चुना । जीत के बाद हमारी जनता के प्रति और भी जिम्मेदारी व जबाबदेहि बढ़ जाती है । जिसलिये जनता ने मुझे चुना है मैं उनके लिए हमेशा खड़ा उतरने के साथ ही क्षेत्र के सर्वांगीण विकाश के लिए हर संभव प्रयास करूंगी। वहीं दूसरी ओर जनता जनार्दन ने आसमान में उड़ रहे जनपद के कई दिग्गज नेताओं को जमीन पर लाकर पटक दिया है। परिणाम के साथ ही आईना दिखाने का काम किया है। वहीं स्वयंभू नेताओ के खिसकते जनाधार के असलियत भी सामने आ गयी है। चन्दौली पंचायत चुनाव में कई दिग्गज नेताओं व उनके परिजनों को काफी शिकस्त मिली है। चुनाव परिणाम आने के बाद पार्टी इन नेताओ के मंथन करने पर जरूर विवश होगी।

सिंधी समाज के वरिष्ठ सदस्य श्रीचंद्र आलवानी के निधन से शोक का तांता

मऊ। सिंधी समाज के वरिष्ठ सदस्य श्रीचंद्र आलवानी का उनके भीटी स्थित आवास पर निधन हो गया। सिंधी समाज के वरिष्ठ सदस्य के निधन की सूचना मिलते ही जिले में शोक की लहर दौड़ गया। विशेषतौर पर सिंधी समाज के लोगों ने उनके आवास पर पहुंचकर परिजनों को ढांढ़स बंधाया। साथ ही साथ दो मिनट का मौन रखकर गतात्मा की शांति के लिए प्रार्थना किया। शोक प्रकट करने वालों में मुख्य रुप से अशोक रतवानी, किशन, अशोक, भगवान दास, किशोर आलवानी, मोहन लाल, वासुदेव, प्रकाश चंद, कमलेश, शंकर लाल, मनोज कुमार, रमेश चंद, रवि छेतिजा, मुकेश तानवानी, रमेश तानवानी, रोशन रिजवानी, संजय लाल, पप्पू भाई आदि ने शामिल रहे। बताते चले कि स्वण् श्रीचंद्र आलवानी की राजनीतिक व प्रशासनिक पकड़ काफी रहाए इसी का नतीजा रहा कि उन्होंने समय-समय पर सिंधी समाज के अधिकारों के लिए संघर्ष किया और कई बार मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से सिंधी समाज को लेकर मुलाकात भी कराया था।

कोरोना संक्रमण से बचाव के लिए जरूरी है टीकाकरण: डॉ. राम कुंवर

संवाददाता। सोनभद्र

कोरोना संक्रमण तेजी से बढ़ रहा है। इसके बचाव के लिए सावधानी बेहद जरूरी है। संक्रमण से बचने के लिए घर से बाहर निकलते समय और आने के बाद विशेष ध्यान रखना है। कोविड-19 से बचाव के लिए टीका लगवाना बहुत ही जरूरी है। यह कहना है जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डॉ राम कुंवर का। डॉ. राम कुंवर ने बताया कि अब तक जनपद में करीब 1.04 लाख लोगों को टीकाकरण से आच्छादित किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि बहुत जरूरी काम होने पर ही घर से बाहर जाएं अन्यथा घर पर ही रहें। बाहर जाते समय मुंह पर मास्क लगाएं और एक दूसरे से दो गज दूरी का पालन करें। चिकित्सकों की सलाह है कि करोना से बचाव के लिए बाहर से आने के बाद घर में प्रवेश करते समय किसी भी वस्तु को न स्पर्श करें। अपने जूते चप्पल बाहर निकालें बाहर के कपड़ों को अलग रखें। बाहर से आने के बाद हाथों को अच्छे से धोएं अपने चेहरे आंख नाक को हाथ से स्पर्श न करें। शरीर को साफ और सुरक्षित रखने के लिए साबुन से स्नान करें। बाहर से आने पर संक्रमण से बचने के लिए अपना फोन पेन चाबी बेल्ट लैपटॉप आदि को अच्छे से सैनिटाइज करें। डॉ राम कुंवर का कहना है कोरोना संक्रमण जिस तेजी से बढ़ रहा है वह हर उम्र के व्यक्तियों को प्रभावित कर रहा है लेकिन बच्चों व बुजुर्गों का इस समय विशेष ध्यान रखना आवश्यक है क्योंकि उनकी प्रतिरोधक क्षमता कमजोर होती है। इसीलिए सावधानी बरतनी चाहिए। सरकार द्वारा यह टीका बिल्कुल नि:शुल्क प्रदान किया जा रहा है। जिले में वैक्सीन की कोई कमी नहीं है इसलिए टीकाकरण केंद्र पर पहुंचकर टीका अवश्य लगवाएं। वह बताते हैं कि जो लोग कोरोना पाजिटिव हो गए हैं और होम आइसोलेशन में हैं। वह समय पर डॉक्टर के परामर्श अनुसार दवाएं लें।

लक्षण दिखने पर क्या करें

घबराएं नहीं डॉक्टर से सलाह लें। बहुत जरूरी हो तो फेफड़ों का सीटी स्कैन कराएं। हर आधे घंटे पर आक्सीमीटर से ऑक्सीजन लेवल चेक करें। परिवार के अन्य लोगों से दूरी बनाएं। अपने आप को किसी अन्य के संपर्क में न आने दें। खाली पेट बिल्कुल न रहें, खाली पेट रहने से वायरस आपके शरीर को ज्यादा प्रभावित कर सकता है।

कैसे पहचानें आपके फेफड़े हो रहे प्रभावित

अगर सांस लेने में दिक्कत हो रही है तो समझ लें की वायरस फेफड़ों को प्रभावित कर रहा है। फेफड़े के निचले हिस्से में सूजन या तेज दर्द हो तो तुरंत डॉक्टर से सलाह लें। सूखी खांसी आना, खांसते वक्त सीने में दर्द होना भी कोरोना का लक्षण है।

निर्वाचित व पूर्व प्रधान के गुटों में चली गोलियां

● प्रधान समर्थकों ने किया स्टेट हाइवे जाम, लगी वाहनों की लाइन

● पथराव में दर्जन भर लोग घायल

संवाददाता। घाटमपुर

अभी गांव की सरकार का गठन भी पूरी तरह हुआ है कि चुनावी कटुता का जहर गांव-गांव असर दिखाना शुरु कर दिया है, चुनावी रंजिस में जहाँ घाटमपुर कोतवाली के गांव बेंदा में नव निर्वार्चित प्रधान व पूर्व प्रधान के समार्थकों के बीच आम रास्ते के किनारे बनी जल निकासी की नाली को लेकर बिवाद इतना बढ़ गया कि गोली बारी के बाद दोनों पक्षों में जमकर पथराव हो गया। गोली लगने व पथराव से एक दर्जन लोगों घायल हो गये हैं। वहीं साढ़ थाना क्षेत्र के गांव बेहटा बुजुर्ग में भी बीती शांम चुनावी रंजिश को लेकर मार पीट हो गयी।

ग्राम प्रधानी के चुनाव में बलबान व पूर्व प्रधान बिकास यादव सहित 9 उम्मीदवार मैदान में थे, जिसमें बलवान प्रजापति चुनाव जीते हैं, बताया जाता है कि आज सबेरे करीब 7 बजे गांव निवासी बराती प्रजापति और पड़ोसी गुरुचरन प्रजापति के बीच आम रास्ते के किनारे बनी नाली से पानी निकासी को लेकर बिवाद हो गया। बताते हैं विवाद के बाद गुरु चरन ने मोबाइल फोन से पूर्व प्रधान बिकास यादव को जानकारी दे आने की बात कही। बराती पक्ष का आरोप है कि पूर्व प्रधान बिकास यादव स्कार्पियों और कई वाइकों से अपने समर्थकों के साथ मौक पर पंहुचा और बराती के घर मारपीट और तोड़ फोड़ शुरु कर दी तो मुहल्ले वालों ने हमलावारों को घेर कर पथराव करने लगे। इसी बीच हमलावारों ने गोली चला थी और भाग निकले। जबकि कई लोग गुरुचरन के घर घुस गये। उधर घटना की सूचना पाकर सीओ पवन कुमार, कोतवाली प्रभारी धनेश प्रसाद के अलावा सर्किल के थाना सजेती, बिधनू और साढ़ के थाना प्रभारी तथा रेवना, जाजपुर, नंदना और पतारा चौकी का पुलिस फोर्स मौके पर पंहुचा, इसके पहले उत्तेजित ग्रीमीणों ने पूर्ब प्रधान को गिरफ्तार करने की माँग को लेकर स्टेट हाइवे 46 (मुगल रोड) जाम कर दिया जो करीब तीन घंटे तक जाम रहा और सड़क के दोनों ओर वाहन की लाइन लग गयी। बाद में उप जिला मजिस्ट्रेट अरुण कुमार श्रीवास्तव और एसपी आउटर मौके पर पंहुचे तथा आवश्यक कार्यवाही का आश्वासन देकर जाम खुलवाय। कोतवाली प्रभारी घनेश प्रसाद ने बताया कि तहरीर के आधार पर मुकदमा दर्ज कर ओरोपियों की गिरफ्तारी के लिये दविसें दी जा रही है।

जातीय गोलबंदी का प्रभाव दिख रहा है रूरा में

संवाददाता। कानपुर देहात

विगत 2014 के लोक सभा चुनावों में भाजपा को अकबरपुर रनियॉ विधानसभा सीट के रूरा कस्बे से जहॉ 4200 से अधिक वोट मिले थे वहीं वर्ष 2017 के विधानसभा चुनावों में अन्य क्षेत्रों में भारी जीत के बावजूद कस्बे में यह ऑकडा 3 हजार वोटों के नीचे चला गया। इसी प्रकार की स्थिति नगर पॅचायत अध्यक्ष के चुनाव में भी हुयी जब भाजपा प्रत्याशी को तीन हजार से कम मतों पर सॅतोष करना पडा वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में एक बार फ्रि भाजपा प्रत्याशी को 4500 से भी अधिक वोट मिले। पार्टी से अधिक व्यक्तिगत व जातीय सम्बन्धों को महत्व देने के चलते ही त्रिस्तरीय विधानसभा चुनाव में चार सॉसद व चार विधायक होने के बावजूद भाजपा का जो हस्र हुआ है उससे कडा सबक लेने की जरूरत है इन अति महत्वाकॉक्षी नेताओं ने पार्टी से निष्कासित किये गये अपने परिजन को पॅचायत अध्यक्ष की कुर्सी को येन-केन प्रकारेण हथियाने का मॅसूबा पाल लिया है। शीर्ष पार्टी सॅगठन को ठेंगा दिखाने के लिये संर्कीण व्यक्तिगत महत्वाकॉक्षाओं को पूरा करने के अपने अभियान का श्रीगणेश त्रिस्तरीय पॅचायत चुनावों में पार्टी द्वारा जिला पॅचायत प्रत्याशी घोषित होने के साथ ही शुरू हो चुका है। भाजपा के विषय में यह मान्यता है यह व्यक्ति विशेष की पार्टी नहीं है कैडर व कार्यकर्ता आधारित पार्टी में जिले में एक मात्र नेता को इतनी ज्यादा तवज्जो देना, संस्थापकों के त्याग व भावना का अपमान साबित हो रहा है जिले में एक नेता की पारिवारिक पार्टी से बचने के लिये पार्टी को उचित कदम उठाने ही होंगे, समस्या को नजरअॅदाज करने पर परिणाम भी अगामी विधानसभा चुनाव में उठाने को तैयार रहना होगा।

क्विक न्यूज

बोलेरो-बाइक की भिड़ंत में दो की मौत

फतेहपुर। सुल्तानपुर घोष थाना क्षेत्र के मोहम्मदपुर गौंती व अफोई के बीच पुल पर मंगलवार की सुबह तेज रफ्तार बोलेरो ने बाइक में टक्कर मार दिया। जिसमें सगे भाइयों की मौके पर ही मौत हो गई। घटना के बाद चालक वाहन छोड़कर भाग जाने में सफल रहा। जानकारी के अनुसार कौशांबी जनपद के अनेठे गांव निवासी सियाराम का 35 वर्षीय पुत्र धर्मराज अपने छोटे भाई पिंटू 25 वर्ष के साथ सुल्तानपुर घोष थाने के कर्मापुर बुआ के यहां रिश्तेदारी में आया था। बताते हैं कि आज सुबह दोनों बाइक से वापस जा रहे थे जैसे ही बाइक मोहम्मदपुर गौंती के आगे पुल पर पहुंची तभी सामने से तेज रफ्तार आ रही बोलेरो ने बाइक में टक्कर मार दिया। जिससे दोनों भाइयों की घटनास्थल पर दर्दनाक मौत हो गई। हादसे के बाद चालक मौके पर वाहन छोड़कर भाग जाने में सफल रहा। सूचना पाकर पुलिस में घटनास्थल पहुंच दोनों शव को अपने कब्जे में लेकर विच्छेदन गृह भेज दिया। हादसे के बाद मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। माता-पिता समेत अन्य परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल रहा।

संदिग्ध अवस्था में युवक की मौत

फतेहपुर। थरियांव थाना क्षेत्र के बहरामपुर गांव निवासी अवधेश तिवारी का 22 वर्षीय पुत्र रूद्र तिवारी कि बीती रात अचानक तबियत बिगड़ जाने पर परिजन उसे उपचार के लिए जिला चिकित्सालय लाए जहां इमरजेंसी में तैनात चिकित्सक ने उसे मृत घोषित कर दिया। यह सुनते ही परिजन शव को लेकर वापस अपने घर चले गए।

बाइक-ई रिक्शा की भिड़ंत में भाई-बहन घायल

फतेहपुर। सदर कोतवाली क्षेत्र के शांतीनगर मोहल्ला निवासी राकेश का 17 वर्षीय पुत्र व 15 वर्षीय पुत्री दोपहर ई-रिक्शा में बैठकर रिश्तेदारी में जा रहे थे। जैसे ही ई-रिक्शा लखनऊ बाईपास हाईवे पर पहुंचा तभी तेज रफ्तार बाइक सवार ने टक्कर मार दिया। जिससे भाई बहन घायल हो गए। जिन्हें उपचार के लिए जिला चिकित्सालय में भर्ती कराया।

कोरोना हब न बन जाये मण्डी समिति

फतेहपुर। कोरोना महामारी का प्रकोप इस बार प्रदेश में अधिक फैल रहा है। जिसके चलते कई लोगों को अब तक अपनी जान भी गंवानी पड़ी है। हालात में सुधार न होने पर शासन के निर्देश पर प्रदेश में 05 दिनों का लाकडाउन घोषित किया गया है। जिससे कोरोना की चेन को तोड़ा जा सके। लाकडाउन के दौरान आवश्यक वस्तुओं दूध, सब्जी, किराना व मेडिकल स्टोरों को दुकान खोलने की छूट दी गयी है। इस छूट का फायदा उठाने में कोई दुकानदार नहीं चूक रहा है। इन दुकानों पर किसी भी तरह की सोशल डिस्टेंसिंग नहीं दिखाई देती। उधर राधानगर स्थित मण्डी समिति में लगने वाली सब्जी मण्डी में सुबह से ही थोक व्यापारियों के साथ-साथ फुटकर सब्जी खरीदने वालों का रेला उमड़ पड़ता है। भीड़ इस कदर जुट रही है कि यहां ऐसा प्रतीत ही नहीं होता कि वैश्विक महामारी का कोई प्रकोप है।

प्रधानी में बनाया रिकार्ड

फर्रुखाबाद। पंचायत चुनाव के लिए समाप्त हो चुकी मतगणना में प्रधान प्रत्याशी के लिए बढ़पुर ब्लाक के चांदपुर से मैदान में उतरी पूर्व जिलाध्यक्ष विजय भास्कर की मॉ मुन्नी देवी ने 1995 से 2021 तक लगातार 6वीं बार प्रधानी जीत कर अपना नाम इतिहास के पन्नों में दर्ज करवा लिया है। जीत की खबर जैसे ही समर्थकों को मिली उन्होने फूलमालाओं से उनका जोरदार स्वागत कर जिंदाबाद के नारे लगाये। वहीं उन्हें फोन पर बधाई देने वालों का तांता लग गया।

रेलवे फाटक संख्या-01-बी 5 व 6 मई को रहेगा बन्द

कानपुर देहात। रेलवे फाटक संख्या-01-बी झींझक जो झींझक रेलवे स्टेशन पश्चिमी सिरे पर किलोमीटर 1081/01-03 में स्थित है। उपरोक्त रेलवे फाटक पर रेलवे लाइन की मरम्मत का कार्य दिनांक 05 मई से 6 मई को सुबह 6 बजे से शाम 18 बजे तक किया जायेगा। उपरोक्त रेलवे फाटक बन्द रहेगा। उक्त जानकारी देते हुए सी0 सेक्शन इन्जी0/जी0वे0 उत्तर मध्य रेलवे-फफूंद एसपी पाण्डेय ने बताया कि उपरोक्त फाटक पर रेलवे लाइन की मरम्मत के समय सड़क यातायात नियन्त्रण हेतु आवश्यक स्टाफ भेजने का प्रबन्ध करने की व्यवस्था करें ताकि रेलवे का कार्य सुचारू रूप से किया जा सके।

कटरा वार्ड के उप चुनाव में 54.76 प्रतिशत वोट पड़े

घाटमपुर- नगर पालिका परिषद घाटमपुर के वार्ड न0 21 कटरा में आज हुए मतदान में 54.76 प्रतिशत बोट पड़े। यहॉं की सभासद वशीमा बेगम पत्नी नफीस कुरैशी की बीमारी से मौत हो गयी थी, उप चुनाव में तीन प्रत्याशी मैदान में है।

मोनिका यादव 4400 मतों से जीतीं

फर्रुखाबाद। पंचायत चुनाव के लिए चल रही मतगणना में पूर्व मंत्री नरेन्द्र सिंह यादव की पुत्री मोनिका यादव ने मोहम्मदाबाद तृतीय क्षेत्र से अपने प्रतिद्वंदी को 4400 मतों से पराजित कर ऐतिहासिक जीत दर्ज की है।सूत्रों के अनुसार सपा समर्थित मोनिका यादव को 11511 मत मिले है। वहीं भाजपा समर्थित बदन सिंह प्रत्याशी को 7111 मत प्राप्त हुए हैं। मोनिका यादव ने भाजपा प्रत्याशी बदन सिंह को 4400 मतों से हराकर ऐतिहासिक जीत दर्ज की है।

पुलिस ने की बैंकों की चेकिंग

फतेहपुर। पुलिस अधीक्षक सतपाल अंतिल के निर्देश पर जनपद के सभी थानों के फोर्स द्वारा बैंक चेकिंग की गयी। कोविड-19 गाइड लाइन का पालन व मास्क लगाने की अपील की गयी। मास्क न लगाने पर कार्यवाही की गयी। शहर एवं ग्रामीण क्षेत्र के बैंकों में चेकिंग की गयी। आस-पास की दुकानों, चौराहों और एटीएम में आकस्मिक रूप से चेकिंग की गयी। चेकिंग के स्थानो को बदल-बदल कर संदिग्धो की चेकिंग की गयी। वाहन चेंकिग के दौरान कम उम्र के वाहन चालकों, बिना नम्बर प्लेट के वाहन व बिना हेलमेट लगाये हुए वाहन चालकों के विरूद्ध कार्यवाही की गयी।

नवाबगंज तृतीय में डा. सुबोध यादव ने 1300 मतों से जीते

फर्रुखाबाद। पंचायत चुनाव की देर रात समाप्त हो चुकी मतगणना की सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार डा0 सुबोध यादव ने अपने प्रतिद्वंदी शीटू यादव से 1300 मतों से जीत हासिल की है। जिससे समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई है।

टेली मेडिसीन 24 घण्टे तीन पालियों में चलेगी

फतेहपुर। मुख्य चिकित्सा अधीक्षक जिला चिकित्सालय ने आम जन मानस को अवगत कराया है कि कोविड-19 रोग से ग्रसित व्यक्तियों तथा नान कोविड रोगों से ग्रसित व्यक्तियों को दूरभाष द्वारा उपचार तथा जानकारी व मदद उपलब्ध कराए जाने हेतु ड्यूटी डॉ0 एन0के0 सक्सेना फिजीशियन 9415157348, डॉ0 आर0एम0 गुप्ता चेस्ट फिजीशियन 9450134066, डॉ0 आदर्श आई सर्जन 7599073629, डॉ0 रवि आनन्द जनरल सर्जन 8400226622 एवं डॉ0 एन0के0 सिंह आर्थो सर्जन 7007937441 डियूटी लगायी है, से सम्पर्क कर अपनी समस्याओं का निदान कर सकते है। टेली मेडिसिन की यह सुविधा 24 घण्टे अनवारण तीन पालियो में चलेंगी।

महिला को रक्त देकर बचाई जान

फतेहपुर। ज्वालागंज निवासी इम्तियाज की पत्नी रेहाना की प्राइवेट अस्पताल में डिलेवरी होनी है। डॉक्टर ने अर्जेंट में एक यूनिट ब्लड की आवश्यकता बताई। तभी कॉल सर्व फार ह्यूमैनिटी टीम के पास आई और समस्या को बताया गया। बताया कि मरीज के परिवारीजन रक्तदान करना चाहते है लेकिन उनके पास बी निगेटिव ब्लड नहीं है। उनके पास एबी पाजिटिव डोनर है और वो रक्तदान के लिए तैयार है। इसकी जानकारी जैसे ही संगठन के सदस्य को लगी वे तुरंत ब्लड बैंक पहुच गए।

नवनिर्वाचित प्रधान के घर हमला फायरिंग-तोड़फोड़, दो घायल

फर्रुखाबाद। चुनाव हारने की खुन्नस में हारे हुए प्रत्याशी नें जीते हुए प्रधान के घर हमला बोल दिया। दबंगों नें जमकर तांडव किया। मारपीट के साथ ही घर के बाहर खड़े वाहनों में भी तोड़फोड़ की। फायरिंग और पथराव में नवनिर्वाचित प्रधान के भाई सहित दो जख्मी भी हो गये। पुलिस नें एफआईआर दर्ज कर जॉंच शुरू कर दी। थाना जहानगंज क्षेत्र के ग्राम झसी निवासी में रामदीपक शाक्य व संजीब तिवारी प्रधान पद पर चुनाव लड़े थे। हुई मतगणना में रामदीपक शाक्य निर्वाचित घोषित किये गये। यह बात संजीव तिवारी को रास नही आयी। जिसके चलते संजीब तिवारी नें अपने समर्थकों के साथ रामदीपक के घर हमला बोल दिया। उन्होंने पथराव और फायरिंग भी कर दी। जिसमे नवनिर्वाचित प्रधान का भाई शिवधनी व एक अन्य दीपू पुत्र पुत्तुलाल जख्मी हो गये। घटना की सूचना पर पर पुलिस मौके पर आ गयी। पुलिस नें नवनिर्वाचित प्रधान रामदीपक की तहरीर पर आरोपी पूर्व प्रधान संजीब तिवारी व उनके 26 समर्थकों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया है। सीओ मोहम्मदाबाद सोहराब आलम नें बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। जॉंच की जा रही है। विवेचना चल रही है।

बहू के शव का पुलिस ने कराया पीएम सास-ससुर की हालत अभी भी गंभीर

● युवक द्वारा माता-पिता और भाभी की पिटाई का मामला

संवाददाता। पाटन

ससुर को बचाने के प्रयास में देवर की पिटाई से घायल हुई बहू की इलाज के दौरान मौत हो जाने के बाद मंगलवार को शव का पीएम कराया गया। पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों के सुपुर्द कर दिया गया। बेटी का शव सामने देख उसके माता-पिता बिलख उठे। उधर कानपुर के एक अस्पताल में भर्ती घायल सास-ससुर की हालत अभी भी गंभीर बताई जा रही है। अपने ही माता-पिता व सगी भाभी पर जानलेवा हमला करने वाले युवक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। बता दें कि बिहार थाना क्षेत्र के गांव झरिया मोहकमपुर मजरे अलावलपुर निवासी विकास सिंह रविवार को नशे में धुत होकर घर पहुंचा था।इस दौरान पिता वेद प्रकाश के डांटने पर उसने आक्रोशित होकर उन पर हमला बोल दिया था।उसने बीच बचाव करने दौड़ी मां मंजू देवी व बड़े भाई ओमवीर सिंह की पत्नी खुशबू (28) को भी पीट-पीटकर मरणासन्न कर दिया था। स्वजन वेद प्रकाश व मंजू को घायलावस्था में इलाज के लिए कानपुर ले गए थे। जबकि खुशबू को गंभीर हालत में लखनऊ के एक एक अस्पताल में भर्ती कराया था। जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया था। मामला पुलिस के संज्ञान में आने के बाद मंगलवार को उसके शव का पोस्टमार्टम कराया गया। उधर, आरोपी युवक को पुलिस ने हिरासत में ले लिया है। प्रभारी थाना निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया परिजनों की ओर से अभी तक तहरीर प्राप्त नहीं हुई है।

चुनाव दिखा सपा का दम, 30 में तीन सीटों पर ही सिमटी भाजपा

संवाददाता। फर्रुखाबाद

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को लोकसभा और राज्यसभा की तर्ज पर लड़कर भाजपा का दबदबा कायम करने के दावे खोखले साबित हुए हैं। जिला पंचायत सदस्य चुनाव ने साफ दर्शा दिया है बीजेपी की 2022 की राह में बड़े.बड़े कांटे समाजवादी पार्टी ने खड़े कर दिये हैं।

जिला पंचायत सदस्यों के चुनाव में बीजेपी 30 में से तीन सीटों पर ही सिमट गयी। कई जगह तो भाजपा प्रत्याशी पांचवें स्थान तक पर खिसक गए। ऐसा लगता है मतदाताओं ने भाजपा शासन और फर्रुखाबाद के भ्रष्ट प्रशासन के खिलाफ जमकर गुबार निकाला है। टिकट वितरण में असन्तुष्टों ने भी पार्टी के गुमान को तार.तार कर दिया है। कोरोना काल में प्रशासन की अव्यवस्थाओं का गुस्सा मतपेटिकाओं से निकल पड़ा। वहीं समाजवादी पार्टी को जनता ने स्पष्ट बहुत दे दिया है। आम आदमी पार्टी ने भी जिले में दस्तक दे दी है। डॉण्सुबोध यादव और उनकी पत्नी रश्मि यादव ने चुनाव जीतकर जिला पंचायत अध्यक्ष के लिए दावेदारी मजबूत कर ली है।

ब्लाक कायमगंज के वार्ड 1 व 2 वोटो को लेकर प्रत्याशियों में विवाद है। वार्ड एक में भाजपा प्रत्याशी ज्योति गुप्ता बसपा प्रत्याशी आदिल एवं एवं प्रत्याशी श्रीमती ताविदा के बीच 40 वोटों का विवाद है इसी तरह कायमगंज के वार्ड दो में बसपा प्रत्याशी दुर्वेश जाटव सपा के पूर्व विधायक अजीत कठेरिया की पुत्रवधू एवं निर्दलीय प्रत्याशी रामचंद्र दिवाकर के बीच विवाद चल रहा है। बसपा ने अभी तक 3 प्रत्याशियों के जीत जाने और 2 प्रत्याशियों के वोटों की विवाद की जानकारी दी है। बसपा श्रीमती सरोजनी देवी कुशवाहा के अलावा प्रेमचंद राठौर एवं श्रीमती किरन यादव को भी अपना प्रत्याशी मान रही है। सपा का कहना है कि हमने जिला पंचायत में बहुमत का आंकड़ा हासिल कर लिया है भाजपा के प्रत्याशियों को छोड़कर सभी हमारे समर्थक है।

विजयी महारथी-ब्लाक राजेपुर- वार्ड 1 से बीएसपी की श्रीमती सरोजनी देवी कुशवाहा,वार्ड 2 से निर्दलीय रचना अग्निहोत्री,वार्ड 3 से निर्दलीय अजय चौहान,वार्ड 4 से निर्दलीय देवेंद्र परमार।

ब्लाक शमशाबाद-वार्ड 1 निर्दलीय नेकसे कश्यप,वार्ड 2 से भाजपा के कुंवर सिंह लोधी राजपूत,वार्ड 3 से निर्दलीय दलित,वार्ड 4 से पूर्व सपा विधायक प्रताप सिंह की पुत्रवधू श्रीमती रानू यादव।

घटते जलस्तर ने थामा भागीरथी का वेग

गौरव श्रीवास्तव। शुक्लागंज उन्नाव

कुछ माह तक पूर्व सैकड़ों मीटर की चौड़ाई में बहने वाली पतित पावनी गंगा नदी का स्वरूप इन दिनों बदल गया है। यह नदी अब कुछ मीटर की चौड़ाई में सिमट कर रह गई है। इससे जहां बारिश में इसका रौद्र रूप देख कर बड़े बड़ों के कलेजे दहल जाते थे वहीं अब बच्चे इसके पानी में अठखेलियां करते नजर आते हैं। नदी की धारा किस ओर बहेगी इसका पैमाना भी अब मानवों के निर्णय पर निर्भर हो गया है। इस प्राकृतिक धरोहर से छेड़छाड़ का परिणाम है कि नदी का जलस्तर काफी नीचे है। बीच-बीच में रेतीले टापू उग आए हैं। इन टापुओं का स्थानीय लोग खेती के तौर पर उपयोग कर रहे हैं। इससे नदी में लोगों की दखलंदाजी भी तेजी से बढ़ी है। कई तो झोपड़ीनुमा घर भी इसी में बनाकर बसे हुए हैं। इसी के साथ जल प्रदूषण में बढ़ोतरी काफी हुई। नगर के नाले पहले से ही इसे प्रदूषित कर रहे हैं। प्रशासन के स्तर पर इस ओर कोई ठोस कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। बता दें कि नगर के मिश्रा कॉलोनी घाट, गंगा विशुन घाट, कच्चा घाट, पक्का घाट, आनंदेश्वर घाट, बालूघाट, चंदन घाट समेत आधा दर्जन घाटों से गंगा सैकड़ो फिट दूर हो गई हैं। उधर अप्रैल, मई माह से घट रही गंगा के कारण अंत्येष्टि करने आने वाले दूर दराज के लोगों को शव को तपती धूप व लू के थपेड़ो के बीच उठाकर रेती में 1 किमी चलकर कानपुर की ओर गंगा किनारे जलाना पड़ रहा है। सभी घाटों से काफी दूर हुई गंगा के कारण लोगो को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। आनंदेश्वर घाट पर लगा केन्द्रीय जल आयोग का गेज मीटर ठूठ साबित हो रहा है।

गंगा नदी के जल स्तर में लगातार गिरावट दर्ज की जा रही है। इससे नदी का वेग भी प्रभावित हो रहा है। जिसका असर आम आदमी पर पड़ रहा है। केन्द्रीय जल आयोग की मानें तो इन दिनों भीषण गर्मी पड़ने के कारण भी जलस्तर में गिरावट आ रही है। एक उदाहरण के तौर पर निम्नलिखित आंकड़े इस प्रकार हैं।

नदी में पानी का स्तर कम होने से इसके सहारे जीविका पर निर्भर रहने वाले परिवारों के सामने भरण पोषण की भी समस्या पैदा हो गई है। नावें अब नहीं चल रही हैं। इससे कई परिवार के लोग बेरोजगार हो गए हैं। इन परिवारों के बच्चे रेल यात्रियों द्वारा फेंक जाने वाले पैसों को बीनने में लगे रहते हैं। कुछ लोग तो अब नावों को किनारे खड़ा करके रेती की खेती में उगने वाले तरबूज, ककड़ी, खीरा, कद्दू आदि को किसानों से उधार लेकर कानपुर में कई स्थानों पर बेचते हैं।

जलस्तर घटने से गंगा स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या भी घटी है। जिससे घाटों के किनारे गंगा पूजा कराने वाले पंडों का कार्य पूरी तरह से चौपट हो गया है। पहले श्रद्धालु गंगा स्नान को आते थे तो गंगा पूजा कराकर श्रद्धालुओं से मिलने वाली दक्षिणा से इनका काम चला करता था। कुछ ने नाम न छापने की शर्त पर बताया भी पहले पूरे परिवार का पालन पोषण यहीं से हुआ करता था। लेकिन कोरोना काल मे और मां गंगा के घाट से दूर हो जाने के चलते श्रद्धालुओं की संख्या में आई कमी से उन लोगों के आगे रोजी रोटी का संकट खड़ा हो गया है।

शुक्लागंज में गंगा किनारे बसे मिश्रा कॉलोनी, चम्पापुरवा, मनोहर नगर, बालूघाट, सीताराम कालोनी, इंद्रा नगर, शक्ति नगर, सुंदर बगिया समेत दर्जनों मोहल्लों में इन दिनों पानी का संकट बरकरार है। गंगा के घटते जलस्तर के बाद भी इन मोहल्लों में कुछ पानी का काम करने वाले लोग आपदा में अवसर ढूंढते नही रुक रहे हैं। सब कुछ बन्द होने के बाद भी इनका जल दोहन बरकरार है। ये लोग अपने घरों व दुकानों में पानी का कारोबार कर रहे हैं। एक तो वैसे भी जलसंकट है उसपर इन लोगों को ज्यादा मुनाफा कमाने के कारण घरों से पानी का किया जा रहा कारोबार इसे और बढा रहा हैं। जिन्हें कोई रोकने टोकने वाला नहीं हैं।

सड़क दुर्घटना में प्राचार्य की मौत

बांगरमऊ उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के हरदोई मार्ग स्थित चन्द्र लोक शीतालय के सामने तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी । टक्कर से बाइक सवार महाविद्यालय के कार्यवाहक प्राचार्य की मौत हो गई । पुलिस ने शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया । क्षेत्र के ग्राम कपूरपुर निवासी आशीष कटियार 28 वर्ष पुत्र राजेश कुमार गंज मुरादाबाद स्थित एक निजी महाविद्यालय में कार्यवाहक प्राचार्य के पद पर कार्यरत था । आज सुबह आशीष किसी काम के लिए बाइक से बांगरमऊ आया था। दोपहर बाद वह बाइक से ही लौट रहा था। रास्ते में अज्ञात वाहन ने बाइक में जोरदार टक्कर मार दी । हादसे में वह गम्भीर रूप से घायल हो गया । घटना की सूचना पाते ही परिजन उसे यहॉं के सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र लेकर आये। यहां के चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी के लिए सक्रिय हुए दावेदार

● भितरघात व व्यक्तिगत महत्वकांक्षा के चलते भाजपा को भाजपा ने ही हराया

संवाददाता। कानपुर देहात

जिला पंचायत चुनाव में भाजपा जहॉं भितरघात के चलते चारों खाने चित्त हो गयी है। वहीं व्यक्तिगत महत्वाकॉक्षाओं के चलते एक बार भाजपा की कल्याण सरकार को अपदस्थ करने वाले कद्दावर जनप्रतिनिधि भी जिला पॅचायत अध्यक्ष की कमाऊ कुर्सी के लिये विजयी प्रत्याशियों(सपा, बसपा व निर्दलीयों) से सम्पर्क बनाना शुरू कर दिया है। जिला पॅचायत अध्यक्ष का पद शुद्ध व्यापार की स्थिति में है 10 करोड लगाओ और अरबों रूपयों कमाओ। केवल अपना व अपने परिवार के विषय में सोचने वाले नेताओं ने भाजपा की नैया को डुबो दिया था परन्तु लम्बे बनवास के बाद मोदी की लोकप्रियता के चलते सत्ता में आयी पार्टी को एक बार फ्रि व्यक्तिगत महत्वाकॉक्षाओं के चलते कमजोर करने का प्रयास किया जा रहा है। जातीय आधार पर गोलबन्दी कर भाजपा, सपा, बसपा व निर्दलीय जिला पॅचायत सदस्यों को चारा डालने का काम जिला पॅचायत अध्यक्ष के पद के चुनाव से त्रिस्तरीय पॅचायत चुनावों की घोषणा के साथ ही शुरू हो चुका था। भाजपा कैडर आधारित पार्टी है तथा भविष्य को देखते हुये निष्ठावान, कर्मठ युवाओं को आगे लाना ही होगा, अन्यथा की स्थिति में पार्टी को महत्वाकॉक्षी लोगों की बलि चढने में देर नहीं लगेगी। जिला पॅचायत अध्यक्ष पद का ख्वाब देख रहे महत्वाकॉक्षी लोगों ने अपनी गोटें पूरी तरह बिछा दी है जिससे भाजपा आलाकमान मजबूर हो उनके परिजन को पार्टी प्रत्याशी घोषित कर दे। भाजपा पारिवारिक विरासत में चलने वाली पार्टी नहीं है परन्तु जिद, स्वार्थ व अतिमहत्वाकॉक्षा के चलते पुलिस तथा प्रशासन पर दवाब बना कर हर हाल में अपने प्रत्याशी को जिला पॅचायत अध्यक्ष पर काबिज करने का प्रयास शुरू कर दिया है। पार्टी को भी सोचना पडेगा जब वह व्यक्ति एक बार जातीय गोलबन्दी के तहत भाजपा को जमींदोज करने की साजिश कर चुका है उसे दूसरा मौका अब देना पार्टी के लिये श्रेयस्कर नहीं होगा, उसके मुकाबले पार्टी को युवाओं को आगे बढने का अवसर प्रदान कर भविष्य की ओर देखना ही होगा।

चुनावी रंजिश में लाठी- डंडों से हमला एक घायल

बांगरमऊ उन्नाव। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम देवखरी के मजरा प्रीतमपुरवा में चुनावी रंजिश के चलते एक पक्ष ने दूसरे पक्ष पर लाठी-डंडों से हमला बोल दिया। मारपीट में एक युवक गम्भीर रूप से घायल हो गया। प्रीतम पुरवा निवासी रामस्वरूप के अनुसार चुनावी रंजिश के चलते गांव के ही पप्पू, बालक, कैलाश, संदीप समेत लगभग एक दर्जन लोग उसके घर में घुस आये और गाली गलौज करने लगे। विरोध करने पर उन लोगो ने धारदार हथियार से सिर पर वार कर दिया। हमले में रामस्वरूप गंभीर रूप से घायल हो गया। परिजन घायल रामस्वरूप को एंबुलेंस से सीएचसी ले गए। यहां के चिकित्सकों ने उसकी हालत नाजुक बता कर जिला अस्पताल रेफर कर दिया।

बदइंतजामी की भेंट चढ़ी मतगणना प्रक्रिया

संवाददाता। फतेहपुर

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतगणना दो मई को जिले के सभी मतगणना केन्द्रों में निर्धारित समय पर शुरू की गयी थी। मतगणना का कार्य शनिवार को पूरा दिन चला लेकिन ज्यादातर प्रत्याशियों की मतगणना पूरी नहीं हो पायी थी। रविवार को पूरा दिन मतगणना का कार्य जारी रहा। इसके बावजूद भी मतगणना का कार्य अभी तक पूर्ण नहीं हो पाया है। जिसके चलते जिला पंचायत सदस्य पद के प्रत्याशियों का जमावड़ा जिला मुख्यालय पर लगा रहा। बार-बार जीते हुए प्रत्याशियों द्वारा प्रमाण पत्र दिये जाने की आवाज उठायी गयी। लेकिन प्रशासनिक अधिकारियों द्वारा प्रमाण पत्र नहीं वितरित किये गये। इस पर आक्रोशित कई प्रत्याशियों ने जिला मुख्यालय में ही धांधली का आरोप लगाते हुए कहा कि प्रशासन सत्ता पक्ष के इशारे पर काम कर रहा है। जीते हुए प्रत्याशियों को हराकर भाजपा प्रत्याशियों को जिताया जा रहा है। कई जगह मतगणना पूरी हो गयी थी लेकिन बाद में जीते हुए प्रत्याशियों को हारा हुआ घोषित करके दूसरे व तीसरे नम्बर के प्रत्याशियों को विजयी घोषित कर दिया गया। मामला अलादातपुर वार्ड, रायपुर भसरौल वार्ड में देखने को मिला। जहां जीते हुए प्रत्याशी को हराकर तीसरे नम्बर के प्रत्याशी को विजयी घोषित करने पर प्रत्याशी ने अपने समर्थकों के साथ ब्लॉक मुख्यालय पर धरना दे दिया। प्रत्याशी प्रतिनिधि अनिल गौतम, विकास राव आदि ने बताया कि उनका प्रत्याशी जीत गया था लेकिन सत्ता पक्ष के इशारे पर अधिकारियों ने खेल करते हुए तीसरे नम्बर के प्रत्याशी को विजयी घोषित कर दिया है।

सबसे कम उम्र की प्रधान बनीं वंदिता व अंशिता

फतेहपुर। पंचायत चुनाव में इस बार कई ग्राम पंचायतों में मतदाताओं ने युवा चेहरों को जहां तरजीह दी है। हथगांव विकास खण्ड की सभी 75 ग्राम पंचायतों में से सरौली ग्राम पंचायत ने सबसे कम उम्र की प्रधान बनने का गौरव हासिल करने वाली वंदिता मौर्या की उम्र अभी 21 वर्ष है। उनके पिता सुरेंद्र प्रधान रह चुके हैं। खास बात यह है कि सपा के जिला उपाध्यक्ष की मां भी यहीं से प्रधान रही हैं। वंदिता मौर्य ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी को 99 वोट से हराकर सबसे कम उम्र की प्रधान बनने का गौरव हासिल किया। उधर तेलियानी विकास खण्ड के उमरापुर गांव की रहने वाली 26 वर्षीय अंशिता शर्मा ने भी ग्राम पंचायत चुनाव लड़कर जनता की सेवा करने की ठानी थी। उन्होने भैरमपुर ग्राम सभा से अपना पर्चा दाखिल किया था और अपने निकटतम प्रतिद्वन्दी को 21 वोटों से हरा दिया।

सीएमवाईके प्रिंटेक के लिए तथा उसी की ओर से मुद्रक एवं प्रकाशक चन्दन मित्रा द्वारा टिन टिन प्रिंटेक प्रा.लि. सी-33 अमौसी इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज लखनऊ से मुद्रित एवं चौथी मंजिल, सहारा शापिंग सेंटर, फैजाबाद रोड, लखनऊ से प्रकाशित। सम्पादक: चन्दन मित्रा, स्थानीय सम्पादक: विजय प्रकाश सिंह। फोन: (0522) 4036600 फैक्स: 2346443/2345582

पायनियर

लखनऊ, बुधवार, 5 मई, 2021

युवाओं को शिकार बना रहा कोरोना

●चुनाव के साथ ही जिंदगी की भी जंग हार गए राजेश

●पूर्व सीएमओ समेत फार्मासिस्ट के पुत्र का भी हुआ निधन

संवाददाता। अंबेडकरनगर

राजेश

कोरोना का संक्रमण जिले में युवाओं को लगातार अपना शिकार बनाता जा रहा है। समाचार प्रेषण तक चार लोगों के निधन की सूचना प्राप्त हो चुकी है इनमें एक पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी भी शामिल है। टांडा विकासखंड के अंतर्गत ग्राम पंचायत कलेसर में प्रधान पद के प्रत्याशी रहे राजेश का कोरोना संक्रमण से मेडिकल कॉलेज में निधन हो गया। प्रधान पद का चुनाव हारने के साथ ही राजेश जिंदगी की भी जंग हार गए।राजेश की मां रामपती अब तक ग्राम पंचायत कलेसर की प्रधान रही थी। उनका भी लगभग दो माह पूर्व ही निधन हो गया था। पंचायत चुनाव के दौरान ही राजेश का स्वास्थ्य बिगड़ना शुरू हो गया था। जांच के दौरान फेफड़े में संक्रमण की पुष्टि भी हुई लेकिन चुनाव का अंतिम दौर होने के कारण उनकी स्थिति बिगड़ गई। राजेश को राजकीय मेडिकल कॉलेज सदरपुर में भर्ती कराया गया जहां तीन दिन तक जीवन और मौत के बीच संघर्ष करते-करते सोमवार की रात उन्होंने अंतिम सांस ली। राजेश पूर्व मंत्री लालजी वर्मा के आदर्श कन्या महाविद्यालय बरुआ जलाकी में वरिष्ठ लिपिक के रूप में कार्यरत थे। राजकीय मेडिकल कॉलेज से उनके शव को इलतिफातगंज स्थित श्मशान घाट पर ले जाया गया जहां अंतिम संस्कार कर दिया गया। इसके अलावा बेवाना निवासी पूर्व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ धीरेंद्र का कोरोना संक्रमण के कारण लखनऊ में निधन हो गया। शिक्षक प्रतिनिधि व निमदीपुर निवासी राघवेंद्र शुक्ला के भाई सत्य प्रकाश शुक्ला का कोरोना संक्रमण के कारण दिल्ली के अपोलो अस्पताल में निधन हो गया। सत्य प्रकाश शुक्ला का गुर्दा प्रत्यारोपण हुआ था जिसको चेक कराने के लिए वह कुछ दिन पूर्व दिल्ली गए हुए थे। हालत बिगड़ने पर उन्हें अपोलो अस्पताल में भर्ती कराया गया था जहां सोमवार की देर रात उनका निधन हो गया। मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय के फार्मासिस्ट रामसुंदर के पुत्र खेमापुर निवासी विमल का भी सोमवार की रात ही निधन हो गया। वह पशु चिकित्सक थे तथा बीते तीन दिनों से सांस फूलने से परेशान थे। उन्हें टांडा स्थित एमसीएच विंग में भर्ती कराया गया था।

दिलचस्प रहा टांडा विकास खण्ड का परिणाम

● गिंगाराम ने दर्ज की ऐतिहासिक जीत ●भाजपा को मिली बुरी शिकस्त

अंबेडकरनगर। जिला पंचायत सदस्य पद का चुनाव बेहद दिलचस्प रहा। टाण्डा पश्चिमी प्रथम वार्ड 16 से सपा प्रत्याशी गंगाराम कन्नौजिया ने अपने प्रतिद्वन्दी को हराते हुए ऐतिहासिक जीत हासिल की। गंगाराम ने 6760 मत पाकर अपने प्रतिद्वन्दी एआईएमआईएम पार्टी के समर्थित प्रत्याशी रामपाल से 2659 मतों से जीत हासिल की है। काफी अंतर से इस जीत पर बधाई का सिलसिला जारी है वही समाजवादी पार्टी के बागी प्रत्याशी राम कुमार कन्नौजिया 3969 मत पाकर तीसरे स्थान पर रहे। गंगा राम कन्नौजिया पूर्व में टाण्डा ब्लाक प्रमुख रहे हैं और राजनीति का तजुर्बा इन्हें शुरू से था। पार्टी के कुछ नेताओं के विरोध के बावजूद गंगा राम ने ऐतिहासिक जीत हासिल कर बागियों के मुँह पर तमाचा मारा है। गंगाराम डाँडी के निवासी हैं जो पूर्व में प्रधान भी रह चुके है। टाण्डा क्षेत्र से पश्चिमी प्रथम सीट संघर्ष पूर्ण रही लेकिन सपा ने जीत हासिल कर अपना लोहा मनवाया। वही सपा समर्थकों में खुशी का माहौल है। गंगाराम कन्नौजिया ने इस जीत का हकदार जनता को बताया है और चुनाव लड़ने का अवसर देने के लिए पार्टी को भी धन्यवाद ज्ञापित किया है। वही दूसरी तरफटाण्डा पश्चिमी द्वितीय से सुनरा देवी अपने प्रतिद्वंदी को हराते हुए भारी मतों से विजयी हुई है। टांडा पूर्वी उत्तरी से निर्दल प्रत्याशी श्याम सुंदर वर्मा उर्फ साधु वर्मा ने भी ऐतिहासिक जीत हासिल की है। टाण्डा मध्य प्रथम से कृष्णामती पासवान, टाण्डा मध्य द्वितीय से चतुरा देवी ने जीत हासिल कर परचम लहराया। कपिल देव वर्मा के अति करीबी माने जाने वाले देव पटेल ने भाजपा से अपनी माता को टाण्डा पश्चिमी द्वितीय से चुनावी मैदान में उतारा था लेकिन इनको जनता ने लड़ाई से ही बाहर कर दिया। टाण्डा क्षेत्र में भारतीय जनता पार्टी का प्रदर्शन बेहद खराब रहा। टाण्डा से भाजपा को किसी सीट पर जीत हासिल नही हो सकी।

क्विक न्यूज

चंदौरा गांव में पूर्व प्रमुख सहित आधा दर्जन मौतों से सनसनी

मिल्कीपुर अयोध्या। अमानीगंज विकासखंड के चंदौरा गांव में पखवाड़े भर में आधा दर्जन से अधिक मौतें होने सें हड़कम्प मच गया है। लोग तरह .तरह चर्चाएं कर रहें और सहमें हुए है। ग्रामीणों का कहना है कि सर्दी जुखाम बुखार और सांस संबंधी कोरोना के लक्षणों वाली बीमारी की समस्याओं के चलते ही लोगों की मौतें हुई है। हालांकि प्रशासन इससे अनजान बना हुआ है। मंगलवार को पूर्व प्रमुख सुमन रावत की आकस्मिक मौत सें लोगों में व्यात्त हो गया है पूर्व प्रमुख के बेटे रामसागर 35 का श्वांस की समस्या के चलते आकस्मिक निधन हो गया था और 30 अप्रैल को उनके भतीजे राम सागर 32 का भी इसी तरह आकस्मिक निधन हुआ है। एक ही परिवार में हुई तीन आकस्मिक मौतों ने ग्रामीणों में दहशत पैदा कर दिया है। इन्ही समस्याओं के चलते ही रामअचल मिश्र 58 वर्ष भवानी सहाय मिश्रा 50 वर्ष व सलीम की 35 वर्षीय पत्नी की भी मृत्यु हो गई है। मौतों के बाद समूचे गांव में पसरा है मातमी सन्नाटा। ग्रामीणों ने आधिकारियों से गांव में सामूहिक कोरोना टेस्टिंग कराये जाने एवं गाँव को सैनिटाइज कराने की माँग की है।

प्रचंड गर्मी को देखते हुए बेजुबानो के लिए संस्था ने कई स्थानों पर रखी पानी की हौदी

अयोध्या। मां शांति सेवा फाउंडेशन बेनीगंज ने प्रचंड गर्मी को देखते हुए सँजाफी हॉस्पिटल व भवदीय पब्लिक स्कूल के योगदान से संस्था द्वारा संस्था अध्यक्ष श्रीमती नेहा कुमारी संस्थापक बसंत राम ने उप निरीक्षक शंकर यादव साहब गंज चौकी के नेतृत्व में इस गर्मी में बेजुबान पशुओं के लिए प्यास बुझाने एवं साफभोजन खाने के लिए कई स्थानों पर हौदी रखी गयी जिसका शुभारंभ उप निरीक्षक यादव जी ने हौदी में पानी डालकर किया और यादव जी ने कहा संस्था का कार्य सराहनीय है हर व्यक्ति को सहयोग कर पशुओं का सहारा बनना चाहिए सेवा में इबादत बसती है ! संस्थापक बसंत राम ने कहा बेजुबान पशुओं का सहारा सिर्फइंसान होता है हर इंसान को पशुओं के प्रति इंसानियत सेवा भाव रखने की जरूरत है! अध्यक्ष नेहा कुमारी ने बताया कि बेजुबानो की सेवा करना मानव धर्म है और इस पुण्य कार्य में डॉ मुकेश कुमार गौतम निदेशकए सँजाफी हॉस्पिटल व डॉ अवधेश कुमार वर्मा सचिवए भवदीय पब्लिक स्कूल के सहयोग के लिए आभार व्यक्त किया और उपस्थित लोगों को पशुओं के प्रति जागरूक कर निवेदन किया इसी कड़ी में वरिष्ठ पत्रकार सुबोध श्रीवास्तव ने कहा कि सभी लोग अपने अपने घरों के सामने जानवरों की प्यास बुझाने एवं खाना खाने की व्यवस्था करें कार्यक्रम में इंद्रजीतए आरती देवी, अमित चौहानए तस्सू वैध, प्रांजली चौधरी एसूरज चौधरी रहे।

रामपुर बेनीपुर में 15 साल पुराना किला ध्वस्त

अंबेडकरनगर। विकासखंड बसखारी के ग्राम सभा रामपुर बेनीपुर में गंगेश कुमार पासी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी रामू लाल को 397 मतों से पराजित करके ग्राम प्रधान पद के लिए चुनाव में विजय प्राप्त किया। ज्ञात हो कि विगत 15 वर्षो से इस ग्राम सभा में रामूलाल के पिता और माता ने ग्राम पंचायत प्रधान पद पर कब्जा कर रखा था लेकिन इस बार उनकी कारगुजारियों से व्यथित ग्रामवासियों ने परिवर्तन का निर्णय कर लिया था। ग्रामवासियों ने युवा तेज तर्रार और ईमानदार ,मिलनसार छवि के गंगेश कुमार पासी को विजयी बनाने का निश्चय कर लिया था। यह भी उल्लेखनीय है कि प्रा0 वि0रामपुर बेनीपुर की विद्यालय प्रबन्ध समिति के उपाध्यक्ष के रूप में वे बच्चों की शिक्षा के लिए सतत सहयोग करते रहे हैं। उन्होंने बच्चों की सुरक्षा के लिए विजयी होने पर विद्यालय की चारदीवारी बनवाने और अन्य व्यवस्थाओं को ठीक करने का भी निश्चय कर रखा था। ग्रामवासियों ने उनके विजयी होने पर प्रसन्नता व्यक्त की।

कोविड राहत कार्य में अस्पतालों में दी जा रही मदद

प्रयागराज। भारत देश कोविड 19 कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर से जूझ रहा है। जिससे देश की आंतरिक स्वास्थ्य सेवा पर अत्यधिक दबाव पड़ रहा है। देश के प्रति प्रतिबद्धता को निभाते हुए वीवो ने कोविड से राहत के लिए दस करोड़ रुपये की सहायता प्रदान करने की घोषणा की है। इसमें दो करोड़ का दान भी शामिल है। जिसकी घोषणा हाल ही में की गयी थी। वीवो केअर्स के अंतर्गत वीवो ने कोविड 19 की विनाशकारी दूसरी लहर के दौरान जरूरतमंद लोगों की मदद के लिए कई पहल की है। कंपनी के द्वारा छह करोड़ रुपये के ऑक्सीजन कॉन्सेंट्रेटर का वितरण विभिन्न सरकारी अस्पतालों में किया जायेगा। कोविड राहत कार्य में मदद मिलेगी। वीवो इंडिया के ब्रांड स्ट्रेटेजी निदेशक निपुन मार्या ने कहा कि मानव इतिहास के सबसे बड़े संकटों में से एक से जूझ रहे हैं। संकटकाल में सभी के लिए एक दूसरे की सहायता करना सबसे महत्वपूर्ण है। यह पहल समाज के प्रति उसकी सेवा में उठाया एक छोटा सा कदम है। एक दूसरे की सहायता से इस संकट पर जीत पा सकेंगे। राज्य और केंद्र सरकार की एजेंसियों को नौ लाख मास्क पंद्रह हजार पीपीई सूट और पचास हजार लीटर सैनिटाइजर दे चुके हैं।खाद्य पदार्थों के माध्यम से पोषण पुस्तकों और स्टेशनरी के माध्यम से शिक्षा और दैनिक आवश्यक वस्तुओं के माध्यम से स्वच्छता को बढ़ावा देने का प्रयास किया जायेगा। कार्डियो वेंटिलेटर मशीन से लैस दो एम्बुलेंस दान करने का भी संकल्प लिया है।

बिजली का खंभा बना दुर्घटना का कारण

प्रयागराज। मुट्ठीगंज क्षेत्र के महावीरन गली में बीच सड़क पर झुका हुआ बिजली का खम्भा दुर्घटना को दावत दे रहा है। आए दिन खंभे से भिड़ कर वाहन चालक गिरकर चोटिल होते हैं। इसकी आड़ में अतिक्रमण करने वाले लोग खंभे के आगे पीछे अनाधिकृत रूप से अवैध कब्जा जमाए हुए हैं। विद्युत विभाग में कई बार शिकायत करने के बावजूद इस पर अभी तक कोई कार्यवाही नहीं की गई। खंभे के चलते सड़क पर आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती हैं।जिसकी वजह से लोगों को परेशानी का सामना उठाना पड़ता है। विभागीय अधिकारियों द्वारा अभी तक इस खंभे को बदला नहीं जा रहा है। किसी भी दिन किसी बड़ी दुर्घटना के घटने की संभावना जताई जा रही है। क्षेत्रीय लोगों ने इस खंभे को बीच सड़क से हटाए जाने के लिए विद्युत विभाग से कई बार मौखिक एवं लिखित शिकायत दी है। परंतु कोई कार्यवाही नहीं की गई।

संक्रमण के भय से सूना हो गया संगम

प्रयागराज। देश के अलग.अलग हिस्सों से आने वाले हजारों श्रद्धालुओं से गुलजार रहने वाला संगम एक बार फिर सूना हो गया है। गंगा यमुना के साथ अदृश्य सरस्वती के मिलन स्थन पर एक पखवाड़े पहले जैसी चहल पहल नहीं है। संगम पिछले साल की तरह सूना हो गया है। अप्रैल के पहले सप्ताह तक संगम क्षेत्र में रौनक थी। कोरोना का कहर बढ़ने के बाद संक्रमण से बचने के लिए संगम आने वाले श्रद्धालु कम होने लगे। पिछले साल अप्रैल में संगम ऐसे ही सूना हुआ था। तब लॉकडाउन लगा था। इस बार लॉकडाउन नहीं लगा लेकिन संक्रमण के खौफसे श्रद्धालु संगम नहीं आ रहे हैं। संगम की सैर कराने वाली नावें किनारे खड़ी हैं। नावों पर बैठे नाविक सुबह से शाम तक टकटकी लगाए संगम सैर करने वालों का इंतजार करते रहते हैं। वेणी बांध पर सिंदूर बिंदी व अन्य श्रृंगार के सामानों की दुकानें लगी हैं लेकिन खरीदने वाली महिलाएं नहीं है। परेड में खानपान की दुकानों में सन्नाटा पसरा है। श्रद्धालुओं के न आने से नाविकए तीर्थ पुरोहित दुकानदारए आटो चालकों की स्थिति खराब हो गई है। सामान्य दिनों में श्रद्धालुओं से कमाने वाले नाविक और फुटपाथी दुकानदारों की बोहनी तक नहीं हो रही है। क्षेत्र में खानपान की बिक्री 90 फीसदी तक घट गई है। लॉकडाउन नहीं लगा लेकिन संगम पर पिछले साल की तरह ही उदासी है। कोरोना की सुनामी में संगम की खूबसूरती बह गई। अब तो महामारी का प्रकोप कम होने के लिए लंबा इंतजार करना होगा। संक्रमण से बचने के लिए लोगों को अस्थि कलश लाने से भी रोका जा रहा है।

बारात में गैर समुदाय के युवाओं ने की मारपीट, रुपयों से भरा बैग छीना

मिल्कीपुर, अयोध्या। इनायतनगर थाने के चिखड़ी पूरे मठिया में अजय तिवारी के घर बारात आई थी। जिसमें बगल गांव के मुस्लिम समुदाय के मनबढ़ किस्म के युवकों ने यूनिटी बनाकर बारातियों पर हमला कर दिया। हमले में करीब आधे दर्जन लोग घायल हुए हैं। यही नहीं आरोप है कि युवकों ने लड़की के पिता के हाथ से पैंसों से भरा बैग भी छीन लिया। जिसमें नकदीए एटीएम कार्ड व एक मोबाइल फोन भी था। घटना रविवार रात की बतायी जाती है। इनायतनगर थाने के ग्राम चिखड़ी में एक व्यक्ति के यहाँ बारात आयी थी। बारात गांव के बाहर टिकी थी। जिसमें बगल गांव मलेथू खुर्द के मुस्लिम बिरादरी के मनबढ़ युवकों ने पहुंच कर अभद्र टिप्पणी कर दी। जब इसका विरोध बारातियों ने किया तो युवकों ने बारातियों पर हमला बोल दिया। और पिटाई शुरू कर दिया। गुहार पर पहुंचे लड़की के पिता का बैग छीनकर दबंग युवक मौके से भाग लिए।दबंग युवकों की पिटाई से घराती बराती के पाँच लोगों को गम्भीर चोटें आई हैं। जिसमें अजय मिश्रा, भानु प्रताप मिश्रा, आनंद पांडे, पीयूष मिश्रा व श्रेयस पांडे को चोंट आयी हैं। सभी चोटहिलों का इलाज सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मिल्कीपुर में किया गया। हैरिंग्टनगंज चौकी प्रभारी राम अवतार राम ने बताया कि इस मामले में भानु प्रताप मिश्र ग्राम पुरे रामभद्र सरैया माफी निवासी सुल्तानपुर की तरफ से पांच नामजद मोहम्मद साबिरए अख्तर अलीए खुर्शील जमालए जमील बेग व भद्दू समस्त निवासी ग्राम मलेथू खुर्द थाना इनायतनगर तथा छह अन्य के खिलाफकेस दर्ज कराया गया है। लोगों के खिलाफ कार्यवाही की जा रही है वहीं विश्व ब्राह्मण परिषद के प्रदेश अध्यक्ष रवि नन्दन त्रिपाठी ने बताया कि मुस्लिम समुदाय के मनबढ़ युवकों ने घर वालों तथा बारातियों को जमकर मारा पीटा। इसके बाद लड़की की विदाई भी नहीं होने दे रहे थे पुलिस व विश्व ब्राह्मण परिषद के साथियों के साथ सुल्तानपुर की सीमा तक लड़की को विदा कराकर छोड़ा गया।

जिलाधिकारी ने किया अस्पताल का निरीक्षण

अयोध्या। डीएम अनुज कुमार झा ने प्रभारी वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक डॉ अरबिन्द चतुर्वेदी व मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ घनश्याम सिंह के साथ राजर्षि दशरथ स्वशासी राज्य चिकित्सा महाविद्यालय/कोविड एल-2 चिकित्सालय दर्शन नगर का निरीक्षण किया। इस अवसर पर जिलाधिकारी ने प्राचार्य को प्लास्टिक सर्जरी एवं बर्न यूनिट में स्थापित स्क्रीनिंग क्षेत्र-1 के निरीक्षण के दौरान मेडिकल कॉलेज के प्राचार्य को ड्यूटी पर तैनात समस्त चिकित्सकों व संबंधित कार्य के प्रभारियों के नाम, पदनाम, कार्य/विभाग व मोबाइल नंबर की सूची कार्य से संबंधित वार्ड के सामने तत्काल चस्पा करने के निर्देश दिए। जिससे चिकित्सालय में आने वाले अथवा भर्ती मरीज को किसी भी प्रकार की समस्या होने पर मरीज या उसके तीमारदार द्वारा तत्काल संबंधित चिकित्सक अथवा कार्य के प्रभारी से सीधे फोन पर भी संपर्क कर अपनी समस्याओं का शीघ्रातिशीघ्र निदान प्राप्त कर सके।

जिला पंचायत चुनाव में भाजपा को मिली करारी शिकस्त

अंबेडकरनगर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में भाजपा को जिला पंचायत के चुनाव में जबरदस्त झटका लगा है। लगभग 6 महीने से चुनावी तैयारियों में जुटी भाजपा 41 जिला पंचायत सीटों में से महज दो सीटों पर ही जीत दर्ज कर सिमट गई है। भाजपा ने भीटी चतुर्थ व जहांगीरगंज पश्चिमी से ही जीत दर्ज की। भीटी चतुर्थ से अमरेंद्र पाल व जँहागिरगंज पश्चिमी से अशोक कनोजिया ने जीत दर्ज की। महत्वपूर्ण बात यह रही कि भारतीय जनता पार्टी के अवध क्षेत्र के क्षेत्रीय उपाध्यक्ष शिव नायक वर्मा बसखारी दक्षिणी एवं निवर्तमान जिलाध्यक्ष कपिलदेव वर्मा रामनगर दक्षिणी सीट से चुनाव हार गए हैं। दूसरी तरफलोक गायिका डॉ प्रतिमा यादव ने बसपा के गढ़ में सेंध लगाते हुए निर्दलीय प्रत्याशी के तौर पर अकबरपुर द्वितीय से जीत हासिल कर ली है। यह चुनाव परिणाम भाजपा के लिए काफी उतार-चढ़ाव भरा साबित हुआ है। सबसे ज्यादा संशय रामनगर दक्षिणी सीट को लेकर रहा। यहां पर निवर्तमान जिला अध्यक्ष कपिल देव वर्मा का मुकाबला सपा के बागी प्रत्याशी अश्वनी यादव से हुआ। मतगणना के शुरुआती दौर से ही लगातार दूसरे व तीसरे स्थान पर रहे कपिल देव वर्मा कभी भी निर्णायक बढ़त नही बना सके। लंबे जद्दोजहद के बाद प्रशासन ने अश्विनी यादव को 1085 मतों से विजई घोषित किया। चुनाव परिणाम की घोषणा होने के पूर्व रामनगर मतगणना केंद्र पर काफी गहमागहमी रही। मतगणना पर्यवेक्षक के साथ-साथ प्रभारी डीएम घनश्याम मीणा व एडीएम डॉ पंकज वर्मा समेत भारी पुलिस बल मतगणना केंद्र पर मौजूद रहा। जिले में बड़ी संख्या में सपा व बसपा के साथ ही निर्दलीय प्रत्याशियों ने चुनाव मैदान में बाजी मारी है। अब देखना यह है कि जिला पंचायत अध्यक्ष की सीट पर आस लगाए रही भाजपा का अगला कदम क्या होता है।

दस दिनों में लगभग आधी हुई कोरोना संक्रमण की दर

प्रयागराज। जनपदवासियों के लिए अच्छी खबर है। संक्रमण की दर धीरे धीरे कम हो रही है। पिछले दस दिनों में देखा जाए तो संक्रमण की दर लगभग आधी हो गई है। पिछले सात दिनों से दो हजार से कम संक्रमित मिल रहे हैं। चार दिनों से संक्रमितों की संख्या 1500 से भी कम हो गई है। लेकिन चिंताजनक यह है कि मौतों की संख्या अभी कम नहीं हो रही है। पिछले चार दिनों से सरकारी रिकार्ड में ही 20 से ज्यादा मौतें दर्ज की जा रही हैं।

पिछले दस दिनों यानी 22 अप्रैल से एक मई की बात करें तो 22 अप्रैल को संक्रमण की दर 15.79 यानी 16 प्रतिशत थी। एक मई को संक्रमण की दर घटकर 8.58 यानी नौ प्रतिशत हो गई है। पिछले दस दिनों में कुल 130289 नमूनों की जांच की गई। स्पष्ट है कि औसतन हर रोज 13028 नमूनों की जांच की गई। इस औसत पर संक्रमण की दर का आंकलन करें तो 22 अप्रैल को संक्रमण की दर 16.54 यानी 17 प्रतिशत थीए जो एक मई को घटकर 8.78 यानी नौ प्रतिशत हो गई है।संक्रमण की दर में आई कमी का श्रेय काफी हद तक प्रयागराज के लोगों को ही जाता है। यातायात विभाग के आंकड़े इस बात का गवाह हैं कि शहर में ट्रैफिक लोड कम हो गया है। लॉकडाउन वाले तीन दिनों के अलावा बाकी दिनों में भी शहरी बेवजह घर से बाहर निकलने से परहेज करने लगे हैं। शहर में टेंपो सहित अन्य वाहनों का संचालन 70 प्रतिशत तक कम हुआ है।

दुकानों पर सोशल डिस्टेंसिंग भी दिखने लगी है। पहले की तुलना में इस मामले में शहरी जागरूक हुए हैं। लोग दुकान पर दूरी बनाकर खड़े तो होते ही हैं प्लास्टिक कोटेड शीट के पीछे अपनी बारी का इंतजार भी करते हैं। मास्क के प्रति जागरूकता भी बढ़ी है। इसे लगाने वालों की संख्या में इजाफा हुआ है। यह बात अलग है कि अभी काफी संख्या में लोग इसे गलत तरीके से लगा रहे हैं। प्रयागराजवासियों ने इसी सूझबूझ का परिचय आगे भी दिया तो महामारी पर काबू पाने में काफी हद तक मदद मिलेगी। इससे संक्रमण की दर और भी तेजी से नीचे आएगी। संक्रमित होने वाले कम होंगे तो शहर के अस्पतालों पर लोड कम होगा। लिहाजा वहां भर्ती होने वाले गंभीर संक्रमितों का इलाज और भी बेहतर ढंग से हो सकेगा।

अकबरपुर क्षेत्र पंचायत के विजयी बीडीसी सदस्य

अंबेडकरनगर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के बाद रविवार व सोमवार को हुई मतगणना में अकबपुर विकास खंड के 61 बीडीसी सदस्यों का चुनाव परिणाम घोषित किया गया है। शेष सदस्यों की मतगणना जारी है। अकबरपुर विकास खंड की शिवबाबा में रविवार व सोमवार को हुई बीडीसी सदस्यों की मतगणना में 61 वार्डों के घोषित चुनाव परिणाम में अल्लीपुर कोड़रा विनोद कुमार, खासापुर दादूपट्टी तसरु निशा, कुढ़ा मोहम्मद गढ़ जोखूराम, चांदपुर भटपुरा राधा देवी, अहलादे हिमांशुधर, अमौली मोहिउद्दीनपुर रोहित कुमार, अफ्जलपुर खुशीराम, अमरतल महावीर, इस्माइलपुर गंज सर्वेश कुमार, अटंगी 100 सभाराम, अटंगी 101 देवमहिमा, असौवापार मोहरई विजेन्द्र, कसेरुआ गौरी यादव, दरगाहशाह रमजान चन्द्रबली, करतोरा प्रथम अनूप कुमार, फत्तेपुर ककरडिला अनुपम, ताराखुर्द संतोष, गौरा रुकसाना, कटुई अनिल कुमार, ताराखुर्द द्वितीय राम जनम, पंजूपुर त्रिभुवन नाथ, अशरफपुर पचाउख अजय पटेल, खानशाह सुलेमपुर शेर मोहम्मद, अहेथा शबनम खातून, चंदनपुर पंकज, कजरी नंदापुर हरजीत, बरसावां हासिमपुर मंगेश लाल, भगौतीपुर सज्जाद हुसैन, कनकपट्टी सरिता, अहेथा द्वितीय पवन, बरियावन जमाल अशरफ, अमरजल संजय कुमार, नसीरपुर कैथी अनूप कुमार, कटुई कलामुद्दीन, चांदपुर भटपुरा भगवत प्रसाद, अशरफाबाद घनश्याम, पलई कल्यानपुर विश्वनाथ, अशरफाबाद द्वितीय रामबक्स, परस कटुई अंतिमा, पीरपुर पतिराम, मुबारकपुर मरैला प्रभावती, पहाड़पुर टड़वा पूनम मिश्र, अलावलपुर दास महन्त, जगदीशपुर नोखा मंजूलता, दाउदपुर प्रथम राम सिंगार, रामपुर जैसिंह खरपत्ती, खासापुर दादूपट्टी तसरु निशा, नौगवां लालमन, छितूनी कलीम, मजीसा निर्मला, लारपुर इसरावती, अंधियरवा निशा, कटरिया सम्मनपुर भूपेन्द्र कुमार, रोशनपुर प्रथम मनिती धुरिया, बरधाभिउरा से मीना व बांसगांव से धनुका देवी विजयी हुई हैं।

पंडित कल्किराम राष्ट्रपति से हिंदुओं के जीवनमूल्यों के रक्षा की मांग

अयोध्या। बंगाल मे हिन्दूओं के साथ हो रही लूटपाट बलात्कार हत्या की जो सूचनाएं सोशल मीडिया के माध्यम से मिल रही हैं वह अत्यन्त हृदय विदारक है।रामादल ट्रस्ट विश्व भूमण्डल मे निवासरत सनातन समाज की सुख.समृद्धि.ऐश्वर्य सहित सुरक्षा के लिए प्रतिबद्ध है और भारत के एक राज्य मे मात्र चुनावी प्रतिद्वन्दता के चलते इतना विभत्स दृश्य असहनीय और अक्षम्य है। सोशल मीडिया से प्राप्त सूचनाओं को संज्ञान मे लेकर महामहिम राष्ट्रपति महोदय, प्रधानमन्त्री नरेन्द्र दामोदरदास मोदीजी एंव गृहमन्त्री अमित शाह जी से तत्काल इन घटनाओं को गम्भीरतापूर्वक संज्ञान मे लेकर दोषियों के विरुद्ध दण्डात्मक कार्यवाही कर हिन्दूओं के जीवन मूल्यों के सुरक्षा की मांग की गयी है।जानकारी देते हुए रामादल ट्रस्ट अध्यक्ष पण्डित कल्किराम ने कहा कि किसी भी राजनैतिक वैमनस्यता चुनाव तक ही रहनी चाहिए तृणमूल मुखिया ममता बनर्जी को चुनाव परिणाम के बाद अपने राज्य के प्रत्येक नागरिक की सुख समृद्धि ऐश्वर्य और सुरक्षा के उत्तरदायित्व का पालन करते हुए एक आदर्श मिसाल कायम करने पर ध्यान देना चाहिए लेकिन जो हो रहा है उसने भारत के प्रत्येक हिन्दू जनमानस को गहरा आघात पहुंचाया है चुनाव के समय चण्डी पाठ करने का ढोंग आज उजागर हो गया।ममता सहित उनके आतंकी अराजक तत्वों की सदबुद्धि के लिए भगवती महासरस्वती का आवाहन कर प्रार्थना की गयी।

अकबरपुर विकास खंड के विजयी ग्राम प्रधान

अंबेडकरनगर। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की गत रविवार से चल रही मतगणना में अकबरपुर विकास खंड से 91 ग्राम प्रधानों का परिणाम घोषित किया गया है। शेष ग्राम पंचायतों की मतगणना जारी है। मतगणना में खासापुर दादूपट्टी से कृष्ण कुमार, अल्लीपुर कोड़रा कमलेश कुमार, कुर्चा पवनदीप सिंह, कनकपट्टी बालमुकुन्द, आलमपुर अखई हीरालाल, चांदपुर भटपुरा नागेन्द्र सिंह, अंधियरवा वेद प्रकाश, अमौली मोहिउद्दीनपुर माया देवी पत्नी मंशाराम, अहलादे कलावती पत्नी हीरालाल, अरिया संजय, केशवपुर भगवत दयाल, उकरा साधना, करतोरा दिनेश कुमार, अफ्जलपुर दुखराम, कुढ़ा मोहम्मद गढ़ विक्रमाजीत, जगदीशपुर नोखा रेखा, अमरतल शिवपूजन, इस्माइलपुर गंज अनुपम पत्नी अरविन्द, असौवापार मोहरई सावित्री पत्नी रामसूरत, इटरौरा विन्द्रावती पत्नी प्रदीप कुमार, कौरा मेराज अहमद खां, इमामपुर संजय कुमार, अटंगी रमेश चन्द्र, कोटवा मोहम्मदपुर प्रीती श्रीवास्तव पत्नी गुरुचरण, अहेथिया किसुनीपुर संजय कुमार, घुरहूपुर चंदन कुमार, कसेरुआ लीला देवी पत्नी ओम प्रकाश, फत्तेपुर ककरडिला कृष्णावती, भगवानपुर सुखराम, पहाड़पुर टड़वा आज्ञाराम, कजरीनंदापुर रामतीरथ, दरगाहशाह रमजान पंकज कुमार, कुर्की महमूदपुर मानसिंह, परस कटुई पिंकी सिंह पत्नी विपिन सिंह, कटरिया सम्मनपुर संजय, चंदनपारा रेखा देवी परमानंद वर्मा, खानशाह सुलेमपुर घनश्याम, भगौतीपुर निर्मला देवी पत्नी यदुनाथ उपाध्याय, खानजहांपुर मनोज कुमार, जोगापुर महेन्द्र कुमार यादव, पंजूपुर मायाराम, मिर्जाबेग दुब्खर तीरथ वर्मा, चंदनपुर रामचेत, बरसावा हासिमपुर स्वामीनाथ, अहेथा मोहम्मद आकिब ुस्तफा, कटुई नीरा वर्मा पत्नी सुनील वर्मा, पलई कल्यानपुर रवीन्द्र कुमार, नसीरपुर कैथी शकुंतला वर्मा पत्नी तिलकधारी वर्मा, मझियारी अठवारा रीना पत्नी रामजी, बरौरा दीप शिखा पत्नी अमित श्रीवास्तव, लोदीपुर राधिका पत्नी इन्द्रजीत, मुबारकपुर मरैला आशा देवी, अशरफपुर पचाउख अर्चना पत्नी कमलेश, नैली आकाश वर्मा, बरियावन शिवम पटेल, गौरा हीरालाल, बहोरिकपुर रीना श्रीवास्तव पत्नी सतेन्द्र मोहन, अलावलपुर सुभाष चन्द्र, रामपुर रामपट्टी ज्ञानी देवी पत्नी चन्द्र प्रकाश, अशरफाबाद सुमन पत्नी जीत बहादुर, पीरपुर जैसराज, रामपुर जैसिंह रेनू पत्नी अरविन्द कुमार, छितूनी पंकज वर्मा, नौगवां पवन कुमार, लापुर अरविन्द, मोहउद्दीनपुर दीपचन्द, बांसगांव मोहम्मद वसीम, कजरी जमालुद्दीनपुर बेंचू, जैनापुर मोहम्मद शरीफ बेलउआ बरियारपुर महेन्द्र कुमार, फत्तेपुर नीलम, सुल्तानपुर अनुराधा, बरधाभिउरा पुष्पा देवी, नसीरपुर तुलसीपुर उमेश गुप्ता, मानिकपुर राजीव, रुकनुद्दीनपुर त्रिवेणी, कयासुद्दीनपुर से चन्द्रावती, रोशनगढ़ रंजना मौर्या, मीरपुर शेखपुर से प्रतिभा सिंह पत्नी राघवेन्द्र प्रताप सिंह, भितरीडीह कलावती पत्नी राजेन्द्र प्रसाद, दाउदपुर भागीरथी, रानीपुर विमला पत्नी राकेश वर्मा, विश्रामपुर तारादेवी पत्नी राम यज्ञ यादव, रामनगर नरसिंहपुर सुमन सिंह पत्नी अजय सिंह, सलाहुद्दीनपुर गिरीश चन्द्र, बहलोलपुर माधुरी पत्नी दिनेश, जमुनीपुर सुभाष चन्द्र व यहिया कमालपुर से सीमा देवी विजयी हुई हैं।

भविष्य की तैयारियों की समीक्षा की

अयोध्या। जिलाधिकारी श्री अनुज कुमार झा ने प्रभारी एसएसपी, मुख्य विकास अधिकारी व मुख्य चिकित्सा अधिकारी आदि के साथ इंटीग्रेटेड कमांड एवं कंट्रोल सेंटर में जनपद में कोविड-19 पर प्रभावी रोकथाम, बचाव एवं उपचार हेत किए जा रहे कार्यों भविष्य की तैयारियों की समीक्षा की। समीक्षा के दौरान जिलाधिकारी श्री झा ने बताया कि कोविड-19 वायरस के प्रसार की रोकथाम, बचाव, उपचार तथा कोविड से संबंधित किसी भी प्रकार की समस्या के त्वरित निदान हेतु कोई भी नागरिक विकास भवन के सभागार में संचालित इंटीग्रेटेड कमांड एवं कंट्रोल सेंटर/कंट्रोल रूम के नंबर 7081670802, 8881004894 या 8115692302 पर किसी भी समय (24म7) संपर्क कर मेडिसिन किट, कोविड टीकाकरण, एंबुलेंस, कोविड की जांच हेतु सैम्पलिंग व चिकित्सालय में मरीज को भर्ती कराने सहित कोविड-19 से संबंधित समस्याओं के त्वरित निदान के संबंध में जानकारी प्राप्त कर सकता है।

संक्रमण के बेहद करीब, फिर भी फर्ज के आगे नहीं डगमगाए हौसले

● चार हज़ार से अधिक कोरोना संक्रमित मरीजों का डा नीलम सिंह कर चुकीं हैं उपचार

प्रयागराज। नावेल कोरोना वायरस संक्रमण काल में चिकित्सकों की भूमिका बेहद महत्वपूर्ण है। इनमें एनेस्थीसिया विभाग के चिकित्सकों ने भी कोविड 19 में आइसीयू और एचडीयू वार्ड में भर्ती गंभीर मरीजों के उपचार में भरपूर मदद कर रहे हैं। संक्रमण के सबसे करीब होने पर भी फर्ज के आगे इनके हौसले नहीं डगमगा रहे। कोरोना से जंग में शामिल ऐसी ही एनेस्थैटिक हैं डा नीलम सिंह। स्वरूपरानी नेहरू अस्पताल में कार्यरत एनेस्थैटिक डा नीलम सिंह कोविड आईसीयू इंचार्ज प्रोफेसर और विभागाध्यक्ष एनेस्थीसिया क्रिटिकल केयर ने कोरोना काल में करीब चार हज़ार से ज्यादा कोरोना संक्रमित मरीजों के उपचार में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहीं हैं। साथ ही करीब 160 कोरोना संक्रमित गर्भवती महिलाओं को एनेस्थीसिया देकर सर्जरी से सुरक्षित एवं सफल प्रसव कराया है। इसके साथ ही पेट पैर आदि सैकड़ों ऑपरेशन में मरीजों को एनेस्थीसिया देकर ऑपरेशन को डा नीलम ने संभव बनाया है। डा नीलम बीते सितम्बर माह में स्वयं संक्रमित हो गयीं थीं। पर ठीक होते ही पुन: लोगों के उपचार में लग गईं। उनकी कर्तव्यनिष्ठा को देखते हुए अंतर्राष्ट्रीय महिला दिवस पर उन्हें मिशन शक्ति के तहत प्रशस्तिपत्र देकर सम्मानित भी किया जा चुका है।

डा नीलम कहती हैं कि कोरोना से डर सभी को लगता है। मरीजों के इलाज के दौरान हमारे कई साथी संक्रमित हुए। इन हालातों में भी वे काम कर रहे हैं। जिम्मेदारियाँ बड़ी हैं। 12 से 15 घंटे लगातार पीपीई किट पहनकर काम करना पड़ता है। मरीजों को परिवार से दूर होने के कारण निराशा न घेरे इसके लिए मानसिक तौर पर हमेशा उन्हें साहस भी दे रहे हैं। कोविड वार्ड में मरीजों को दवा और उनके भोजन से लेकर ऑक्सीज़न

डॉ. नीलम सिंह।

सेचुरेशन आदि सभी का ख्याल रखा जाता है। ऑक्सीज़न इंचार्ज होने के नाते ऑक्सीज़न की समुचित व्यवस्था की ज़िम्मेदारी भी है। संक्रमण के कारण कई बार सांस फूलने की स्थिति में मरीज अपने मुँह पर लगे मास्क हटा देते थे। इसलिए ऐसे मरीजों को घंटों पकड़ कर बैठना पड़ा है। कोई मरीज जब ठीक होकर जाता तो उनके भावुक होने पर हमारी आँखें भी खुशी से भर आती हैं। बहुत प्रयास के बाद भी हम कुछ लोगों को नहीं बचा पाए। इसका दुख अभी भी परेशान करता है। वर्तमान में एसआरएन के आईसीयू में बेड बढ़ाकर 314 कर दिए गए हैं। इसलिए ज़िम्मेदारी भी बढ़ गई है। इसमें सहयोगी चिकित्सक पूरा सहयोग भी कर रहे हैं। जिनमें डा राजीव गौतम का नाम भी शामिल है।

वेंटिलेटर पर भर्ती मरीज की देखभाल है महत्वपूर्ण

प्रयागराज। डा नीलम बताती हैं कि कोरोना काल में वेंटिलेटर पर जिंदगी और मौत के बीच जंग लड़ रही तस्वीरों को देख मन सिहर उठता है। उन्हीं मरीजों के साथ हम अपना पूरा समय बिताते हैं। क्योंकि एनेस्थैटिक मरीज के मुँह के सीधे संपर्क में रहता है। इसलिए इलाज के दौरान संक्रमण होने का खतरा सबसे ज्यादा रहता है। वेंटिलेटर पर भर्ती मरीज ज़िंदगी से जंग अकेले नहीं लड़ता बल्कि उसके साथ चिकित्सक भी लड़ता है। मरीज जब तक ऑक्सीज़न मास्क व वाइपेड मास्क तक सीमित रहता है तब तक स्थितियाँ पूरी तरह से काबू में रहती हैं। पर जब वह वेंटिलेटर पर जाता है तो उसकी हालत बेहद नाजुक हो चुकी होती है।

पायनियर
लखनऊ, बुधवार, 5 मई, 2021

ममता की शानदार विजय

भाजपा की योजना विफल

ममता बनर्जी की शानदार विजय से भाजपा की योजना इसलिए विफल हुई क्योंकि उसने अपने प्रमुख एजेंडे को आगे बढ़ाने के बजाय ममता बनर्जी की छवि खराब करने पर ज्यादा ध्यान दिया। यह भाजपा समर्थकों और उसके आलोचकों के लिए 'आधा गिलास भरा' वाली कहावत है। भाजपा समर्थकों के लिए असम व पुडुचेरी में विजय तथा पश्चिम बंगाल में मत प्रतिशत व सीटों में भारी वृद्धि भाजपा के असाधारण चुनाव प्रबंधन व प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की लोकप्रियता का प्रमाण है। लेकिन उसके विरोधियों के अपने तर्क हैं। उनका कहना है कि असम में कांग्रेस पर भाजपा की विजय का अनुमान था क्योंकि कांग्रेस अब वहां असरदार राजनीतिक शक्ति नहीं रही है। इसी प्रकार पुडुचेरी में यह आल इंडिया एनआर कांग्रेस-एआईएनआरसी नेता एन. रंगास्वामी की व्यक्तिगत विजय है और भाजपा को केवल गठबंधन का लाभ मिला है। लेकिन 2021 की असली लड़ाई वाले बंगाल में भाजपा खाली हाथ है। आखिरकार उसने यहां अपनी सारी ताकत झोंक दी थी जिसमें राजनीतिक, वित्तीय व अन्य संसाधन शामिल हैं। स्वयं प्रधानमंत्री ने 18 रैलियों को संबोधित किया था तथा गृह मंत्री अमित शाह ने दर्जनों विशाल रोडशो में भाग लिया था। अनेक अन्य मुख्यमंत्री, सांसद, विधायक और पार्टी अध्यक्ष जे.पी. नड्डा ने महीनों तक बंगाल में डेरा डाला था तथा मनोवैज्ञानिक क्षेत्र में टीएमसी को हराने के लिए आवश्यक मीडिया लहर पैदा की थी। संयोग से सीबीआई व आयकर विभाग ने अनेक टीएमसी नेताओं के खिलाफ कार्रवाई की थी जो भाजपा के प्रचार का हिस्सा बनी थी।

ममता बनर्जी व उनके समर्थक लगातार आरोप लगा रहे थे कि निर्वाचन आयोग निष्पक्ष भूमिका निभाने के बजाय एक पक्ष की तरह काम कर रहा था। दूसरी ओर ममता बनर्जी को भाजपा-विरोधी समूह की ओर से ज्यादा समर्थन नहीं मिला। हालांकि, कांग्रेस-वाम गठबंधन ने ममता के मुस्लिम वोट काटने का प्रयास किया, वहीं अनेक पूर्व संप्रग नेता ममता के पक्ष में प्रचार करने आए। बिना किसी गंभीर नीतिगत व कार्यक्रमों पर विमर्श के अभियान अत्यधिक व्यक्तिगत हो गया, मोदी ने व्यंग्यात्मक रूप से 'दीदी ओ दीदी' कहा तथा टीएमसी सुप्रीमो ने शाह पर चुन-चुन कर हमले किए। अपने प्रमुख राजनीतिक एजेंडे को आगे बढ़ाने के बजाय ममता की छवि ज्यादा खराब करने की भाजपा की योजना विफल हो गई। भाजपा के लिए बंगाली-पहचान की राजनीति ज्यादा घातक और आक्रामक सिद्ध हुई। वह यह समझ नहीं पाई कि भगवान राम ऐसी महिला को डरा नहीं सकते जो लाखों बंगालियों के लिए देवी दुर्गा का रूप है। वास्तव में भाजपा नेताओं ने ममता बनर्जी का जितना मजाक उड़ाया, उनको राज्य की जनता से उतनी ही हमदर्दी मिली। पहचान की राजनीति का प्रतीक बनी नेता ने भाजपा को भारी नुकसान पहुंचाया। अधिकांश उधार लिए राजनीतिक खिलाड़ियों को प्रशांत किशोर ने 'सड़े अंडे' बताया और भाजपा के अपने समर्थकों ने भी उनको अवसरवादी बताया। यह स्पष्ट था कि कार्यकर्ता आधारित कोई पार्टी अपने समर्थकों को हाशिए पर धकेले बिना रातोंरात इतने अधिक बाहरी लोगों को समाहित नहीं कर सकती है। इससे भाजपा को स्पष्ट व जोरदार सबक मिला है कि जब भी पार्टी का मुकाबला क्षत्रपों से हो तो उसे स्थानीय मुद्दों तथा पहचान की राजनीति पर जोर देना जरूरी होगा। पिछले सात सालों का रिकार्ड बताता है कि भाजपा राज्य स्तरीय चुनावों में शक्तिशाली क्षेत्रीय क्षत्रपों के खिलाफजीतने में सफल नहीं हुई है।

निशुल्क टीकाकरण की अनिवार्यता

कम समय के भीतर कम से कम एक बिलियन लोगों को टीका लगाने की सख्त जरूरत है और विभेदित मूल्य निर्धारण के नुकसान को देखते हुए केंद्र को सभी को मुफ्त में टीका लगाने का विकल्प चुनना चाहिए।

उत्तम गुप्ता
(लेखक नीति विश्लेषक हैं)

उदारीकृत मूल्य निर्धारण और त्वरित राष्ट्रीय कोविद-19 टीकाकरण रणनीति (एलपीएएनसीवीएस)' के तहत, 19 अप्रैल को घोषित किया गया था, जिसे 1 मई से बंद कर दिया गया था, केंद्र की योजना 18 वर्ष से कम आयु के सभी वयस्कों को टीका लगाने की है। इससे पहले, 16 जनवरी को लॉन्च किया गया इनोक्यूलेशन ड्राइव हेल्थकेयर और फ्रंटलाइन वर्कर्स और 50 साल से ऊपर के लोगों और कॉमरेडिटी वाले लोगों को कवर करता था। ड्राइव के दूसरे चरण में आयु सीमा 45 से ऊपर वालों के लिए लाई गई थी। वैक्सीन निर्माता अपनी सभी आपूर्ति भारत सरकार को दे रहे थे और 150 रुपये प्रति डोज़ चार्ज कर रहे थे, जबकि बाद वाले पात्र लोगों के टीकाकरण की व्यवस्था कर रहे थे। सरकारी टीकाकरण केंद्रों पर नि:शुल्क। हालांकि, निजी अस्पतालों में टीकाकरण कराने के इच्छुक लोगों को प्रति खुराक 250 रुपये देने की जरूरत है। भारत सरकार ने जीवीसी में प्रति खुराक 150 रुपये के बराबर किए गए टीकाकरण पर सब्सिडी दी, साथ ही इसे प्रशासित करने की लागत भी। इसे केंद्रीय बजट से वित्त पोषित किया गया था।

यहां तक कि उपरोक्त व्यवस्था में अंतर मूल्य निर्धारण शामिल है, जो उन लोगों के लिए मुफ्त है जैसे कि जीवीसी पर टीका लगाया गया है और अन्य को निजी अस्पतालों में कीमत के लिए जैब मिल रहा है, इस महीने से प्रस्तावित प्रणाली बहुत अधिक जटिल है। इसके तहत, इसकी कुल आपूर्ति में, वैक्सीन निर्माता, भारत सरकार को 150 रुपये प्रति खुराक की दर से 50 प्रतिशत देते हैं और शेष 50 प्रतिशत राज्य सरकारों, निजी अस्पतालों, औद्योगिक प्रतिष्ठानों को एक मूल्य पर उपलब्ध कराते हैं। अग्रिम में (निजी अस्पतालों द्वारा टीकाकरण के लिए लगाए गए मूल्य की निगरानी की जाएगी)। लोग निजी टीकाकरण केंद्र में नियुक्ति के समय सूचित विकल्प बना सकते हैं।

टीके खुले बाजार में फार्मासिस्ट या केमिस्ट की दुकानों पर बिक्री के लिए उपलब्ध नहीं होंगे। निजी अस्पतालों की वर्तमान प्रणाली जो 45 वर्ष से अधिक के लिए 250 रुपये प्रति खुराक के लिए रोकती है, वे अस्तित्व में नहीं आएंगी क्योंकि उन्हें अब भारत सरकार से कोई आपूर्ति नहीं मिलेगी और बाद में अधिसूचित मूल्य पर वैक्सीन निर्माताओं से सीधे खरीद करनी होगी।

इस बीच, निर्माताओं ने कीमतों की घोषणा की है जो वे राज्य सरकारों और निजी अस्पतालों से चार्ज करने का इरादा रखते हैं। कोविशिल्ड के निर्माता सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया (जीवीसी), राज्यों को आपूर्ति पर 300 रुपये प्रति खुराक और निजी अस्पतालों से 600 रुपये प्रति डोस वसूलेंगे। कोवाक्सिन के निर्माता भारत बायोटेक राज्यों से 400 रुपये प्रति खुराक और निजी अस्पतालों को आपूर्ति पर 1,200 रुपये प्रति खुराक का शुल्क लेंगे। दोनों 150 रुपये प्रति खुराक की दर से भारत सरकार को आपूर्ति जारी रखेंगे (यह केंद्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री हर्षवर्धन द्वारा जारी एक बयान के अनुसार है)।

सभी टुकड़ों को एक साथ रखने पर, कोविद -19 टीकाकरण खुराक के लिए न्यूनतम पांच मूल्य होंगे अर्थात शून्य, 300 रु।, 400 रु।, 600 रु।, 1,200 (प्राप्तकर्ताओं के लिए लागत बराबर के बराबर होगी) वैक्सीन के प्रकार और जिस चैनल के माध्यम से यह किया जाता है, उसके आधार पर राज्य सरकारों / निजी अस्पतालों द्वारा वैक्सीन के संचालन की लागत को कवर करने के लिए सेवा शुल्क। इस बीच, स्पुतनिक वी, नासल कोवाक्सिन और इतने पर और अधिक टीके, जल्द ही मंजूरी मिलने की उम्मीद है। लेकिन उन की कीमत और भी अधिक होने की संभावना है। पहले की व्यवस्था इष्टतम से दूर थी क्योंकि इसमें पात्र लोगों के अंतर उपचार के स्थान पर उन्हें जैब मिला था। जबकि, जीवीसी में जाने वालों को यह मुफ्त में मिला, अन्य लोगों ने निजी अस्पतालों के लिए प्रति खुराक 250 रुपये का भुगतान किया। निजी अस्पतालों की भागीदारी को उचित समय सीमा के भीतर बड़ी संख्या में कवर करने की आवश्यकता (45 प्लस समूह में 300 मिलियन) को देखते हुए उचित ठहराया गया था, इसके लिए एक मूल्य टैग लगाया गया और वह भी 100 रुपये और उससे अधिक इस उद्देश्य के विरुद्ध निर्माताओं को भुगतान की गई कीमत। वास्तव में, यह निराशाजनक परिणामों के पीछे एक शक्तिशाली कारक था और अब तक कुल 300 मिलियन में केवल 20 मिलियन के साथ दोनों शॉट्स (यहां तक कि अन्य कारक जैसे कि शुरुआती टीका जनता में बड़े पैमाने पर झिझक के रूप में भी आपूर्ति की कमी के बराबर जिम्मेदार थे)।

नए शासन के तहत, भले ही 45 वर्ष से अधिक की श्रेणी के व्यक्तियों के लिए निजी अस्पतालों में 250 रुपये प्रति खुराक के लिए एक टीका पाने की सुविधा वापस ले ली गई हो, लेकिन केंद्र सरकार 500 मिलियन से अधिक लोगों (50 प्रतिशत के बारे में एक बिलियन से अधिक) चाहती है। वयस्क आबादी यानी 18 वर्ष से अधिक की उम्र, जिसे यह उम्मीद है कि राज्यों और निजी अस्पतालों के कोटा से) एक मध्यम आय वाले परिवार के बजट को अस्थिर करने के लिए पर्याप्त कीमत चुकानी पड़ेगी।

निम्नलिखित दो परिदृश्यों पर विचार करें- सबसे पहले, आइए मूल्य स्पेक्ट्रम में सबसे कम लेते हैं यानी कॉविशिल्ड – राज्यों को प्रति खुराक 300 रुपये की आपूर्ति की जाती है। 200 रुपये प्रति खुराक (कीमत का 67 प्रतिशत) का सेवा शुल्क जोड़ें, यह 150 रुपये प्रति खुराक के लिए लागू किया जा रहा है, जो निजी अस्पतालों में बिल की कीमत के बराबर है। दो खुराक के लिए, यह 1,000 रुपये आता है। चार के एक परिवार को 4,000 रु।

एक और चरम पर, कोवाक्सिन को निजी अस्पतालों में प्रति खुराक 1,200 रुपये की आपूर्ति पर विचार करें। प्लस सेवा शुल्क, प्राप्तकर्ता प्रति खुराक 2,000 रुपये का भुगतान करेगा। दो खुराक के लिए, यह 4,000 रुपये होगा। इस मामले में, इस परिवार के बजट पर सेंध 16,000 रुपये होगी। राज्य के केंद्रों में उच्च कीमतों को देखते हुए और निजी अस्पतालों में बहुत अधिक और यह देखते हुए कि भारत सरकार के कुल टीकाकरण (कुल आपूर्ति का 50 प्रतिशत) से टीकाकरण मुफ्त में है, लोग बाद की ओर रुख करेंगे। जीवीसी पर टीकाकरण के लिए होने वाली अव्यवस्था इतनी स्पष्ट हो जाएगी कि इस नेटवर्क के पूरी तरह से टूटने का कारण बन जाएगा। यदि राज्य सरकारें केवल भुगतान किए गए कोटे से भी मुक्त टीकाकरण करने का निर्णय लेती हैं, तो इसे रोका जा सकता है; हालाँकि, इसके लिए उन्हें राज्य के बजट से भारी सब्सिडी देने की आवश्यकता होगी।

पहले से ही, कुछ राज्यों जैसे महाराष्ट्र, दिल्ली और इसी तरह सभी ने इसे मुफ्त देने की अपनी मंशा की घोषणा की है और दूसरों को सूट का पालन करने की संभावना है। अगर, केंद्र या राज्यों द्वारा सब्सिडी शामिल करने के लिए सभी को मुक्त होना है तो ऐसे बोझिल मार्ग से क्यों गुजरना है?

यह देखते हुए कि संकट एक अभूतपूर्व परिमाण का है (जीवनकाल में एक बार) पूरी आबादी को पीड़ित करने के लिए, कम से कम एक समय के भीतर कम से कम एक अरब टीकाकरण की सख्त आवश्यकता है और विभेदित मूल्य निर्धारण के नुकसान को देखते हुए, केंद्र को इसका विकल्प चुनना चाहिए। सभी को नि:शुल्क टीका लगाना।

जीवीसी के अलावा, अन्य सभी हितधारक जैसे राज्य स्वास्थ्य सुविधाएं, निजी अस्पताल, औद्योगिक प्रतिष्ठान और इसी तरह टीकाकरण अभियान में शामिल होना चाहिए। वे निर्माताओं से सीधे अपनी आवश्यकताओं को उठा सकते हैं, यहां तक कि जब समग्र समन्वय करता है, तो एक अच्छी कीमत पर बातचीत करता है और भुगतान करता है। विशाल संख्या यानी दो बिलियन खुराक को देखते हुए, 200 रुपये प्रति डोज की कीमत इतनी होनी चाहिए कि वे लागत को कवर कर सकें और निर्माताओं को अच्छा रिटर्न दे सकें (यहां, एसआईआर पूनावाला, सीईओ, एसआईआई, के बयान को याद रखना उचित है। यह फर्म 150 रुपये प्रति डोज के मूल्य पर भी लाभ कमा रही थी।) 2021-22 के लिए केंद्रीय बजट में किए गए 35,000 करोड़ रुपये के आवंटन से खरीद की लागत यानी लगभग 40,000 करोड़ रुपये की लागत पूरी की जा सकती है (घाटे के लिए अतिरिक्त 5,000 करोड़ रुपये की आवश्यकता होगी)।

टीकाकरण के लिए सेवा शुल्क के रूप में, इस लागत का भुगतान राज्यों द्वारा अपने बजट से किया जा सकता है।

कोरोना के खतरे की अनदेखी

कुषाण मित्रा
(लेखक दि पायनियर के प्रबंध संपादक हैं)

लगभग 25 लाख लोगों को मौत में धकेलने वाली 2004 की भयानक सुनामी के अनेक वीडियो हैं। यूट्यूब पर उपलब्ध इसके कुछ वीडियो से स्पष्ट है कि तट पर सुनामी के आने से 10-15 मिनट पहले पानी तटों से हटने लगा था। मिडिल स्कूल भूगोल के छात्रों को याद होगा कि इसे आने वाली सुनामी का स्पष्ट लक्षण बताया गया है। हमें बहुत पहले छोटी उम्र में ही बताया गया था कि ऐसी स्थिति में हमें बहुत ऊंची जमीन की तलाश करनी चाहिए। निसंदेह अनेक तटीय क्षेत्रों में यह सबक दुहराया गया। हालांकि, कुछ लोगों ने शरणस्थलों की तलाश की, पर बहुतों ने ऐसा नहीं किया। सुनामी अपने से बचने का प्रयास करने वाले बहुत से लोगों को निगल गई क्योंकि यह इतनी विनाशकारी थी कि इससे भागना ज्यादा सफल नहीं हो सका था। लेकिन यदि थोड़े से लोगों का जीवन भी बचा हो तो स्कूल में पढ़ा पाठ उनके लिए बहुत काम का सिद्ध हुआ था। वह असली सुनामी थी, जबकि वर्तमान समय में भारत कोविड-19 संक्रमणों की दूसरी लहर का सामना कर रहा है। हमारे सामने कोविड-19 संक्रमणों की भयानक सुनामी है जो दिल्ली तथा भारत के अनेक अन्य शहरों की स्वास्थ्य व्यवस्था पर बहुत भारी पड़ी है। हम जानते हैं कि कम से कम आधिकारिक आंकड़ों के अनुसार कम से कम 3,500 लोग रोज मर रहे हैं। भारत 2,50,000 मौतों के निकट पहुंच रहा है तथा दिल्ली का लगभग हर परिवार कोरोनावायरस सुनामी के कारण एक प्रियजन या नजदीकी मित्र की मुत्यु से परिचित हो गया है। हालांकि, अधिकारी अब स्थिति की विभीषिका से निपट रहे हैं, पर हमने बहुत बाद में काम शुरू किया तथा चेतावनी के शुरुआती लक्षणों की अनदेखी की।

ये लक्षण पहले से मौजूद थे। सभी लोग इनको अच्छी तरह देख सकते थे और इनके बारे में खबरों में पढ़ सकते थे। हम जानते थे कि कोरोनावायरस की एक ज्यादा खतरनाक और घातक ब्रिटिश किस्म आ गई है और हम यह भी जानते थे कि एक नई 'दुहरी म्यूटेंट' वाली किस्म भी है। सीमित परीक्षणों से ही हमें पता चल गया था कि मुंबई और पूना के निकट हाटस्पाट उभर रहे हैं। लेकिन असली सुनामी में लोगों को ऊंची और सुरक्षित जमीन पर ले जाने की तरह

हम जादू की तरह समुद्र के खाली हुए क्षेत्र में घूमते रहे और वहां से मूंगे व शंख चुनते रहे। हमने गोवा की यात्रा की, भीड़ भरे विमानों और हवाईअड्डों की यात्रा की तथा ब्रिटेन की तरह हाटस्पाट क्षेत्रों से यात्रा प्रबंधन के बजाय घरेलू यात्रा की भी अनुमति दे दी। इस प्रकार हमने अनेक ट्वीट के माध्यम से बढ़ते हवाई यात्रियों की संख्या पर 'खुशी मनाई'। भारत के भीतर तथा भारत से आने या जाने वाली यात्राओं व हवाई यात्राओं पर नियंत्रण के बजाय हमने सैकड़ों लोगों को आने की अनुमति दी जो अपने साथ संभवत: वायरस की नई और खतरनाक किस्में भी लाए। लेकिन दुनिया भारत से उभरने वाली कोरोनावायरस की नई किस्मों से डरी हुई थी और उसने काफी सीमा तक भारत के लिए अपने दरवाजे बंद कर लिए थे। हम में से कुछ लोगों ने अचानक ब्राजील में मामले बढ़ने के बारे में पढ़ा था जिनकी शुरुआत अमेजन के शहर मानास से हुई थी और फिर सारे दक्षिण अमेरिकी देशों में फैल गई थी। आश्चर्य था कि क्या भारत में भी विकलांगकारी मामलों की ऐसी भयानक सुनामी आ सकती है। इसके बजाय हमें भारतीय विशिष्टता की कहानियां सुनाई जा रही थीं। अपने नेताओं से संकेत प्राप्त कर हम समझ रहे थे कि भारत ने कैसे वायरस को हरा दिया है। यह स्थिति राजनीति से लेकर खेल के मैदानों तक थी और हमने अपनी सतर्कता खो दी थी। यह समझने के बजाय कि भारत पर मूल कोरोनावायरस का 'पूरा' प्रभाव क्यों नहीं पड़ा, हमने एक सुस्त गति वाला वैक्सीन कार्यक्रम शुरू किया तथा विदेशों में लाखों वैक्सीनों का निर्यात कर अपनी भूरि-भूरि प्रशंसा की। हालांकि, दुनिया के प्रति भारत की उदारता के बारे में कुछ कहना उचित नहीं है, पर शायद हमें ज्यादा स्वार्थी अमेरिकी दर्शन का पालन करना चाहिए था। हमें पहले यह सुनिश्चित करना चाहिए था कि भारत के ज्यादा से ज्यादा लोगों को टीके लगाए जांए। ऐसे में इस वैश्विक महामारी से मरने वालों की संख्या कम हो सकती थी।

हालांकि, मरने वालों में बड़ी संख्या अधिक आयु वाले वृद्धों की है जो अपना पूरा जीवन जी चुके हैं और उनमें से बहुत से लोग इस सुनामी में भी मर सकते थे। लेकिन बड़ा मुद्दा यह है कि मरने वाले लोगों में बहुत से लोग ऐसे हैं जो पहले से ही ज्यादा बिस्तरों और आक्सीजन की बेहतर सुविधा उपलब्ध होने पर शायद न मरते। वर्तमान समय में व्यवस्था पर बहुत भारी बोझ है। इसका अर्थ है कि पहले संक्रमित होने वालों को ज्यादा संसाधनों का लाभ मिला। लेकिन यदि दिल्ली और मुंबई में विशेष कोविड-19 अस्पतालों की व्यवस्था एक सप्ताह पहले ही हो जाती तथा यदि आक्सीजन परिवहन की व्यवस्था तथा अन्य व्यवस्थायें एक महीने पहले कर ली गई होतीं तो बहुत सी जिंदगियां बचाई जा सकती थीं। लेकिन सरकार उस समय भारत में कोविड-19 की 'कम' मृत्यु दर पर अपनी पीठ ठोंक रही थी, जबकि उसे समुचित नियोजन और संगठन पर ध्यान देना चाहिए था। उस समय ऐसा करना आसान था और इससे मरने वालों की गिनती काफी कम हो सकती थी।

तथ्य यह है कि हमने कोरोनावायरस संक्रमण के खतरनाक संकेत देखे थे, पर हम सभी भारतीय विशिष्टता की कहानी से अभिभूत थे। हमने गलती से अनदेखी करना पसंद किया और इसके नतीजे में जो हो रहा है वैसा दुनिया में दूसरे स्थानों पर हो रहा था। हमने विश्वास किया था कि जैसे ही हम टीकाकरण शुरू करेंगे चीजें बेहतर हो जाएंगी।

हम अपने पुराने रास्ते पर आगे बढ़े और महाकुंभ जैसे व्यापक धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया, होली पर बड़ी-बड़ी दावतें दीं और इस प्रकार स्वयं को खतरे में डाल दिया। हमने खतरे के संकेतों की अनदेखी की, जबकि वे सभी लोगों को साफ-साफ दिखाई दे रहे थे। कोई आश्चर्य नहीं कि इसके कारण अब हम स्वयं को सुनामी में डूबते देख रहे हैं।

आप की बात

एक बार फिर खेला होबे

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव के नतीजों में तृणमूल कांग्रेस ने बड़ी जीत हासिल की है। विधानसभा चुनाव में भले ही तृणमूल कांग्रेस ने बीजेपी को पटखनी दी हो लेकिन सूबे की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी को नंदीग्राम से हार का सामना करना पड़ा है। पश्चिम बंगाल की सबसे हॉट सीट मानी जा रही नंदीग्राम के बारे में जैसा अनुमान लगाया जा रहा था, परिणाम भी वैसा ही दिखाई दिया है। शुरुआत से ही ये स्पष्ट ही नहीं हो सका कि नंदीग्राम से शुवेंदु अधिकारी की जीत हुई है या फिर ममता बनर्जी ने बाजी मारी है। पहले ममता बनर्जी ने जीत का दावा किया था, लेकिन नतीजे आने के बाद ममता बनर्जी ने खुद प्रेस वार्ता में अपनी हार स्वीकार कर ली लेकिन सवाल ये है कि अगर ममता बनर्जी नंदीग्राम से हार चुकी हैं तो क्या ममता बनर्जी मुख्यमंत्री बनी रहेंगी? हालांकि चुनावी विश्लेषकों का कहना है कि वह निश्चित रूप से एक बार फिर पश्चिम बंगाल की बागडोर अपने हाथ में लेंगी। गौरतलब है कि अनुच्छेद 164 कहता है कि एक मंत्री जो लगातार छह महीने तक किसी राज्य के विधानमंडल का सदस्य नहीं होता है, वह इस समयसीमा के खत्म होने के बाद मंत्री नहीं बन सकता। छह महीने बाद उन्हें सीएम बनने से कोई नहीं रोक सकता।

– **निधि जैन**, लोनी, गाज़ियाबाद

आईपीएल पर भारी कोरोना

भारतीय युवाओं और क्रिकेट प्रेमियों का रोमांचक आईपीएल खेल पर भी कोरोना का खतरा मंडरा रहा है। एक के बाद एक विदेशी समेत देश के खिलाड़ी कोरोना पॉजिटिव हो रहे है। ऐसे मे बीसीसीआई समेत अन्य अधिकारियों को इस विषय में सोचना चाहिए कि आखिर कैसे बायो बबल के बावजूद संक्रमण फैल रहा खिलाड़ियों के लिए भी यह किसी खतरे से कम नहीं।पिछले दिनों खिलाड़ियों के पॉजिटिव आने से खेल को रद्द करना पड़ा, ऐसे मे अगर बीसीसीआई को खेल जारी रखना है तो सुरक्षा के कड़े इंतजाम करने होंगे। अन्यथा इसको रोकना ही एकमात्र सही निर्णय होगा। वही दूसरी ओर यह भी सवाल खड़े हो सकते है कि जिन लोगों ने इसमे पैसा खर्च किया है, उनका क्या होगा? इसको लेकर बीसीसीआई को अगले सत्र के लिए, उनको स्पॉन्सर देना चाहिए।डर के माहौल मे मैच का आनंद तो टीवी पर बैठकर देखने वाला ले सकता है लेकिन उनका क्या जो इतने खतरे और डर के बीच खेल रहे? क्या उनके लिए लॉक डाउन नहीं होना चाहिए?जान है तो जहां है का मंत्र ही आत्मसात करना होगा। यही कारण है कि कई खिलाडी बीच मे ही मैच छोड़कर स्वदेश लौट रहे।

– **अमन जायसवाल**, दिल्ली विश्वविद्यालय

कौन है ताकतवर?

इस समय देश में तेजी से टीकाकरण जारी है। सीरम इंस्टीट्यूट ऑफ इंडिया द्वारा कोविशील्ड का निर्माण किया जा रहा है लेकिन इस समय कंपनी के सीईओ अदार पूनावाला सपरिवार लंदन चले गए थे। उनका आरोप है कि बड़े लोगों द्वारा उनको धमकियां मिल रही थी। हालांकि कंपनी में उत्पादन पूरी क्षमता के साथ चल रहा है पर पूनावाला का बयान चिंताजनक है। जल्द ही ऐसे लोगों के नाम पता लगाकर सरकार को उन तक पहुंचना चाहिए जिससे हमारी स्वास्थ्य चिकित्सा सेवाएं बाधित न हो। देश टीकाकरण के क्षेत्र में दुनियां में आगे है। मरीजों को कोविशील्ड के ही अधिकतर टीके लगाए जा रहे हैं। ऐसे में कंपनी के सीईओ अदार पूनावाला को ताकतवर लोगों ने धमकियां दी इससे परेशान होकर वे सपरिवार लंदन चले गए थे। लंदन के टाइम्स अखबार में पूनावाला ने इसका खुलासा किया है। देश इस समय महामारी से लड़ रहा है और ताकतवर अपना स्वार्थ सिद्ध करने में यहां भी बाज नहीं आ रहे हैं। भारत सरकार को ऐसे मानवता के हत्यारों के नामों का पता लगाकर सीखचों के पीछे डाल देना चाहिए।

– **अमृतलाल मारू**, दसई, मप्र

पाठक अपनी प्रतिक्रिया ई-मेल से
responsemail.hindipioneer@gmail.com
पर भी भेज सकते हैं।

फरमाया

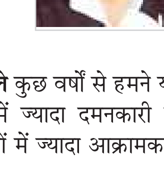

अभी तक तो हमने संपूर्ण लाकडाउन से परहेज किया है, लेकिन यदि लोग प्रतिबंधों का पालन नहीं करेंगे तो कठोर कदम उठाने पड़ सकते हैं।

– **कैप्टन अमरिंदर सिंह**
पंजाब के मुख्यमंत्री

पिछले कुछ वर्षों से हमने यह देखा है कि चीन अपने देश में ज्यादा दमनकारी रुख अपना रहा है और विदेशों में ज्यादा आक्रामक ढंग से काम कर रहा है।

– **एंथनी ब्लिंकेन**
अमेरिकी विदेश सचिव

दिल्ली में निर्वाचन सदन एक नया शवदाह गृह है जिसमें संवैधानिक निकायों को जलाया जाता है।

– **महुआ मोइत्रा**
तृणमूल कांग्रेस नेत्री

जिला पंचायत सदस्य के नतीजों का हाल...

बीरबल की खिचड़ी बना 'जिला पंचायत सदस्य' का परिणाम

● निर्वाचित प्रत्याशियों को आज सदर तहसील में मिलेंगे प्रमाण पत्र

संवाददाता। सीतापुर

पंचायत चुनाव की मतगणना का तीसरा दिन आरोपों-प्रत्यारोपों के नाम रहा। तीसरे दिन मंगलवार को सभी पदों की कांउटिंग पूरी करते हुए नतीजे घोषित कर दिए गए लेकिन जिला पंचायत सदस्य पद की सात सीटों पर समाचार लिखे जाने तक परिणाम नहीं आ सके थे। इनमें जीत को लेकर कई सीटों पर उम्मीदवारों के बीच विवाद होने से प्रशासन और पुलिस अमला भी हलकान रहा। ऐलिया में तो आलम यह रहा कि प्रत्याशियों एवं उनके समर्थको के बीच हुए विवाद को लेकर मतगणना स्थल पर कई थानों की फोर्स लगानी पड़ी एवं एसडीएम सदर अमित भट्ट ने खुद मोर्चा संभालते हुए मतगणना स्थल को खाली कराया और प्रत्याशियों से जिला स्तर पर नतीजे घोषित करने की बात कही। जिला पंचायत सदस्य पद के नतीजों के रूझान इस प्रकार है-

वार्ड नं.1-रामजीवन जायसवाल(भाजपा),वार्ड नं.2-वीरेंद्र कुमार भार्गव (सपा),वार्ड नं.3-डॉ. हरिमोहन (निर्दल),वार्ड नं.4-किरन कनौजिया (भाजपा),वार्ड नं.5-विमला राज (भाजपा),वार्ड नं.6-हरगोविंद (निर्दल),वार्ड नं.7-प्रीति राज (निर्दल),वार्ड नं.8-ललिता राज (निर्दल),वार्ड नं.9-विपिन वर्मा (निर्दल),वार्ड नं.10-मनोज गुप्ता 'मिंटू' (निर्दल),वार्ड नं.11-निर्मला वर्मा (भाजपा),वार्ड नं.12-रेशमा बानो (सपा),वार्ड नं.13-अमित भार्गव (निर्दल), वार्ड नं.14-का.अर्जुन लाल बौद्ध (निर्दल),वार्ड नं.16-अनीता गौतम (निर्दल),वार्ड नं.17-चंद्रपाल (सपा),वार्ड नं.18-मोहनलाल (निर्दल),वार्ड नं.19-आशा देवी (निर्दल),वार्ड नं.20-इंद्रपाल(निर्दल),वार्ड नं.21-किरन वर्मा(भाजपा),वार्ड नं.22-जितेन्द्र कुमार (निर्दल),वार्ड नं.23-छबीले राजवंशी (भाजपा),वार्ड नं.24-अनूप कुमार त्रिपाठी (भाजपा),वार्ड नं.27-आराधना तिवारी (निर्दल),वार्ड नं.30-चन्द्रप्रभा कनौजिया(सपा),वार्ड नं.31-अशोक कुमार भार्गव (सपा),वार्ड नं.32-सत्यप्रकाश मौर्या(निर्दल),वार्ड नं.33-ब्रजेन्द्र कश्यप (निर्दल),वार्ड नं.34-बिंदेश्वरी यादव (सपा),वार्ड नं.35-सीमा देवी (निर्दल),वार्ड नं.36-अरविंद रस्तोगी (निर्दल),वार्ड नं.37-तनवीर अहमद(निर्दल),वार्ड नं.38-प्रीति देवी (निर्दल),वार्ड नं.39-रीता पाल (बसपा),वार्ड नं.40-संतोष यादव (बसपा),वार्ड नं.41-अनुराधा अवस्थी (भाजपा),वार्ड नं.42-शालिनी गौतम (निर्दल),वार्ड नं.43-सुनीता देवी(बसपा),वार्ड नं.44-इंद्रपाल यादव (निर्दल),वार्ड नं.45-संगीता चौधरी (निर्दल),वार्ड नं.46-निशा वर्मा (निर्दल),वार्ड नं.47-संगीता राजवंशी (सपा), वार्ड नं.48-रमेश कुमार(निर्दल),वार्ड नं.49-अनुपमा सिंह (निर्दल),वार्ड नं.50-दीपक शुक्ला (भाजपा),वार्ड नं.51-गोविन्द भारती (निर्दल),वार्ड नं.52-प्रेमदीप जायसवाल(भाजपा),वार्ड नं.53-देवेंद्र यादव (निर्दल),वार्ड नं.54-शहनाज बानो(बसपा),वार्ड नं.55-शांति देवी (निर्दल),वार्ड नं.57-दुरविजय सिंह यादव (बसपा),वार्ड नं.58-श्रद्धा सागर (भाजपा),वार्ड नं.59-रामवती(निर्दल),वार्ड नं.60-किरन देवी (भाजपा),वार्ड नं.61-रईस अहमद(निर्दल),वार्ड नं.62-अनिकेत वर्मा (निर्दल),वार्ड नं.63-राजाराम (निर्दल),वार्ड नं.64-रामप्यारी (निर्दल),वार्ड नं.65-चंद्रकांती वर्मा (भाजपा),वार्ड नं.66-खुशनुमा बानो (निर्दल),वार्ड नं.67-महदेई(सपा),वार्ड नं.68-विजया वर्मा (सपा),वार्ड नं.69-विद्यावती (सपा),वार्ड नं.70-सुरेश प्रकाश मिश्रा 'पप्पू' (निर्दल),वार्ड नं.71-शमीम बानो (निर्दल),वार्ड नं.72-किरन वर्मा (सपा),वार्ड नं.73-सुधा वर्मा (निर्दल),वार्ड नं.74-शिवकुमार गुप्ता (भाजपा),वार्ड नं.76-अरुण कुमार मौर्या (निर्दल),वार्ड नं.77-दीपेंद्र प्रताप सिंह (सपा),वार्ड नं.78-श्रीकेशन पाल (सपा),वार्ड नं.79-तौकीर अहमद 'अल्लन'(सपा) का जीतना तय।

सात वार्डों में प्रत्याशियों के बीच विवाद, समाचार लिखे जाने तक नहीं आ सके परिणाम

- भाजपा के 14,सपा के 14 व बसपा के 5 प्रत्याशियों का जीतना तय
- 79 वार्डों में अधिकांश पर निर्दलियों का कब्जा
- सात वार्डों में नहीं सुलझा विवाद
- वार्ड 15 हरगांव तृतीय में रागिनी और रेखा के बीच विवाद
- वार्ड 25 खैराबाद-ऐलिया में हाजी रिजवान व अनिल भारती के बीच विवाद
- वार्ड 26 ऐलिया प्रथम में भी विवाद
- वार्ड 28 ऐलिया तृतीय में भी विवाद कायम
- वार्ड 29 ऐलिया व महोली में हरदीप कौर व किरन शुक्ला के बीच विवाद
- भीड़ जुटने के बाद एलिया ब्लॉक में तैनात किया गया पुलिस बल
- एसडीएम सदर अमित भट्ट ने संभाला मोर्चा
- वार्ड 56 सिधौली तृतीय में आशा देवी व उषा रावत के बीच विवाद
- वार्ड 75 रेउसा द्वितीय में वसीम और रिंकी मिश्रा के बीच विवाद

...जब काउंटिंग स्थल पर हुआ तनावपूर्ण माहौल

● एसडीएम व सीओ मय पुलिस फोर्स पहुंचकर संभाली स्थिति

संवाददाता। सीतापुर

एलिया ब्लॉक के मतगणना स्थल पर काउंटिंग के दौरान मंगलवार की दोपहर बाद जिला पंचायत सदस्य के वार्ड 29 के दो प्रत्याशियों के बीच उपजे विवाद से माहौल गरमा गया। तनावपूर्ण माहौल को देख आरओ को अतिरिक्त पुलिस फोर्स मंगानी पडी, सीओ समेत भारी संख्या में पुलिस बल ने मतगणना स्थल पहुंचकर मोर्चा संभाला। आपको बता दें कि जिला पंचायत सदस्य के वार्ड 29 में निर्दल उम्मीदवार किरन शुक्ला, हरदीप कौर समेत आमने सामने थे। मंगलवार को ब्लॉक एलिया में चल रही मतगणना में किरन शुक्ला द्वारा 13 व हरदीप कौर द्वारा 23 वोटों से अपनी-अपनी जीत के दावे किए जा रहे थे। इसी बात को लेकर दोनों में कहासुनी हो गई। बातचीत बढने से वहां का माहौल गरमाया। बिगडते माहौल को देखकर पहले आरओ ने दोनों को समझाने बुझाने का प्रयास किया, लेकिन जब बात नहीं बनी तो मजबूरन उन्हें प्रशासनिक व पुलिस विभाग के उच्चाधिकारियों को जानकारी देकर सुरक्षा व्यवस्था की डिमांड की। सूचना पाकर एसडीएम सदर अमित भटट, सीओ सदर अभिषेक प्रताप अजेय मय महोली, हरगांव समेत कई अन्य थानों की पुलिस फोर्स के साथ मौके पर पहुंचे और वहां के हालातों को संभाला।

कोरोना संक्रमित सदर से पूर्व विधायक के भाई की गई जान

संवाददाता। सीतापुर

कोरोना संक्रमण का प्रकोप थम नहीं रहा। लगातार कोरोना अपना कहर बरपाए हुए है। यही नहीं आक्सीजन और दवाओं की कमी से लगातार मौतें हो रही है। सोमवार की शाम को कोरोना संक्रमित सदर से पूर्व विधायक, नगर पालिका परिषद सीतापुर के चेयरमैन राधेश्याम जायसवाल के छोटे भाई अनिल जायसवाल की मौत हो गई। उनके निधन से क्षेत्र में शोक की लहर दौड गई। शहर के हुसैनगंज मोहल्ला के रहने वाले अनिल कुमार जायसवाल कुछ दिन पहले संक्रमित हुए थे। तबियत बिगडने पर उन्हें जिला अस्पताल से लखनउ रेफर कर दिया गया था, जहां पर उनका उपचार चल रहा था। सोमवार की देर शाम को कोरोना संक्रमित अनिल जायवाल ने अंतिम सांस ली। इससे पूर्व दूसरी लहर में अब तक मौतों का आंकडा 33 पार पहुंच चुका है।

नहीं रहे सिधौली नगर पंचायत के पूर्व चेयरमैन उमाशंकर

नगर पंचायत सिधौली के पूर्व अध्यक्ष उमाशंकर मिश्रा का सोमवार रात को निधन हो गया। वो काफी से समय बीमार चल रहे थे। उनका लखनउ में इलाज चल रहा था। उपचार के दौरान उन्होंने लखनउ के अस्पताल में अंतिम सांस ली। निधन से क्षेत्र में शोक लहर दौड गई। उमाशंकर मिश्रा तीन बार से नगर पंचायत सिधौली के चेयरमैन रह चुके हैं। मिश्रा का इलाके में काफी समय तक दबदबा रहा। इनकी पत्नी गीता मिश्रा वर्तमान समय में डीसीडीएफकी डायरेक्टर हैं। निधन का समाचार पाकर विभिन्न राजनीतिक दलों के जनप्रतिनिधियों एवं गणमान्य नागारिक अंतिम दर्शन करने के लिए उनके आवास पहुंचे और परिवार को दुख सहन करने के लिए संवेदनाएं भी दी।

मतगणना में गड़बड़ी की शिकायतें पहुंचीं जिलाधिकारी की चौखट पर

● हरगांव, मछरेहटा ब्लॉकों के प्रत्याशियों ने पुर्नमतगणना की लगाई गुहार

संवाददाता। सीतापुर

पंचायत चुनाव की मतगणना में गडबडी होने की शिकायतें अब सुर्खियों में आने लगी हैं। प्रधान और जिला पंचायत सदस्य पदों पर धांधली से खफा हरगांव और मछरेहटा के सैकडों ग्रामीणों के संग उम्मीदवार अपनी शिकायतें दर्ज कराने को डीएम की चौखट पर पहुंचे और मतगणना कर्मचारियों पर हेराफेरी के आरोप जडे। साथ ही जिलाधिकारी से पुन: वोटों की गिनती कराए जाने की गुहार लगाई। जिला पंचायत सदस्य वार्ड 15 सीट पर निर्दल उम्मीदवार रेखा देवी और रागिनी पत्नी राजेंद्र आमने-सामने थे। 29 अप्रैल को हुए मतदान में मतदाताओं ने मताधिकार का इस्तेमाल कर उनके भाग्य को मतपेटियों में कैद कर दिया था। दो मई को हरगांव ब्लॉक के ग्रीन फील्ड स्कूल में मतगणना प्रक्रिया अपनाई गई। वोटों की गिनती में कभी रेखा तो कभी रागिनी आगे चल रही थी। रागिनी के एजेंट सोनू सिंह अभिकर्ता थे। रेखा 340 मतों से आगे चल रही थी। जबकि अंतिम मतपेटी की गणना चल रही थी। आरोप है कि मतगणना के दौरान निर्दल प्रत्याशी रागिनी के एजेंट सोनू सिंह ने उनसे कहा कि आप 40 मतों से जीत गई है। जीत का प्रमाण पत्र आरओ से लेने की बात कही गई। इस पर उन्होंने आरओ से बात की, तो उन्होंने उसे धमकाकर भगा दिया। मतगणना में गडबडी होने की शिकायत लेकर जिला पंचायत सदस्य की उम्मीदवार रेखा देवी अपने समर्थक श्रीकांत, महावीर, सर्वेश, विजय, दिलीप व विकास के साथ जिला मुख्यालय पहुंची। यहां पर उन्होंने आई इंडिया को समूचे मामले से रूबरू कराया। इसी प्रकार हरगांव ब्लॉक की ग्राम पंचायत भदेवा से प्रधान पद के उम्मीदवार विनोद कुमार भी अपने समर्थकों के साथ जिलाधिकारी से शिकायत करने पहुंचे। आरोप है कि तीन मई की दोपहर वो सात मतों से आगे चल रहे थे। लंच के बाद कर्मचारियों की डयूटी बदल गई। मतगणना कार्य में विपक्षी के ससुर मोहम्मद अहमद कार्उटिंग में लगे थे, उन्होंने दबाव बनाकर विपक्षी को एक वोट से विजयी करा दिया। इस पर उसने तीन बार पुर्न मतगणना कराए जाने की मांग की, लेकिन उनकी सुनी नहीं गई। चार मई की सुबह पुलिस ने उन्हें वहां से भगा दिया। इससे नाराज सैकडों समर्थकों के साथ शिकायत दर्ज कराने के लिए वो जिला मुख्यालय पहुंचे।

एक वोट से हारने के बाद रि-कार्उटिंग की मांग: भदेवा प्रधान पद की दोबारा मतगणना कराने के लिए कई आवेदन दिए गए लेकिन उन पर सुनवाई नहीं की गई। पुन: वोटों की गिनती कराई जाए। इसके अलावा मिश्रिख तहसील के ब्लॉक मछरेहटा की ग्राम पंचायत हरिपालपुर प्रधान प्रत्याशी जय देवी ने भी अपने मतगणना में धांधली होने का आरोप लगाया। साथ ही इस मामले को लेकर उन्होंने अपने समर्थकों के साथ जिला मुख्यालय पहुंचकर जिलाधिकारी से शिकायत की। आरोप है कि उनके यहां कुल 1487 मत पडे थे, लेकिन केवल 1384 मतों की गणना की गई। जबकि शेष मतों की गणना ही नहीं की गई। पुर्न मतगणना कराने के आग्रह के बाद भी उनकी सुनी नहीं की गई।

क्विक न्यूज

निजी अस्पतालों को सत्यापन उपरांत सीधे कंपनी से मिलेगी वैक्सीन

बरेली। वैक्सीनेशन अभियान के चार माह पूरे होने के बाद शासन ने नए आदेश जारी किए है इसमे तय किया गया है कि अब 45 प्लस की वैक्सीन केंद्र सरकार से मिलेगी, वही 18 प्लस वैक्सीन की सप्लाई राज्य सरकार कराएगी। इसके साथ ही अब निजी अस्पतालो को राज्य सरकार से वैक्सीन की वायल नही मिलेगी, इन अस्पतालो को सीधे कंपनी से सप्लाई होगी। अस्पताल का वैरीफिकेशन होने के बाद वैक्सीन मिलेगी। बता दें कि बीती एक मई से 18 प्लस लोगो को वैक्सीन लगने की शुरूआत हो गई है। सरकारी अस्पतालो के तय सेंटरो पर कोवैक्सीन व कोविडशील्ड की वैक्सीन दी जा रही है। महिला जिला अस्पताल मे कोवैक्सीन की वैक्सीन लग रही है, वही शहर और जिले के अन्य 44 केंद्रो पर कोविडशील्ड वैक्सीन लगाई जा रही हैं। सहायक जिला प्रतिरक्षण अधिकारी ने बताया कि 45 प्लस के साथ ही 18 प्लस लोगो को वैक्सीन लगाई जा रही है। शासन से आए नए आदेश मे कहा गया है कि अब निजी अस्पताल को राज्य सरकार से आने वाली वैक्सीन नही मिलेगी बल्कि निजी अस्पतालो को अब सीधे कंपनी को आर्डर देना होगा। कंपनी अस्पताल का सत्यापन कराने के बाद ही वैक्सीन की सप्लाई करेगी।

खेत में मिली शराबी युवक की लाश

बरेली। पत्नी से झगड़ा करने के बाद बहन के घर गए एक युवक की लाश आज सुबह बहन के घर से कुछ ही दूरी पर स्थित एक खेत में पाई गई। सूचना मिलने पर पहुंची पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेज कर मामले की जांच शुरू कर दी ।देवरनिया थाने के गांव टाल गोटिया निवासी 35 वर्षीय किशनलाल पुत्र गंगाराम की लाश आज सुबह साही थाने के गांव लालपुर में उसकी बहन लाजो देवी के घर से कुछ ही दूरी पर खेत में पाई गई। पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मृतक के घरवालों ने बताया कि किशनलाल शराब पीने का आदी था और मजदूरी करके गुजारा चलाता था। वह अक्सर शराब पीने के बाद पत्नी सेझगड़ा करता था और हंगामा करता था। लगभग 15 दिन जब वह शाम के समय शराब पीकर घर लौटा तो पत्नी ने उसे समझाने की कोशिश की। लेकिन हर बार की तरह वह पत्नी से झगड़ा करने लगा। काफी देर तक झगड़ा करने के बाद बिना बताए घर से बाहर चला गया। जब वह वापस नहीं लौटा तो पत्नी ने उसे तलाशने की कोशिश की। तब पता चला कि वह अपनी बहन लाजो देवी के घर चला गया है। लगभग 15 दिनों तक वह बहन के घर था। लेकिन कल शाम को बहन से भी बिना बताए घर से बाहर चला गया। बहन ने समझा कि वह वापस अपने घर चला गया है।

सड़क दुर्घटना में घायल टेंपो चालक की अस्पताल में मौत

बरेली। तेजी से आ रहे किसी वाहन ने एक टेंपो को टक्कर मार दी। जिससे उसका चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। पुलिस ने उसे अस्पताल में भर्ती कराया। जहां देर रात उसकी मौत हो गई। पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा।अलीगंज थाने के गांव राज पुर कला निवासी 30 वर्षीय निसार पुत्र गफ्फार की बीती रात इलाज के दौरान एक निजी अस्पताल में मौत हो गई। पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मृतक के घर वालों ने बताया कि निसार रात के समय टेंपो चलाता था। कल शाम को टेंपो लेकर मजदूरी करने को घर से निकला था। रात के समय जब वह सीबीगंज थाना क्षेत्र में परसाखेड़ा इलाके में पहुंचा। तभी उसके टैंपू को किसी अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया और उसका टैंपू क्षतिग्रस्त हो गया। दुर्घटना के बाद टक्कर मारने वाला वाहन फरार हो गया। स्थानीय लोगों ने दुर्घटना की सूचना पुलिस को दी। कुछ देर बाद मौके पर पहुंची पुलिस ने गंभीर रूप से घायल टेंपो चालक को इलाज के लिए एंबुलेंस से एक निजी अस्पताल भेजा और उसके पास मिली मोबाइल फोन से दुर्घटना की सूचना उसके घर वालों को दे दी।

दुर्घटना में घायल युवक की मौत

बरेली।दोस्त के साथ मोटरसाइकिल से उसके गांव गया एक युवक वापस लौटते समय सड़क दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल हो गया। कई दिनों तक चले इलाज के बाद बीती रात उसकी एक निजी अस्पताल में मौत हो गई। पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा। उसके दोस्त की हालत भी नाजुक बनी हुई है।कोतवाली थाना क्षेत्र के मोहल्ला बिहारीपुर निवासी 40 वर्षीय प्रवीण कुमार पुत्र शिव सेवा सिंह कि बीती रात इलाज के दौरान एक निजी अस्पताल में मौत हो गई। पोस्टमार्टम हाउस पर मौजूद मृतक के घर वालों ने बताया कि प्रवीण कुमार 27 अप्रैल को अपने दोस्त सत्यदेव सिंह के साथ मोटरसाइकिल से बदायूं स्थित उसके गांव गया था शाम को दोनों मोटरसाइकिल से अपने घर वापस लौट रहे थे। बाइक को प्रवीण कुमार चला रहा था। लेकिन जब उसकी बाइक बदायूं के बिनावर थाना क्षेत्र के गांव करौली पहुंची। तभी सामने से आ रही एक तेज रफ्तार कार ने बाइक को टक्कर मार दी। जिससे दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हो गए। दुर्घटना के बाद टक्कर मारने वाली कार फरार हो गई।

12 घंटे के अंदर पिता पुत्र का निधन

● पहले बेटे और फिर पिता की टूटी सांसे

संवाददाता। मोहम्मदी.खीरी

मोहम्मदी कोतवाली क्षेत्र के ग्राम बैनी में 12 घंटे के अंदर पिता पुत्र दोनों का निधन हो गया। विदित हो कि कल दोपहर 1 बजे के आसपास अधिवक्ता प्रेम बाबू बाजपेई का निधन हुआ था और रात 1 बजे के आसपास उनके पिता मिस्टर बाजपेई का भी निधन हो गया। पिता पुत्र के निधन से पूरे गांव और क्षेत्र में शोक का माहौल है। क्षेत्र के ग्राम बैनी निवासी अधिवक्ता प्रेम बाबू बाजपेई जो कई दिनों से बुखार से पीड़ित थे। गैर जिले के एक अस्पताल में एडमिट थे वहां उनका सोमवार दोपहर 1 बजे के आसपास निधन हो गया। देर शाम उनकी अंत्येष्टि की गई। उनकी चिता की राख ठंडी भी नहीं पड़ी थी कि रात 1 बजे उनके पिता मिस्टर बाजपेई का भी निधन हो गया। पिता.पुत्र के 12 घंटे के अंदर निधन के समाचारों से क्षेत्र में शोक का माहौल है।

तहसीलदार के चाचा ने पूर्व मंत्री के भाई को फिर दी पटकनी

लखीमपुर खीरी। प्रतापगढ़ जिले के रमईपुर गाँव में मोहम्मदी में तैनात तहसीलदार बिकास धर दुबे जो जनता में बेहद लोकप्रिय परिवार के रूप में काना व पहचाना जाता है। तहसीलदार के चाचा इन्द्रधर दुबे पूर्व में तीन बार कैबिनेट मिनिस्टर रहे शिवकांत ओझा के भाई को 192 वोट से प्रधानी चुनाव लगातार दूसरी बार हराया। पिछली बार शिवाकांत ओझा कैबिनेट मिनिस्टर थे तब भी 107 वोट से चुनाव हराया था।

दो शातिर अपराधी गिरफ्तार

संवाददाता। ढखेरवा-खीरी

ढखेरवा पुलिस अधीक्षक के निर्देशन में जनपद स्तर पर चलाये जा रहे वारण्टीए वाछिंत व संदिग्ध अभियुक्तों की गिरफ्तारी अभियान के दौरान क्षेत्राधिकारी महोदय के कुशल मार्गदर्शन में कोतवाली निघासन पुलिस बल द्वारा मुखबिर की सूचना पर 4 मई को थाना स्थानीय पर पंजीकृत मुकदमा अपराध संख्या 215/2021 धारा 147/452/323/504/506/188/269/270 भादवि व धारा 20 उप्र लोक स्वास्थ्य एवं महामारी रोग नियंत्रण अध्यादेश 2020 में वांछित अभियुक्तगण सत्येन्द्र यादव पुत्र शारदा प्रसाद यादवए नीरज यादव पुत्र मंगल प्रसाद यादवए रमाकान्त यादव पुत्र गजराज यादव सर्व निवासीगण ग्राम परमोधापुर कोतवाली निघासन खीरी को अभियुक्तगण सत्येन्द्रए नीरज यादव व रमाकान्त को घर ग्राम परमोधापुर से समय 8रू30 बजे गिरफ्तार किया गया। तीनों अभियुक्तगण के विरूद्ध नियमानुसार विधिक कार्यवाही कर न्यायिक अभिरक्षा में भेजा जा रहा है। गिरफ्तार करने वाली पुलिस टीम में उ.नि. लालबहादुर मिश्र, हे.का. मो. अली व का. अंकित कुमार शामिल रहे।

राम नरेश तिवारी बने किसान मोर्चा के राष्ट्रीय सचिव

लखीमपुर-खीरी। भारतीय जनता पार्टी किसान मोर्चा की राष्ट्रीय कार्यकारिणी का गठन राष्ट्रीय अध्यक्ष राजकुमार चाहर द्वारा किया गया जिसमें लखीमपुर.खीरी में बहुत दिनों तक राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ का नेतृत्व करने वाले तथा वर्तमान में भाजपा किसान मोर्चा के प्रदेश उपाध्यक्ष पद पर कुशल नेतृत्व करने वाले रामनरेश तिवारी को किसान मोर्चा का राष्ट्रीय सचिव मनोनीत किया गया। यह जानकारी प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य डाग्राकेश कुमार शर्मा ने हर्ष व्यक्त करते हुए प्रेस को दी। श्री तिवारी के मनोनयन से प्रदेश में भाजपा कार्यकर्ताओं में जोश और हर्ष की पूर्ति हो रही है। श्री तिवारी के राष्ट्रीय सचिव मनोनीत पर राष्ट्रीय नेतृत्व खासकर राष्ट्रीय अध्यक्ष चाहर जी का सभी कार्यकर्ताओं ने आभार व्यक्त किया।

हाजी के बेटों का पंचायत चुनाव में दबदबा कायम

संवाददाता। मोहम्मदी-खीरी

पंचायत चुनाव में रसूलपुर की नामचीन हस्ती मरहूम हाजी बाबू खां के बेटों का दबदबा क़ायम रहा। उनके बड़े बेटे तय्यब खां ने महिला सीट होने पर अपनी बहु नाजनी शगुफ़्ता को ग्राम पंचायत रसूलपुर से प्रधानि का चुनाव लड़ाया। 35 वोट से कांटे की टक्कर होने के बाद चुनाव जिताया। वही बाबू खां के बेटे तौहीद खां ने जिला पंचायत में अपनी माता जी का रेकार्ड ध्वस्त करके 10000 से ज़्यादा वोटों से जीत हासिल की। जिला पंचायत में एक तिहाई वोट देकर जनता ने उन्हें कुंभी पंचम खीरी से ताज पहनाया।

कोरोना जंग में प्रशासनिक सुस्ती से नाराजगी

लखीमपुर-खीरी। समाजवादी लोहिया वाहिनी लखीमपुर खीरी ने ज़िलाध्यक्ष रियाजुल्ला खान के नेतृत्व में अम्बेडकर पार्क में कोविड प्रोटोकाल का अनुपालन करते हुए सांकेतिक धरने पर बैठकर ज़िला प्रशासन के माध्यम से महामहिम राज्यपाल को ज्ञापन दिया। ज्ञापन में खीरी स्थित ऑक्सीजन प्लांट को एक समय सीमा के अंदर शुरू करने की मांग रखी। साथ ही तहसील स्तर पर कोविड सेंटर बनाने एवं प्राइवेट प्रैक्टिशनर व नर्सिंग होम्स में नियमित ओपीडी चलाने की मांग रखी साथ ही जो समाजसेवी अपने निजी संसाधनों से ज़रूरतमंदों को ऑक्सीजन उपलब्ध करा रहे उन को लिखित अनुमति देने व साथ ही एक रिकॉर्ड मेन्टेन रखने की मांग रखी। जिससे प्रशासन को कोविड मरीज को चिन्हित करने में मदद मिलेगी और ज़रूरतमंद को समय पर ऑक्सीजन मिल जाएगी। धरने में विनय मिश्रा, अविनाश चौधरी, इमरान रज़ा, एहतिशाम खान, प्रवीण कश्यप, धर्मेंद्र कुमार, रविकांत वर्मा, जावेद अंसारी, अनुराग त्रिवेदी, शाहनवाज़ अंसारी व सलमान मंसूरी मौजूद रहे।

लॉकडाउन के नियमों की उड़ाई जा रही धज्जियां

लखीमपुर-खीरी। लखीमपुर खीरी शहर की सड़कों पर लॉक डाउन का असर बिलकुल भी नही दिख रहा है। आम दिनों की तरह शहर की सड़कों पर लोग नजर आ रहे है। जिले के आला अधिकारी सुरक्षा कवच में पूरी तरह से पैक है। सड़को पर नही दिख रही खीरी पुलिस। मनमाने तरीके से ऑटो रिक्शा चल रहे है। कैसे टूटेगी कोरोना की चैनघ् सड़को पर मास्क लगाकर लोग ऐसे निकल रहे जैसे कर्ण का सुरक्षा कवच इन्हें ही मिल गया हो। फलए सब्जीए दूध बिकने का कोई मानक नही है।

ग्राम पंचायत अमकोटवा से 22 वर्षीय अमरुन निशा बनीं प्रधान

● अमरुन निशा ने 162 मतों से विजय प्राप्त की

लखीमपुर खीरी। देश भर में नारी सशक्तिकरण जैसे विषय को लेकर पूरे वर्ष चर्चा होती हैए बड़े.बड़े सेमिनारए बड़े.बड़े आयोजन किए जाते हैं। तब उस स्त्री सशक्तिकरण का उदाहरण अमरून निशा के रूप में दृष्टिगोचर होता है। जहाँ हम लड़कियों को परिवार वाले राजनीति से दूर रहने को कहते हैं। वहीं एक साहसी माता.पिता ग्राम पंचायत अमकोटवा के चुनाव में प्रधान पद के लिएए अपनी उच्चशिक्षित बेटी का हाथ पकड़कर उसे समाज के समक्ष खड़ा कर देता हैए अपनी सामाजिक सेवा प्रदान करने हेतु। जिसका परिणाम यह होता है कि उस गाँव के नागरिक उस बेटी को 162 मतों से विजयी बनाते हैं।हम बात कर रहे हैं त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव 2021 में ग्राम पंचायत अमकोटवा, विकास खण्ड नकहा, लखीमपुर की रहने वाली 22 वर्षीय अमरुन निशा की। जिन्होंने बेटी बचाओ, बेटी पढ़ाओ, महिला सशक्तीकरण, सबका सम्मान,ईमानदारी एवं कर्तव्यनिष्ठ होकर कार्य करने तथा सहअस्तित्व के साथ आओ साथ साथ बढ़े का वादा कर जीत हासिल की है। अमरुन निशा वर्तमान में युवराज दत्त स्नातकोत्तर महाविद्यालय से दर्शनशास्त्र परास्नातक द्वितीय वर्ष की छात्रा हैं। वह समाजसेवा के साथ साथ दर्शनशास्त्र विषय में शोध कर उच्च शिक्षा में भी अपना योगदान देना चाहतीं हैं। अमरुन निशा का मानना है कि देश एवं समाज हित मे आपने अच्छा करने का संकल्प लिया है तो नागरिकों का सहयोग अवश्य मिलेगा और आप समाज को नई दिशा दे सकते हैं। मैं अपने ग्राम पंचायत की तस्वीर बदलूंगी।

चित्रकूट में बसपा का डंका,सपा-भाजपा को झटका

जिला पंचायत सदस्य पद के चुनाव में बसपा को 6,भाजपा और सपा को मिली चार-चार सीटे

डीडीसी चुनाव में मिली अप्रत्याशित सफलता से बसपाईयों में उत्साह

संवाददाता। चित्रकूट

यूपी विधानसभा चुनाव से पूर्व सम्पन्न हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में सत्तारूढ़ दल भाजपा को करारा झटका लगा है। जिला पंचायत सदस्य पद की 17 सीटो में बसपा को जहां 06 सीटे हासिल हुई है। वहीं भाजपा और सपा को महज चार-चार सीटों से ही संतुष्ट होना पडा है। जबकि डीडीसी की तीन सीटो पर निर्दलीय प्रत्याशियों ने जीत का परचम लहराया है।डीडीसी चुनाव में अप्रत्याशित रूप से बसपा को सर्वाधिक सीटे मिलने से भाजपा-सपा में बेचैनी बढ गई है। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव को यूपी विधानसभा चुनाव 2022 के सेमीफाइनल के रूप में देखा जा रहा था। जिला पंचायत सदस्य पद के हुए चुनाव में भाजपा को खासी निराशा हाथ लगी है। जिले के वार्ड नंबर-एक बरगढ़ से बसपा के अनिल कोल,वार्ड नंबर दो मंडौर से निर्दलीय विनीत द्विवेदी,वार्ड नंबर तीन खंडेहा से बसपा के राजाराम पाल,वार्ड नंबर चार हन्ना-बिनैका से भाजपा के अर्जुन शुक्ला, वार्ड नंबर पांच इटवां से बसपा के उमाकांत त्रिपाठी,वार्ड नंबर छः भदेदू से भाजपा की प्रेमा सिंह,वार्ड नंबर सात सरधुवा से निर्दलीय राजरानी यादव,वार्ड नंबर आठ ओरा से निर्दलीय प्रेमचंद वर्मा, वार्ड नंबर-9 पहाड़ी से भाजपा के अशोक जाटव, वार्ड नंबर-10 परसौंजा से भाजपा के दशरथ प्रजापति,वार्ड नंबर-11 भैसौंधा से सपा की विमला देवी,वार्ड नंबर-12 अकबरपुर से सपा की अनुराधा देवी,वार्ड नंबर-13 रसिन से बसपा के जगदीश यादव,वार्ड नम्बर-14 रैपुरा से निर्दलीय संगीत देवी,वार्ड नंबर-15 भौंरी से सपा की अनीता सिंह बघेल,वार्ड नंबर-16 सरैंया से बसपा की मीरा भारती तथा वार्ड नंबर- 17 चुरेह केशरुवा से बसपा के शिव औतार त्रिपाठी ने निकटतम प्रत्याशियों को हराकर जीत हासिल की।

जिला पंचायत सदस्य पद के चुनाव में सर्वाधित 06 सीटे मिलने से बसपाईयों में खुशी की लहर है।वहीं सत्तारूढ दल भाजपा के बराबर चार सीटे मिलने से सपा भी उत्साहित नजर आ रहीं है।बसपा के पूर्व विधायक चंद्रभान सिंह ने डीडीसी चुनाव में सबसे अधिक सीटे मिलने पर पार्टी कार्यकर्ताओं को बधाई दी है। पूर्व विधायक का कहना है कि पंचायत चुनाव आगामी विधानसभा चुनाव का सेमीफाइनल है। बसपा का जिला पंचायत अध्यक्ष बनाने का भरसक प्रयास किया जायेगा।इसके अलावा आगामी विधानसभा चुनाव में भी बसपा सत्तारूढ दल भाजपा को कडी चुनौती देगीं। वहीं अनुमान से कम सीटे मिलने से पर भाजपा में समीक्षा शुरू हो गई है।जिलाध्यक्ष चंद्र प्रकाश खरे का कहना है कि पंचायत चुनाव में भाजपा का प्रदर्शन शानदार रहा है। इसके अलावा डीडीसी चुनाव में पार्टी के साथ भितरघात करने वालों को किसी कीमत पर बक्शा नही जायेगा।

भाजपा नेता को बधाई देते पंकज अग्रवाल

पूर्व केन्द्रीय मंत्री की जेठानी लौरी गांव की बनी प्रधान

चित्रकूट। अपना दल एस के राष्ट्रीय अध्यक्ष/पूर्व केन्द्रीय स्वास्थ्य मंत्री अनुप्रिया पटेल की जेठानी/एमएलसी आशीष पटेल की भाभी पुष्पलता सिंह ने खण्डेहा क्षेत्र के लौरी गांव से सात सौ मतों से जीत दर्ज कराई है। मंगलवार को भाजपा से पूर्व जिला पंचायत सदस्य रही पुष्पलता सिंह पत्नी अरुण कुमार उर्फ मुन्ना सिंह ने बताया कि लौरी गांव की जनता ने अपार स्नेह दिया है। उनका परिवार जनता के प्रति हमेशा ऋणी रहेगा। पांच साल की सेवा का जनता ने जो मौका दिया है उससे गांव का चहुंमुखी विकास कराया जायेगा। जनता के दुख-दर्द में सहभागिता निभाई जायेगी। मुन्ना सिंह ने कहा कि गरीबों को योजनाओं का भरपूर लाभ दिलाया जायेगा। पुष्पलता सिंह को 939 मत मिले। निकटतम प्रतिद्वन्दी पूर्व प्रधान 239 मत पाकर दूसरे स्थान पर रहे। सात सौ मतों से पुष्पलता ने जीत दर्ज की है। उल्लेखनीय है कि पूर्व केन्द्रीय मंत्री अनुप्रिया पटेल की जेठानी/एमएलसी आशीष पटेल की भाभी पुष्पलता सिंह ने अपनी जीत पर अपना दल एस के जिलाध्यक्ष फौजी रामसिया व बुन्देली सेना जिलाध्यक्ष अजीत सिंह समेत विभिन्न लोगों ने खुशी जताई है।

अब जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी पर कब्जे को लेकर माथा पच्ची शुरू

राजनैतिक दिग्गज अपने-अपने तरीके से लगा रहे गुणा भाग

सभी राजनैतिक दल रहे बहुमत के आंकड़े से दूर

संवाददाता। उरई (जालौन)। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव की मतगणना उपरांत जिले से 25 जिला पंचायत सदस्य निर्वाचित हुये हैं। लेकिन इस बार किसी भी राजनैतिक दल को अपने दम पर अपनी पार्टी का जिला पंचायत अध्यक्ष निर्वाचित कराना टेढ़ी खीर साबित होगा।

यदि चुनावी परिणामों का आंकलन किया जाये तो प्रदेश की सत्ता पर काबिज भाजपा को 6 सीटें, बसपा को सात सीटें, 6 सीटों पर निर्दलीय प्रत्याशियों ने कब्जा जमाया तो महज एक सीट पर कांग्रेस ने जीत दर्ज करायी वहीं जनता दल वीपी के खाते में भी एक सीट आयी है। ऐसी स्थिति में जनपद के राजनैतिक दिग्गज नेता अपने-अपने तरीके से नये जिला पंचायत अध्यक्ष को लेकर गुणा भाग लगाने में जुट गये है। लेकिन कोई भी राजनैतिक दल का नेता यह दावा करने से बचता नजर आ रहा है कि नया जिला पंचायत अध्यक्ष कौन होगा। इस मामले में रोचक बात तो यह है कि बसपा ने भले ही सात सीटों पर दर्ज करायी हो लेकिन उनकी पार्टी से अनुसूचित जाति का कोई सदस्य निर्वाचित नहीं हुआ है। ऐसी स्थिति में अब केवल तीन चेहरे ऐसे उभरकर सामने आ रहे हैं और उन्हीं में से कोई एक सदस्य जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी पर कब्जा करने का तानाबाना बुनने में सफल होगा।

रविवार को पंचायत चुनाव की मतगणना उपरांत 25 जिला पंचायत सदस्य निर्वाचित घोषित किये गये थे जिसमें भाजपा से रेंढर सीट से पूर्व सांसद घनश्याम अनुरागी, परासन सीट से रणविजय, सहाव सीट से पुष्पेन्द्र सेंगर, खकसीस सीट से अम्रता-राम सनेही रजक, चतेला सीट से ज्ञान सिंह भदौरिया व पहाडगांव सीट से पूनम निर्वाचित हुई हैं। जबकि निर्दलीय जिला पंचायत सदस्यों में डकोर सीट से उमा देवी, सिरसकलार सीट से छुन्ना सेंगर, शहजादपुरा सीट रामेंद्र त्रिपाठी, बावली सीट से रेखा पत्नी विकल, कुठौंद सीट से अनुरुद्ध द्विवेदी, बबीना सीट से निर्दोष यादव ने जीत दर्ज करायी है। इसीक्रम में बसपा से अकबरपुर सीट से अतरपाल, गढ़र सीट से मनोज, ऐर सीट से कैलाश राजपूत, दिरावटी सीट से मीनाक्षी आनंद बाबू जी, जगम्मनपुर सीट से ज्योति-राघवेंद्र पांडेय, मई सीट से प्रियंका गौतम व महेबा सीट से सुदामा चौहान के नाम शामिल हैं। वहीं समाजवादी पार्टी से चुर्खी सीट से निशा, गोहन सीट से देवेंद्र सोनी, जैसारी सीट से अर्चना दिनेश यादव व सिकरी राजा सीट से संजू कठेरिया विजयी हुये है। जबकि हरौली जिला पंचायत सीट से मालती देवी (अपना दल बीपी) व कैलिया सीट से उर्मिला सोनकर खाबरी (कांग्रेस) से जीत दर्ज कराने में सफल हुई हैं। ऐसी स्थिति में जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी तक पहुंचने के लिये 13 सदस्यों की आवश्यकता होगी। लेकिन इस बार किसी भी राजनैतिक दल के पास 13 सदस्यों का आंकड़ा नहीं है। जहां तक बसपा की बात की जाये जिसके सबसे ज्यादा सात सदस्य निर्वाचित हुये हैं लेकिन उसके पास अनुसूचित जाति का कोई सदस्य है।

लगातार पांचवी बार ग्राम प्रधान बन राजनीति की एक नयी इबारत लिख दी रामफल निषाद ने

पत्नी को जिला पंचायत सदस्य में जीत दिलायी,अगली मंजिल बसपा के विधायक बनने की

संवाददाता, हमीरपुर। जिले में सुमेरपुर ब्लाक के सुरौलीबुजुर्ग गांव के रामफूल निषाद एडवोकेट ने लगातार पांचवी मर्तवा ग्राम प्रधानी का चुनाव जीत कर राजनीति की एक नयी इबारत लिख दी है। जिले में पहले व्यक्ति रामफूल निषाद है जिन्होने प्रधानी का चुनाव जीतने के साथ साथ पत्नी को टेढ़ा से जिला पंचायत सदस्य पद पर आसीन करा दिया है। जानकारी के मुताबिक बहुजन समाज पार्टी के वरिष्ठ नेता रामफूल निषाद एडवोकेट तमाम तूफानी समस्याओं को झेलते हुये राजनीति के जिस शिखर पर जा पहुचे है इससे बड़े बड़े नेता उनसे राजनीति के गुर सीखने लगे है। करीब दस हजार मतदाताओ का ग्राम सुरौलीबुजुर्ग जिसमे सामान्य वर्ग के लोग काफी मात्रा में रहते है हालाकि इस क्षेत्र में निषाद(केवट) विरादरी के ही लोग प्रत्याशी के भाग्य का फैसला करते है। पच्चीस साल के अंतराल में चुनाव में काफी असरदार लोग चुनावी मैदान में आते जाते रहे मगर मतदाताओ ने केवल रामफूल निषाद का चेहरे को ही महत्व दिया है। इसी चलते उन्होने पत्नी रामदुलारी निषाद को जिला पंचायत सदस्य के पद पर आसीन कर दिया है। इससे यह साबित हो गया है कि जिले में रामफूल निषाद केवट विरादरी के एक मात्र नेता है जिनका निषाद विरादरी के लोग नेतृत्व स्वीकार करते है। हालाकि उनकी अगली मंजिल बसपा से हमीरपुर विधानसभा क्षेत्र से विधायक बनने की है जिससे वह कई सालों से गुपचुप तैयारी कर रहे है। उनका कहना भी है कि यदि बसपा सुप्रीमो ने चाहा तो विधानसभा का चुनाव लड़ने में संकोच नही करेगे। सरल स्वभाव व सबका सम्मान करना उनकी फितरत में है हालाकि कई मर्तवा वह सत्तापक्ष के नेताओं के शिकार हुये है मगर पैर डगमगाने के बजाय और मजबूती से जमा लिये है। नेताओं को इस बात का बड़ा आश्चर्य हो रहा है कि रामफूल निषाद मे कौन सा गुण है जिससे राजनीति की हर सीढ़ी को लांघते हुये आगे बढ़ते जा रहे है।

मदन पासवान की जीत में जान डाल दी राष्ट्रीय लोधी युवा महासभा

हमीरपुर। जिले में पहली मर्तवा राष्ट्रीय लोधी युवा महासभा के बैनर तले चुनाव लड़ने वाले मदन पासवान ने सफलता हासिल की है। इन्होने भाजपा को चारो खाने चित्त कर गेंद अपने पाले में डाल ली है पासवान की जीत में अहम भूमिका महेंद्र सिंह लोधी की रही है। जानकारी के मुताबिक भारतीय जनता पार्टी के जयपाल श्रीवास को 4111 मतों से राष्ट्रीय लोधी युवा महासभा के मदन पासवान ने दी पटकनी। जिला पंचायत क्षेत्र जरिया की चर्चित सीट पर भारतीय जनता पार्टी के जयपाल श्रीवास को 4111 मतों से पराजित किया। मदन पासवान को 5178 मत प्राप्त हुये। इस सीट पर राष्ट्रीय लोधी युवा महासभा के महेन्द्र मंत्री सरीला ने अपने संगठन से उतारा था। महेन्द्र मंत्री सरीला के साथ जरिया क्षेत्र के सारे युवा संगठन एक साथ मदन को जीताने में जुट गए थे। इस सीट पर महेन्द्र मंत्री सरीला किंग मेकर की भूमिका में रहे है। गैर राजनैतिक संगठन से जीतने से मदन पासवान जिले भर में चर्चा का विषय बने हुये है। मदन पासवान के विजयी होने से युवाओं में खुशी की लहर दौड़ गयी। उनको बधाइयां देने का तांता लग गया। मदन पासवान के विजयी होने पर युवाओ व समर्थको ने उनको फूल मालाओ से लाद दिया। उनका कहना है कि वह अपने क्षेत्र में चहुमुखी विकास करायेगे। भ्रष्टाचार का पुरुजोर विरोध किया जायेगा लोगो के मौलिक अधिकारो का किसी भी प्रकार हनन नही होने दिया जायेगा इसके लिये उन्हे कोई भी कुर्वानी क्यो न देना पड़े वह कभी भी पीछे नही हटेगे। मदन पासवान से लोगो को बहुत ही उम्मीद जतायी जा रही है।आज पूरे सरीला में खुशी का माहौल था। हर जगह लोग मदन पासवान की जीत की खुशियां मना रहे थे। जीत के बाद मदन पासवान एवं महेन्द्र मंत्री सरीला को बधाई देने वालो का तांता लगा रहा।

दारोगा ने की अभद्रता

कुरारा(हमीरपुर)। कस्बा में लॉकडाउन मरीजों को दिखाने खड़े दुकान के दरवाजे पर गृहस्वामी व मीडिया कर्मी पर दारोगा ने जमकर अभद्रती की इस मामले को पुलिस अधीक्षक को अवगत करा दिया गया है। कुरारा कस्वा निवासी रोहित गुप्ता अपने भाई मोहित गुप्ता के साथ पत्नी व पुत्री का दुकान के बाहर खड़े इंतजार कर रहे थे तभी कस्बा इंचार्ज एसआई आ गए लॉकडाउन में दुकान खोलने को लेकर बातचीत होने पर गृह स्वामी ने बताया कि अपनी पुत्री और पत्नी को लेकर इलाज के लिए जाना है रास्ता दुकान से होकर ही घर के अंदर जाने की है इसी बात में लेकर कस्बा इंचार्ज ने अभद्रता करने के साथ गाली गलौज करने लगे तभी एक मीडिया कर्मी पहुंच कर कहने लगा कि इलाज के लिए जा रहे हैं नाराज कस्बा इंचार्ज ने मीडिया कर्मी से भी अभद्रता उठाने ले जाने की धमकी दे डाली कस्बा इंचार्ज के इस रवैया को लेकर व्यापारियों में आक्रोश फैल रहा है ने पुलिस अधीक्षक से कस्बा इंचार्ज की जांच करा कर कार्रवाई की मांग की है।

बाइक व नीलगाय से टकराकर चार घायल

राठ(हमीरपुर) जानकारी के अनुसार जरिया थाना क्षेत्र के रावतपुरा गांव का निवासी ऋषि पुत्र तुलाराम गांव के प्रशांत पुत्र हरिशंकर व अंकित पुत्र कालीप्रसाद निवासी कालपी के साथ बाइक से गोहांड आ रहा थे। तभी गोहांड पहुंचते ही मोड़ पर विपरीत दिशा से आ रहे एक वाहन से उनकी बाइक टकरा गई। जिससे बाइक पर सवार तीनों लोग गिरकर घायल हो गये। घायलों को इलाज के लिये सीएचसी में भर्ती कराया। राठ कोतवाली क्षेत्र के सरसई गांव के पास बाइक सवार युवक नीलगाय से टकराकर घायल हो गये।

राजमिस्त्री को मारपीट कर घायल कर दिया

राठ(हमीरपुर) । कोतवाली क्षेत्र के बसेला गांव में आधा दर्जन युवकों ने राजमिस्त्री को मारपीट कर घायल कर दिया। पीड़त के पिता ने थाने में लिखित शिकायत की है। कस्बे के खुशीपुरा मोहल्ला निवासी रियाज पुत्र रसूल ने बताया कि वह ट्रैक्टर का मिस्त्री है। बीते 21 अप्रैल को वह टैक्टर सुधारने के लिए बसेला गांव जा रहा था। तभी रास्ते में बसेला नौहाई मोड़ के पास आधा दर्जन युवकों ने उसे रास्ते में रोक लिया। आरोप लगाया कि युवकों ने जमकर मारपीटा और उसे मरणासन्न अवस्था में छोड़कर भाग खड़े हुए। बताया कि राहगीरों ने जब उसके परिजनों को घटना की जानकारी दी तो मौके पर पहुंचे परिजन उसे इलाज के लिये सीएचसी ले गये। हालत गंभीर होने पर चिकित्सक ने उसे झांसी रिफर कर दिया था।

दुकानदार बने कोरोना संक्रमण चैन तोड़ने में बाधक

जालौन (उरई)। एक ओर प्रदेश सरकार कोरोना संक्रमण की चैन तोड़ने के लिए कोरोना कर्फ्यू का सहारा ले रही है। यही कारण है कि प्रदेश में 5 दिनों का कोरोना कर्फ्यू घोषित किया गया है। लेकिन कोरोना की जिस चौन को तोड़ने के लिए प्रदेश सरकार कोरोना कर्फ्यू का सहारा ले रही है। लेकिन लगता है लोगों की लापरवाही सरकार के इरादे पर पानी फेर देगी।

उरई से लापता हुए मामा-भांजे के शव जली अवस्था में मिलने से सनसनी

कोतवाली पुलिस के बर्ताव से मृत युवकों के परिजन दुखी

संवाददाता। उरई (जालौन)

नगर के कांशीराम कालौनी निवासी युवक व उसके मामा का 29 अप्रैल को रहस्यमयी तरीके से गायब होने के बाद 3 मई को उनके शव सिरसा कलार थाना क्षेत्र में जली अवस्था में मिलने से सनसनी फैल गयी साथ ही परिजनों ने कोतवाली पुलिस पर मामले में अनदेखी करने के गंभीर आरोप लगाते हुये कहा कि यदि पुलिस उनकी प्रथम तहरीर पर गंभीरता दिखाती तो उनके बेटों की जिंदगी बच सकती थी। हैरानी की बात तो यह है कि जैसे ही दोनों युवकों के शव बरामद हुये तो पुलिस ने मामले को 364 में दर्ज कर लिया था। मिली जानकारी के अनुसार सदर कोतवाली क्षेत्र के मोहल्ला कांशीराम कालोनी निवासी राशिद 25 वर्ष पुत्र बसीर व उसका मामू इंदिरा नगर निवासी नसीम 22 वर्ष पुत्र शेर खान बीती 29 अप्रैल को संदिग्ध हालात में लापता हो गए थे। दोनों कोंच बस स्टैंड पर चूड़ी की दुकान पर बैठते थे। घटना वाले दिन ही नसीम की मां कपूरी एवं राशिद की मां भूरी ने परिजनों के साथ कोतवाली पहुंचकर अपने बेटों के लापता होने के संबंध में तहरीर दी थी। तहरीर में इंदिरा नगर निवासी रफीक एवं अनीश को नामजद करते हुए आरोप लगाया कि उन लोगों ने उनके बेटों के उठा ले जाने की धमकी दी थी पर पुलिस ने तहरीर को गंभीरता से नहीं लिया। उल्टा युवकों के लापता होने पर स्वजनों पर ही आरोप लगाते हुए उन्हें दुत्कार कर कोतवाली से भगा दिया। इसके बाद व राशिद व नसीम के स्वजन कोतवाली के चक्कर लगाते रहे पर पुलिस नहीं पसीजी। जिसके चलते परेशान परिवार वालों ने मुख्यमंत्री पोर्टल पर मामले की शिकायत की।

चोरों ने ग्रामीण के घर में लगायी सेंधमारी, लाखों का माल ले उड़े

जालौन (उरई)। कोतवाली क्षेत्र के ग्राम मकरंदपुरा में अज्ञात चोर घर में घुस गये तथा घर में रखी नकदी व सोने चांदी के आभूषण चुरा ले गये हैं। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर ग्रामीणों से पूछताछ की है। मकरन्दपुरा निवासी मानसिंह कुशवाहा पुत्र भदोले का परिवार सोमवार का खाना खा कर सो गया। मध्य रात्रि के बाद अज्ञात चोर आम रास्ते में लगी खिड़की तोड़ कर घर में घुस गये तथा बक्से में रखे 30 हजार रुपए नकद, सोने का मंगलसूत्र, अंगूठी व चांदी की हाफपेटी, 3 सेट तोड़िया, चूड़ियां व बिछिया चुरा ले गये हैं।

पुलिस ने लोगों को खदेड़ा

जालौन (उरई)। मंगलवार को सड़क पर उतर कर पुलिस ने लोगों से लॉकडाउन के दौरान घरों में रहने की अपील की तथा सड़क पर मिले लोगों से बाहर निकलने का कारण पूछा तथा अकारण घूम रहे लोगों को खदेड़ा। लॉकडाउन का पालन करने में कुछ लोग दिलचस्पी नहीं ले रहे हैं तथा सड़कों पर टहलते रहते हैं। मंगलवार को लाकडाउन का पालन सुनिश्चित कराने के चुनाव से फुर्सत हुई पुलिस ने सड़कों पर भ्रमण किया। एस एस आई आनंद कुमार ने सड़क पर उतर कर लोगों से लॉकडाउन का पालन करने तथा घरों में रहने की अपील की है।

कोरोना कर्फ्यू में दुकानें खोलने को लेकर व्यापारी आपस में भिड़े

बाजार में मची रही अफरा तफरी

संवाददात। कदौरा (जालौन)

कोरोना महामारी को देखते हुए सरकार ने कोरोना कर्फ्यू लगाया है। साथ ही जरूरी सामग्री की दुकाने खोलने की छूट समय सीमा के अंदर दी है। लेकिन कोरोना कर्फ्यू को धता बता कर कस्बे के मुख्य बाजार में कुछ व्यापारी दुकाने खोल कर ग्राहकों को कपड़े आदि की बिक्री कर रहे थे। तभी अन्य व्यापारियों ने इसका वीडियो बना कर सोशल मीडिया में डाल कर एसडीएम कालपी को अवगत करा दिया। सोशल मीडिया में वीडियो डालने की जानकारी होने पर व्यापारी आपस मे भिड़ गए बात गाली गलौज से बढ़ कर हाथापाई तक पहुच

गई। सूचना पर पहुचे अधिशासी अधिकारी सुनील कुमार सिंह व प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने व्यापारियों को समझा बुझा कर मामले को शांत कराया। अधिशासी अधिकारी सुनील कुमार सिंह ने बताया कि कोरोना कर्फ्यू के दौरान दुकाने खोलने वाले व्यापारियों की सूची बना कर जल्द उनके खिलाफ महामारी एक्ट का मुकदमा दर्ज कराया जाएगा। लगातार नगर पंचायत की गाड़ी से एलाउंस कराया जा रहा है। प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि अभी तक तहरीर नही मिली है नगर के प्रमुख चौराहों पर गस्त तेज कर दी है। अनावश्यक घूमने वालो पर कड़ी कार्यवाही की जाएगी।

कुरारा क्षेत्र में भाजपा व सपा को मिली करारी शिकस्त

कुरारा (हमीरपुर)। विकास खण्ड क्षेत्र के दो जिला पंचायत सदस्य सीट पर दो पार्टी के जिला अध्यक्ष अपने पार्टी के प्रत्याशी को जीत दिलाने में कामयाब नहीं हो सके। कुरारा कस्बे के निवासी बृज किशोर गुप्ता भाजपा जिलाध्यक्ष है। वही सरसई गांव निवासी राजबहादुर पाल सपा के जिलाध्यक्ष है। कुरारा देहात से भाजपा के सिद्दगोपाल अहिरवार प्रत्याशी थे। वही सपा से गयाप्रसाद अनुरागी जिला पंचायत सदस्य के प्रत्याशी घोषित किए गए थे। दोनो प्रत्याशी को पार्टी जिलाध्यक्ष जीत नही दिला सके। तथा निषाद पार्टी के बासदेव ने जीत हासिल की। सत्ता होने के वावजूद दोनो सीट पर भाजपा प्रत्याशी बुरी तरह हार गए। जिससे दोनों पार्टी के जिलाध्यक्ष की किरकिरी हुई है। कुरारा देहात के जिला पंचायत सदस्य प्रत्याशी सिद्ध गोपाल को 1841 मत मिले।जो कि चौथे नंबर पर रहे। दूसरे नम्बर पर सपा के गयाप्रसाद अनुरागी को 3338 मत मिले। तीसरे नंबर पर निर्दलीय प्रत्याशी मोतीलाल को2375 तथा बीएसपी के रविकांत 1841 मत पाकर पांचवे नम्बर पर रहे। वही भाजपा से प्रत्याशी सिद्दगोपाल की पत्नी कुरारा की ब्लाक प्रमुख रही है। इससे क्षेत्र के प्रधानों का विरोध रहा है। सबको पीछे छोड़ टोडरपुर गांव के निवर्तमान प्रधान बासदेव अहिरवार ने निषाद पार्टी के टिकट पर चुनाव लड़कर 5614 मत प्राप्त कर जीत दर्ज कराई है। पहली बार में ही इनको सफलता मिल गयी है। वही हार हो जाने से दोनो दल भाजपा व सपा में मायूसी व्याप्त है। वही वार्ड 2 झलोखर जिला पंचायत सदस्य में भाजपा ने सुनील पाठक को टिकट देकर मैदान में उतारा था। लेकिन इनको 1059 मत मिल सके। तथा 5नंबर पर रहे। सपा ने किसी प्रत्याशी को टिकट नहीं दिया था। इसमे निवर्तमान जिला पंचायत सदस्य शौरभ यादव 2168 मत मिले यह तीसरे नंबर पर रहे। कौशल महाराज को 2101 मत मिले । वही निर्दलीय प्रत्याशी बीरेन्द्र ब्रम्ह सिंह चन्देल को 2717 मत मिले यह दूसरे नम्बर पर रहे। वही बी एस पी की। अंजू पाल 6199 मत पाकर जीत हासिल किया। विधवा महिला अंजू पाल ने सबको पीछे छोड़ पहले प्रयास में जीत दर्ज की।

अस्पताल का औचक निरीक्षण कर चित्रकूटधाम मंडल के आयुक्त ने लिया व्यवस्थाओं का जायजा

संवाददाता। चित्रकूट

चित्रकूट धाम मंडल बांदा के आयुक्त दिनेश कुमार सिंह ने मंगलवार को कोविड अस्पताल चित्रकूट एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र शिवरामपुर का औचक निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।इस दौरान आयुक्त ने अधिकारियों को कोरोना संक्रमित मरीजों को बेहतर स्वास्थ्य सेवाएं मुहैया कराने के निर्देश दिये। मंगलवार को कोविड अस्पताल के निरीक्षण के दौरान मंडलायुक्त ने प्रभारी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉक्टर इम्तियाज को निर्देश दिए की कोविड अस्पताल में भर्ती मरीजों को किसी भी प्रकार की समस्या नहीं होनी चाहिए। दवाई, ऑक्सीजन,खानपान तथा साफ-सफाई की अच्छी तरह से व्यवस्थाएं कराई जाए। कहा कि चिकित्सकों द्वारा लगातार मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया जाए, अगर किसी को समस्या है तो तत्काल उन्हें मेडिकल कॉलेज बांदा भेजा जाए। उन्होंने कहा कि आप लोग इस महामारी से स्वयं बचते हुए लोगों की जान बचाये। कहा कि शासन से भी लगातार निर्देश प्राप्त हो रहे हैं कि कोई मरीजों को किसी भी प्रकार की समस्या न हो। इसके बाद मंडलायुक्त ने कलेक्ट्रेट में स्थापित कोविड कमांड एंड कंट्रोल सेंटर की व्यवस्थाओं को देखा। जिस पर जिलाधिकारी शुभ्रान्त कुमार शुक्ल ने बताया कि कंट्रोल सेंटर पर 20 टेलीफोन लगाए गए हैं। जिसमें लगातार 20 कर्मचारियों द्वारा होम आइसोलेशन में भर्ती मरीजों से स्वास्थ्य आदि के बारे में जानकारी करते हैं। जिस मरीज को कोई समस्या होती है तो तत्काल एंबुलेंस भेज कर अस्पताल में स्वास्थ्य परीक्षण कराया जाता है। तथा उन मरीजों से वार्ता कर स्वास्थ्य परीक्षण के बारे में भी जानकारी की जाती है। इसके अलावा जो कंट्रोल रूम नंबर पर मरीजों द्वारा समस्याएं बताई जाती है तो उनका भी तत्काल निस्तारण कराया जाता है। आयुक्त ने कंट्रोल रूम में तैनात चिकित्सक को निर्देश दिए की जो समस्याएं प्राप्त होती हैं तो उस समस्या ग्रस्त व्यक्ति से फीडबैक भी लिया जाए। निरीक्षण के दौरान मुख्य विकास अधिकारी अमित आसेरी, प्रशिक्षु आईएएस जगदेव सिंह, उप जिला अधिकारी कर्वी राम प्रकाश सहित संबंधित अधिकारी तथा चिकित्सक मौजूद रहे।

डीएम के निर्देश पर हुआ सैनेटाइजेशन

चित्रकूट। जिलाधिकारी शुभ्रांत कुमार शुक्ल के निर्देश पर कोरोना की रोकथाम एवं उपचार को जिले के विभिन्न स्थानों पर स्वास्थ्य विभाग व दमकल टीम ने सैनेटाइजेशन के कार्य किये। मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग व दमकल टीम ने गांधीगंज, बलदाऊगंज, प्यारेलाल कालोनी, वार्ड 23, वार्ड 11, प्रयागराज रोड, द्वारिकापुरी, जिलाधिकारी कार्यालय, जगदीशगंज, वृद्धावस्था आश्रम, राजकीय सम्प्रेक्षण गृह, एसडीएम कालोनी, मुख्य चिकित्साधिकारी कार्यालय, डीपीएम कार्यालय, डीटीओ कार्यालय, पोस्टमार्टम हाउस समेत जिले के विभिन्न हॉटस्पाट क्षेत्रों में सैनेटाइजेशन के कार्य किये। इस दौरान स्वास्थ्य व दमकल टीम ने लोगों को कोरोना के प्रति जागरूकता के संदेश दिये। कहा कि बिना मास्क के घरों से न निकलें। जरूरी हो तभी घर से निकलें। घर पर ही रहें, और सुरक्षित रहें।

गाइडलाइन के उल्लंघन पर तीन पर मामला दर्ज

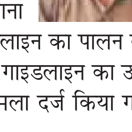

चित्रकूट। पुलिस अधीक्षक अंकित मित्तल के निर्देश पर शासन से जारी कोरोना गाइडलाइन का पालन न करने पर तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया। मंगलवार को पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर कोरोना से बचाव को जारी जागरूकता व जांच अभियान में जिले के सभी थाना क्षेत्रों में कोरोना वायरस की बाबत शासन से जारी गाइडलाइन का पालन कराने के प्रति लोगों को जागरूक किया गया। शासन से जारी गाइडलाइन का उल्लंघन करने पर कोतवाली कर्वी में तीन लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया।

कोरोना की पहचान को आज से चलेगा अभियानः सीएमओ

चित्रकूट। जिले के ग्रामीण इलाके में पांच मई से कोरोना के लक्षणयुक्त मरीजों की पहचान को अभियान नौ मई तक चलेगा। पांच दिन चलने वाले इस विशेष अभियान में टीमें घर-घर जाकर मरीजों को दवा भी बांटेंगी। मंगलवार को सीएमओ डॉ विनोद कुमार यादव ने बताया कि जिले में पांच मई से विशेष अभियान चलेगा। इसमें घर-घर जाकर टीमें कोरोना लक्षणयुक्त व्यक्तियों की पहचान करेंगी। उन्हें दवा भी दी जायेगी। जिले की दस लाख आबादी में अभियान चलाया जायेगा।

सांसद आर के पटेल ने कोरोना बाबत सीएम को भेजे सुझाव

चित्रकूट। सांसद आरके सिंह पटेल से सूबे के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने वार्ताकर कोरोना महामारी में पीड़ितों के उपचार बाबत सुझाव मांगे हैं। उन्होंने मुख्यमंत्री के विशेष सचिव हरीश को पत्र के माध्यम से सुझाव भेजे हैं। मंगलवार को सांसद आरके सिंह पटेल ने मुख्यमंत्री के विशेष सचिव को भेजे सुझाव में कहा कि जिले में कोरोना जांच को लैब बनाई जाये। बेडों की संख्या बढाकर कोविड सेन्टर खोह में आईसीयू चालू किया जाये। रेमडेसिविर इंजेक्शन व दवाइयों की आपूर्ति कर आक्सीजन सिलेण्डरों की तादाद बढाने के साथ रेगुलेटरों की भी तादाद बढाई जाये। नर्सिंग स्टाफ एवं वार्ड ब्वाय व स्वीपरों की अस्थायी नियुक्ति जल्द की जाये। खोह कोविड केन्द्र में डॉक्टर, फार्मासिस्ट एवं वार्ड ब्वाय तथा स्वीपर और नर्सिंग स्टाफ की नियुक्ति तत्काल करें। जिले के खोह को कोविड अस्पताल में अलग से संविदा पर डॉक्टरों व आपरेटरों की नियुक्ति की जाये। खोह अस्पताल में आक्सीजन प्लांट लगाया जाये। उन्होंने बांदा में कोरोना टेस्टिंग बढाने के साथ दो दिन में रिपोर्ट देने की मांग की। बांदा मेडिकल कालेज में सौ वेंटीलेटर हैं। स्टाफ कुल बीस लोगों का है। स्टाफ की तत्काल नियुक्ति की जाये। बांदा मेडिकल कालेज में वार्ड ब्वाय, सफाई कर्मी आदि मैन पावर बढाया जाये। बांदा मेडिकल कालेज में मरीजों को स्वच्छ भोजन व पानी की व्यवस्था कराई जाये। बांदा जिला अस्पताल में नये तीन सौ बेड का अस्पताल बनकर तैयार है।

हर्ष जताने को लेकर विवाद के बाद हिंसा

संवाददाता। रायबरेली

● आगजनी व मारपीट में कई घायल

महाराजगंज कोतवाली क्षेत्र के खैरहना ग्राम सभा में पंचायत चुनाव सम्पन्न होने के बाद हर्ष जताने को लेकर शुरू हुआ विवाद आगजनी और मारपीट तक जा पहुंचा। इस दौरान दुकान में तोड़फोड़ के साथ ही प्रधान और उसके समर्थकों ने बाइकों में आग लगा दी। जिसके बाद दोनों पक्ष आमने.सामने हो गए और जमकर मारपीट हुई। इस दौरान प्रधान पति को गंभीर चोटें आई हैंए जिनको स्थानीय सीएचसी में डॉक्टरों ने हालत गंभीर देख जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया हैए सूचना पर पहुंची पुलिस ने उपद्रवियों को खदेड़ कर माहौल को शांत कराया और मामले की जांच पड़ताल शुरू कर दी है। उधर घटना की सूचना पाकर अपर पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव भी मौके पर पहुंचे। उन्होंने मातहतों से उभयपक्षों पर सख्त कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

विवरण के अनुसार खैरहना ग्राम सभा शुरू से ही विवादों के घेरे में चल रही है। चुनाव से पूर्व पोलिंग बूथ और मतदाता सूची में गड़बड़ी करवाने का आरोप ग्राम प्रधान पर लगा था। एसडीएम की जांच में मामला सही पाए जाने पर कई कर्मचारी निलंबित हुए थे। इस घटना के बाद से प्रशासन ने इस बूथ को संवेदनशील की श्रेणी में रखा था। बावजूद इसके सोमवार को चुनाव नतीजे के आने के बाद प्रधान समर्थकों द्वारा विजय जुलूस और हर्ष में आतिशबाजी की खबर आ गई। ग्रामीणों ने बताया कि रात को झखरी में छप्पर के पास प्रधान समर्थकों द्वारा आतिशबाजी की जा रही थी। जिससे पास में बंधे मवेशी भड़कने लगे और मकान मालिक ने ऐतराज जताया। इसी बात को लेकर दोनों पक्षों में नोंक झोंक हुई जिसकी शिकायत 112 पर की गई। उसके बाद सुबह प्रधान ने अपने समर्थकों के साथ विपक्षीगणों की दुकान पर हमला कर दिया। इस दौरान तोड़ फोड़ और मोटर साइकिल में आगजनी भी की गई। इसी बात को लेकर दोनों पक्ष आमने.सामने हो गए और जमकर मारपीट हुई। इस दौरान प्रधान पति को घायलावस्था में सीएचसी में भर्ती कराया गया है। घटना की सूचना मिलते ही तत्काल प्रभारी निरीक्षक रेखा सिंह भारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंची उन्होंने उपद्रवियों को लाठी फटकार बाहर खदेड़ा और मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है। उधर इस संबंध में अपर पुलिस अधीक्षक विश्वजीत श्रीवास्तव भी मौके पर पहुंचे और घटना की जांच पड़ताल कर कार्यवाही करने के निर्देश दिए।

चुनावी रंजिश में तीन लोगों को पीटा व लूटपाट की

महराजगंज रायबरेली।। महराजगंज कोतवाली क्षेत्र के ताजुद्दीनपुर गांव में चुनावी रंजिश को लेकर बीती रात गांव के ही आधा दर्जन से अधिक दबंगों ने 3 लोगों को लाठी.डंडों से जमकर मारा पीटा तथा लूटपाट की घटना को भी अंजाम दिया गया जिसमें शीतला बक्स सिंह लीलावती अरविंद सिंह को गंभीर चोटें आई हैंए स्थानीय सीएचसी के डॉक्टरों द्वारा हालत गंभीर देख प्राथमिक उपचार के पश्चात चोटहिलो को जिला चिकित्सालय रेफर कर दिया गया हैए परिजनों द्वारा कोतवाली पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि गांव के ही दीपक सिंह राजेंद्र पुत्र ललन सिंह राजेंद्र सिंह पुत्र दल बहादुर सिंह विजय सिंह पुत्र दल बहादुर सिंह राजेश सिंह पुत्र दल बहादुर सिंह अखिलेश पुत्र विजय सिंह सूरज सिंह पुत्र विजय सिंह हरेंद्र सिंह पुत्र विक्रम सिंह विकास सिंह पुत्र हरेंद्र सिंह नंदकिशोर सिंह निवासी गण ताजुद्दीनपुर द्वारा चुनावी रंजिश को लेकर मारपीट व लूटपाट की गई है कोतवाली पुलिस ने धारा 147 452 323 395 जैसी गंभीर धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर जांच शुरू कर दी है वही मामले में कोतवाली प्रभारी रेखा सिंह ने बताया कि संबंधित मामले में लगभग 9 लोगों के खिलाफतहरीर के आधार पर मुकदमा पंजीकृत कर जांच पड़ताल की जा रही है आरोपियों के खिलाफ विधिक कार्यवाही की जा रही हैं।

तेंदुए के हमले में 7 लोग हुए घायल, पकड़ा गया

श्रावस्ती। सिरसिया –सिरसिया थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत चैलाही के मजरा महासेमरा में मंगलवार की शुबह संरक्षित वन क्षेत्र सुहेलवा से निकलकर एक तेंदुआ गांव में आ पहुंचा, जहां वह छत पर सो रहे 50 वर्षीय तिलक राम पर हमला कर घायल कर दिया, शोर सुनकर भारी संख्या मे ग्रामीण आ पहुंचे। अपने को भीड़ से घिरा देख तेंदुवा और भी आक्रामक हो गया और भीड़ पर हमला कर 7 लोगो को घायल कर दिया। हमले के बाद गांव के समीप स्थित एक पेड़ पर बैठ गया। तेंदुए के हमले की सूचना मिलते ही वनविभाग व सिरसिया थाने की पुलिस टीम मौके पर पहुँच गयी है और रेस्क्यू आपरेशन शुरू कर दिया, बनकर्मी भीड़ को वहाँ से हटाकर तेंदुए को पेड़ से उतारने का प्रयास करने लगे। तेंदुए को पकड़ने के लिए जाल व पिंजड़ा मंगाया गया, जल्द ही पेड़ के आसपास जाल बिछाया गया, काफी देर बाद तेंदुआ जैसे ही पेड़ से उतरा वह वन विभाग के बिछाए जाल में फंस गया, जिसे वन कर्मियों ने पिंजड़े में बंद कर लिया।

क्विक न्यूज

पूर्व सदर विधायक स्व. अखिलेश सिंह की माता जी का निधन

स्वर्गीय कमला देवी ने एम्स रायबरेली में इलाज के दौरान निधन

रायबरेली। सदर क्षेत्र से पूर्व विधायक स्वर्गीय अखिलेश सिंह की माता कमला देवी उम्र 82 वर्ष का आज एम्स रायबरेली में इलाज के दौरान निधन हो गया जिसके बाद समूचे इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। वह लालूपुर स्थित अपने पैतृक घर में रहती थी अचानक तबीयत बिगड़ने पर उन्हें एम्स रायबरेली में भर्ती कराया गया था जहां पर हालत में सुधार ना हो सका और उन्होंने अंतिम सांस एम्स में ली। दुखद सूचना से परिवार के सदस्य कांग्रेस नेता मनीष सिंह, सदर विधायक अदिति सिंह, कमलेश सिंह अन्य सदस्य इस दुखद सूचना से आहत हैं। दुखद सूचना से इलाके में सम्मानित जनता ने भी शोक प्रकट किया है तथा सम्मानित लोगों ने इस दुख को सहने के लिए भगवान से कामना की है। बताया जाता है कि इलाके में सुख दुख में हमेशा जरूरतमंदों को मदद करने में स्व कमला देवी आगे रहती थी हर जरूरतमंद की मदद करना उनके स्वभाव में था बढ़-चढ़कर वह लोगों की मदद किया करती थी उनके निधन की सूचना से इलाके के लोग भी दुखी हैं।

संदिग्ध परिस्थितियो में महिला की हालत बिगड़ी, मौत

ऊंचाहार। महिला की हालत संदिग्ध परिस्थितियो में बिगड़ने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में उपचार के दौरान मौत हो गई है।बताते चले कि विकास खंड रोहनिया कोतवाली सलोन के गांव उमरन निवासिनी मनीषा 40वर्ष पत्नी बांकेलाल की हालत संदिग्ध परिस्थितियो में बिगड़ने पर परिजनो के द्वारा प्राथमिक उपचार हेतु सीएचसी ऊंचाहार में भर्ती करवाया गया जहां पर चिकित्सक जब तक उपचार करते तब तक महिला की मौत हो गई थी।महिला की मौत पर परिजनो मे रो रोकर बुरा हाल था।

बुखार से वृद्ध की मौत

ऊंचाहार। ऊंचाहार कोतवाली के गांव मोखरा निवासी रामफल 60वर्ष की बुखार से पीड़ित होने पर हालत बिगड़ गई जिनकी प्राइवेट अस्पताल में उपचार के दौरान मौत हो गई है।जिनकी मौत पर परिजनो मे रो रोकर बुरा हाल था।

भूमि विवाद में महिला को पीटकर किया घायल

ऊंचाहार।भूमि विवाद में महिला को मारपीट करके घायल कर देने का मामला प्रकाष मे आया है।जिसमे घायल महिला को सीएचसी में भर्ती किया गया है।ऊंचाहार कोतवाली के गांव डिलौली निवासिनी वर्दना देवी 28वर्ष पत्नी सोनू को पड़ोसियो ने भूमि विवाद में लाठी डंडो से पीटकर घायल कर दिया।जिसमे महिला को चोट आने पर सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में भर्ती करवाया गया है।पुलिस ने बताया कि तहरीर के अनुसार विधिक कार्यवाही किया जाएगा।

नगर पालिका में सैनिटाइजेशन व साफ सफाई का कार्य

रायबरेली। शासन व जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव के निर्देशानुसार नगर पालिका नगर पंचायतों द्वारा कोविड-19 संक्रमण से लोगों को बचाव व राहत हेतु शहर रायबरेली सहित दूरदराज क्षेत्रों में कोरोना कर्फ्यू के दौरान सेनेटाइजेशन, साफ-सफाई, फागिंग व स्वच्छता का कार्य युद्ध स्तर पर किया जा रहा है। कर्फ्यू लॉक डाउन के दौरान नगर पालिका में सैनिटाइजेशन व साफ-सफाई का कार्य जनपद रायबरेली में बस्तेपुर, गोरा बाजार, नेहरू नगर, इंदिरा नगर आदि सहित नगर पालिका अध्यक्ष पूर्णिमा श्रीवास्तव ईओ बालमुकुंद मिश्रा, ने साफसफाई सेनेटाइजेशन, फागिंग आदि कराया वहीं मास्क है जरूरी, घरों से बाहर अनावश्यक ना निकले, लॉकडाउन का पालन करने का भी संदेश दिया। सरकार द्वारा कोरोना महामारी से रोकथाम हेतु 18 वर्ष से अधिक सभी आयु के लोगों कोरोना वैक्सीनेशन कराये।

एंबुलेंस न मिलने पर परिजन शव को ई रिक्शा से ले गए

संवाददाता। लालगंज,रायबरेली

● शव लालगंज क्षेत्र की एक महिला का बताया जा रहा है। हालांकि इस बाबत एलटू अस्पताल प्रबंधन कोई जानकारी देने को तैयार नहीं है

एलटू हास्पिटल से एक कोरोना संक्रमित के शव को ई-रिक्शा से ले जाने का वीडियो वायरल हुआ है। अस्पताल प्रबंधन इस बाबत पूरी तरह से चुप्पी साधे है। उल्लेखनीय है कि सोशल मीडिया पर एक वीडियो वायरल हो रहा है जिसमें एक शव को ईरिक्सा से ले जाया जा रहा है। शव लालगंज क्षेत्र की एक महिला का बताया जा रहा है।हालांकि इस बाबत एलटू अस्पताल प्रबंधन कोई जानकारी देने को तैयार नहीं है। अस्पताल के अधीक्षक डा.राजीव गौतम का कहना है कि शव को उसके परिजन अपनी स्वेच्छा से ले गए हैं। लेकिन उन्हे शव को किस नियम के तहत दिया गया यह बताने वाला कोई नहीं है।कोरोना संक्रमित के एलटू अस्पताल में निधन होने के बाद उसका शव एंबुलेंस से डलमऊ श्मशान घाट ले जाया जाता है जहां पर कोविड प्रोटोकाल के तहत उसका अंतिम संस्कार कराया जाता है। लेकिन यहां पर शव को उसके परिजनों के ही हवाले कर दिया गया है जो अस्पताल प्रबंधक की लापरवाही को दर्शाता है।यहां यह भी उल्लेखनीय है कि अस्पताल गेट पर पुलिस का भी कड़ा पहरा है इसके बाद भी ई-रिक्शा से शव ले जाने में उसे रोंका नही गया।

आज से ग्रामीण अंचलों में कोरोना के संभावित मरीजों की होगी पहचान

संवाददाता। कन्नौज

कोरोना संक्रमण की चेन तोड़ने व ग्रामीण क्षेत्रों में कोविड-19 उपचाराधीनों की बढ़ती संख्या को देखते हुए बुधवार यानि 5 मई से पोलियो अभियान की तर्ज पर विशेष अभियान शुरू होने जा रहा है। इसके लिए स्वास्थ्य विभाग की टीमें अब पल्स पोलियो अभियान की तर्ज पर घर-घर जाकर एक बार फिर लोगों को कोरोना के प्रति जागरूक करते हुए लक्षण के बारे में बताएंगी। सर्दी, खांसी, जुकाम बुखार इत्यादि लक्षण मिलने पर मरीजों को मेडिकल किट उपलब्ध कराएंगी। यह अभियान पांच दिनों तक चलेगा। मुख्य चिकित्सा अधिकारी डा. के स्वरूप ने बताया कि ग्रामीण क्षेत्रों में कोरोना संक्रमण की बढ़ती संख्या को देखते हुए ग्रामीण क्षेत्र की जनता को दवाएं तथा उपचार सुलभ रूप से उपलब्ध कराने के लिए यह विशेष अभियान चलाया जा रहा है।

कोरोना के समय सरकारी कार्यालय में 50 प्रतिशत से अधिक कर्मचारी उपस्थित न हों: डीएम

संवाददाता। रायबरेली

● राज्य सड़क परिवहन निगम के माध्यम से प्रदेश के बाहर कोई भी बस न भेजी जाये

जिलाधिकारी वैभव श्रीवास्तव ने शासन के निर्देशों के अनुपालन में कोविड-19 के प्रभावी नियंत्रण हेतु प्राप्त निर्देशानुसार कोरोना कर्फ्यू को आंशिक कर्फ्यू के रूप में 06 मई 2021 की प्रात: 7:00 बजे तक बढाये जाने के निर्देश दिये गये है। जिसके तहत जनपद रायबरेली के सम्पूर्ण क्षेत्र में आवागमन एवं व्यवहार तत्काल प्रभाव से प्रतिबन्धित किया जाता है। उक्त कोरोना कर्फ्यू के समय सरकारी कार्यालय में 50 प्रतिशत से अधिक कर्मचारी उपस्थित न हो और शेष 50 प्रतिशत भी शिफ्ट में कार्यालय बुलाये जाये एवं यथा सम्भव ॅवता थ्तवउ भ्वउम की व्यवस्था लागू की जाये।

उ0प्र0 राज्य सड़क परिवहन निगम के माध्यम से प्रदेश के बाहर कोई भी बस न भेजी जाये जिससे कि संक्रमण पर प्रभावी कार्यवाही की जा सके। बसों में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन किया जाये तथा सेनेटाइजर एवं मास्क का प्रयोग अनिवार्य किया जाये। आवश्यक दवा सर्जिकल की दुकान खुली रहेगी। उद्योग आदेशों के अन्तर्गत खुले रहेगें। केवल दैनिक उपयोग की दुकानें जैसे- सब्जी, फल, दूध, किराना इत्यादि की दुकानों को छोड़कर शेष दुकानें बंद रहेगी। सब्जी मण्डीध्फल मंडी में भी सोशल डिस्टेंसिंग का पालन व मास्कध्ग्लव्स व सैनिटाइजर के उपयोग की अनिवार्यता होगी। 05 मई, 2021 से ग्रामों में कोरोना के लक्षण युक्त व्यक्तियों की पहचान एवं लाइन लिस्टिंग का कार्य किया जायेगा एवं कोविड की दवाई (मेडिकल किट) भी वितरित की जाये। इस विशेष अभियान की प्रतिदिन समीक्षा की जायेगी। लक्षण युक्त व्यक्तियों की पहचान के पश्चात उनकी टेस्टिंग की जायेगी। पब्लिक एड्रेस सिस्टम का व्यापक प्रयोग कर कोरोना से बचाव के प्रति जागरूकता के सन्देश प्रसारित किये जाये। हाई रिस्क कैटेगरी यथा 60 वर्ष से ऊपर अथवा 10 वर्ष से कम आयु के बच्चे अथवा गर्भवती महिलाएं एवं एक से अधिक बीमारी से ग्रसित अर्थात कम इम्युनिटी के लोंग बाहर न जायें। अनावश्यक बाहर न निकलें।

जिलाधिकारी ने कोविड महामारी को लेकर जिले स्तर पर टीम-9 का किया गठन

संवाददाता। अमेठी

जिलाधिकारी अरुण कुमार ने शासन के निर्देश के क्रम में कोविड महामारी की द्वितीय लहर के परिप्रेक्ष्य में महामारी के प्रभावी नियंत्रण, चिकित्सालयों की व्यवस्था, ऑक्सीजनयुक्त बेड्स की व्यवस्थाए ऑक्सीजन की निर्बाध आपूर्तिए जीवन रक्षक दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने लोगों के आवागमन को नियंत्रित करने मीडियो को सही जानकारी देनेए इन्टीग्रेटेड कमाण्ड एवं कन्ट्रोल रूम की व्यवस्थाए सभी औद्योगिक इकाईयों को संचालित रखने व वहां काम कर रहे मजदूरों की समस्याओं के समाधान तथा जनसामान्य से लगातार संवाद आदि से सम्बन्धित समस्त व्यवस्थाओं का दैनिक रूप से प्रभावी अनुश्रवण हेतु जनपद स्तर पर टीम.9 का गठन किया है। उन्होने टीम.1 में मुख्य चिकित्सा अधिकारी को नोडल एवं जिला सर्विलान्स अधिकारी एसीएमओ डा0 नवीन मिश्रा जिला प्रतिरक्षण अधिकारी डा सी0एस0 अग्रवाल को सहायक नोडल अधिकारी के रूप में नामित किया है। टीम.1 सरकारी व निजी चिकित्सालयों में आईसीयू व ऑक्सीजनयुक्त बेड्स की व्यवस्थाए सभी चिकित्सालयों में मैन पावर की व्यवस्थाए जनपद में चल रहे टीकाकरण अभियान को सुचारू रूप से सम्पन्न कराने तथा आवश्यक संख्या में टीकों की आपूर्ति की व्यवस्थाए प्रदेश सरकार के चिकित्सा, स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण मंत्रालय से समन्वय, जनपद में कोरोना वायरस के सम्भावित एवं संक्रमित व्यक्तियों का प्रभावी ईलाज एवं देखभालए प्रदेश में कोविड.19 से सम्बन्धित चिकित्सीय व्यवस्थायें सुनिश्चित करना जिनमें चिकित्सालयों में आइसोलेशन वार्ड दवाईया एवं मास्क आदि की व्यवस्थाएं जिला चिकित्सालय एवं सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र की व्यवस्थाओं को सुदृढ़ करने का कार्य करेगें। उन्होने टीम.2 में अपर जिलाधिकारी न्यायिक को नोडल व एसीएमओ डा संजीव सिंह, मुख्य खाद्य सुरक्षा अधिकारी को सहायक नोडल नामित किया है। टीम.2 जनपद में एम्बुलेन्स की सेवाओं को सुचारू रूप से सुनिश्चित करनेए इन्टीग्रेटेड कमाण्ड एवं कन्ट्रोल रूम व्यवस्था की नियमित समीक्षा करते हुये यह सुनिश्चित करना कि प्रत्येक व्यक्ति की जिज्ञासा व अनुरोध सही अधिकारी व विभाग तक अवश्य पहुँच जाये।

सपा प्रत्याशी जुबेरिया ने दर्ज कराई ऐतिहासिक जीत

संवाददाता। गुरसहायगंज (कन्नौज)

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष तहसीन सिद्दीकी की पत्नी जुबेरिया शाह सिद्दीकी ने ब्लाक तालग्राम के वार्ड 09 से ऐतिहासिक जीत दर्ज कराकर कीर्तिमान बनाया है। वही जीते हुए प्रत्याशियों के समर्थकों में खुशी की लहर दौड़ गई। उत्साही समर्थकों ने जीत की खुशी में जश्न मनाकर एक दूसरे को मिष्ठान खिलाया।

ब्लाक तालग्राम के जिला पंचायत सदस्य पद पर वार्ड नंबर 9 से पूर्व जिला पंचायत अध्यक्ष तहसीन सिद्दीकी की पत्नी जुबेरिया शाह सिद्दीकी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी भाजपा समर्थित प्रत्याशी फिल्म स्टार दारा सिंह की पत्नी स्लेन्ती उर्फ पायल को लगभग 8190 मतों से करारी शिकस्त देकर ऐतिहासिक जीत दर्ज कर कीर्तिमान बनाया है। वही वार्ड नंबर 8 में भाजपा समर्थित प्रत्याशी राजीव ठाकुर को शिकस्त देकर नीलम यादव ने जीत दर्ज की है। वार्ड नंबर 11 से तालग्राम चेयरमैन दिनेश यादव की पत्नी मिथिलेश यादव ने एक बार फिर जीत दर्ज कर उसी वार्ड से इतिहास रचा है। उधर पड़ोसी जनपद से पूर्व विधायक ताहिर हुसैन सिद्दीकी के पुत्र जुनैद सिद्दीकी ने जिला पंचायत सदस्य पद पर अपने निकटतम प्रत्याशी को हराकर राजनीतिक क्षेत्र में कदम रख दिया है। इसके अलावा ग्राम प्रधानों, क्षेत्र पंचायत सदस्य पद पर जीते प्रत्याशियों में मझपुर्वा से हारून सिद्दीकी ने अपने निकटतम प्रतिद्वंदी प्रत्याशी वकील अहमद को करारी शिकस्त देकर एक बार फिर प्रधान पद पर वापसी की है।

चोरों ने तीन दुकानों को बनाया निशाना

हजारों का सामान चुराने में रहे सफल

संवाददाता। जगदीशपुर अमेठी

बीती रात्रि अज्ञात चोरों ने तीन दुकानों को निशाना बनाकर हजारो का माल चुरा ले जाने में सफल रहे घटना की सूचना पर पहुची पुलिस ने मौके का निरीक्षण कर आगे की कार्यवाही शुरू की है ।थाना कमरौली के पूरे हरि लाल तिवारी का पुरवा पलिया पश्चिम चौराहा पर बनी दुकानों में बीती रात्रि अज्ञात चोरों ने पहला निशाना पान की गुमटी को बनाया जिसका ताला तोड़ कर उसमें रखा नगदी व समान चुरा ले गए वही गुमटी के पीछे स्थित दूसरी दुकान चप्पल जूते की जिसका ताला तोड़ने में चोर असफल रहे तीसरा निशाना कुछ ही दूर पर स्थित देवकीनंदन निवासी पूरे गंगा सिंह का पुरवा की लक्ष्मी आभूषण कला केंद्र के नाम से खुली सोने चांदी की दुकान के पीछे से नकब लगाकर उसमे रखा सोने चांदी के आभूषण व नगदी समेत हजारो का माल चोर चुरा कर भाग जाने में सफल रहे सुबह दुकान खोले जाने पर अंदर का सामना बिखरा देख दुकान मालिक दंग रह गए घटना की सूचना पुलिस को देने पर मौके पर पहुची पुलिस ने घटना स्थल का निरीक्षण कर आगे की कार्यवाही शुरू की है इस घटना को लेकर क्षेत्रीय लोगो मे पुलिस की पेट्रोलिंग टीम पर तरह तरह के सवाल उठा रहे है

करंट लगने से युवक घायल

जगदीशपुर अमेठी । कोतवाली क्षेत्र के अंतर्गत रानीगंज बाज़ार में देर शाम 11000 वोल्ट की विद्युत लाईन की चपेट में आने से युवक गंभीर रूप से घायल हो गया । जिसे स्थानीय लोगों की मदद से ईलाज हेतु सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जगदीशपुर ले जाया गया जहाँ डाक्टरों ने मृतक घोषित कर दिया ।घटना की सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा ।मृतक की पहचान दीपू पुत्र दयाराम उम्र लगभग 36वर्ष निवासी दिछौली कोतवाली जगदीशपुर जनपद अमेठी के रूप मे हुई है ।

जमुनहा बाजार में लॉक डाउन की उड़ी धज्जियां –

सिरसिया। जमुनहा- मल्हीपुर थाना अंतर्गत जमुनहा बाजार में मंगलवार को कोरोना कर्फ्यू का नही दिखा असर, यहां सुबह होते ही बाजार की सभी दुकानें खोल दी गई। जिसके बाद पूरी बाजार में भारी भीड़ उमड़ पड़ी, जबकी यह सब देखते हुए भी प्रशासन मूकदर्शक बना रहा। इन परिस्थितियों में सरकार द्वारा लगाया गया कोरोना कर्फ्यू बेअसर साबित हुआ। इसी प्रकार हरदत्त नगर गिरन्ट, वीरगंज बाजार, बदला चैराहा, मिर्जापुर चौराहा ,माल्ही चौराहा व सोनवा थाना क्षेत्र के नासिरगंज व तुलसीपुर समेत कई स्थानों पर प्रतिबंध के बावजूद छुटपुट दुकानें खुली नजर आयी।

जिला पंचायत की सात सीटें सपा ने जीतीं, जबकि चार पर बीजेपी का कब्जा

संवाददाता। श्रावस्ती

जिला पंचायत सदस्य के पदों की मतगणना पूरी हो गई सभी 22 सीटों के परिणाम आ गए हैं सपा ने 7 सीटे हासिल कर बीजेपी को पीछे छोड़ दिया है, बीजेपी को सिर्फ 4 सीटो से संतोष करना पड़ रहा है। जबकि 1सीट पर आम आदमी पार्टी ने जीत दर्ज की है। जबकि 10 सीटे निर्दलिये के खाते में गयी है। सबसे अधिक मत से जीत दर्ज करने का रिकॉर्ड निर्दलिये प्रत्याशी अजय त्रिपाठी के नाम रहा है उन्होंने 10 हजार 6 सौ मत से विजय हासिल कर अपना परचम लहराया है। सभी परिणाम क्रमवॉर है- वार्ड नं0 1- कमेस्वर सपा 2-रियाज सपा, 3- अमरेश वर्मा सपा 4- ब्रजेश शुक्ला निर्दलिये 5- धनन्जय यादव सपा 6- रामअभिलाख यादव निर्दलिये 7- अशोक कुमार सपा 8- अशलम खान निर्दलिये 9- अंशू सिंह बीजेपी 10- हरीश गांधी निर्दलिये 11- विशम्भरलालश्रीवास्तव 12- संजू कुमारी निर्दलिये 13- राधा सोनकर निर्दलिये 14- प्रभात बर्मा बीजपी 15- सफीक अहमद निर्दलिये 16- देव प्रताप सिंह निर्दलिये 17- दद्दन मिश्रा (पूर्ब सांसद) 18- मीरा देबी निर्दलीय 19- अजय त्रिपाठी निर्दलिये 20- गायत्री राजभर 21- अनुराधा यादव सपा 22- भरतलाल यादव सपा ।

सपा की यह बढ़त 2022 विधानसभा चुनाव के पहले परीक्षा का सफल रिजल्ट है : अभिषेक मिश्रा उर्फ मुन्ना भइया

श्रावस्ती। भिनगा – जिला पंचायत चुनाव में आये रिजल्ट में सपा की बढ़त पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए विधानसभा श्रावस्ती से समाजवादी पार्टी के संभावित उम्मीदवार अभिषेक मिश्रा उर्फ मुन्ना भईया ने कहा कि उत्तर प्रदेश पंचायत चुनाव में समाजवादी पार्टी का शानदार प्रदर्शन जनपद में समाजवादी समर्थित ज्यादातर जिला पंचायत सदस्य ग्राम प्रधान एवं क्षेत्र पंचायत सदस्यों को विजय की प्राप्ति हुई है यह जीत 2022 विधानसभा चुनाव के पहले परीक्षा का सफल रिजल्ट है 2022 में समाजवादी पार्टी की पूर्ण बहुमत की सरकार का रास्ता साफ होता दिख रहा है ।

जिले में 6 मई की प्रात: 7.00 बजे तक कोरोना कर्फ्यू लागू

आवश्यक दवा सर्जिकल व केवल दैनिक उपयोग की दुकान यथा सब्जी फल दूध किराना इत्यादि की दुकानें खुली रहेंगी

संवाददाता। अमेठी

जिले में 6 मई की प्रात: 7.00 बजे तक कोरोना कर्फ्यू को लागू किया गया है। जिलाधिकारी अरुण कुमार ने बताया कि उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम के माध्यम से प्रदेश के बाहर कोई बसें नहीं भेजी जाएंगी बसों में सोशल डिस्टेंसिंग का पालन व सेनेटाइजर तथा मास्क का प्रयोग अनिवार्य किया गया है। आवश्यक दवा/सर्जिकल की दुकान खुली रहेंगी उद्योग पूर्व आदेशों के अंतर्गत खुले रहेंगे। केवल दैनिक उपयोग की दुकान यथा सब्जी फल दूध किराना इत्यादि की दुकानों को छोड़कर शेष दुकानें बंद रहेंगी। सब्जी मंडी फल मंडी में भी सोशल डिस्टेंसिंग का पालन व मास्क ग्लब्स व सेनेटाइजर के उपयोग की अनिवार्यता की गई है। उन्होंने बताया कि 5 मई 2021 से ग्रामों में कोरोना के लक्षणयुक्त व्यक्तियों की पहचान एवं लाइन लिस्टिंग का कार्य किया जाएगा एवं कोविड.19 दवाई मेडिकल किट का भी वितरण किया जाएगा। इस विशेष अभियान की मुख्य चिकित्सा अधिकारी व समस्त उप जिला मजिस्ट्रेट क्षेत्राधिकारी द्वारा प्रतिदिन समीक्षा कर लक्षणयुक्त व्यक्तियों की पहचान के पश्चात उनकी टेस्टिंग भी की जाएगी पब्लिक ऐड्रेस सिस्टम का व्यापक प्रयोग कर कोरोना के प्रति जागरूकता का संदेश प्रसारित किया जाएगा। हाई रिस्क कैटेगरी यथा 60 वर्ष से ऊपर अथवा 10 वर्ष से कम उम्र के बच्चों अथवा गर्भवती महिला एवं एक से अधिक बीमारी से ग्रसित अर्थात कम इम्युनिटी के लोग बाहर न जाए। उन्होंने आम जन मानस से अपील करते हुए कहा कि अनावश्यक बाहर न निकले एवं यदि अति आवश्यक कार्यवश निकले तो मास्क अनिवार्य रूप से पहनकर ही निकले। टीकाकरण का अभियान जनपद में यथावत चलता रहेगा परंतु सोशल डिस्टेंसिंग व 2 गज की दूरी तथा मास्क की अनिवार्यता टीकाकरण के समय भी अनिवार्य होगी। निगरानी समितियों के द्वारा ग्राम पंचायतों में क्वारंटाइन सेंटर की स्थापना की जाएगी जिसमें जो भी व्यक्ति ग्राम के बाहर से आ रहे हैं यदि होम क्वॉरेंटाइन की उनके घर में जगह नहीं है तो क्वारंटाइन सेंटर में उन्हें रखा जाएगा। उन्होंने बताया कि कंटेनमेंट जोन में आवश्यक सेवाओं के अतिरिक्त अन्य सभी कार्य सख्ती के साथ बंद रहेंगे तथा प्रत्येक शहरी व ग्रामीण क्षेत्र में फागिंग व सेनेटाइजेशन प्रतिदिन किया जाएगा। उन्होंने समस्त संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि उक्त दिशानिर्देशों का कड़ाई से अनुपालन कराना सुनिश्चित करेंगेए उक्त कार्य में अनियमितता पाए जाने पर संबंधित के विरुद्ध कार्यवाही की जाएगी।

अमेठी में सीएसआर के अंतर्गत तीन औद्योगिक इकाइयां स्थापित करेंगी ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट

संवाददाता। अमेठी

जिलाधिकारी अरुण कुमार ने बताया कि जनपद अमेठी में कोविड मरीजों की चिकित्सीय सुविधा सुदृढ़ कराने के उद्देश्य से सांसद के निर्देशन में जिला प्रशासन द्वारा स्वयंसेवी संस्थाओं तथा औद्योगिक इकाइयों से समन्वय स्थापित करते हुए सीएसआर के अंतर्गत ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट लगाने की कार्यवाही की जा रही है। जिसके क्रम में जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में ऑक्सीजन की उपलब्धता सुनिश्चित करने के लिए राजेश मसाला एसीसी टिकारिया सीमेंट वर्क्स वेदांता ग्रुप द्वारा जनपद में ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट स्थापित करने हेतु कार्यवाही की जा रही है। उन्होंने बताया कि राजेश मसाला द्वारा स्थापित किए जा रहे ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट में प्रतिदिन 50 से 60 सिलेंडर ऑक्सीजन का उत्पादन किया जाएगा एसीसी टिकरिया सीमेंट वर्क्स द्वारा स्थापित किए जा रहे प्लांट में प्रतिदिन 150 से 200 सिलेंडर ऑक्सीजन का उत्पादन किया जाएगा तथा वेदांता ग्रुप द्वारा स्थापित किए जा रहे ऑक्सीजन जनरेशन प्लांट में प्रतिदिन 130 से 160 सिलेंडर ऑक्सीजन का उत्पादन किया जाएगा। इसके साथ ही जिलाधिकारी ने बताया कि एचएएल कोरवा द्वारा भी ऑक्सीजन जेनरेशन प्लांट स्थापित किए जाने का प्रस्ताव दिया गया है जिसके लिए प्रक्रिया विचाराधीन है इसके साथ ही उन्होंने बताया कि पीएम केयर्स द्वारा जनपद में ऑक्सीजन प्लांट लगवाने के लिए जिला प्रशासन द्वारा शासन को प्रस्ताव भेजा गया है। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद अमेठी में कोविड मरीजों के लिए ऑक्सीजन व आवश्यक दवाओं की पर्याप्त मात्रा उपलब्ध है।

मतगणना परिणाम आने के साथ गांवों में तैयार होने लगी हिंसा की पृष्ठिभूमि

संवाददाता। बस्ती

● **जीते प्रत्याशियों के खेमे में जश्न, हारे प्रत्याशी बांटे गए धन की वसूली में लगे**

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में जीत-हार के बाद गांवों में विवाद और हिंसा की पृष्ठिभूमि तैयार होने लगी है। कुछ ग्राम पंचायतों में मारपीट की घटनाओं की भी शुरूआत हो चुकी है। चुनाव परिणाम आने के बाद गावों में कही खुशी कही गम का माहौल है। जीते हुए प्रत्याशियो के खेमें में जहां दावतो का दौर जारी है। वही हारे हुए प्रत्याशी प्रचार के दौरान दावत उड़ाने और रूपया लेने वालो से अब वसूली के लिए लाठी डंडा लेकर उन्हे तलाश रहे है। न मिलने पर धमकी और आमने सामने होने पर चुनाव के दौरान दिए गए रूपयों की वसूली करने में लग गए है। ऐसे में गावो में हिंसक घटनाओ की पृष्ठभूमि तैयार हो रही हैं। मतगणना परिणाम आने के साथ ही कई गावो में मारपीट की खबरें आनी शुरू हो गई हैं। बहादुरपुर, हर्रैया, रूधौली, साऊंघाट सहित अनेक ब्लाक के कई गांवों में दलित पिछड़ी जातियों के मतदाताओं को पीटे जाने की खबर है। चुनाव परिणाम आने के बाद से ही वोट के लिए नोट लेने वाले अनेक लोग दूसरे गांवो में रिश्तेदारों के यहां दिन गुजार रहे है। हालत यह है कि जिस वार्ड में दबंग प्रधान हार गए है वहां के मतदाताओ और जीते हुए प्रत्याशियों के समर्थकों को धमकी देने के साथ मार पीट भी खबरें आ रही है। ज्यादातर गावों में हार पर समीक्षा की जगह हारे हुए प्रत्याशी नोटो की वसूली में लगे है। वसूली और गांवो में उपजी गुटबंदी के चलते सबसे ज्यादा परेशानी उन मतदाताओ को है जो लाकडाउन के दौरान शहर से गांवों में आकर समय बिता रहे है। मतदान के दिन उन्होंने मतदान तो कर दिया लेकिन हारे हुए प्रत्याशियो को भरोसा कैसे दिलाएं की उन्ही को वोट दिया है। उन गांवो की स्थितियां और भी बिगड़ सकती है जिन गांवो में ग्राम प्रधान के सहयोगियो एवं परिवार के पास ही राशन वितरण की दुकान है। इस माह का राशन कोटेदार की दुकान तक पहुंच चुका है। अधिकतम गांवो में जल्द ही वितरण शुरू होना है। ऐसे में यदि पूर्व प्रधान को वोट नहीं दिया है तो उसके घर तक राशन लेने जाने की कौन सोचे ? ऐसे गांवो में लगभग 10 से 20 प्रतिशत आबादी राशन लेने से कतरा रही हैं, इन्तजार में है कि थोडा माहौल बदले तो राशन की दुकान तक जाए। एक तरफ कोरोना के कारण लोगो का रोजगार बंद है, वहीं गांव के चुनाव के कारण खराब हुए माहौल को लेकर प्रवासी कामगारो की समस्याएं बढ़ गई है। मतगणना परिणाम आने के बाद से चुनावी रंजिशों के भी दौर शुरू हो गए हैं। रूधौली क्षेत्र के पंचायत भवन महुआ पर चुनावी रंजिश को लेकर मारने पीटने के दो मामलों में मुकदमा दर्ज कराया गया है वहीं मतगणना डयूटी में लगे लघु सिंचाई के एक सहायक अभियंता ने कुछ अज्ञात लोगों पर गाली और जान से मारने की धमकी देने का मुकदमा पुरानी बस्ती थाने में दर्ज कराया है। यह तो बानगी भर है। ऐसे अनेक मामले है जिनमें मुकदमा दर्ज कराने तक का साहस पीड़ित पक्ष नहीं कर पाया है। चुनाव बाद गांवों का माहौल खूनी और विशाक्त होने की आशंका बढ़ गई है।

बेलहर ब्लाक में होंगे सभी विकास कार्यः विवेक प्रताप

संतकबीरनगर। जनपद के बेलहर ब्लाक के क्षेत्र पंचायत वार्ड सख्या 25 से विजय प्राप्त किये विवेक प्रताप सिंह ने कहा कि बेलहर ब्लाक में चौमुखा विकास होगा। युवा भाजपा नेता विवेक प्रताप सिंह ने बेलहर ब्लाक प्रमुखी की दावेदारी करते हुए कहा कि मेहदावल विधानसभा के विधायक राकेश सिंह बघेल का अभिभावक के रुप मे आशीर्वाद प्राप्त है। उनके मार्गदर्शन में सभी विकास कार्य होगा। नवनिर्वाचित क्षेत्र पंचायत सदस्य विवेक प्रताप सिंह ने बेलहर के समस्त नवनिर्वाचित ग्राम प्रधानों व क्षेत्र पंचायत सदस्यों को बधाई दी है।

भर्ती के लिए लाठी खाने को तैयार हैं मरीजों के तीमारदार

● **रात भर कोरोना संक्रमित माता और पुत्र भर्ती के लिए रहे परेशान**

● **डीएम, सांसद, भाजपा जिलाध्यक्ष, मेडिकल कालेज के प्रधानाचार्य से रोते रहे तीमारदार**

● **हर कोई दूसरे डाक्टर का मोबाइल नंबर देकर जिम्मेदारी से भागते रहा**

● **आक्सीजन की कमी का बहाना बनाकर नहीं कर रहे भर्ती**

● **मेडिकल कालेज के कैली की दुर्व्यवस्था के कई आडियो हुए वायरल**

संवाददाता। बस्ती

कैली अस्पताल के बगल एक गांव हैं, सोनूपार यहां के भगवती प्रसाद द्विवेदी की पत्नी 62 वर्षीय शकुंतला और 35 वर्षीय पुत्र संदीप द्विवेदी कोरोना संक्रमित होने के बाद वह इलाज के लिए कैली गए। वहां के जिम्मेदारों ने पहले आक्सीजन और बेड की कमी के चलते किसी भी नये मरीज को भर्ती करने से मना किया गया। इधर दोनों मरीजों का आक्सीजन लेबल डाउन होता जा रहा था। इस पर तीमारदार विजय कुमार द्विवेदी और भाई संजय द्विवेदी ने विकास भवन स्थित कोविड कमांड सेंटर से सहायता मांगी। इस पर डा. सुधाकर का मोबाइल नंबर देते हुए उनसे संपर्क करने को कहा गया। संपर्क होने के बाद डाक्टर ने कहा कि मरीज को पहले जिला अस्पताल ले जाइए, और वहां से कैली के कोविड अस्पताल के लिए रेफर करने की प्रक्रिया निभाई। कैली में डाक्टर अकमलुद्दीन मलिक मिलेगें, उनसे हमारी बात करा दीजिएगा। जब यह लोग रेफर की प्रक्रिया निभाकर बताए गए डा. अकमलुद्दीन मलिक से मरीज को लेकर मिलने गए तो पता चला कि डाक्टर ही लापता हैं।

इस पर संजय द्विवेदी ने डीएम से उनके सीयूजी नंबर पर मदद मांगी, इस पर उनके टीए ने तीमारदारों को डाक्टर जीएम शुक्ला का मोबाइल देते हुए संपर्क करने को कहा, जब इनका भी मोबाइल नहीं उठा तो डा. ज्ञानेंद्र का नंबर दिया, इन्होंने कहा कि डा. एसके सिंह की ड्यूटी है, उनसे मिलिए, पता चला कि वह भी मौजूद नहीं है। इस बीच दोनों मरीज की हालत खराब होने लगी, जिसमें माता जी की अधिक हो रही थी। फिर इन लोगों ने प्रधानाचार्य के सहायक डा. अनिल यादव से मदद मांगी। इस पर डा0 अनिल ने कहा कि देखिए कैली की हालत बहुत खराब हैं, आक्सीजन और बेड का अभाव है। ऐसे में वह कोई मदद करने की स्थिति में नहीं हैं। प्रधानाचार्य ने कोई नया पेशेंट लेने से मना किया है। फिर इन लोगों ने प्रधानाचार्य से मदद मांगी, प्रधानाचार्य ने भी डा. अनिल वाली मजबूरी बताकर भर्ती कराने में मदद करने से इंकार कर दिया। अंत में इन लोगों ने स्थानीय सांसद हरीश द्विवेदी और भाजपा जिलाध्यक्ष महेश शुक्ल से गुहार लगाई। रात साढ़े 11 बजे डा. जीएम शुक्ल ने बताया कि आपके मरीज जैसे 10 से 12 मरीज बाहर लाइन में भर्ती होने के लिए लगे हुएं हैं। बताया कि रात में गार्ड और पुलिस वाले मरीजों और उनके तीमारदारों को लाठी के बल पर कैपंस खाली करवा दिया। मार खाने के डर के नाते और जब कहीं से कोई मदद नहीं मिली तो परिजन दोनों मरीजों को भगवान के हवाले करते हुए घर वापस ले आए। इस बीच लगभग 12 बजे प्रधानाचार्य का फोन आया, कि मरीज को ले आइए, जब परिजन मरीज को लेकर पहुंचे तो गार्ड वाला अंदर ही जाने नहीं दिया, प्रधानाचार्य के कहने के बाद मरीज को अंदर जाने दिया गया। बताया कि भर्ती कर लेने के बाद भी न तो आक्सीजन का सपोर्ट दिया गया और न कोई डाक्टर देखने आया। इस अस्पताल की यह कोई पहली ऐसी घटना नहीं है। यहां की अव्यवस्था और लापरवाही से हो रही मरीजों की मौत को देखते अब तक तीन विधायक और सांसद मेडिकल कालेज की व्यवस्था पर सवाल उठाते हुए प्रधानाचार्य के तबादले और जांच कराने के लिए मुख्यमंत्री को लिख चुके। तीमारदारों का कहना है कि मजबूत प्रशासन के होने के बावजूद ऐसी लापरवाही क्यों हो रही हैं, यह बड़ा सवाल बना हुआ है। सदर विधायक के मीडिया प्रभारी अजय कुमार श्रीवास्तव ने भी लापरवाही पर सवाल उठाते हुए षासन और प्रशासन से कार्रवाई करने की मांग की है।

जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी पर बलराम व शैलेन्द्र ने की दावेदारी

● **30 वार्डों के प्रत्याशियों को मिला जीत का प्रमाण पत्र**

संवाददाता। संतकबीरनगर

त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव मतगणना कार्य सोमवार की देर शाम पूर्ण हुआ। सभी जीते हुये प्रधान एव बीडीसी को जीत का प्रमाण पत्र मतगणना स्थल पर दिया गया। खुशियों में डूबे विजयी प्रत्याशी व समर्थक मन्दिरो में दर्शन, अबीर गुलाल लगाया, पटाखे फोड़े लेकिन कोरोना के गम्भीरता को नही समझा। जिला पंचायत सदस्यों के परिणाम आने के बाद जिला पंचायत अध्यक्ष की कुर्सी पर कौन होगा विराजमान यह चर्चा जोरों पर शुरु हो गई है। हलाकि यहाँ की सीट पिछड़ी होने के कारण दो दावेदारों ने दावेदारी की जिसमे निर्दल प्रत्याशी बलराम यादव व सपा युवा नेता शेलेंद्र यादव ने किया है। वार्ड सख्या 1 से 30 तक जीते हुए प्रत्याशी में क्रमशः सुशीला देवी, ज्ञानमती, कांती देवी, अकबाल अहमद, सायदा खातून, सना परवीन, संगीता, कृष्ण कुमार चौरसिया, कायनात फातिमा, शमा खातून, गौहर अली खां, इंद्रावती, अख्तर हुसैन, विश्वकेतु यादव, कुसुम, अंशिता, अजय कुमार शर्मा, राम सुरेश चौरसिया, बलिराम यादव, शेलेंद्र कुमार, हरिलाल, अंकिता निगम, राम सिंह, अमरीश पाल, सोना देवी, उर्मिला देवी, बंधु प्रसाद, शारदा देवी एवं जावेद आलम शामिल है। सभी को जीत का प्रमाण पत्र रिटर्निंग अफसर एनके सिंह ने दिया। जिला मजिस्ट्रेट दिव्या मित्तल ने सभी नवनिर्वाचित प्रधान, बीडीसी व जिला पंचायत सदस्यों को बधाई दी है।

नवागत सीएमओ ने लिया पद का चार्ज

● **कोविड से बचाव के लिए नियम का पालन करना होगा, रहेंगे सुरक्षितः डॉ. इंद्र विजय**

संतकबीरनगर। नवागत मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ इंद्र विजय विश्वकर्मा ने मंगलवार को सीएमओ कार्यालय में पहुचकर पद का कार्यभार ग्रहण किये है। श्री विश्वकर्मा कोविड को गम्भीरता से लेते हुये एसीएमओ डॉ मोहन झा सहित वरिष्ठ चिकित्सकों के साथ बैठक कर जनपद के स्वास्थ सेवाओ की जानकारी लिए। कोविड मरीज़ो के देखभालए उपचार व दिए जा भोजन तथा मरीज़ो के सेवा में लगे डॉक्टरों व स्वास्थ्यकर्मियों के विषय मे जानकारी लेते हुए गहनता से चर्चा करते हुए और सुधार लाये जाने का निर्देश दिए। नवागत सीएमओ डॉ इंद्र विजय विश्वकर्मा ने कहा कोविड से बचाव के लिए नियम का पालन करना होगा तभी सुरक्षित रहेंगे। डॉ इंद्र विजय विश्वकर्मा ने संक्षिप्त वार्ता में बताया कि वह मूलतः आजमगढ़ जनपद ले निवासी है। इससे पूर्व सीएमओ सिद्धार्थनगर रहे तथा गोरखपुर जनपद में जिला प्रतिक्षण अधिकारी पद पर सेवा दे चुके है।

कोरोना संकट देख निशुल्क सेवा करने को तैयार : डा. राकेश मणि त्रिपाठी

● **रिटायर हुए चार दिन भी नहीं बीता कि पहले की तरह काम में लग गए**

बस्ती। रिटायर होने के बाद जहां सरकारी डाक्टर निजी नर्सिंग होम खोलकर धन कमाने में लग जाते हैं, वहीं सीएमओ कार्यालय में स्थापित संक्रामक रोग नियंत्रण कक्ष एवं मरवटिया पीएचसी के प्रभारी रहे डा. राकेश मणि त्रिपाठी जिले के पहले सरकारी डाक्टर हैं, जो सेवा निवृत्ति होने के बाद निःशुल्क सेवा करने को तैयार हो गए। यह कठिन निर्णय इन्होंने कोविड19 के प्रसार में तीव्र वृद्धि और डाक्टरों की कमी को देखते हुए लिया, ताकि कोरोना संक्रमित मरीजों की सेवा की जाए जा सके। सीएमओ के लिखित अनुरोध पर निःशुल्क सेवा देने को तैयार हुए डा. राकेश मणि त्रिपाठी ने बताया कि जिस विभाग ने उन्हें मान सम्मान और जीने का सहारा दिया, अगर उस विभाग को उनकी आवश्यकता है, तो वह निःशुल्क सेवा देने को तैयार हैं। इसके लिए बकायदा उन्होंने सीएमओ के लिखित पर सहमति जताते हुए चार मई 21 से कार्य करना प्रारंभ भी कर दिया। डा. मणि के निर्णय का स्वागत डा. एफ हुसैन, डा. सीएल कन्नौजिया, डा. आरके हलदार, डा. बीजी मौर्य, अंगद चौधरी, एके मिश्र, हरनाथ बाबू, भागवत बाबू, आरपी सिंह, राना संग्राम सिंह, फैज अहमद सहित अन्य ने किया।

बिना धन चुनाव जीतकर राम सुरेश व खुर्शीद बन गए मिशाल

● **कबाड़ी का काम करने वाले राम सुरेश व बक्से की छोटी सी दुकान चलाने वाले खुर्शीद को मिली जिला पंचायत सदस्य सीट पर सफलता**

संवाददाता। बस्ती

माला पहने सुरेश कबाड़ी

प्रमाण पत्र लेते खुर्शीद पायनियर

जिला पंचायत के चुनाव में जहां दिग्गजों को शिकस्त खानी पड़ी। पानी की तरह रूपया बहाने के बाद भी वे जिला पंचायत की कुर्सी तक नहीं पहुंच पाए वहीं ऐसे लोग चुनाव जीत गए जो जमीन से जुड़े हुए थे। उनकी न तो कोई राजनैतिक पहुंच थी और न ही वे धन बल में ही प्रभावशाली थे। बस्ती सदर द्वितीय से जिला पंचायत सदस्य का चुनाव जीते राम सुरेश कबाड़ी का कार्य करते है। रिक्शे पर क्षेत्र में घूम- घूम कर कबाड़ खरीदने और बेचने का कार्य करने वाले राम सुरेश को क्षेत्र में लोग कल्लू कबाड़ी के नाम से जानते पहचानते है। पिछले पंचायत चुनाव में भी कल्लू ने भाग्य आजमाया लेकिन सफलता नहीं मिली। इसके बावजूद उसने हार नहीं मानी और इस बार फिर से जिला पंचायत सदस्य पद पर भाग्य आजमाया। किस्मत ने उनका साथ दिया और जीत मिली। चुनाव लड़ने के जुनून मेंघर- घर तक दस्तक देने, पैर पर लोट जाने का उसका अंदाज लोगों को ऐसा भाया कि धुरंधर भी चारो खाने चित्त हो गए। साऊंघाट तृतीय से भी एक आम आदमी को जिला पंचायत सदस्य सीट पर जीत मिली है। पहली बार में ही यहां से मोहम्मद खुर्शीद को सफलता मिल गई। पैदल ही उसने घर- घर तक दस्तक दी। मिलनसार स्वभाव का खुर्शीद का जीवन मुफलिसी में बीता। पिता ने दो हशार रूपए की नौकरी कर परिवार का पालन पोषण किया। मदारजोत गांव निवासी खुर्शीद ने घर की जिम्मेदारियों में हाथ बटाने के लिए पहले आलमारी और बक्सा बनाने का काम सीखा, इसके बाद गांव के चौराहे पर एक छोटी सी बक्से की दुकान खोल दी। पिछले साल वह भीम आर्मी से जुड़ा और राजनीति में भाग्य आजमाने के लिए पंचायत चुनाव में उतर गया। बिना धन बल के चुनाव जीतकर कल्लू कबाड़ी और खुर्शीद ने यह साबित कर दिया कि यदि ईमानदारी के साथ काम किया जाय तो बिना धन के भी सफलता हासिल की जा सकती है।

क्विक न्यूज

आरूषी बनीं सबसे कम उम्र की ग्राम प्रधान

सबसे कम उम्र की नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान कु. आरूषी सिंह

गोंडा। सम्पन्न हुए त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में विकास खंड वजीरगंज स्थित ग्राम सभा सेहरिया की नवनिर्वाचित ग्राम प्रधान कु. आरूषी सिंह पूरे प्रदेश में सबसे कम उम्र की प्रधान बनने का तमगा हाशिल कर लिया है। वे अभी मात्र बीस वर्ष की हैं। एक सूक्ष्म भेंट में उन्होंने बताया कि वे लखनऊ विश्वविद्यालय की विधि स्नातक की छात्रा हैं एवं उन्हें प्रजातंत्र में पूर्ण विश्वास है। उन्होंने बातचीत में बताया कि उनकी दादी विगत एक दशक से ग्राम प्रधान के रूप में गांव के विकास में अपना निरंतर योगदान करती चली आ रहीं थी। इस बार के चुनाव में आरूषी ने स्वयं के चुनाव लड़ने की मंशा जाहिर किया। जिसमें परिजनों ने उनका नामांकन कराते हुए जोर शोर से प्रचार-प्रसार शुरू किया। चुनाव के दौरान आरूषि ने स्वास्थ्य, शिक्षा, सड़क एवं गांव में रोजगार सृजन का मुद्दा बनाकर प्रचार करते हुए अपने निकटम प्रतिद्वंदी को भारी अन्तरों से हराया। उन्होंने बताया कि गांव का सर्वांगीण विकास हमारी प्राथमिकता में रहेगा। परिवारिक पृष्ठिभूमि में उनके पिता धर्मेन्द्र सिंह कमिश्नर आफपुलिस लखनऊ के सीए के पद पर आसीन हैं। वहीं उनकी माता गरिमा सिंह जिला जज के यहां पेशकार के रूप में कार्यरत हैं। वहीं आरूषी के नाना डॉ0 शेर बहादुर सिंह रिटायर्ड प्राचार्य हैं।

एक ही दिन निकली दो भाइयों की अर्थी

करनैलगंज(गोंडा)। करनैलगंज क्षेत्र के ग्राम पिपरी में एक ही दिन में दो भाइयों की अर्थी घर से निकली। ग्राम पिपरी में निवास कर रहे पुलिस विभाग से सेवानिवृत्त त्रिलोकी नाथ पांडेय का दिल का दौरा पड़ने के कारण सोमवार की शाम को निधन हो गया। वे बीमारी के चलते जिला अस्पताल में भर्ती थे। मंगलवार को उनका अंतिम संस्कार कटरा घाट पर करके परिजन वापस आये उसी बीच त्रिलोकी पांडेय के छोटे भाई जगदीश प्रसाद पांडेय जो पिपरी प्राथमिक विद्यालय में रसोइयां के पद पर कार्यरत थे। वे अचानक बीमार पड़ गए। दोपहर बाद उनका भी निधन हो गया। दो भाइयों की अर्थी घर से एक ही दिन निकलने से तमाम तरीके की चर्चाएं रहीं।

आठ मई को आयोजित होने वाली लोक अदालत स्थगित

गोंडा। वैश्विक महामारी कोविड-19 के बढ़ती संख्या को दृष्टिगत रखते हुए दिनांक 08 मई 2021 दिन शनिवार को आयोजित होने वाली राष्ट्रीय लोक अदालत को स्थगित कर दिया गया है। यह जानकारी देते हुए जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गोंडा की सचिव सुश्री सुषमा ने बताया अब आगामी 10 जुलाई 2021 दिन शनिवार को प्रातः 10:00 बजे से जिला मुख्यालय सहित समस्त तहसीलों पर लोक अदालत आयोजित की जाएगी। उन्होंने समस्त अधिवक्तागण एवं वादकारीगणों से अपील किया है कि वे अपने-अपने वादों को 10.07.2021 को आयोजित राष्ट्रीय लोक अदालत में नियत कराते हुए जरिये सुलह समझौता निस्तारित कराकर लाभ उठायें।

घोषणा किसी और की, प्रमाण पत्र मिला किसी और को

करनैलगंज (गोंडा)। पहले चुनाव जीतने की सूचना दी फिर उसे विजयी घोषित कर चुनाव वेवसाइट पर लोड कर दिया बाद में प्रमाण पत्र दूसरे को जारी कर दिया। जिसकी शिकायत के बावजूद कोई कार्रवाई नही हुई। त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव में क्षेत्र पंचायत सदस्य के रूप में एक जीते हुए प्रत्याशी के स्थान पर प्रतिद्वंदी को चुनाव जिताने का प्रकरण प्रकाश में आया है। मामला विकास खण्ड करनैलगंज के ग्राम पंचायत काशीपुर का है। नैनवा जगन्नाथपुर वार्ड नंबर 29 से बीडीसी प्रत्याशी अंजू पत्नी अजय कुमार अवस्थी का आरोप है। काउंटिंग के दौरान काशीपुर से 123 वोटों से आगे चल रहा था। अंतिम बक्शे की गिनती चल रही थी तभी उसकी तबियत बिगड़ गई थी। वह दवा लेने बाहर चला गया।

सपा के बागी बन जीते चुनाव, अब अध्यक्ष की कुर्सी पर नजर

संवाददाता। बस्ती

● **जीत ने किए 'देवा' के हौसले बुंलद, अध्यक्ष की कुर्सी के लिए जोड़तोड़ शुरु**

● **30 सदस्यों के समर्थन का दावा, भाजपा और निर्दल के संपर्क में होने की बात कही**

● **पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष के आर्शीवाद और समर्थन मिलने का किया दावा**

सपा के बागी बनकर जिला पंचायत सदस्य का चुनाव जीतने वाली मुराती के पुत्र एवं तेज तर्रार और जोड़तोड़ में माहिर ब्रहमदेव यादव 'देवा' के हौसले काफी बुलंद है। भाजपा के कमजोर होने का लाभ 'देवा' उठाने के फिराक में है। पूर्व कैबिनेट मंत्री राजकिशोर सिंह की तरह यह भी अपनी माताजी को जिले की सबसे बड़ी कुर्सी पर बैठाने को बेताब है। इसके लिए अभी से जोड़तोड़ का खेल शुरु हो गया। कहते हैं कि भले ही स्थानीय सपा के जिलाध्यक्ष का सपोर्ट उन्हें नहीं हैं, मगर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का उन्हें पूरा समर्थन हैं, और वह भी उनकी माताजी को कुर्सी पर बैठना देखना चाहते है। विश्वास से लबरेज 'देवा' कहते हैं कि उनके पास संख्या बल पर्याप्त संख्या में उपलब्ध है। कहा कि निर्दल सहित लगभग 30 जीते हुए जिला पंचायत सदस्य उनका समर्थन करने को तैयार है। इसमें कई भाजपा और बसपा के भी सदस्य शामिल हैं। कहा कि जब से उन्हें पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष का समर्थन मिला है, तब से वह रात दिन एक किए हुए हैं। वैसे माना भी जा रहा है कि 'देवा' एंड कंपनी के पास इतना साधन और क्षमता हैं, जितना अन्य दावेदारों में नहीं हैं, क्यों कि अधिकतर क्षमतावान प्रत्याशी मैदान से बाहर हो चुके है। इसी का लाभ 'देवा एंड कंपनी' उठाना चाहती है।

वैसे देखा जाए चुनाव परिणाम के बाद अगर किसी की सबसे अधिक चर्चा होती है, तो वह भाजपा के हारे हुए दिग्गज प्रत्याशियों की होती है। भाजपा के एक बड़े नेता का कहना हैं कि अगर भाजपा के सभी माननीय एक जुट होकर चुनाव में प्रत्याशियों का सहयोग करते तो आज भाजपा पर कोई अगुंली नहीं उठा पाता। कहते हैं कि अब भाजपा को अपनी इज्जत बचाने के लिए हर हाल में जिले के सबसे बड़ी कुर्सी पर उनका ही कोई प्रत्याशी बैठाना होगा। जिसकी संभावना अधिक दिखाई दे रही हैं, भले ही चाहें इसके लिए सत्ता और प्रशासन का सहयोग ही क्यों न लेना पड़े। वहीं देखा जाए तो भाजपा के पास पर्याप्त संख्या बल न होने का लाभ सपा के बागी प्रत्याशी मुराती के पुत्र ब्रहमदेव यादव एंड कंपनी उठाने के फिराक में लगी हुई है। अगर सत्ता बल का प्रयोग नहीं हुआ तो 'देवा' के सपने को पूरा होने से कोई रोक नहीं सकता। वैसे इस मामले में इनका भाग्य इनके साथ है। अगर 'देवा एंड कंपनी' का जादू चल गया तो पांच साल तक कुदरहा ब्लॉक की प्रमुख रही इनकी माताजी को जिले की सबसे बड़ी कुर्सी पर बैठने से कोई रोक नहीं सकता। जोड़तोड़ और ठेकेदारी का इनका लंबा अनुभव रहा हैं, लक्ष्मी की भी कोई कमी नहीं दिखती, खरीद फरोख्त करने भी इनकी कंपनी के पास खासा अनुभव है। मगर यह सब कुछ सत्ता पक्ष के इच्छा पर निर्भर करता है। इतिहास गवाह है कि सत्ता के हनक के सामने कई सूरमा भीगी बिल्ली नजर आएं है। अगर इतिहास अपने आप को नहीं दोहराया तो 'देवा' एंड कंपनी को कोई रोक नहीं सकता, ऐसा लोगों का मानना है। ऐसे में स्थानीय सपा का रोल कितना महत्वपूर्ण होगा, यह आने वाला समय बताएगा, सपा जिलाध्यक्ष महेंद्रनाथ यादव से कई बार बात करने का प्रयास किया गया, मगर रिस्पांस नहीं मिला।

पांच अतिरिक्त गेहूं क्रय केंद्रों का डीएम ने किया अनुमोदन

● **114 गेहूं क्रय केन्द्र अनुमोदित**

संवाददाता। गोंडा

जिलाधिकारी मार्कण्डेय शाही ने रबी विपणन वर्ष 2021-22 में मूल्य समर्थन योजना के अन्तर्गत गेहूं खरीद हेतु 06 क्रय संस्थानों के कुल 114 गेहू क्रय केन्द्र अनुमोदित किये थे। उन्होंने जिला प्रबन्धक-पीसीएफ एवं पीसीयू गोण्डा द्वारा अतिरिक्त प्रस्तावित गेहूं क्रय केन्द्रों की सूची, उनकी संस्तुति के आधार पर प्रस्तावित सूची के परीक्षणोपरान्त और 05 अतिरिक्त गेहूं क्रय केन्द्र अनुमोदित किये हैं।

ये अतिरिक्त केंद्र पीसीएफ संस्था के गोंडा सदर तहसील के विकासखंड मुजेहना में साधन सहकारी समिति लिमिटेड धानेपुर, मनकापुर तहसील के अंतर्गत विकासखंड छपिया में साधन सहकारी समिति लिमिटेड खजूरी, तहसील तरबगंज के विकासखंड तरबगंज के अंतर्गत साधन सहकारी समिति लिमिटेड धनौली तथा पीसीयू संस्था के तहसील गोंडा के अंतर्गत विकासखंड पड़रीकृपाल में साधन सहकारी समिति लि. खमिरिया हरिवंश एट मुंडेरवा एवम् तहसील करनैलगंज के विकास खंड परसपुर की करनैलगंज सहकारी क्रय विक्रय सहकारी लिमिटेड नारायणपुर मर्दन में बनाए गए हैं। इन अनुमोदित गेहूं क्रय केन्द्रों पर तत्काल समस्त आवश्यक व्यवस्था-प्रबन्ध पूर्णकर कियाशील कराए जाने हेतु जिलाधिकारी ने जिला प्रबंधक पीसीएफ व पीसीयू को निर्देशित किया है। इनके अनुमोदन के बाद जनपद में कुल अनुमोदित गेहूं क्रय केन्द्रों की अद्यतन संख्या 05 (पांच) केन्द्र बढ़कर कुल 119 (एक सौ उन्नीस) हो जायेगी।

एथलेटिक से हारा सेविला, खिताब की दौड़ में पिछड़ा

मैड्रिड। एथलेटिक बिलबाओ से 1-0 से हारने के कारण सेविला की स्पेनिश फुटबाल लीग ला लिगा का खिताब जीतने की उम्मीदों को करारा झटका लगा है। सेविला अब भी शीर्ष पर काबिज एटलेटिको मैड्रिड से छह अंक पीछे है लेकिन अब जबकि केवल चार दौर के मैच बचे हुए है तब सोमवार की जीत उसे चार मजबूत दावेदारों में शामिल कर सकती थी। रीयाल मैड्रिड और बार्सिलोना भी खिताब के प्रबल दावेदार है तथा वे एटलेटिको मैड्रिड से केवल दो अंक पीछे है।

एंटोनियो के दो गोल से वेस्ट हैम की उम्मीद जगी

लंदन। माइकल एंटोनियो के दो गोल की मदद से वेस्ट हैम ने इंग्लिश प्रीमियर लीग (ईपीएल) फुटबॉल प्रतियोगिता में बर्नली को 2-1 से हराकर पहली बार चैंपियन्स लीग के लिए क्वालीफाई करने की उम्मीद जगा दी। क्रिस वुड ने 19वें मिनट में पेनल्टी को गोल में बदलकर बर्नली को बढ़त दिलाई लेकिन एंटोनियो ने 21वें और 29वें मिनट में गोल दागकर वेस्ट हैम को महत्वपूर्ण जीत दिलाई।

सेल्बी बने स्नूकर चैंपियन

शेफील्ड (इंग्लैंड)। मार्क सेल्बी ने दर्शकों से खचाखच भरे क्रूसिबल थिएटर में शॉन मर्फी को फाइनल में 18-15 से हराकर विश्व स्नूकर चैंपियनशिप का खिताब जीता। सेल्बी ने चौथी बार विश्व खिताब हासिल किया। केवल स्टीफन हेंड्री (सात), रोनी ओ सुलिवान, रे रीयर्डन और स्टीव डेविस (सभी छह) ने उनसे अधिक खिताब जीते हैं।

बीएफआई के कार्यकारी निदेशक आर के सचेटी का कोविड से निधन

नई दिल्ली। भारतीय मुक्केबाजी महासंघ (बीएफआई) के कार्यकारी निदेशक आर के सचेटी का कोविड-19 से जूझने के बाद मंगलवार को निधन हो गया। वह 56 वर्ष के थे। खेल प्रशासक इस खतरनाक वायरस से संक्रमित होने के बाद पिछले कुछ समय से यहां एक अस्पताल में वेंटीलेटर पर थे।

कोविड–19 संक्रमण से उबर रहे हैं पादुकोण

नई दिल्ली। भारत के पूर्व दिग्गज बैडमिंटन खिलाड़ी प्रकाश पादुकोण कोविड-19 के लिए पॉजिटिव पाए गए है और बेंगलुरू के अस्पताल मे इस संक्रमण से उबर रहे है।

भारत के यूरोप में होने वाले एफआईएच प्रो लीग मुकाबले स्थगित

लुसाने। भारत के इस महीने स्पेन और जर्मनी के खिलाफ उन्ही की सरजमीं पर होने वाले एफआईएच प्रो लीग मैचों को इस एशियाई देश मे बढ़ते कोविड-19 मामलो के कारण अंतरराष्ट्रीय यात्रा में पाबंदियो के कारण स्थगित कर दिया गया है।

विश्व कप क्वालीफाइंग से हटा उत्तर कोरिया

सोल। दक्षिण कोरिया ने कहा है कि उत्तर कोरिया ने कहा है कि वह कोरोना के कारण विश्व कप क्वालीफायर मे हिस्सा नही लेगा।

आईपीएल न होने से बीसीसीआई को लगेगा झटका

भाषा। नई दिल्ली

- हो सकता है दो हजार करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान

जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में कोविड–19 मामलों के कारण मंगलवार को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने से भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को प्रसारण और प्रायोजक राशि में दो हजार करोड़ रुपए से अधिक का नुकसान हो सकता है। पिछले कुछ दिनों में अहमदाबाद और नई दिल्ली में खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के बीच कोविड–19 के कई मामले सामने आने के बाद बीसीसीआई को आईपीएल को स्थगित करने को बाध्य होना पड़ा। बीसीसीआई के एक वरिष्ठ अधिकारी ने नाम जाहिर नहीं करने की शर्त पर पीटीआई को बताया, इस सत्र को बीच में स्थगित करने से हमें 2000 से 2500 करोड़ रुपए का नुकसान हो सकता है। मैं कहूंगा कि 2200 करोड़ रुपए की राशि अधिक सटीक होगी। इस 52 दिन चलने वाले 60 मैचों के टूर्नामेंट का समापन 30 मई को अहमदाबाद में होना था। हालांकि सिर्फ 24 दिन क्रिकेट खेला गया और इस दौरान 29 मैचों के आयोजन के बाद वायरस के कारण टूर्नामेंट को स्थगित करना पड़ा। बीसीसीआई को सबसे अधिक नुकसान स्टार स्पोर्ट्स से टूर्नामेंट के प्रसारण अधिकारी से मिलने वाली राशि का होगा। स्टार का पांच साल का अनुबंध 16 हजार 347 करोड़ रुपए का है जो प्रति वर्ष तीन

हजार 269 करोड़ से कुछ अधिक होता है। अगर सत्र में 60 मैच होते हैं तो प्रत्एक मैच की राशि लगभग 54 करोड़ 50 लाख रुपए बनती है। स्टार अगर प्रति मैच के हिसाब से भुगतान करता है तो 29 मैचों की राशि लगभग 1580 करोड़ रुपए होती है। ऐसे में बोर्ड को 1690 करोड़ का नुकसान होगा। इसी तरह मोबाइल निर्माता विवो टूर्नामेंट के टाइटिल प्रायोजक के रूप में प्रति सत्र 440 करोड़ रुपए का भुगतान करता है और टूर्नामेंट के स्थगित होने के कारण बीसीसीआई को आधी से कम राशि मिलने की उम्मीद है। अनअकेडमी, ड्रीम11, सीरेड, अपस्टॉक्स और टाटा मोटर्स जैसी सहायक प्रायोजक कंपनियां भी हैं जिसमें से प्रत्एक प्रति सत्र लगभग 120 करोड़ रुपए के आसपास भुगतान करती हैं।

अधिकारी ने कहा, सभी भुगतानों को आधा या इससे कुछ कर दिया जाए और आपको लगभग 2200 करोड़ रुपए का नुकसान होगा। असल में नुकसान इससे कहीं अधिक हो सकता है लेकिन यह सत्र का अनुमानित नुकसान है। इस नुकसान से केंद्रीय राजस्व पूल (बीसीसीआई जो पैसा आठ फ्रेंचाइजियों को बांटता है) की राशि भी लगभग आधी हो जाएगी। अधिकारी ने हालांकि यह नहीं बताया कि टूर्नामेंट के निलंबित होने से प्रत्एक फ्रेंचाइजी को कितना नुकसान होगा। खिलाड़ियों को अनुपात की जगह समय के हिसाब से राशि का भुगतान किया जाएगा। खिलाड़ी ने अगर खुद को टूर्नामेंट के एक हिस्से के लिए उपलब्ध रखा है तो वेतन अनुपात के हिसाब से होगा। एक सीनियर खिलाड़ी ने हालांकि कहा कि अनुपात तभी लागू होगा जब कोई खिलाड़ी अपनी मर्जी से टूर्नामेंट के कुछ हिस्से के लिए खुद को उपलब्ध रखेगा। आयोजकों ने टूर्नामेंट को बीच में रोका है और ऐसी स्थिति में फ्रेंचाइजी के कम से कम आधे सत्र का नुकसान करने की संभावना है।

स्टार इंडिया ने बीसीसीआई के फैसले का समर्थन किया

मुंबई। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के आधिकारिक प्रसारणकर्ता स्टार इंडिया ने जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में कोविड-19 के मामले आने के बाद इस लुभावनी टी20 लीग को मंगलवार को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने के भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के फैसले का समर्थन किया है। सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा और दिल्ली कैपिटल्स के अनुभवी स्पिनर अमित मिश्रा के कोविड-19 पॉजिटिव पाए जाने के बाद लीग को निलंबित करने की घोषणा की गई। बीसीसीआई के फैसले के घंटों बाद स्टार इंडिया ने बयान में कहा, स्टार इंडिया आईपीएल 2021 को निलंबित करने के बीसीसीआई के फैसले का समर्थन करता है।

कोविड के खिलाफ लड़ाई में फ्रेंच्‍याइजी और हितधारक एकजुट, निलंबन का समर्थन

कोलकाता। इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) की फ्रेंच्‍याइजी और हितधारकों ने मंगलवार को टूर्नामेंट को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित करने के भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के फैसले की सराहना की और जोर देते हुए कहा कि देश जब कोविड-19 के अभूतपूर्व संकट से जूझ रहा है तो क्रिकेट इंतजार कर सकता है। पिछले कुछ दिनों मे जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ के बीच कोविड-19 के कई मामले सामने आने के बाद बीसीसीआई को आईपीएल को स्थगित करने को बाध्य होना पड़ा। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर ने बयान में कहा, इस सब मे हम सभी एकजुट हैं। विवो आईपीएल 2021 मे सभी की सुरक्षा सबसे महत्वपूर्ण है और हम टूर्नामेंट को स्थगित करने के बीसीसीआई के फैसले का समर्थन करते है। फ्रेंच्‍याइजी ने कहा, रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर बीसीसीआई के साथ सलाह मशविरे से काम करके सुनिश्चित करेगा कि सभी सुरक्षित घर वापस लौटें। पूर्व भारतीय कप्तान मोहम्मद अजहरूद्दीन ने भी टूर्नामेंट को स्थगित करने के लिए बीसीसीआई की सराहना की। अजहरूद्दीन ने लिखा, भारत में कोविड संकट और खिलाड़ियों के पॉजिटिव नतीजों को देखते हुए बीसीसीआई और आईपीएल संचालन परिषद ने आईपीएल को तुरंत प्रभाव से स्थगित करने का सही फैसला किया है। इंग्लैंड के पूर्व बल्लेबाज और अब कमेंटेटर की भूमिका निभा रहे केविन पीटरसन ने कहा कि भारत को संघर्ष करते हुए देखना दिल तोड़ने वाला है। पीटरसन ने ट्वीट किया, भारत- ऐसे देश को संघर्ष करते हुए देखना दिल तोड़ने वाला है जिससे मै इतना प्यार करता हूं। आप इससे उबर जाओगे। आप इससे मजबूत बनकर उभरोगे। इस संकट के समय मे भी आपकी दयालुपन और उदारता की अनदेखी नही होगी। आस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर और कोलकाता नाइट राइडर्स के मुख्य मेंटर डेविड हसी ने ट्विटर के जरिए कहा कि वह टूट चुके है जबकि दक्षिण अफ्रीका के दिग्गज तेज गेंदबाज डेल स्टेन ने संक्रमित लोगों के जल्द उबरने की कामना की।स्टेन ने ट्वीट किया, कोविड किसी की परवाह नही करता। यह किसी को पसंद नही करता। बीमार जल्द इससे उबरें और उम्मीद करता हूं कि बाकी लोग भी सुरक्षित घर लौटें और स्वस्थ रहें।

मैड्रिड ओपन में नडाल का सामना अलकारेज से

मैड्रिड। राफेल नडाल ने कुछ वर्ष पहले एक स्थानीय टेनिस टूर्नामेंट में जिस लड़के को पुरस्कार के तौर पर प्लेस्टेशन दिया था अब यह स्पेनिश दिग्गज मैड्रिड ओपन के दूसरे दौर में अपने देश के उसी किशोर कार्लोस अलकारेज का सामना करेंगे। सत्रह वर्षीय अलकारेज ने सोमवार को एड्रियन मन्नारिनो को 6–4, 6–0 से हराकर 20 बार के ग्रैंडस्लैम चैंपियन से भिड़ने का हक पाया। अलकारेज बुधवार को अपने जन्मदिन पर मैजिक बॉक्स सेंटर कोर्ट पर अपने आदर्श खिलाड़ी का सामना करेंगे। उन्होंने कहा, यहां राफा का सामना करना सपना सच होने जैसा है। पहले दौर के अन्य मैचों में डेनियल इवान्स ने जेरेमी चार्डी को 7–6 (6) 6–7 (7) 6–2 से और डेनिस शापोवालोव ने डुसान लाजोविच को 6–1, 6–3 से हराया। बियो फोगनिनी ने स्पेनिश क्वालीफायर कार्लोस टेबरनर को 7–6 (4), 2–6, 6–3 और जॉन इसनर ने मियोमिर कासेमानोविच को 6–4, 7–6 (6) से पराजित किया। महिलाओं के वर्ग में शीर्ष वरीयता प्राप्त एशलीग बार्टी ने फ्रेंच ओपन चैंपियन इगा स्वीतेक को 7–5, 6–4 से जबकि स्पेन की पाउला बाडोसा ने एनस्तेसिया सेवास्तोवा को 6–7 (0) 7–6 (3) 6–0 से शिकस्त दी। पेत्रा क्वितोवा ने वेरोनिका कुदेरमेतोवा को 6–3, 4–6, 6–4 से हराया जबकि आठवीं वरीयता प्राप्त बेलिंडा बेनसिच ने ओंस जाबेर के मैच से हट जाने के कारण अगले दौर में जगह बनाई।

खिलाड़ियों की वापसी के लिए काम करेगा

मेलबर्न। क्रिकेट आस्ट्रेलिया (सीए) ने मंगलवार को कहा कि भारत से उड़ानों पर लगाए सरकार के यात्रा प्रतिबंध से वह छूट नहीं मांगेगा लेकिन भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) के साथ मिलकर सुनिश्चित करेगा कि देश के खिलाड़ी इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के निलंबन के बाद सुरक्षित स्वदेश लौट सकें। जैविक रूप से सुरक्षित माहौल में कोविड संक्रमण के कई मामले आने के बाद आईपीएल को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित कर दिया गया जिसके बाद सीए और आस्ट्रेलियाई क्रिकेटर्स संघ (एसीए) ने संयुक्त बयान में कहा कि वे आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने के लिए योजना बनाएंगे।

आईपीएल बायो बबल छोड़कर मालदीव पहुंचे स्लैटर : रिपोर्ट

मेलबर्न। क्रिकेटर से कमेंटेटर बने माइकल स्लैटर इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के जैव सुरक्षित वातावरण (बायो बबल) को छोड़कर मालदीव चले गए हैं क्योंकि आस्ट्रेलिया ने भारत में कोविड–19 के मामले बढ़ने के कारण वहां से उड़ानों को 15 मई तक निलंबित कर रखा है। द आस्ट्रेलियन समाचार पत्र की रिपोर्ट के अनुसार स्लैटर मालदीव चले गए हैं क्योंकि आस्ट्रेलियाई सरकार के स्पष्ट किया है कि आईपीएल में हिस्सा ले रहे आस्ट्रेलियाई खिलाड़ियों और अन्य को स्वदेश लौटने की व्यवस्था स्वयं करनी होगी। मालदीव पहुंचने से पहले स्लैटर ने ट्विटर पर आस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री स्कॉट मॉरीसन को भारत से अपने देशवासियों को स्वदेश वापसी की अनुमति नहीं देने के लिए आड़े हाथों लेते हुए इसे अपमानजनक बताया था।

यूएई में आयोजित किया जा सकता है टी20 विश्व कप

- आईपीएल स्थगित किए जाने का असर

भाषा। नई दिल्ली

इस साल भारत में होने वाला टी20 विश्व कप यूएई में आयोजित किया जा सकता है क्योंकि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) को लगता है कि कोई भी टीम उस समय यहां आने में सहज महसूस नहीं करेगी। इस बारे में अंतिम फैसला एक महीने में कर दिया जाएगा लेकिन पता चला है कि जैव सुरक्षित वातावरण (बायो बबल) में कोविड–19 के कुछ मामले पाए जाने के कारण इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) स्थगित किए जाने के बाद बीसीसीआई भी अक्टूबर – नवंबर में होने वाले 16 टीमों के टूर्नामेंट को आयोजित करने से कतरा रहा है। पीटीआई को पता चला है कि बीसीसीआई के अधिकारियों की हाल में केंद्र सरकार के कुछ शीर्ष अधिकारियों से चर्चा हुई तथा टूर्नामेंट को यूएई में आयोजित करने पर काफी हद तक सहमति बन गई है। यह टूर्नामेंट नौ स्थानों पर खेला जाना है जिनकी घोषणा अभी नहीं की गई है। बीसीसीआई के सूत्रों ने गोपनीयता की शर्त पर कहा, आईपीएल का चार सप्ताह के अंदर निलंबन इस बात का संकेत है कि जबकि देश पिछले 70 वर्षों में अपने सबसे बुरे स्वास्थ्य संकट से जूझ रहा है तब इस तरह की वैश्विक प्रतियोगिता की मेजबानी करना वास्तव में सुरक्षित नहीं होगा। भारत में नवंबर में (कोविड–19 की) तीसरी लहर आने की संभावना है। इसलिए बीसीसीआई मेजबान रहेगा लेकिन टूर्नामेंट संभवत: यूएई में आयोजित किया जाएगा। स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने सितंबर में भारत में तीसरी लहर की चेतावनी दी है। भारत में अभी स्थिति विकट बनी हुई है तथा पिछले कुछ समय से हर दिन तीन लाख से अधिक मामले सामने आ रहे हैं जिससे अधिकतर क्रिकेट बोर्ड चिंतित हैं और अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ऐसी स्थिति में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट टीमों की सुरक्षा को लेकर जोखिम नहीं उठाएगा।

आईपीएल के विदेशी खिलाड़ियों को वापस भेजने का तरीका ढूंढ लेंगे: आईपीएल अध्यक्ष

भाषा। नई दिल्ली

इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) के चेयरमैन बृजेश पटेल ने मंगलवार को कहा कि भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) जैविक रूप से सुरक्षित वातावरण में कोविड–19 संक्रमण के मामले सामने आने पर लीग को अनिश्चितकाल के लिए स्थगित किए जाने के बाद विदेशी खिलाड़ियों की वापसी का तरीका ढूंढ लेगा। सनराइजर्स हैदराबाद के विकेटकीपर बल्लेबाज ऋद्धिमान साहा और दिल्ली कैपिटल्स के अनुभवी स्पिनर अमित मिश्रा के कोविड–19 पॉजिटिव पाए जाने के बाद लीग को निलंबित करने की घोषणा की गई। विदेशी खिलाड़ी कैसे वापस जाएंगे इस बारे में पूछे जाने पर बृजेश ने पीटीआई से कहा, हमें उन्हें स्वदेश भेजने की जरूरत है और हम ऐसा करने का तरीका ढूंढ लेंगे। इस लुभावनी लीग से जुड़े विदेशी खिलाड़ी अपने देशों में लौटने को लेकर चिंतित हैं क्योंकि भारत में

घातक महामारी फैलने के कारण कई देशों ने यात्रा पाबंदियां लगाई हैं। बीसीसीआई इससे पहले भी विदेशी खिलाड़ियों की सुरक्षित वापसी का आश्वासन दे चुका है। कुछ दिन पहले आस्ट्रेलिया के तीन खिलाड़ियों के हटने के बाद आईपीएल में इस देश के 14, न्यूजीलैंड के 10 और इंग्लैंड के 11 खिलाड़ी बचे हैं। दक्षिण अफ्रीका के 11, वेस्टइंडीज के नौ, अफगानिस्तान के तीन और बांग्लादेश के दो खिलाड़ी भी आईपीएल के लिए भारत में हैं। न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) ने इस स्थिति से निपटने में बीसीसीआई की क्षमता पर भरोसा जताया है। ईएसपीएनक्रिकइंफो ने एनजेडसी के बयान के हवाले से कहा, खिलाड़ियों संभवत: सुरक्षित माहौल में हैं और प्रभावित टीमों के खिलाड़ी पृथकवास में हैं। बयान के अनुसार, स्थिति के प्रबंधन के लिए हम बीसीसीआई, इंग्लैंड एवं वेल्स क्रिकेट बोर्ड (ईसीबी) और न्यूजीलैंड सरकार के अधिकारियों के साथ काम करते रहेंगे लेकिन इस समय संभावित विकल्पों के बारे में चर्चा करना जल्दबाजी होगी। भारत और न्यूजीलैंड के खिलाड़ियों का चार्टर्ड विमान में एक साथ ब्रिटेन जाने का कार्यक्रम था जहां दोनों टीमों को जून में विश्व टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में हिस्सा लेना है। कुछ दिन पहले आस्ट्रेलिया के आलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल ने कहा था कि उनके देश के क्रिकेटरों को उसी चार्टर्ड विमान में यात्रा करने में कोई परेशानी नहीं है जो भारत, न्यूजीलैंड और इंग्लैंड के खिलाड़ियों को आईपीएल के बाद ब्रिटेन ले जाएगा। सोमवार को चेन्नई के गेंदबाजी कोच एल बालाजी के अलावा कोलकाता नाइट राइडर्स के गेंदबाज संदीप वारियर और वरूण चक्रवर्ती भी पॉजिटिव पाए गए थे।

बीसीसीआई ने चार भारतीय महिला खिलाड़ियों को हंड्रेड में खेलने की अनुमति दी

नई दिल्ली। भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने टी20 कप्तान हरमनप्रीत कौर सहित चार महिला क्रिकेटरों को जुलाई में ब्रिटेन में होने वाले पहले हंड्रेड टूर्नामेंट में खेलने के लिए अनापत्ति प्रमाणपत्र (एनओसी) जारी कर दिया है। सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना और दीप्ति शर्मा भी उन चार खिलाड़ियों में शामिल हैं जिन्हें 100 गेंद के टूर्नामेंट में खेलने की अनुमति दी गई है। चौथी खिलाड़ी के नाम का पता अभी नहीं चला है। हरमनप्रीत, मंधाना, दीप्ति और एक अन्य खिलाड़ी को मंजूरी दे दी गई है। बीसीसीआई ने उन्हें एनओसी दे दी है। पता चला है कि ए चारों खिलाड़ी जून–जुलाई में इंग्लैंड दौरे के बाद ब्रिटेन में ही रहेंगी। भारतीय दौरे की शुरुआत 16 जून को एकमात्र टेस्ट मैच से होगी। यह दौरा 15 जुलाई को तीसरे और अंतिम टी20 अंतरराष्ट्रीय के साथ समाप्त होगा। इस बीच तीन मैचों की वनडे श्रृंखला भी खेली जाएगी। इस दौरे के लिए भारतीय टीम का चयन अभी तक नहीं किया गया है जबकि बीसीसीआई की क्रिकेट सलाहकार समिति जल्द ही मुख्य कोच की घोषणा कर सकती है। चयनित खिलाड़ियों को 27 मई को रिपोर्ट करनी होगी लेकिन अभी यह पता नहीं चला है कि वे ब्रिटेन का दौरा कैसे करेंगे क्योंकि कोविड–19 मामलों के बढ़ने के कारण ब्रिटिश सरकार ने भारत से उड़ानों को निलंबित कर रखा है। सूत्रों ने कहा, खिलाड़ियों को दौरे के लिए 27 मई को रिपोर्ट करने को कहा गया है।

संयुक्त राष्ट्र की टीम की भारत की मदद कर रही है: शीर्ष अधिकारी

संयुक्त राष्ट्र। संयुक्त राष्ट्र के महासचिव एंटोनियो गुतारेस के एक प्रवक्ता ने बताया है कि विश्व निकाय की भारत में मौजूद टीम अधिकारियों की कोविड–19 से निपटने मे मदद कर रही है। साथ में गलत सूचनाओं से निपटने में भी सहयोग दे रही है। महासचिव के प्रवक्ता स्टेफन दुजारिक ने सोमवार को दैनिक प्रेस ब्रीफिंग में कहा कि भारत में मौजूद संयुक्त राष्ट्र की टीम महासचिव के सत्यापित अभियान को बढ़ावा देने के लिए काम कर रही है जो पिछले साल कोविड–19 महामारी के बीच विश्वस्त सूचना और जीवन रक्षक सलाह देने के लिए शुरू किया गया था। पिछले वर्ष मई में शुरू किए गए सत्यापित अभियान का लक्ष्य है कि सत्यापित और विज्ञान आधारित सामग्री एवं तथ्य आधारित सलाह को बढ़ावा दिया जाए और साझा किया जाए।

भारत में चिकित्सकीय आपूर्ति के लिए भाई-बहनों ने जुटाए 2,80,000 डॉलर

वाशिंगटन। तीन भारतीय–अमेरिकी भाई–बहनों ने भारत में कोविड–19 मरीजों के लिए आवश्यक चिकित्सकीय ऑक्सीजन भेजने के मकसद से 2,80,000 डॉलर से अधिक राशि जुटाई है। गैर लाभकारी संगठन लिटिल मेंटर्स के संस्थापकों जिया, करीना और अरमान गुप्ता ने अपने स्कूली मित्रों और उनके परिवारों की मदद से यह राशि एकत्र की, ताकि वे दिल्ली और इसके आस–पास के अस्पतालों में जरूरतमंद मरीजों के लिए ऑक्सीजन सांद्रक और वेंटिलेटर जैसे जीवन रक्षक उपकरणों का प्रबंध कर सकें। इन बच्चों की आयु 15 साल है।

भारत को उपकरण भेजेगा इजराइल

यरूशलम। इजराइल कोरोना वायरस से निपटने में भारत की मदद करने के लिए पूरे सप्ताह वहां जीवन रक्षक उपकरण भेजेगा। यहां जारी एक बयान में बताया गया कि भारत को ऑक्सीजन जनरेटर और श्वासयंत्रों समेत चिकित्सकीय उपकरण भेजे जाएंगे। प्रेस विज्ञप्ति में बताया गया कि मंगलवार से पूरे सप्ताह विमानों के जरिए उपकरण भेजे जाएंगे।

ब्रिटेन में समुद्र में तेज हवांए व बारिश का नजारा

जयशंकर-ब्लिंकन मिले, कोविड, हिंद-प्रशांत पर की चर्चा

भाषा। लंदन–वाशिंगट

विदेश मंत्री एस जयशंकर और अमेरिका के विदेश मंत्री एंटनी ब्लिंकन ने आमने–सामने की अपनी पहली बैठक में कोविड–19 वैश्विक महामारी से निपटने के तरीकों, रणनीतिक रूप से महत्वपूर्ण हिंद–प्रशांत क्षेत्र में हालात और बहुराष्ट्रीय मंचों में सहयोग पर चर्चा की। जयशंकर चार दिवसीय यात्रा पर ब्रिटेन आए हैं। उन्होंने जी7 देशों के विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर सोमवार को ब्लिंकन से मुलाकात की। जयशंकर ने कोविड–19 से निपटने में भारत का सहयोग करने के लिए ब्लिंकन को धन्यवाद दिया। जयशंकर ने ट्वीट किया कि मंगलवार से शुरू हो रहे जी7 देशों के विदेश एवं विकास मंत्रियों के शिखर सम्मेलन से

पहले उन्होंने और ब्लिंकन ने हिंद–प्रशांत क्षेत्र, जलवायु परिवर्तन, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद और म्यांमा संबंधी मामलों पर चर्चा की। भारत को कोविड–19 चुनौती से निपटने में अमेरिका से मिल रही मदद, विशेषकर ऑक्सीजन और रेमडेसिविर दवा की आपूर्ति पर वार्ता के दौरान ध्यान केंद्रित किया गया। जयशंकर ने ट्वीट किया, अपने पुराने मित्र विदेश मंत्री ब्लिंकन से मुलाकात कर अच्छा लगा। उनके साथ वैश्विक कोविड–19 चुनौती पर विस्तार से वार्ता हुई और टीकों की उत्पादन क्षमता बढ़ाने एवं विश्वसनीय आपूर्ति श्रृंखलाओं पर ध्यान केंद्रित किया गया। उन्होंने कहा, मैंने इस मुश्किल समय में, खासकर ऑक्सीजन और रेमडेसिविर के मामले में भारत को अमेरिका से मिल रहे मजबूत सहयोग की सराहना की।

प्रवासन संबंधी समझौते पर दस्तखत के लिए ब्रिटेन की गृह मंत्री से की भेंट

लंदन। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने प्रवासन और आवागमन भागीदारी समझौते पर दस्तखत के लिए ब्रिटेन की गृह मंत्री प्रीति पटेल से लंदन मे मंगलवार को मुलाकात की और कहा कि इस करार से दोनों देशो के बीच रिश्ते और प्रगाढ़ होंगे। विदेश मंत्री जयशंकर के मुताबिक समझौते से भारत और ब्रिटेन के बीच वैध तरीके से यात्रा और प्रतिभाओ की आवाजाही बढ़ेगी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और ब्रिटेन के प्रधानमंत्री बोरिस जॉनसन के बीच डिजिटल माध्यम से वार्ता के परिणामस्वरूप यह समझौता हुआ है। जयशंकर ने पटेल के साथ बैठक की तस्वीरों के साथ ट्वीट किया, गृह मंत्री प्रीति पटेल के साथ आज सुबह सार्थक बैठक हुई। प्रवासन और आवागमन भागीदारी समझौते पर दस्तखत किए गए। इससे वैध तरीके से यात्रा और प्रतिभाओ की आवाजाही बढ़ेगी।

लोकतंत्र को खतरे के खिलाफ कार्वाई पर सहमति के लिए जी–7 मंत्रियों की बैठक में शामिल होंगे जयशंकर

भाषा। लंदन

विदेश मंत्री एस जयशंकर मंगलवार शाम जी7 समूह देशों के नेताओं के साथ पहली बार मुलाकात करेंगे और लोकतंत्र को खतरे जैसे बेहद महत्वपूर्ण वैश्विक मुद्दों पर निर्णायक कार्वाई को लेकर सहमति के लिए दुनिया के अग्रणी लोकतांत्रिक देशों के कुछ विदेश मंत्रियों के साथ चर्चा करेंगे। यह 2019 के बाद जी7 विदेश मंत्रियों की पहली बैठक है। ब्रिटेन के विदेश मंत्री डोमिनिक राब इस चर्चा का नेतृत्व करेंगे, जिसमें लोकतंत्र, स्वतंत्रता और मानवाधिकारों को कमजोर करने का खतरा पैदा करने वाले भूराजनैतिक मुद्दों पर बात होगी।

राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन लगाने के साथ व्यापक टीकाकरण मुहिम चलाए भारत, सेना की ले मदद: फाउची की सलाह

भाषा। वाशिंगटन

अमेरिका के शीर्ष स्वास्थ्य विशेषज्ञ और व्हाइट हाउस के मुख्य चिकित्सा सलाहकार डॉ. एंथनी फाउची ने भारत में कोरोना वायरस के तेजी से बढ़ते मामलों को लेकर चिंता जताते हुए सलाह दी कि भारत में राष्ट्रव्यापी लॉकडाउन लागू किया जाना चाहिए, व्यापक स्तर पर टीकाकरण मुहिम चलाई जानी चाहिए और बड़ी संख्या में अस्थाई अस्पताल बनाए जाने चाहिए। दुनिया में संक्रामक रोग के शीर्ष विशेषज्ञों में से एक माने जाने वाले डॉ. फाउची ने दिए एक साक्षात्कार के दौरान भारत को महामारी से निपटने में सैन्य बलों की मदद लेने की भी सलाह दी। तत्काल अस्थाई अस्पताल बनाने के लिए सशस्त्र बलों की सहायता ली जा सकती है। चीन में जब पिछले साल गंभीर समस्या थी, तो उसने अपनी संसाधनों को बहुत तेजी से नए अस्पताल बनाने में जुटा दिया था, ताकि वह उन सभी लोगों को अस्पताल मुहैया करा सके, जिन्हें भर्ती किए जाने की आवश्यकता है। अस्पताल में बिस्तरों की गंभीर कमी है और अस्थाई व्यवस्थाओं में लोगों की देखभाल की जा रही है।

यूएसएड की प्रशासक ने भारत को कोविड–19 मदद की समीक्षा की, भारतीय राजदूत के साथ वार्ता की

वाशिंगटन। यूएसएड की प्रशासक सामांथा पावर ने उपराष्ट्रपति कमला हैरिस द्वारा शपथ दिलाए जाने के कुछ देर बाद ही भारत को दी जा रही कोविड-19 सहायता की समीक्षा की और भारतीय राजदूत तरणजीत सिंह संधू के साथ ऑनलाइन बैठक की जिसमे उन्होने पुन:पुष्टि की कि अमेरिका जानलेवा वायरस के खिलाफ लड़ाई मे भारत के लोगो की मदद करने के लिए अथक रूप से काम करता रहेगा। संयुक्त राज्य अंतरराष्ट्रीय विकास एजेंसी (यूएसएड) ने एक बयान में बताया कि पावर ने वैश्विक कोविड-19 महामारी से निपट रही टीमो से सीधे संवाद किया और उन्होंने अपना ध्यान विशिष्ट तौर पर भारत मे महामारी के मौजूद प्रकोप पर केंद्रित किया।

मैक्सिको सिटी में मेट्रो का पुल गिरने से 23 लोगों की मौत

मैक्सिको सिटी। मैक्सिको सिटी में सोमवार रात मेट्रो के पुल का एक खंभा ढह जाने से मलबे में दबकर 23 लोगों की मौत हो गई और करीब 70 लोग घायल हो गए। अधिकारियों ने इस बारे में बताया। घटनास्थल पर एक क्रेन की मदद से मलबे को हटाया जा रहा है ताकि आपात एवं बचावकर्मी वहां जाकर फंसे हुए लोगों का पता लगा सकें। मैक्सिको सिटी की मेयर क्लाउडिया शिनबौम ने कहा कि 49 घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया गया है और इनमें से सात की हालत गंभीर है, उनकी सर्जरी हो रही है। शिनबौम ने कहा कि घटनास्थल से एक मोटरचालक को सुरक्षित बाहर निकाला गया है, जो सड़क के किनारे नीचे फंसा हुआ था।

बिल और मेलिंडा गेट्स ने तलाक की घोषणा की

सिएटल (अमेरिका)। माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक और उनकी पत्नी ने तलाक लेने का फैसला किया है, लेकिन दोनों ने कहा है कि वे दुनिया की सबसे बड़ी निजी परमार्थ संस्था बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन मे साथ काम करते रहेंगे।उन्होने ट्वीट कर बताया कि दोनों ने अपनी 27 साल की शादी को तोड़ने का फैसला किया है। उन्होने एक बयान मे कहा, हमने तीन प्यारे बच्चो की परवरिश की और एक संस्था बनाई जो दुनिया भर मे लोगो को स्वस्थ एवं बेहतर जीवन जीने मे सक्षम बनाने के लिए काम करती है।

किशोरों के लिए फाइजर के टीके को मंजूरी देने की संभावना

वाशिंगटन। अमेरिका के खाद्य एवं दवा प्रशासन (एफडीए) द्वारा 12 साल और उससे अधिक उम्र के बच्चो के लिए फाइजर के कोविड-19 टीके को अगले सप्ताह मंजूरी दिए जाने की संभावना है। एक संघीय अधिकारी और इस प्रक्रिया से अवगत तथा अगले स्कूली वर्ष के शुरू होने से पहले कई खुराकों की व्यवस्था करने वाले व्यक्ति ने इस बारे में बताया। कंपनी का टीका 16 साल या उससे अधिक उम्र के लोगो के लिए पहले ही मंजूर किया जा चुका है। हालांकि कंपनी ने पाया कि उसका टीका छोटे बच्चो पर भी कारगर है, जिसके महज एक महीने बाद यह घोषणा हुई है।

पूर्वी बुर्किना फासो में बंदूकधारियों के हमले में कई लोगों की मौत

काया (बुर्किना फासो)। पूर्वी बुर्किना फासो मे सोमवार को बंदूकधारियों ने कम से कम 30 लोगो की हत्या कर दी। अधिकारियो ने इस बारे मे बताया।हमले के बाद घटनास्थल से बचकर निकले सरकारी अधिकारी लाबिदी ओउबा ने बताया कि नाइजर की सीमा के पास कोमांदजारी प्रांत के कोडएल गांव मे यह हमला हुआ। जिहादियों ने गांव को घेर लिया और मकानों मे आग लगा दी।

बिल और मेलिंडा गेट्स ने तलाक की घोषणा की

न्यूयॉर्क। अरबपति समाजसेवी बिल और मेलिंडा गेट्स ने तलाक की घोषणा करते हुए अपनी 27 साल की शादी को तोड़ने का फैसला किया है। उन्होंने कहा कि हमारा अब यही मानना है कि अब हम एक दंपति के रूप में साथ नहीं रह सकते है लेकिन अपनी संस्था में हम साथ काम करते रहेंगे।

ट्विटर पर एक संयुक्त बयान में दोनों ने कहा, काफी सोच विचार करने और अपने संबंधों पर काम करने के बाद हमने अपनी शादी को खत्म करने का फैसला किया है।

उन्होंने कहा कि पिछले 27 साल से अधिक समय से वे एक संस्था चला रहे हैं जो जो दुनिया भर में लोगों को स्वस्थ एवं बेहतर जीवन जीने में सक्षम बनाने के लिए काम करती है।

बयान के अनुसार, हमारा यही मानना है कि इस मिशन में और संस्था में हम साथ काम करते रहेंगे। लेकिन जीवन के अगले पड़ाव में दंपति के रूप में हम साथ नहीं रह सकते हैं।

ए दोनों दुनिया की सबसे अमीर शख्सियतों में से एक हैं। उन्होंने कहा, हम जीवन के एक नए दौर में प्रवेश कर रहे हैं, ऐसे में हम अपने परिवार के लिए निजता चाहते हैं।

सिएटल स्थित संस्था बिल एंड मेलिंडा गेट्स फाउंडेशन की कुल संपत्ति 2019 में 43.3 अरब डॉलर थी।

माइक्रोसॉफ्ट के सह-संस्थापक बिल (65) और मेलिंडा (56) की मुलाकात कंपनी में ही हुई थी। मेलिंडा 1987 में माइक्रोसॉफ्ट में एक प्रोडक्ट मैनेजर के तौर पर काम करती थीं तभी दोनों की मुलाकात हुई थी। कुछ साल तक प्रेम संबंधों में रहने के बाद दोनों ने 1994 में हवाई में विवाह कर लिया था। दंपति के तीन बच्चे हैं।

संस्था ने एक बयान में कहा कि दोनों इसके सह-अध्यक्ष और न्यासी बने रहेंगे और संगठन में बदलाव की कोई संभावना नहीं है।

बयान के अनुसार, संस्था की रणनीति को आकार देने तथा उसकी स्वीकृति के लिए, संस्था के मुद्दों की हिमायत करने और संस्था के संपूर्ण मार्गदर्शन के लिए दोनों साथ काम करते रहेंगे।

बिल गेट्स पूर्व में दुनिया के सबसे अमीर शख्स रह चुके हैं और उनकी संपत्ति 100 अरब डॉलर से भी अधिक होने का अनुमान है।

उन्होंने एक बयान में कहा, हमने तीन प्यारे बच्चों की परवरिश की और एक संस्था बनाई जो दुनिया भर में लोगों को स्वस्थ एवं बेहतर जीवन जीने में सक्षम बनाने के लिए काम करती है। मेलिंडा गेट्स ने 2019 में प्रकाशित अपने संस्मरण द मोमेंट ऑफ लिफ्ट में अपने बचपन और जीवन से जुड़े संघर्षों के बारे में बताया है। उन्होंने एक जानी-मानी शख्सियत की पत्नी होने तथा घर पर तीन बच्चों की परवरिश करने जैसे निजी संघर्षों का भी जिक्र किया है। पिछले साल बिल गेट्स ने कहा था कि परमार्थ कार्यों में ध्यान देने के लिए वह माइक्रोसॉफ्ट के बोर्ड से हट रहे हैं।

पिया वाजपेयी के भाई का निधन, वेंटिलेटर के लिए सोशल मीडिया पर लगाई थी गुहार

मुंबई। अभिनेत्री पिया वाजपेयी ने मंगलवार को कहा कि उनके भाई की मौत हो गई है। इससे कुछ देर पहले उन्होंने उत्तर प्रदेश में अपने भाई को वेंटिलेटर से लैस बिस्तर पर भर्ती कराने के लिए सोशल मीडिया पर गुहार लगाई थी।

मुख्य रूप से तमिल और तेलुगु सिनेमा में काम करने वाली बाजपाई ने ट्विटर पर एक जीवन रक्षक संदेश (एसओएस) पोस्ट किया था और कहा था कि उन्हें फौरन वेंटिलेटर से लैस बिस्तर की जरूरत है, क्योंकि उनका भाई मर रहा है। हालांकि उन्होंने यह स्पष्ट नहीं किया था कि उनका भाई कोविड-19 से संक्रमित है या नहीं।

27 वर्षीय अभिनेत्री ने लिखा, मुझे उत्तर प्रदेश के फरूखाबाद जिले के कयामगंज ब्लॉक में मदद की तत्काल जरूरत है। वेंटिलेटर से लैस एक बिस्तर चाहिए। मेरा भाई मर रहा है। कोई जानकारी हो तो मदद करें। अगर आप किसी को जानते हैं तो कृपया संपर्क करें... हम पहले से ही मुश्किल में हैं। करीब दो घंटे बाद, उन्होंने ट्वीट किया, मेरे भाई का निधन हो गया है। अभिनेत्री विनीत कुमार सिंह, दानिश हुसैन, फिल्मकार ओनिर और निर्माता गुनीत मोंगा समेत अन्य ने बाजपाई के प्रति संवेदनाएं व्यक्त कीं। कई दिनों से कोविड-19 के सबसे ज्यादा मामलों वाले 10 राज्यों में उत्तर प्रदेश भी शामिल है। एक सरकारी बयान के मुताबिक, प्रदेश में सोमवार को कोरोना वायरस के 29,912 मामले आए थे जिसके बाद कुल मामले 13.42 लाख के पार चले गए हैं। 288 और लोगों की मौत के बाद मृतक संख्या 13,447 पहुंच गई है।

ट्विटर ने कंगना का अकाउंट स्थाई रूप से बंद किया

मुंबई। ट्विटर ने नफरती आचरण एवं अपमानजनक व्यवहार नीति का उल्लंघन करने पर अभिनेत्री कंगना रनौत का अकाउंट स्थाई रूप से बंद कर दिया। ट्विटर ने मंगलवार को एक बयान में यह जानकारी दी।

34 वर्षीय अभिनेत्री के अकांउट एट कंगना टीम पर अब अकाउंट सस्पेंडेड (अकाउंट निलंबित) का संदेश लिखा आ रहा है।

रनौत कथित तौर पर भड़काऊ ट्वीट करने के लिए जानी जाती रही हैं। उन्होंने पश्चिम बंगाल में भाजपा पर ममता बनर्जी नीत तृणमूल कांग्रेस की जीत और चुनाव बाद हिंसा को लेकर कई पोस्ट किए थे। राज्य में राष्ट्रपति शासन की मांग करते हुए अभिनेत्री ने हिंसा के लिए बनर्जी को कसूरवार ठहराया था और उन्हें ऐसे नामों से संबोधित किया था जिनको प्रकाशित नहीं जा सकता है।

ट्विटर ने एक बयान में कहा, हम स्पष्ट रहे हैं कि हम उस व्यवहार पर कड़ी प्रवर्तन कार्वाई करेंगे जिनसे ऑफलाइन नुकसान पहुंचने की आशंका है। प्रवक्ता ने बताया, संदर्भित अकाउंट को ट्विटर के नियमों, खासकर, हमारे नफरती आचरण नीति और अपमानजनक नीति का बार-बार उल्लंघन करने के लिए स्थाई रूप से बंद कर दिया गया है।

उन्होंने कहा, हम सब पर विवेकपूर्ण तरीके से और निष्पक्ष रूप से ट्विटर नियमों को लागू करते हैं।

ट्विटर की अपमानजक नीति के मुताबिक, व्यक्ति किसी को निशाना बनाकर प्रताड़ित नहीं करे या प्रताड़ित करने, धमकाने या इसकी कोशिश करने के लिए अन्य को भड़काए नहीं या अन्य की आवाज़ को खामोश नहीं कराए। ट्विटर ने नीति के हवाला देते हुए बताया कि जब अकाउंट को स्थाई रूप से बंद किया जाता है तो अकाउंट धारक को बताया जाता है कि उन्होंने किन नियमों का उल्लंघन किया है।

सोमवार को लेखक-गीतकार हुसैन हैदरी ने अभिनेत्री के दो ट्वीटों को साझा करके लोगों से अकाउंट की रिपोर्ट करने को कहा था।

आज ही के दिन संगीतकार नौशाद ने दुनिया को कहा था अलविदा

भाषा। नई दिल्ली

पांच मई साल के पांचवें महीने का पांचवां दिन है और इतिहास के पन्नों में इस तारीख के नाम कई महत्वपूर्ण घटनाएं दर्ज हैं, जिनमें नेपोलियन और नौशाद अली का दुनिया को अलविदा कहना शामिल है। इस दिन दुनिया में कदम रखने वाले प्रमुख लोगों की बात करें तो जर्मन अर्थशास्त्री और महान विचारक कार्ल मार्क्स का जन्म पांच मई को ही हुआ था और सिख गुरु अमरदास जी का जन्म भी इसी दिन हुआ था। वह सिखों के तीसरे गुरु थे।देश दुनिया के इतिहास में पांच मई की तारीख पर दर्ज कुछ अन्य महत्वपूर्ण घटनाओं का सिलसिलेवार ब्यौरा इस प्रकार है। 1479 में सिखों के तीसरे गुरू अमरदास जी का जन्म।1818 में महान विचारक, इतिहासकार और जाने माने जर्मन अर्थशास्त्री कार्ल मार्क्स का जन्म। 1821 में चर्च के वर्चस्व को ढहाने

और यूरोप को विज्ञान और बहुसंस्कृति की ओर मोड़ने वाले नेपोलियन का निधन। 1916 में भारत के पूर्व राष्ट्रपति ज्ञानी जैल सिंह का जन्म। 1961 में अमेरिका के पहले अंतरिक्ष यात्री कमांडर ऐलन शेपर्ड अपने अंतरिक्ष यान से अटलांटिक महासागर में उतरे। उन्हें एक हेलीकाप्टर ने पानी से बाहर निकाला और शेपर्ड ने अपनी इस यात्रा को शानदार सैर करार दिया। 1980 में लंदन में स्थित ईरानी दूतावास को कुछ हमलावरों के कब्जे से आज़ाद कराया गया। ब्रिटिश एसएएस कमांडो ने पांच हमलावर ईरानी बंदूकधारियों को मार डाला और एक को हिरासत में लेकर इस नाटक का अंत किया।

1984 में फू दोरजी आक्सीजन के बिना माउंट एवरेस्ट को फतह करने वाले पहले भारतीय बने।1988 में महान क्रांतिकारी त्रिलोकीनाथ चक्रवर्ती का जन्म। 2005 में ब्रिटेन में लेबर पार्टी के नेता टोनी ब्लेयर ने तीसरी बार प्रधानमंत्री का पद संभाला। 2006 में संगीत के जादूगर कहे जाने वाले संगीत निर्देशक नौशाद अली ने दुनिया को अलविदा कहा। 2009 में पाकिस्तान की स्वात घाटी को तालिबान उग्रवादियों के कब्जे से मुक्त कराने के लिए प्रस्तावित सैन्य कार्वाई को देखते हुए इलाके के हजारों लोगों को सुरक्षित स्थानों पर ले जाया गया।

2010 में आंध्र प्रदेश के श्री हरिकोटा अंतरिक्ष केंद्र से इसरो द्वारा विकसित नई पीढ़ी के उच्च क्षमता वाले साउंडिंग रॉकेट को परीक्षण उड़ान पर भेजा गया।। इसे देसी रॉकेटों में अब तक का सबसे भारी रॉकेट बताया गया, जिसमें एयर ब्रीथिंग तकनीक वाले स्क्रैमजेट इंजन मॉड्यूल का इस्तेमाल किया गया।2010 में सर्वोच्च न्यायालय ने संदिग्ध अपराधियों पर किए जाने वाले नारको एनालिसिस, ब्रेन मैपिंग अथवा पोलीग्राफ टेस्ट जैसी जांच को अस्वीकार कर दिया और इसे निजी स्वतंत्रता के मौलिक अधिकार का उल्लंघन बताया। 2017 में इसरो ने दक्षिण एशिया उपग्रह को सफलतापूर्वक अंतरिक्ष में प्रक्षेपित किया।

जलवायु परिवर्तन पर हालिया संकल्प से लक्ष्य के करीब पहुंचने में मिल सकती है मदद : वैज्ञानिक

एपी। बर्लिन

वैज्ञानिकों ने कहा है कि अमेरिका और दूसरे देशों के हालिया संकल्प से इस सदी के अंत तक वैश्विक तापमान को दो डिग्री सेल्सियस वृद्धि तक रोकने में मदद मिल सकती है। हालांकि, यह लक्ष्य तभी पूरा होगा जब 2050 तक ग्रीन हाउस गैसों का उत्सर्जन शून्य हो।

छह साल पहले 190 से ज्यादा देश अगली सदी तक औसत तापमान में वृद्धि को 1.5 डिग्री सेल्सियस तक सीमित रखने में सहमत हुए थे।

अध्ययनकर्ताओं के समूह क्लाइमेट एक्शन ट्रैकर ने देशों द्वारा जताए गए संकल्प के आधार पर कहा है कि मौजूदा उत्सर्जन के हिसाब से 0.9 डिग्री सेल्सियस तक की कटौती हो पाएगी। न्यू क्लाइमेट इंस्टीट्यूट के वैज्ञानिक निकलस होहने ने कहा कि अगर 131 देश ग्रीन हाउस उत्सर्जन को शून्य स्तर पर लाने में कामयाब रहे तो दो डिग्री सेल्सियस के लक्ष्य को पाया जा सकता है।

निकलस ने कहा कि अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडन तथा यूरोपीय संघ, चीन, जापान और ब्रिटेन के जलवायु परिवर्तन को लेकर हालिया महत्वाकांक्षी लक्ष्य से तापमान में कटौती अनुमान को संशोधित किया गया है। उन्होंने कहा कि कटौती का लक्ष्य अब भी कम है और आगे बढ़ने के लिए इसमें और संशोधन की जरूरत है। जर्मनी जलवायु परिवर्तन पर अंतरराष्ट्रीय प्रयासों को लेकर चर्चा के लिए इस सप्ताह डिजिटल तरीके से 40 देशों की बैठक आयोजित कर रहा है।

पद्मश्री सम्मानित वैज्ञानिक डॉ. मानस बिहारी वर्मा का निधन

भाषा। दरभंगा-पटना

पद्मश्री सम्मान से सम्मानित वैज्ञानिक डॉ. मानस बिहारी वर्मा का बिहार के दरभंगा शहर के लहेरियासराय मुहल्ला स्थित उनके आवास पर मंगलवार को निधन हो गया। वर्मा के भांजे और वरिष्ठ पत्रकार प्रणव कुमार चौधरी ने बताया कि कल देर रात दिल का दौरा पड़ने के कारण उनके मामा का देहांत दरभंगा स्थित उनके आवास पर हो गया। उन्होंने बताया कि वह 78 साल के थे।

दरभंगा जिले के घनश्यामपुर प्रखंड के बाउर गांव में जन्में वर्मा वर्ष 2005 में डीआरडीओ से सेवानिवृत्त होने के बाद अपने पैतृक जिले में रह रहे थे। राज्यपाल फागू चौहान ने रक्षा वैज्ञानिक पद्मश्री वर्मा के निधन पर गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है।

उन्होंने कहा कि देश के पहले सुपरसोनिक लड़ाकू विमान तेजस के निर्माण में उनकी अहम भूमिका थी। वह पूर्व राष्ट्रपति डॉ एपीजे अब्दुल कलाम के सहयोगी भी रहे थे। उन्होंने कहा कि डीआरडीओ से सेवानिवृति के बाद वह समाज सेवा से जुड़े रहे। उनका निधन अत्यंत दुखद है। राज्यपाल ने दिवंगत आत्मा की चिर शांति एवं परिजनों को धैर्य, साहस एवं संबल प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने भी वर्मा के निधन पर गहरी शोक जताया है। उन्होंने कहा कि भारतीय वायुसेना को अधिक मारक बनाने में डॉ वर्मा का योगदान अविस्मरणीय है। उन्होंने कहा कि निधन से वैज्ञानिक एवं सामाजिक क्षेत्रों में अपूरणीय क्षति हुई है। उन्होंने दिवंगत आत्मा की चिर शान्ति तथा उनके परिजनों को दु:ख की इस घड़ी में धैर्य धारण करने की शक्ति प्रदान करने की ईश्वर से प्रार्थना की है।

दस करोड़ साल पहले के सॉरोपॉड डायनासोर की हड्डियां मिलीं

भाषा। नई दिल्ली

मेघालय के पश्चिम खासी हिल्स जिले के पास एक इलाके से करीब 10 करोड़ साल पहले के सॉरोपॉड डायनासोर की हड्डियों के जीवाश्म मिले हैं। अनुसंधानकर्ताओं के इस निष्कर्ष को अभी प्रकाशित नहीं किया गया है। भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण (जीएसआई) के पूर्वोत्तर स्थित जीवाश्म विज्ञान प्रभाग के अनुसंधानकर्ताओं ने स्थल के अपने हालिया दौरे के बाद यह निष्कर्ष निकाला। जीएसआई अनुसंधानकर्ताओं ने गौर किया कि यह पहली बार है,जब क्षेत्र में पाए गए संभवत: टाइटेनोसॉरियाई मूल के सॉयरोपॉड के अवशेष मिले हैं। सॉरोपॉड की लंबी गर्दन, लंबी पूंछ, शरीर के बाकी हिस्से की तुलना में छोटा सिर, चार मोटी एवं खंभे जैसी टांग होती हैं। उन्होंने कहा कि गुजरात, मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र और तमिलनाडु के बाद मेघालय भारत का पांचवां राज्य और पहला पूर्वोत्तर राज्य है जहां टाइटैनोसॉरियन मूल के सॉरोपोड की हड्डियां मिली हैं।

जीएसआई में जीवाश्म विज्ञान प्रभाग के वरिष्ठ भूवैज्ञानिक अरिंदम राय ने कहा कि मेघालय में जीएसआई को 2001 में भी डायनासोर की हड्डियां मिली थीं, लेकिन उनकी स्थिति इतनी खराब थी कि उनकी वर्गीकरण संबंधी पहचान संभव नहीं थी। उन्होंने बताया कि इस बार जिन हड्डियों की पहचान की गई है, वे 2019-2020 और 2020-21 में मिली थीं, जो अनुमानत: करीब 10 करोड़ साल पुरानी हैं।

यशराज फिल्मस ने 30,000 सिने कर्मियों के टीकाकरण में मदद करने की पेशकश की

भाषा। मुंबई

कोविड-19 के बढ़ते मामलों के बीच सिने कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए देश के प्रमुख प्रोडक्शन हाउस यशराज फिल्म्स ने फेडरेशन ऑफ वेस्टर्न इंडिया सिने एम्पलॉइज़ (एफडब्ल्यूआईसीई) के 30,000 सदस्यों के टीकाकरण की जिम्मेदारी लेने की घोषणा की है।

एफडब्ल्यूआईसीई को लिखे पत्र में यशराज फिल्म्स (वाईआरएफ) ने कहा कि उन्होंने महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री उद्धव ठाकरे से आग्रह किया है कि फेडरेशन के इन पंजीकृत सदस्यों के टीकाकरण के लिए उन्हें कोविड-19 रोधी टीका खरीदने की इजाजत दी जाए।

एफडब्ल्यूआईसीई में कुल 2.5 लाख पंजीकृत कर्मी हैं।

yash raj films

वाईआरएफ के वरिष्ठ उपाध्यक्ष अक्षय विधानी ने एक मई को लिखे पत्र में कहा है कि प्रोडक्शन हाउस ने द यश चोपड़ा फाउंडेशन के जरिए दिहाड़ी कर्मियों की मदद की पेशकश की है।

पत्र में कहा गया है कि सिने जगत एक अप्रत्याशित समय से गुजर रहा है और गतिविधियों को जल्द से जल्द फिर से शुरू करने की तत्काल जरूरत है ताकि हजारों कर्मी अपनी जीविका कमाना शुरू करें और परिवारों की जरूरतों को पूरा कर सकें।

पत्र में कहा गया है, द यश चोपड़ा फाउंडेशन कर्मियों के टीकाकरण से संबंधित सभी खर्चे भी उठाएगी जैसे जागरुकता फैलाना, कर्मियों को लाना-ले जाना, टीकाकरण कार्यक्रम के लिए बुनियादी ढांचा बनाना।

एफडब्ल्यूआईसी के अध्यक्ष बी तिवारी ने पीटीआई-भाषा से कहा कि फिल्म संगठन प्रोडक्शन हाउस का आभारी है कि उसने कर्मियों की सुरक्षा के बारे में सोचा।

वाईआरएफ के पत्र के संदर्भ में एफडब्ल्यूआईसी ने ठाकरे को चिट्ठी लिखकर फिल्म जगत के कलाकारों, कर्मियों और तकनीशियनों के लिए टीका उपलब्ध कराने का आग्रह किया है।